पर्यटन
Tourism

सहायक पुस्तिका कक्षा 11 2025-26

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली - 110024

पर्यटन

(TOURISM)

Class XI (2025-26)

SCERT DELHI

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

State Council of Educational Research & Training, Delhi

Varun Marg, Defence Colony, New Delhi - 110024

ISBN: 978-93-6291-671-6
© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली
अप्रैल, 2025

मुख्य सलाहकार
डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
डॉ. नाहर सिंह, संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

सलाहकार
श्रीमती बिमला कुमारी, डी.डी.ई, वोकेशनल शिक्षा, दिल्ली
श्री राकेश बल, ओ.एस.डी,वोकेशनल ब्रांच, दिल्ली
श्री संजीव कुमार गौड़, ओ.एस.डी,वोकेशनल ब्रांच, दिल्ली

नोडल अधिकारी
श्रीमती रमन अरोड़ा,सहायक प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् , दिल्ली
डॉ. अप्सरा अंसारी, सहायक प्रोफेसर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् , दिल्ली

विषय समन्वयक
डॉ. राजेश सोलंकी, सहायक प्रोफेसर, मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, घुम्मनहेड़ा, दिल्ली

लेखक एवं समीक्षक समूह
डॉ. राजेश सोलंकी, सहायक प्रोफेसर, मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, घुम्मनहेड़ा, दिल्ली
श्री नमन दुआ, पूर्व व्यावसायिक प्रशिक्षक, नोयडा
श्रीमती मनीषा गौतम, पूर्व -व्यावसायिक समन्वयक खानपुर, साकेत, नई दिल्ली
श्री अमित कुमार, पूर्व व्यावसायिक प्रशिक्षक, नजफगढ़, दिल्ली
डॉ. अदिति चौधरी, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, प्लेसमेंट और इंटर्नशिप, आई.आई.टी.टी.एम., नोएडा
डॉ. अंकिता देवनाथ, सहायक प्रोफेसर, आई. आई. टी. टी. एम., नोएडा
श्रीमती सुखदीप कौर, पूर्व व्यावसायिक प्रशिक्षक द्वारका, दिल्ली
श्री ईशान सरीन, ट्रेनर, ब्रिटिश एयरवेज, गुरुग्राम
डॉ. सीमा डबास, प्रिंसीपल, शिक्षा निदेशालय, सरकारी को-एड, एस. वी., सेक्टर 13, द्वारका, दिल्ली
सुश्री बबीता, पी. जी. टी (हिंदी), एस. के. वी टिकरी खुर्द, दिल्ली
सुश्री प्रवीण रानी, टी.जी.टी. कम्प्युटर विज्ञान, शासकीय एस.के .वी. निलोठी, दिल्ली

प्रकाशन अधिकारी
डॉ. मुकेश यादव, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

प्रकाशन दल
श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
सुश्री फ़ौजिया, (बी.आर.पी.), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

प्रकाशित : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
मुद्रित : राज प्रिंटर्स, ए-9, सेक्टर बी-2, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाज़ियाबाद (यू.पी.)

SCERT DELHI

Dr. Rita Sharma
Director SCERT

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

Date : 29/5/2025

D.O. No. : F-10(1)/DPB/AHConv/37

संदेश

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" के अंतर्गत स्कूली शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर विशेष बल दिया गया है, जिससे विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही जीवनोपयोगी और रोजगारोन्मुख कौशलों से जोड़ा जा सके। यह नीति ज्ञान और कौशल के समन्वय से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT), दिल्ली द्वारा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न व्यावसायिक विषयों जैसे कि **ऑटोमोटिव, सौंदर्य एवं कल्याण, इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर, रोज़गार कौशल, वित्तीय बाज़ार प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, खाद्य उत्पाद, स्वास्थ्य देखभाल, विपणन, शारीरिक गतिविधि प्रशिक्षक, रिटेल/खुदरा तथा पर्यटन** के लिए सहायक सामग्री का निर्माण किया गया है।

इन विषयों की सहायक सामग्री इस प्रकार तैयार की गई है कि वह विद्यार्थियों को विषय की मूल अवधारणाओं को समझने, व्यावहारिक रूप से लागू करने और 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करने में सहायता करे। इसमें शिक्षकों के लिए उपयोगी शिक्षण विधियाँ, गतिविधियाँ, मूल्यांकन सुझाव और केस स्टडी जैसे घटकों को शामिल किया गया है, जो शिक्षण को अधिक प्रभावशाली और रोचक बनाते हैं।

आशा है कि यह सहायक सामग्री शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

रीता शर्मा

(डॉ. रीता शर्मा)
निदेशक

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

Dr. Nahar Singh
Joint Director (Academic)

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax : +91-11-24332426
Tel.: +91-11-24331355, Fax : +91-11-24332426
E-mail : jdscertdelhi@gmail.com

Date : 26/05/2025

D.O. No. : F.11(2)JDB/Acad/Misc/SCERT/2025-26/404

संदेश

व्यावसायिक शिक्षा वर्तमान युग की एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है, जो विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान देती है, बल्कि उन्हें व्यावहारिक कौशल और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी अग्रसर करती है। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** इसी सोच को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है, जो शिक्षा को समग्रता प्रदान करती है।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली द्वारा व्यावसायिक विषयों के लिए तैयार की गई यह **सहायक सामग्री** शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए उपयोगी संसाधन है। इसमें पाठ्यवस्तु को सरल और रोचक तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को विषयों की गहरी समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी। यह सामग्री न केवल सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाएगी, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास और कौशल विकसित करने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

यह सामग्री विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए एक दिशा-निर्देशक की तरह कार्य करेगी, जिससे वे विषय को वास्तविक जीवन से जुड़ा हुआ एवं अनुभव आधारित बना सके।

(डॉ. नाहर सिंह)
संयुक्त निदेशक

पृष्ठभूमि

प्रिय विद्यार्थियों,

हमें अत्यंत प्रसन्नता है कि आप "पर्यटन" नामक पुस्तक के माध्यम से पर्यटन के रोमांचक और विविधता पूर्ण क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। यह पुस्तक कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के लिए "विषय कोड 806" के अंतर्गत विशेष रूप से तैयार की गई है जिसका उद्देश्य आपको पर्यटन उद्योग के गहन और व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना है।

यह सहायक सामग्री आपकी टेक्स्ट बुक "पर्यटन" के संदर्भ में बनाई गई है जो CBSE द्वारा डिज़ाइन की गई है। इस सामग्री का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की बेहतर समझ और अध्ययन में सहायता प्रदान करना है। इसके माध्यम से आप पर्यटन के विभिन्न पहलुओं की व्यापक जानकारी प्राप्त करेंगे, जो आपके अकादमिक और व्यावसायिक विकास में सहायक होगी।

इस पुस्तक में आप सबसे पहले "पर्यटन का परिचय" प्राप्त करेंगे जिससे यह स्पष्ट होगा कि पर्यटन का अर्थ क्या है और यह किस प्रकार से हमारे समाज और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसके बाद "पर्यटनः एक ऐतिहासिक विवरण" में पर्यटन के विकास और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का अध्ययन किया जाएगा, जिससे यह समझ आएगा कि समय के साथ इस उद्योग ने किस प्रकार विस्तार किया है। "पर्यटन की अवधारणाएँ" अध्याय में आप पर्यटन के विभिन्न सिद्धांतों और अवधारणाओं को समझेंगे जो इस उद्योग के संचालन के लिए आधारभूत हैं। इसके बाद "पर्यटन घटक-I" और "पर्यटन घटक-II" के माध्यम से आकर्षण, पहुंच, सुविधाएं, और आवास जैसे महत्वपूर्ण तत्वों का गहन अध्ययन करेंगे जो पर्यटन स्थल की सफलता में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

"भूगोल और पर्यटन उद्योग के बीच अंतर संबंध" तथा "इतिहास और पर्यटन उद्योग के बीच अंतर संबंध" अध्यायों में आपको यह जानने को मिलेगा कि भूगोल और इतिहास पर्यटन उद्योग को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। इन अध्यायों से आपको यह समझने में सहायता मिलेगी कि प्राकृतिक और ऐतिहासिक कारक कैसे किसी पर्यटन गंतव्य के विकास में योगदान देते हैं। अंतिम अध्याय "पर्यटन संगठन और रुझान" में उद्योग में सक्रिय संगठनों और वर्तमान रुझानों की चर्चा की गई है जो आपको पर्यटन उद्योग के भविष्य की दिशा में जानकारी प्रदान करेंगे।

इस पुस्तक का उद्देश्य आपको न केवल पर्यटन के सैद्धांतिक पहलुओं से अवगत कराना है बल्कि आपको इस क्षेत्र में व्यावहारिक कौशल और ज्ञान प्रदान करना भी है ताकि आप भविष्य में इस क्षेत्र में एक सफल करियर/आजीविका का निर्माण कर सकें। हमें विश्वास है कि यह पुस्तक आपके लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन संसाधन सिद्ध होगी और पर्यटन उद्योग के बारे में आपके ज्ञान को समृद्ध करेगी।

आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ,

डॉ. राजेश सोलंकी,
सहायक प्रोफेसर

SCERT DELHI

विषय-सूची

अनुक्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	इकाई 1 - पर्यटन का परिचय	01
2	इकाई 2 - पर्यटनः एक ऐतिहासिक विवरण	22
3	इकाई 3 - पर्यटन की अवधारणा	42
4	इकाई 4 - पर्यटन घटक-I	75
5	इकाई 5 - पर्यटन घटक-II	96
6	इकाई 6 - भूगोल और पर्यटन उद्योग के बीच अंतर्संबंध	120
7	इकाई 7 - इतिहास और पर्यटन उद्योग के बीच अंतर्संबंध	144
8	इकाई 8 - पर्यटन संगठन और प्रवृत्तियाँ	163
नमूना प्रश्न पत्र (Sample Question Papers)		187
1	नमूना प्रश्न पत्र – 1 (Sample Question Paper – 1)	188
2	नमूना प्रश्न पत्र – 2 (Sample Question Paper – 2)	201
3	नमूना प्रश्न पत्र – 3 (Sample Question Paper – 3)	213
4	नमूना प्रश्न पत्र – 4 (Sample Question Paper – 4)	231

SCERT DELHI

पर्यटन का परिचय

इकाई 1

1.1 परिचय (Introduction)

पर्यटन को आमतौर पर "मनोरंजन के लिए अलग-अलग स्थानों की यात्रा करने की गतिविधि" कहा जाता है। पर्यटन की मूल अवधारणा लोगों की अपने निवास स्थान यानी घर के बाहर यात्रा करने पर आधारित है। अथात् पर्यटन को लोगों द्वारा अपने शहर, राज्य, देश या अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार आवाजाही के रूप में माना जा सकता है।

आप सभी ने कभी न कभी किसी न किसी पर्यटन गतिविधि में हिस्सा लिया है चाहे वह पास के शहर में रहने वाले हमारे दादा-दादी से मिलने जाना हो या अपने ही शहर में स्मारकों को देखने की एक दिन की यात्रा हो या फिर छुट्टी मनाने के लिए किसी विदेशी देश की यात्रा हो। इन पर्यटन गतिविधियों के दौरान आपने देखा होगा कि कई लोग सेवाएं प्रदान करने में शामिल होते हैं जैसे यात्रा एजेंट, गाइड, परिवहनकर्ता, परिचारक, स्मृति चिह्न बेचने वाले आदि। ये सभी पर्यटन को आनंदमय बनाते हैं।

उन सभी क्षेत्रों को दर्शाता है जो पर्यटन उद्योग से जुड़े हैं और कैसे वे सभी मिलकर दुनिया के सबसे बड़े नियोक्ता यानी पर्यटन उद्योग का निर्माण करते हैं।

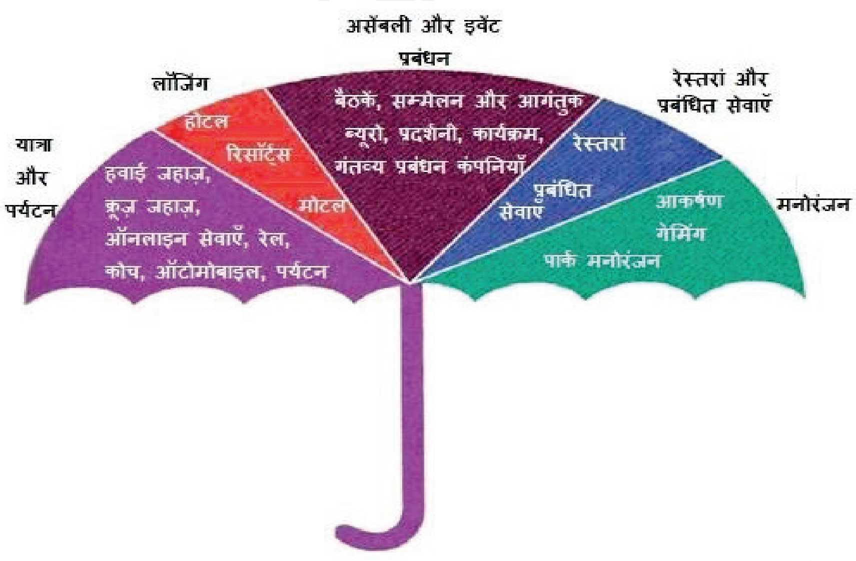

पर्यटन का दायरा

स्रोत : आतिथ्य और पर्यटन का दायरा (वॉकर, 2010)

आधुनिक दुनिया में पर्यटन उद्योग लगातार बदल रहा है और साथ ही विकसित भी हो रहा है। मुख्य रूप से यह विमानन, आवास, भूमि परिवहन, जल परिवहन, दूरसंचार, आकर्षण प्रबंधन, यात्रा सुविधा प्रदाता, आगंतुकों के लिए डिज़ाइन किए गए हस्तशिल्प और स्मृति चिह्नों के निर्माता और संबंधित दुकानों जैसे सात से अधिक अन्य उद्योगों से जुड़ा हुआ है। इतने सारे उद्योगों के आपसी संबंध ने वास्तव में पर्यटन के अध्ययन को बहुत रोचक बना दिया है। इस वैश्विक घटना को बेहतर समझने के लिए आइए पर्यटन को परिभाषित करके शुरू करते हैं ।

1.2 पर्यटन की परिभाषा (Definition of Tourism)

पर्यटन शब्द की उत्पत्ति शोध का विषय है । शोधकर्ता थियोबाल्ड (Theobald) के अनुसार, "टूर" (tour) शब्द लैटिन शब्द TORNARE/TORNUS और ग्रीक शब्द TORNOS से व्युत्पन्न (derivate) हुआ है जिसका आधुनिक अंग्रेजी में अर्थ "one's turn" अर्थात् "किसी की बारी का प्रतिनिधित्व करना" है। वही प्रत्यय '-ism' को एक क्रिया या प्रक्रिया, विशिष्ट गुण या व्यवहार के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह प्रत्यय किसी दी गई क्रिया को करने वाले को दर्शाता है। जब शब्द 'tour' और प्रत्यय '-ism' तथा 'ist' को जोड़ा जाता है तो यह एक वृत्त के चारों ओर गति की क्रिया का सुझाव देता है। इसके आधार पर यह तर्क दिया जा सकता है कि वृत्त एक प्रारंभिक बिंदु का प्रतिनिधित्व करता है जो अंततः अपने प्रारंभिक स्थान पर वापस लौटता है इसलिए "जब एक व्यक्ति वृत्त की तरह एक 'tour' (पर्यटन यात्रा) एक राउंड ट्रिप (round trip) का प्रतिनिधित्व करता है यानी अपने मूल स्थान को छोड़ने और फिर उसी स्थान पर लौटने का कार्य करता है तब उसी व्यक्ति को 'टूरिस्ट' (Tourist) कहा जा सकता है।"

सैद्धांतिक रूप से स्विस प्रोफेसर हंज़ीकर और क्रैप्फ़ (Swiss Professors Hunziker and Krapf) द्वारा तैयार की गई परिभाषा और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन वैज्ञानिक विशेषज्ञ संघ (International Association of Scientific Experts in Tourism-WEST) के अनुसार पर्यटन को इस प्रकार परिभाषित किया गया है: "ऐसी घटनाओं और संबंधों का योग जो किसी व्यक्ति के किसी स्थान पर यात्रा करने और ठहरने से उत्पन्न होते हैं जहां वह स्थायी रूप से निवास नहीं करता तथा आय से संबंधित कोई गतिविधि नहीं करता"। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय आधिकारिक यात्रा संगठन संघ (International Union of Official Travel Organisation - IUOTO) ने इस अवधारणा को विस्तारित किया ताकि इसमें विभिन्न प्रकार की व्यापारिक और व्यावसायिक यात्रा शामिल हो सकें। आज तक यह वैश्विक स्तर पर पर्यटन की सबसे लोकप्रिय परिभाषा है।

पर्यटन की परिभाषा में जून 1991 में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UN-WTO) और टूरिज्म कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुछ और बदलाव किये गये। यह आयोजन सफल रहा क्योंकि सम्मेलन के प्रस्तावों से एक मुख्य निष्कर्ष सामने आया। 1993 में संयुक्त राष्ट्र ने रिपोर्टों और मुख्य निष्कर्ष को स्वीकार किया जिसमें पर्यटन को परिभाषित करने की सिफारिश की गई। UN – WTO ने

पर्यटन को इस प्रकार परिभाषित किया हैः

"किसी व्यक्ति की गतिविधियाँ जो अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर किसी स्थान पर एक निर्धारित अवधि (24 घंटे से अधिक तथा 1 वर्ष से कम समय) के लिए यात्रा करता है और जिसका मुख्य यात्रा उद्देश्य उस स्थान पर कोई पैसे या पारिश्रमिक कमाना (remunerate) नहीं होता है।"

UN-WTO द्वारा प्रस्तुत और संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्वीकृत परिभाषा पर्यटन व्यवसाय की प्रकृति से जुड़े तीन प्रमुख बिंदुओं को स्पष्ट रूप से पहचानती हैः

I. यह लोगों के उनके निवास स्थान से बाहर जाने के बारे में है।

II. परिभाषा में 'एक निर्धारित अवधि' शब्द को संशोधित (modified) कर 24 घंटे से अधिक और 1 वर्ष से कम समय (अंतरराष्ट्रीय और घरेलू यात्रा दोनों के लिए) किया गया है।

III. अंततः पर्यटन एक आर्थिक गतिविधि है।

1.3 पर्यटन के तत्व (Elements of tourism)

पर्यटन के तत्व वे बुनियादी आधार हैं जिनके बिना किसी भी प्रकार की पर्यटन गतिविधि संभव नहीं है। ये पर्यटन का आधार बनाते हैं और सभी पर्यटन गतिविधियाँ इनकी वजह से ही संभव होती हैं।

पर्यटन की अवधारणा एक घटना के रूप में लोगों की अपने देश के भीतर या राष्ट्रीय सीमाओं के पार एक निश्चित समय के लिए यात्रा को शामिल करती है। एस. वहाब (S. Wahab) ने नोट किया है कि पर्यटन घटना की संरचना से यह पता चलता है कि यह मुख्य रूप से तीन तत्वों से बनी होती हैः

1. **मानव :** पर्यटन क्रिया का सृजनकर्ता मानव है।

2. **स्थान :** यात्रा द्वारा आवश्यक रूप से कवर किया जाने वाला भौतिक तत्व स्थान है।

3. **समय :** यात्रा और गंतव्य पर ठहराव से बना हुआ अस्थायी तत्व है।

समय का तत्व, प्रस्थान और गंतव्य स्थानों के बीच की दूरी, यात्रा के साधनों और गंतव्य पर ठहराव की अवधि आदि के अनुसार बदलता है। ये तत्व पर्यटन घटना के अस्तित्व के लिए आवश्यक शर्तें हैं। इनके बिना कोई पर्यटन क्रिया संभव नहीं हो सकती।

1.4 पर्यटक की पहचान (Identification of Tourist)

पर्यटकों की पहचान करना और उनकी गतिविधियों का अध्ययन करना महत्वपूर्ण है। 1936 में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर यह प्रस्ताव रखा गया कि "विदेशी पर्यटक" वह व्यक्ति है जो अपने निवास स्थान के बाहर कम से कम

SCERT DELHI

24 घंटे के लिए यात्रा करता है। संयुक्त राष्ट्र (1945) ने इस परिभाषा को स्वीकार किया और अधिकतम अवधि को छह महीने तक सीमित कर दिया। पर्यटन संगठन (UN-WTO) ने यह भी परिभाषित किया कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक कौन होते हैं।

जैसा कि इस अध्याय में पहले बताया गया है पर्यटन एक आर्थिक और सामाजिक घटना है। किसी अन्य आर्थिक घटना की तरह यह समझना महत्वपूर्ण है कि इस गतिविधि से कौन-कौन से आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहे हैं। यह विश्लेषण तभी संभव है जब इस गतिविधि में भाग लेने वाले लोगों की पहचान की जा सके और उनके प्रभाव का अध्ययन किया जा सके। अतः इससे पर्यटकों और पर्यटन से जुड़ी गतिविधियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू हुई।

1936 में एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर लीग ऑफ नेशंस (League of Nations) की सांख्यिकी विशेषज्ञों की समिति ने पहली बार यह प्रस्ताव दिया कि विदेशी पर्यटक वह है जो कम से कम चौबीस घंटे के लिए उस देश में रहता है।

1945 में संयुक्त राष्ट्र जिसने लीग ऑफ नेशंस का स्थान लिया ने इस प्रस्तावित परिभाषा का समर्थन किया लेकिन इसमें "छह महीने से कम" रहने की अवधी जोड़ दी।

1991 में UN-WTO ने सिफारिश की कि एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटक को इस प्रकार परिभाषित किया जाए:

"एक ऐसा आगंतुक जो कम से कम एक रात के लिए अपने सामान्य निवास के देश से भिन्न किसी अन्य देश में यात्रा करता है लेकिन एक वर्ष से अधिक नहीं रुकता जिसका यात्रा का मुख्य उद्देश्य उस देश में कोई पारिश्रमिक वाली गतिविधि (पैसे कमाने की गतिविधि) करना नहीं है।"

यह परिभाषा कवर करती है:

(i) **पर्यटक:** यानी अस्थायी आगंतुक जो उस देश में कम से कम चौबीस घंटे लेकिन एक वर्ष से अधिक नहीं ठहरते और यात्रा का उद्देश्य निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक के अंतर्गत आ सकता है।

A. मनोरंजन (अवकाश, स्वास्थ्य, अध्ययन, धर्म और खेल)।

B. व्यापार, परिवार, मिशन, बैठक।

SCERT DELHI

(ii) **एक ही दिन के आगंतुक/भ्रमणकर्ता (Excursionist):** यानी अस्थायी आगंतुक जो उस देश में चौबीस घंटे से कम समय तक रुकते हैं (जिसमें यात्री या क्रूज यात्री शामिल हैं।)

सांख्यिकी में उन यात्रियों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए जो कानूनी रूप से देश में प्रवेश नहीं करते (जैसे कि हवाई यात्री जो हवाई अड्डे के ट्रांजिट क्षेत्र को नहीं छोड़ते)।

इसी प्रकार UN-WTO (1994) ने सिफारिश की कि एक घरेलू पर्यटक को इस प्रकार परिभाषित किया जाए:

"कोई भी व्यक्ति चाहे उसकी राष्ट्रीयता कोई भी हो जो किसी देश में निवास करता हो और उसी देश में किसी स्थान पर एक वर्ष से कम समय तक यात्रा करे और जिसका मुख्य यात्रा उद्देश्य उस स्थान पर आय अर्जित करने वाली कोई गतिविधि करना न हो।"

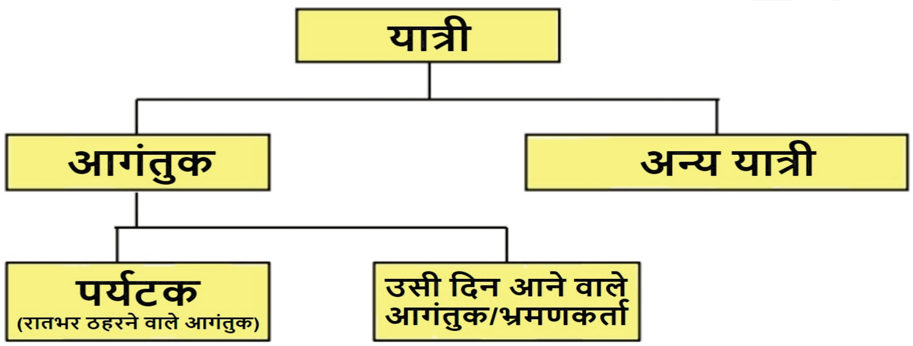

स्रोत: *यात्रा एवं पर्यटन अनुसंधान संघ*
Source: *Travel and Tourism Research Association*

1.5 अवकाश, मनोरंजन और पर्यटन के बीच संबंध (Relationship between Leisure, Recreation and Tourism)

पर्यटन की अवधारणा को बेहतर ढंग से समझने के लिए अवकाश, मनोरंजन और पर्यटन के बीच की परस्पर कड़ी को समझना महत्वपूर्ण है। पर्यटन को अक्सर अवकाश समय में व्यापार उद्देश्य के लिए की जाने वाली यात्रा को छोड़कर की जाने वाली एक मनोरंजक गतिविधि कहा जाता है। अवकाश और मनोरंजन शब्द अक्सर पर्यटन के संदर्भ में उपयोग किए जाते हैं। अवकाश का लैटिन अनुवाद "मुक्त होना" है जबकि मनोरंजन को उन गतिविधियों के रूप में समझा जा सकता है जिनमें व्यक्ति अवकाश के समय में शामिल होता है। इस में इन तीनों के बीच का संबंध बेहतर समझ के लिए देखा जा सकता है।

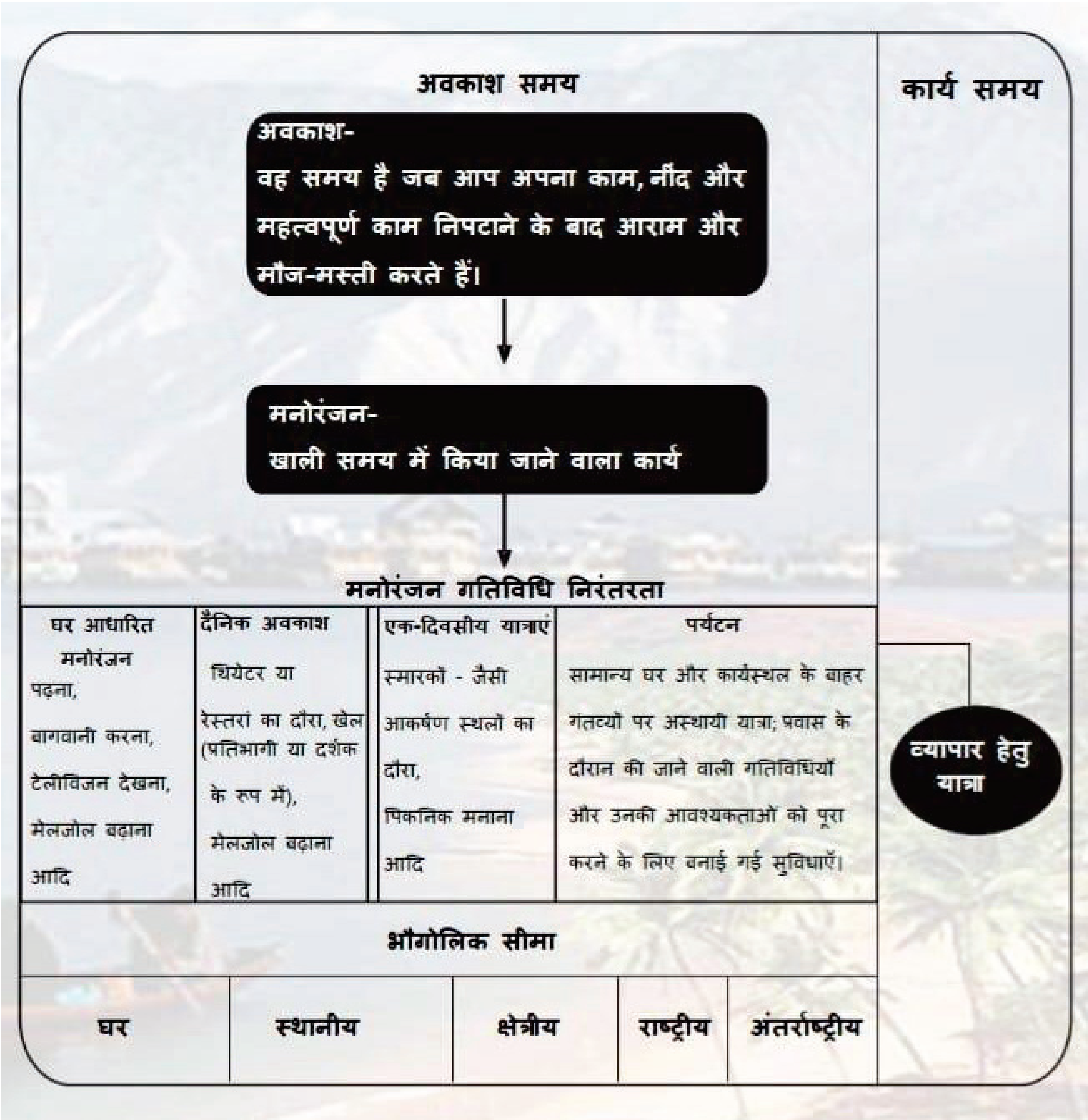

अवकाश, मनोरंजन और पर्यटन के बीच संबंध

अवकाश (फुर्सत का समय) वह "मुक्त समय" है जो अन्य नियमित गतिविधियों के पूरे हो जाने के बाद मिलता है। इस "अवकाश समय" में कोई व्यक्ति एक निश्चित भौगोलिक सीमा के भीतर विभिन्न मनोरंजक गतिविधियाँ कर सकता है। ये गतिविधियाँ घर-आधारित हो सकती हैं जैसे पढ़ना, टेलीविजन देखना आदि।

साथ ही दोस्तों और परिवार के साथ मेलजोल जैसी गतिविधियाँ घर या स्थानीय क्षेत्र में की जा सकती हैं (जैसे दोस्तों और परिवार के साथ स्थानीय रेस्टोरेंट में खाना खाना)।

बागवानी और मेलजोल: घर पर आधारित गतिविधि और दैनिक अवकाश

पिकनिक के लिए एक-दिवसीय यात्राएँ स्थानीय शहर में या उसी क्षेत्र की सीमा में हो सकती हैं। इसी तरह पर्यटन कि गतिविधियाँ भी होती हैं चाहे वह उसी क्षेत्र में हों, देश के भीतर हों या अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार हों। इसके साथ ही व्यवसाय यात्रा भले ही अवकाश के उद्देश्य से नहीं की जाती फिर भी एक पर्यटन गतिविधि मानी जाती है क्योंकि इसमें व्यक्ति अपने निवास स्थान के बाहर यात्रा करता है। अवकाश, मनोरंजन और पर्यटन के बीच का संबंध यह संकेत देता है कि किस प्रकार की गतिविधियाँ पर्यटकों को आकर्षित करेंगी और किसी भी गंतव्य पर पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

दिवसीय यात्रा के रूप में स्मारकों का दौरा तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन

1.6 पर्यटन उद्योग की विशेषताएँ (Characteristics of the Tourism Industry)

विशेषताएँ वे बुनियादी गुण होते हैं जो किसी भी चीज़ को एक पहचान देते हैं। उदाहरण के लिए लकड़ी से बनी एक मेज। जैसा कि हम देख सकते हैं लकड़ी और उसका ढांचा इसे एक मेज बनाते हैं। हम इसे छूकर, महसूस करके और इसकी लकड़ी को पहचान कर पुष्टि कर सकते हैं। मेज को हम उपभोक्ता वस्तु

(condumer goods) कहते हैं।

सभी उपभोक्ता उत्पादों को देखा महसूस किया और उसकी तुलना की जा सकती है। दूसरी ओर पर्यटन उद्योग जिसे आमतौर पर सेवा उद्योग कहा जाता है एक उपभोक्ता वस्तु नहीं है क्योंकि इसमें सभी क्लासिक सेवा विशेषताएँ होती हैं। पर्यटन के अलावा अन्य सेवा उद्योगों के कुछ उदाहरण बैंकिंग सेवाएँ, कानूनी सेवाएँ, चिकित्सा प्रैक्टिस, शिक्षण, लेखांकन और अन्य हैं। वे सामान्य सेवा विशेषताएँ जो उपभोक्ता उद्योग को सेवा उद्योग से अलग करती हैं नीचे दी गई हैः

1. **अमूर्तता (Intangibility):** यह सेवा उद्योग की सबसे अनोखी विशेषता है। जिन चीजों को आप देख सकते हैं छू सकते हैं और महसूस कर सकते हैं उन्हें ठोस (tangible) कहा जाता है जैसे उपभोक्ता वस्तुएँ। इसके विपरीत अमूर्त (intangible) का मतलब होता है कि ऐसी चीजें जिन्हें खरीदे जाने से पहले देखा, चखा, छुआ, सुना या सूँघा नहीं जा सकता बल्कि उन्हें केवल उपभोग के दौरान महसूस और अनुभव किया जा सकता है। उदाहरण के लिए एक शिक्षक कक्षा में जिस तरह पढ़ाता है उसे अनुभव किया जाता है और उसके बाद ही आंका जा सकता है। एक ही कक्षा में एक ही शिक्षक द्वारा पढ़ाए जाने पर हर छात्र का अनुभव अलग होता है। कुछ छात्रों को शिक्षक उत्कृष्ट लग सकते हैं कुछ को शिक्षण कौशल अच्छे लग सकते हैं जबकि कुछ अन्य छात्रों को वही शिक्षक औसत लग सकते हैं। शिक्षक के शिक्षण कौशल का अनुभव करना जरूरी है और इसे किसी ठोस चीज के आधार पर तय और खरीदा नहीं जा सकता। कक्षा में शिक्षक के शिक्षण कौशल अमूर्त सेवा उत्पाद हैं। इसी तरह अगर आपको अपने पड़ोस के दो किराना/ ग्रोसरी स्टोर में से एक को चुनने का विकल्प दिया जाए जहाँ से आप नहाने का साबुन खरीदना चाहते हैं तो आप उस किराना स्टोर पर जाना पसंद करेंगे जहाँ का मालिक आपको एक महत्वपूर्ण ग्राहक की तरह सम्मान देता है। साबुन एक उपभोक्ता वस्तु है जिसे किसी भी किराना स्टोर से खरीदा जा सकता है फिर भी आप एक स्टोर को दूसरे पर प्राथमिकता देंगे क्योंकि वहाँ स्टोरकीपर द्वारा दी गई सेवा बेहतर होती है। यह सेवा एक अमूर्त विशेषता है।

कक्षा और किराना स्टोर का दृश्य

अब तक आप समझ गए होंगे कि पर्यटन भी अमूर्त है। उदाहरण के लिए मिस्र के पिरामिड्स के टूर पैकेज को खरीदते समय एक पर्यटक को यह नहीं पता होता कि यात्रा का अनुभव कैसा होगा जब तक वह पिरामिड्स को देख न ले। एक पर्यटक होटल के कमरे और उसकी सेवाओं के आराम का स्तर तभी देख सकता है जब उसने कमरे का भुगतान कर दिया हो और कमरे में चेक-इन कर लिया हो। इसी तरह जब कोई व्यक्ति विमान का टिकट खरीदता है तो उसे इस बात का अनुभव नहीं होता कि उस विमान में यात्रा का अनुभव कैसा होगा सीटें आरामदायक होंगी या नहीं विमान में भोजन जैसी सेवाएँ अच्छी होंगी या नहीं यह सब उसे विमान में सवार होने के बाद ही पता चलता है। उपभोक्ता उत्पाद खरीदने के विपरीत किसी सेवा उत्पाद का अनुभव करने के लिए उसे उपभोग करना आवश्यक होता है।

2. **परिक्षणीयता (Perishability):** उस उत्पाद की विशेषता मानी जाती है जब उत्पाद बहुत जल्दी नष्ट हो जाता है। आपने अक्सर सुना होगा कि फल, सब्जियाँ और दूध जल्दी खराब हो जाते हैं, इसलिए ये perishable उत्पाद हैं। इसी तरह, सभी पर्यटन उत्पाद भी परिश्रित होते हैं और इन्हें बेचने के लिए एक सीमित समय-सीमा होती है। इस उत्पाद को बाद में उपयोग या बिक्री के लिए संग्रहीत नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए अगर आज के दिन होटल का कमरा किसी ने किराए पर नहीं लिया तो इसे अगले दिन आज ही के लिए नहीं बेचा जा सकता। आज की आमदनी नहीं हो पाएगी तथा इसे फिर से कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार अगर एक फ्लाइट की सीट नहीं बिकी तो वही सीट अगली फ्लाइट में बेची नहीं जा सकती। उस फ्लाइट की सीट से होने वाली आमदनी हमेशा के लिए खो जाती है। Perishability की यह विशेषता पर्यटन उद्योग को राजस्व में नुकसान के प्रति बहुत संवेदनशील बना देती है।

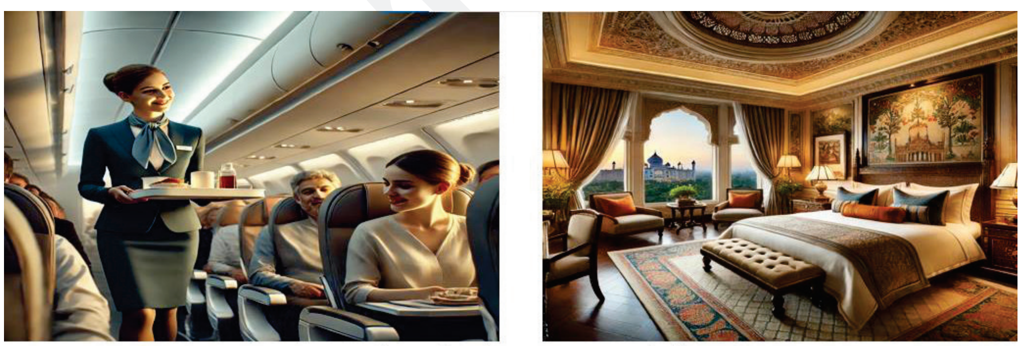

इन-फ्लाइट सेवा और होटल रूम का आंतरिक दृश्य

3. **अविभाज्य (Inseparability) :** एक पर्यटन उत्पाद को अक्सर अविभाज्य कहा जाता है। इसका मतलब है कि उत्पाद को सेवा प्रदाता से अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि यह उत्पाद अक्सर एक ही समय में उत्पादित और उपभोग किया जाता है। पर्यटन उद्योग में उपभोग के लिए उपभोक्ता और सेवा प्रदाता की भागीदारी अक्सर आवश्यक होती है। उदाहरण के लिए चांदनी में ताज महल देखना या एफिल टॉवर का नज़ारा कमरे में बैठे अनुभव नहीं किया जा सकता। पर्यटक को उस स्मारक या गंतव्य पर जाकर वहाँ की अद्भुतता और आकर्षण को अनुभव करना होता है। यह उपभोक्ता उत्पाद से बहुत अलग है जहाँ आप दुकान से एक

रॉकिंग चेयर मंगा सकते हैं और एक बार जब वह आपके पास पहुँच जाए तो आप उसका उपयोग कर सकते हैं।

ताजमहल, इंडिया और एफिल टॉवर, पेरिस का दृश्य।

4. **विविधता/विभिन्नता (Heterogeneity/Variability)** – पर्यटन उद्योग में भी विविधता या विभिन्नता की विशेषता होती है क्योंकि सेवा प्रदान करने में कई मानवीय तत्व शामिल होते हैं। उदाहरण के लिए जब कोई व्यक्ति एक एयरलाइन का टिकट खरीदता है तो उसे यात्रा के अनुभव के बारे में जानकारी नहीं होती जैसे कि चेक-इन प्रक्रिया, सीट की आरामदायकता, विमान में परिचारक/परिचारिका का व्यवहार, विमान तक बस की सवारी, सामान की प्रतीक्षा करना आदि ये सभी मिलकर उस विशेष एयरलाइन में उड़ान के अनुभव को पूरा करते हैं। पूरी सेवा विभिन्न लोगों द्वारा टुकड़ों में प्रदान की जाती है और सेवा की गुणवत्ता एक से दूसरे सेवा प्रदाता में भिन्न होती है। इसी तरह, किसी भी यात्रा एजेंसी में दो सेवा प्रदाता यानी ट्रैवल एग्जीक्यूटिव्स एक जैसे नहीं होंगे। सेवा की गुणवत्ता इस पर निर्भर करती है कि कौन, कब, कहाँ और कैसे सेवा प्रदान कर रहा है। मानवीय तत्वों के शामिल होने के कारण, वही सेवा प्रदाता अलग-अलग दिनों में सेवा के विभिन्न स्तर प्रदान करेगा जैसे कि किसी रेस्टोरेंट के शेफ द्वारा तैयार किए गए भोजन की गुणवत्ता।

शेफ और ट्रैवल एजेंट एक्जीक्यूटिव की फोटो

5. **स्वामित्व की कमी (Lack of ownership)** – स्वामित्व की कमी एक सामान्य सेवा विशेषता है जो पर्यटन उद्योग में भी देखी जाती है। कोई व्यक्ति भोजन का आनंद लेने के लिए किसी रेस्टोरेंट में जा सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उपभोक्ता उस रेस्टोरेंट (वहाँ उपयोग की गई मेज या कटलरी) का मालिक है। उपभोक्ता केवल भोजन और उससे जुड़ी सेवा के लिए भुगतान करता है इसके अलावा उसके पास कोई स्वामित्व अधिकार नहीं होता था। यह उपभोक्ता उत्पाद उद्योग से अलग है जहाँ यदि हम कुछ खरीदते हैं तो हमारे पास उस उत्पाद को खरीदने का भौतिक प्रमाण होता है।

पर्यटन उद्योग में कुछ अन्य विशेषताएँ भी होती हैं जो इसे अन्य सेवा उद्योगों से अलग करती हैं:

* **पर्यटन का मौसमीपन (Seasonality of Tourism):** पर्यटन का स्वभाव मौसमी होता है। एक गंतव्य पूरे वर्ष समान रूप से लोकप्रिय नहीं होता। कुछ समय ऐसे होते हैं जब गंतव्य अन्य समय की तुलना में अधिक लोकप्रिय होता है जिसे पीक पीरियड (peak period) कहा जाता है। ऐसे भी समय होते हैं जब गंतव्य पर सामान्य से कम पर्यटक आते हैं जिसे कमजोर अवधि (lean period) कहा जाता है। उदाहरण के लिए भारत में शरद ऋतु से लेकर सर्दी और वसंत तक अधिक विदेशी पर्यटक आते है।

* **मांग में उतार-चढ़ाव (Demand Fluctuations):** पर्यटन एक अत्यधिक उपभोक्ता-आधारित उत्पाद है। उपभोक्ता की किसी गंतव्य या उत्पाद के प्रति मांग स्वाद बदलने के समान बदलती रहती है। उदाहरण के लिए एक प्रसिद्ध लग्जरी होटल पर्यटकों का आकर्षण खो सकता है जब बाजार में बेहतर छूट और मार्केटिंग रणनीति के साथ दूसरा लग्जरी होटल आ जाता है। नए गंतव्य प्रतिदिन खोजे जाते हैं और अनुभवी यात्री हमेशा नए व अज्ञात स्थानों की खोज में रहते हैं। मांग में बदलाव गंतव्य पर आने वाले पर्यटकों की संख्या को भी बदल देता है।

* **पर्यटन उत्पादों की पारस्परिक निर्भरता (Interdependence of Tourism Products):** एक टूर का पूरा अनुभव केवल किसी स्मारक या गंतव्य की यात्रा या वहां से स्मृति-चिह्न खरीदने तक सीमित नहीं होता। इसमें यात्रा के दौरान का अनुभव, यात्रा से पहले सेवा प्रदाता के साथ अनुभव, होटल का कमरा, भोजन, साथी यात्री, खरीदारी आदि भी शामिल होते हैं। सभी एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं ताकि पर्यटन उत्पाद सफल हो सके। यदि इनमें से कोई एक भी क्षेत्र पर्यटक की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता तो पूरे टूर के अनुभव पर प्रभाव पड़ता है।

* **जोखिमपूर्ण (Risky):** एक उत्पाद के रूप में पर्यटन को जोखिमपूर्ण माना जाता है। एक पर्यटक अनुभव के बाद यह महसूस कर सकता है कि उत्पाद की कीमत उस उत्पाद के अनुरूप नहीं थी जिससे आर्थिक जोखिम उत्पन्न हो सकता है। दूसरी ओर, शारीरिक बीमारियाँ या ऐसी परिस्थितियाँ भी पर्यटन उत्पादों को प्रभावित कर सकती हैं जैसा कि स्वाइन फ्लू या कोरोना काल के मामलों में देखा गया

SCERT DELHI

है। पर्यटकों को जब अपने शारीरिक सुरक्षा का खतरा महसूस होता है तो वे यात्रा रोक देते हैं। इसी तरह आतंकवादी खतरे भी पर्यटन उद्योग को प्रभावित कर सकते हैं। राजनीतिक स्थिति या मीडिया में किसी देश की छवि भी उस गंतव्य की मांग को प्रभावित कर सकती है। इसलिए पर्यटन का व्यवसाय जोखिमपूर्ण व्यवसाय है क्योंकि इसमें कई कारक शामिल होते हैं और किसी भी समय कोई भी एक कारण पूरे उद्योग को प्रभावित कर सकता है।

1.7 पर्यटन के घटक (Components of Tourism:)

घटक उन मशीन के हिस्सों को संदर्भित करते हैं जिनके बिना मशीनरी की कार्यप्रणाली विफल हो सकती है। पर्यटन के वे हिस्से जो पर्यटन उद्योग की कार्यप्रणाली को सक्रिय करते हैं पर्यटन के घटक कहलाते हैं। आकर्षण, आवास, अभिगम्यता तथा सुरक्षा सुविधाओं के बिना पर्यटन गतिविधि संभव नहीं हो सकती। ये सभी मिलकर सामान्यतः पर्यटन के A's कहलाते हैं।

भारत के विविध पर्यटन आकर्षण

1. **आकर्षण (Attraction या Tourism Patrimony)** उन विशिष्ट विशेषताओं को संदर्भित करता है जो पर्यटकों को किसी गंतव्य की ओर आकर्षित करते हैं। किसी स्थान के आकर्षण को सूचीबद्ध या विश्लेषित करना आसान नहीं है क्योंकि यह समझा जाता है कि जो एक को पसंद आ सकता है वह दूसरे के लिए रुचिकर नहीं हो सकता। ये वे आकर्षण हैं जो किसी पर्यटक को गंतव्य की ओर खींचते हैं जैसे ऐतिहासिक स्मारक, किसी स्थान की प्राकृतिक सुंदरता, आदि।

2. **अभिगम्यता/पहुंच (Accessibility):** इसका मतलब है कि पर्यटक गंतव्य तक कैसे पहुँच सकते हैं। किसी गंतव्य में लोकप्रिय बनने के लिए सभी आकर्षण हो सकते हैं लेकिन यदि वहाँ तक उचित रूप से पहुँचने की सुविधा नहीं है तो पर्यटक उस गंतव्य से दूरी बना सकते हैं। परिवहन में उन सभी परिवहन के साधनों को शामिल किया जाता है जो गंतव्य और उसके आकर्षणों तक पहुँच प्रदान करते हैं जैसे सड़क, रेल, हवाई और जल मार्ग।

पर्यटन में परिवहन के विविध साधन

भारत की प्रमुख होटल श्रृंखलाएं

3. **आवास (Accommodation):** आवास शब्द आमतौर पर बोर्डिंग और लॉजिंग को शामिल करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह वह कमरा या स्थान होता है जो दूर से आने वाले पर्यटकों को प्रदान किया जाता है और किसी भी पर्यटन स्थल की बुनियादी आवश्यकता होती है। घर से दूर उचित आवास की मांग और आवश्यकता को विभिन्न सुविधाओं द्वारा पूरा किया जाता है। हाल के वर्षों में आवास विकसित और परिवर्तित हुआ है। कभी-कभी आवास खुद एक महत्वपूर्ण पर्यटक आकर्षण बन जाता है जैसे रिसॉर्ट्स।

4. **सुरक्षा तथा अन्य सुविधाएं (Amenities):** वे सुविधाएँ हैं जो पर्यटन के दौरान पर्यटकों को प्रदान की जाती हैं। ये सुविधाएँ पर्यटकों के लिए मनोरंजन सुविधाएं हो सकती हैं या बुनियादी ढांचागत सुविधाएं जैसे कि स्वच्छता और सफाई, चिकित्सा सहायता, यात्रा दस्तावेज़, विदेशी मुद्रा विनिमय सुविधाएँ आदि हो सकती हैं।

उपलब्ध पैकेज (Available package): इसका मतलब है वे पैकेज जो पर्यटकों के उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। यदि किसी के पास 3 दिनों की छुट्टी है तो पर्यटक उस पैकेज को चुनेगा जो तीन दिनों में सबसे अधिक सुविधाएं प्रदान करता है। इस तरह संभावित पर्यटक उन टूर पैकेजों को नजरअंदाज कर सकता है जो एक लोकप्रिय गंतव्य के लिए अधिक समय की मांग करते हैं और इसके विपरीत भी हो सकता है। पर्यटन के घटकों को अगले अध्यायों में विस्तार से समझाया गया है।

पर्यटन के लिए आवश्यक दस्तावेज और सेवाएँ

SCERT DELHI

1.8 सारांश Summary

पर्यटन को एक वैश्विक और आर्थिक गतिविधि के रूप में परिभाषित किया गया है जो विभिन्न उद्योगों से जुड़ा हुआ है। इसमें अवकाश, मनोरंजन और पर्यटन के आपसी संबंध को समझने पर बल दिया गया है। पर्यटन की गतिविधियाँ समय, स्थान और मानव तत्वों के साथ एक जटिल ढांचा बनाती हैं जो इसे अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाती हैं। इसके अलावा पर्यटन उद्योग की विशेषताएँ जैसे अमूर्तता, परिक्षणीयता, अविभाज्यता और विभिन्नता इसे अन्य सेवा उद्योगों से अलग बनाती हैं। पर्यटन के घटक जैसे आकर्षण, परिवहन, आवास और सुविधाएँ पर्यटन उद्योग की रीढ़ माने जाते हैं जो किसी भी गंतव्य को सफल बनाते हैं।

समीक्षा प्रश्न (Review Questions)

बहु विकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions):

1. पर्यटन का अर्थ क्या है?
   (a) किसी स्थान का दौरा (b) व्यापार यात्रा
   (c) भोजन के लिए यात्रा (d) नौकरी के लिए यात्रा
2. पर्यटन की परिभाषा किस संगठन ने दी है?
   (a) WHO (b) UN-WTO
   (c) UNICEF (d) UNESCO
3. निम्न में से कौन-सी विशेषता पर्यटन उद्योग की नहीं है?
   (a) अमूर्तता (b) विविधता
   (c) स्थायित्व (d) परिक्षणीयता
4. पर्यटन उद्योग का सबसे महत्वपूर्ण घटक कौन सा है?
   (a) पर्यटन स्थल (b) परिवहन
   (c) आवास (d) सभी
5. UN-WTO की परिभाषा के अनुसार, एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक कितने समय तक यात्रा करता है?
   (a) 6 महीने (b) 1 वर्ष
   (c) 2 वर्ष (d) 3 महीने

SCERT DELHI

6. निम्न में कौन-सी विशेषता पर्यटन को अन्य उद्योगों से अलग बनाती है?

(a) लाभ (b) अमूर्तता

(c) वस्तु निर्माण (d) उत्पादन

7. पर्यटन के तीन तत्व कौन-कौन से हैं?

(a) मानव, स्थान, समय (b) पैसा, समय, स्थान

(c) सेवा, वस्तु, लाभ (d) सुविधा, उद्योग, व्यापार

8. पर्यटन उद्योग में 'विविधता' का क्या अर्थ है?

(a) समान सेवाएँ (b) सेवा की गुणवत्ता का भिन्न होना

(c) एक ही उत्पाद (d) उपभोक्ता की पसंद

9. किस भाषा से 'टूर' शब्द की उत्पत्ति हुई है?

(a) फ्रेंच (b) जर्मन

(c) लैटिन (d) ग्रीक

10. पर्यटन उत्पाद की कौन-सी विशेषता है?

(a) स्थिरता (b) स्वामित्व

(c) समय सीमा (d) व्यापारिकता

उत्तरः

1. (a) किसी स्थान का दौरा 2. (b) UN-WTO 3. (c) स्थायित्व 4. (d) सभी 5. (b) 1 वर्ष 6. (b) अमूर्तता 7. (a) मानव, स्थान, समय, 8. (b) सेवा की गुणवत्ता का भिन्न होना 9. (c) लैटिन 10. (c) समय सीमा

रिक्त स्थान भरें। (Fill in the Blanks).

1. पर्यटन उद्योग को एक __________ उद्योग भी कहा जाता है।

2. पर्यटन की परिभाषा _______ द्वारा दी गई है।

3. पर्यटन उत्पाद ________ होते हैं।

SCERT DELHI

4. __________ पर्यटन में मौसमी प्रभाव डालता है।

5. UN-WTO ने पर्यटन को _______ से जोड़कर परिभाषित किया है।

6. पर्यटन का प्रमुख घटक _______ होता है।

7. _______ शब्द का अर्थ "मुक्त होना" होता है।

8. एक पर्यटक _______ घंटे से अधिक समय तक यात्रा करता है।

9. पर्यटन का एक मुख्य तत्व _______ भी होता है।

10. पर्यटन उत्पाद को _______ के रूप में अनुभव करना आवश्यक होता है।

उत्तरः

1. सेवा 2. UN-WTO 3. परिक्षणीय 4. मौसम 5. आर्थिक गतिविधि 6. आकर्षण 7. अवकाश 8. 24, 9. समय 10. उपभोग

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Questions)

1. पर्यटन किसे कहते हैं?

उत्तरः पर्यटन एक ऐसी गतिविधि है जिसमें लोग अपने निवास स्थान से बाहर अन्य स्थानों की यात्रा, मनोरंजन या अन्य कारणों से करते हैं।

2. UN-WTO द्वारा पर्यटन को किस प्रकार परिभाषित किया गया है?

उत्तरः UN-WTO के अनुसार पर्यटन उन गतिविधियों का समुच्चय है जो व्यक्ति अपने निवास स्थान से बाहर एक सीमित अवधि के लिए बिना आय अर्जित किए करता है।

3. पर्यटन के कितने मुख्य तत्व होते हैं?

उत्तरः पर्यटन के तीन मुख्य तत्व होते हैं – मानव, स्थान और समय।

4. पर्यटन उत्पाद की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तरः पर्यटन उत्पाद की प्रमुख विशेषताएँ हैं – अमूर्तता, परिक्षणीयता, विविधता और स्वामित्व की कमी।

SCERT DELHI

5. पर्यटन में "परिक्षणीयता" का क्या अर्थ है?

उत्तरः परिक्षणीयता का अर्थ है कि पर्यटन उत्पाद एक निश्चित समय सीमा में उपयोग न होने पर समाप्त हो जाते हैं।

6. आकर्षण का पर्यटन में क्या महत्त्व है?

उत्तरः आकर्षण वे स्थल होते हैं जो पर्यटकों को किसी गंतव्य की ओर आकर्षित करते हैं जैसे स्मारक, प्राकृतिक दृश्य आदि।

7. पर्यटन और अवकाश में क्या अंतर है?

उत्तरः पर्यटन का उद्देश्य मनोरंजन या अन्य गतिविधियाँ होती हैं जबकि अवकाश में व्यक्ति अपने समय का आनंद लेने के लिए अन्य गतिविधियाँ कर सकता है।

8. पर्यटन उद्योग को "अमूर्त" क्यों कहा जाता है?

उत्तरः पर्यटन उद्योग को अमूर्त कहा जाता है क्योंकि इसके उत्पाद को अनुभव किए बिना नहीं समझा जा सकता।

9. घरेलू पर्यटक किसे कहते हैं?

उत्तरः जो व्यक्ति अपने देश के भीतर एक वर्ष से कम अवधि के लिए बिना आय अर्जित किए यात्रा करता है वह घरेलू पर्यटक कहलाता है।

10. "लीजर" का क्या अर्थ है?

उत्तरः लीजर का अर्थ "मुक्त समय" है जो अन्य कार्यों के पूरा होने के बाद मिलता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

1. पर्यटन उद्योग की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

उत्तरः पर्यटन उद्योग की प्रमुख विशेषताओं में अमूर्तता, परिक्षणीयता, विविधता, और स्वामित्व की कमी शामिल है। पर्यटन उत्पाद अमूर्त होते हैं अर्थात् इन्हें छूकर अनुभव नहीं किया जा सकता। इनकी परिक्षणीयता का अर्थ है कि वे एक निश्चित समय सीमा में उपयोग न होने पर नष्ट हो जाते हैं। विविधता का तात्पर्य सेवा की गुणवत्ता में भिन्नता से है। इसके अतिरिक्त पर्यटन उत्पादों में स्वामित्व की कमी होती है क्योंकि उपभोक्ता केवल सेवाओं का उपभोग करते हैं उसे खरीदते नहीं हैं।

SCERT DELHI

2. पर्यटन के तत्वों का वर्णन करें।

उत्तरः पर्यटन के तीन मुख्य तत्व होते हैं – मानव, स्थान, और समय। मानव वह व्यक्ति होता है जो यात्रा करता है। स्थान वह क्षेत्र होता है जहाँ यात्रा की जाती है। समय वह अवधि है जो यात्रा और गंतव्य पर ठहराव में लगती है। ये तत्व पर्यटन गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक होते हैं।

3. UN-WTO द्वारा पर्यटन की परिभाषा को विस्तार से समझाएँ।

उत्तरः UN-WTO के अनुसार, पर्यटन उन गतिविधियों का समूह है जो व्यक्ति अपने निवास स्थान से बाहर एक निर्धारित अवधि के लिए यात्रा करते समय करता है। इस यात्रा का उद्देश्य किसी प्रकार की आय अर्जित करना नहीं होता है। इसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार के पर्यटक आते हैं।

4. पर्यटन और मनोरंजन में संबंध स्पष्ट करें।

उत्तरः पर्यटन और मनोरंजन का गहरा संबंध है। अवकाश समय में की जाने वाली गतिविधियाँ मनोरंजन कहलाती हैं जिनमें पर्यटन भी शामिल होता है। मनोरंजन के लिए यात्रा करने वाले लोग पर्यटक कहलाते हैं और इसका उद्देश्य स्वयं का आनंद लेना होता है।

5. "अविभाज्यता" का पर्यटन में क्या अर्थ है?

उत्तरः पर्यटन में अविभाज्यता का अर्थ है कि सेवा को सेवा प्रदाता से अलग नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए किसी स्मारक का दृश्य केवल उसी स्थान पर जाकर देखा जा सकता है। इस प्रकार, पर्यटक और सेवा प्रदाता की भागीदारी आवश्यक है।

6. पर्यटन उत्पादों में मौसमी प्रभाव का वर्णन करें।

उत्तरः पर्यटन उत्पादों पर मौसम का विशेष प्रभाव पड़ता है। कुछ समय ऐसे होते हैं जब पर्यटक अधिक संख्या में आते हैं इसे पीक सीजन कहते हैं। इसके विपरीत कुछ समय ऐसे भी होते हैं जब पर्यटक कम संख्या में आते हैं इसे ऑफ-सीजन कहा जाता है।

7. "पर्यटन उत्पादों की पारस्परिक निर्भरता" का क्या अर्थ है?

उत्तरः पर्यटन उत्पादों की पारस्परिक निर्भरता का अर्थ है कि एक टूर का अनुभव कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे यात्रा का अनुभव, होटल, भोजन आदि। अगर इनमें से कोई एक भी कारक असंतोषजनक हो तो पूरा अनुभव खराब हो सकता है।

8. अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक की पहचान कैसे की जाती है?

उत्तरः UN-WTO के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक वह होता है जो अपने निवास स्थान के बाहर किसी अन्य देश में कम से कम एक रात बिताता है और जिसका उद्देश्य वहां किसी प्रकार की आय अर्जित करना नहीं होता।

9. पर्यटन उद्योग में "अमूर्तता" का क्या महत्त्व है?

उत्तरः पर्यटन उद्योग में अमूर्तता का महत्त्व यह है कि इसके उत्पादों को खरीदा नहीं जा सकता बल्कि अनुभव किया जा सकता है। किसी यात्रा का अनुभव व्यक्ति के हिसाब से अलग हो सकता है।

10. पर्यटन और आर्थिक गतिविधि के बीच क्या संबंध है?

उत्तरः पर्यटन एक आर्थिक गतिविधि है क्योंकि इसमें पर्यटक सेवाओं और उत्पादों के लिए भुगतान करते हैं। इससे विभिन्न सेवा उद्योगों में रोजगार उत्पन्न होता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में विकास होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

1. पर्यटन की परिभाषा और उसका महत्व क्या है?

उत्तरः पर्यटन का अर्थ है मनोरंजन के लिए लोगों का अपने निवास स्थान से बाहर यात्रा करना। इसमें व्यक्ति अपने घर, शहर या देश से बाहर अन्य स्थानों का दौरा करता है। पर्यटन का मुख्य उद्देश्य मौज-मस्ती, अवकाश और नई जगहों का अनुभव करना होता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पर्यटन को एक वैश्विक आर्थिक गतिविधि माना गया है जो विभिन्न उद्योगों जैसे आवास, परिवहन, दूरसंचार, और आकर्षण प्रबंधन के साथ जुड़ा हुआ है। पर्यटन लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आर्थिक विकास और वैश्विक शांति में योगदान देता है।

2. पर्यटन उद्योग की विशेषताएँ क्या हैं और यह अन्य उद्योगों से कैसे भिन्न है?

उत्तरः पर्यटन उद्योग की प्रमुख विशेषताएँ हैं:

अमूर्तताः इसे खरीदे जाने से पहले देखा, छुआ या अनुभव नहीं किया जा सकता जैसे होटल के कमरे में रुकने का अनुभव।

परिक्षणीयताः यदि आज का होटल का कमरा नहीं बिका तो वह अवसर हमेशा के लिए चला जाता है।

अविभाज्यताः पर्यटन सेवाओं का अनुभव तभी हो सकता है जब पर्यटक उस स्थान पर जाए जैसे ताजमहल का दीदार।

SCERT DELHI

विविधता: सेवा की गुणवत्ता हर बार बदल सकती है क्योंकि यह विभिन्न लोगों द्वारा प्रदान की जाती है। इन विशेषताओं के कारण पर्यटन उद्योग एक अनोखा सेवा उद्योग है जिसमें उत्पाद को पहले से अनुभव करना मुश्किल होता है और इसे संग्रहित भी नहीं किया जा सकता।

3. पर्यटन के मुख्य तत्व कौन-कौन से हैं और ये कैसे पर्यटन को सफल बनाते हैं?

उत्तर: पर्यटन के चार मुख्य तत्व हैं: आकर्षण (Attraction), पहुंच (Accessibility), आवास (Accommodation) और सुविधाएँ (Amenities)।

आकर्षण: यह वे चीजें हैं जो पर्यटकों को किसी जगह की ओर खींचती हैं जैसे ऐतिहासिक स्मारक, प्राकृतिक सुंदरता।

पहुंच: यह दर्शाता है कि पर्यटक उस स्थान तक कैसे पहुँच सकते हैं चाहे वह सड़क, रेल, हवाई या जल मार्ग से हो।

आवास: पर्यटकों के रुकने की सुविधा जैसे होटल, रिसॉर्ट आदि, जो आरामदायक और सुरक्षित होती है।

सुविधाएँ: इनमें स्वच्छता, चिकित्सा सहायता, यात्रा दस्तावेज़ और मुद्रा विनिमय जैसी आवश्यक सेवाएँ आती हैं। इन चार तत्वों के समुचित समन्वय से किसी भी पर्यटन स्थल को सफल और लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

4. अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों में क्या अंतर होता है?

उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक वह होता है जो अपने देश से बाहर किसी अन्य देश की यात्रा करता है। वह उस देश में कम से कम 24 घंटे रुकता है लेकिन एक वर्ष से अधिक नहीं ठहरता और उस देश में पैसे कमाने वाली गतिविधि नहीं करता।

घरेलू पर्यटक अपने देश के भीतर यात्रा करता है। वह एक वर्ष से अधिक समय तक अपने देश में किसी स्थान पर नहीं रुकता और उसका उद्देश्य वहाँ पैसे कमाना नहीं होता। इस प्रकार दोनों ही प्रकार के पर्यटकों का उद्देश्य यात्रा का आनंद लेना होता है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक सीमा पार करते हैं जबकि घरेलू पर्यटक अपने देश के अंदर यात्रा करते हैं।

5. अवकाश, मनोरंजन और पर्यटन में क्या संबंध है और ये एक-दूसरे को कैसे प्रभावित करते हैं?

उत्तरः अवकाश (Leisure), मनोरंजन (Recreation) और पर्यटन (Tourism) एक-दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। अवकाश वह समय है जो किसी व्यक्ति को अपने रोजमर्रा के कार्यों से मिलती है। इस अवकाश के दौरान वह कई मनोरंजक गतिविधियाँ करता है जो पर्यटन का भी हिस्सा बन सकती हैं। उदाहरण के लिए कोई व्यक्ति अपने अवकाश के समय पर्यटन के तहत एक दिन की यात्रा या छुट्टियों का आनंद ले सकता है। पर्यटन के लिए यह समझना जरूरी है कि लोग अपने अवकाश के समय में किस प्रकार की गतिविधियाँ करना पसंद करते हैं जिससे वे अपनी छुट्टियों को बेहतर बना सकें और पर्यटन उद्योग में वृद्धि कर सकें।

SCERT DELHI

पर्यटनः एक ऐतिहासिक विवरण

इकाई 2

2.1 परिचय Introduction

आजकल यात्रा और पर्यटन संगठित हो गए हैं जो पहले के समय में बहुत अलग थे क्योंकि इसकी तैयारी वास्तविक यात्रा की तारीख से काफी पहले शुरू हो जाती है। विलियम एफ. थियोबाल्ड (William F. Theobald) जो पर्यटन क्षेत्र में एक शोधकर्ता और अकादमिक है ने कहा है कि "आज जैसा हम पर्यटन जानते हैं वह विशिष्ट रूप से बीसवीं सदी की घटना है।" यह बयान सत्य है क्योंकि पर्यटन प्राचीन काल में शुरू हुआ जब मनुष्य भोजन, आश्रय, सुरक्षा और संरक्षा की खोज में यात्रा करता था परन्तु यह वर्षों में बहुत बदल गया है और आधुनिक समय में काम करने वाले संगठित पर्यटन क्षेत्र में विकसित हो गया है। यद्यपि यात्रा हमेशा मानव प्रकृति का एक हिस्सा थी लेकिन फिर भी "पर्यटन" शब्द बहुत बाद में शायद उन्नीसवीं सदी में गढ़ा गया था। यह हमें एक महत्वपूर्ण और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न की ओर ले जाता है—हमें पर्यटन के इतिहास का अध्ययन क्यों करना चाहिए? खैर उत्तर वही है कि हम इतिहास का अध्ययन क्यों करते हैं— क्योंकि वर्तमान अतीत से विकसित हुआ है। पर्यटन के इतिहास का अध्ययन हमें उन कारकों की पहचान करने का अवसर देता है जिन्होंने सभी समयों में पर्यटन को फलने-फूलने की अनुमति दी है साथ ही उन कारकों की पहचान करने का भी अवसर देता है जो वर्षों में पर्यटन के विकास में बाधा बने हैं। यह हमें अपने इतिहास से सीखने और खुद को वहीं गलतियाँ दोहराने से रोकने का मौका देता है। इतिहास का अध्ययन हमें अतीत और वर्तमान का समालोचनात्मक विश्लेषण करने का भी मौका देता है और साथ ही पर्यटन को समझने के लिए अवधारणाओं की स्थापना करने का अवसर प्रदान करता है।

यह इकाई वर्षों में पर्यटन गतिविधियों के विकास का एक संक्षिप्त परिचय देती है। जिसके कई कारक हैं जिन्होंने पर्यटन के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जैसे भाप इंजन के आविष्कार, ट्रांसअटलांटिक उड़ानें, व्यापार का विस्तार करने की आवश्यकता ज्ञान और जिज्ञासा के लिए मानव की प्यास। कई ऐसे कारक हैं जो देखने में असंबंधित लगते हैं लेकिन जब उन्हें जोड़ा जाता है तो समझ आता है कि उन्होंने किसी न किसी तरह पर्यटन उद्योग को प्रभावित किया है। उदाहरण के लिए औद्योगिक क्रांति एक वाणिज्यिक गतिविधि थी जिसने लोगों को रोजगार दिया और समाज का चेहरा हमेशा के लिए बदल दिया। यद्यपि यह एक असंभव घटना लगती है फिर भी इस क्रांति का पर्यटन पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा और इसी ने आधुनिक पर्यटन गतिविधि के लिए गति निर्धारित की।

यह इकाई उन महत्वपूर्ण घटनाओं पर चर्चा करने का प्रयास करती है जो वैश्विक स्तर पर हुई हैं तथा इन घटनाओं ने किसी न किसी तरह पर्यटन उद्योग के विकास को प्रभावित किया है फिर भी ये घटनाएँ वास्तव में प्रतिबिंबित नहीं हैं क्योंकि अधिकांश लिखित विवरण यूरोप से मिला हैं और यह वास्तव में वैश्विक परिदृश्य को उसकी सच्ची भावना को प्रतिबिंबित नहीं करता। भारत में पर्यटन के विकास और वृद्धि का एक संक्षिप्त परिचय अध्याय में शामिल किया गया है ताकि आप भारत और वैश्विक स्तर पर पर्यटन गतिविधि की गति की तुलना करने का अवसर पा सकें।

2.2 प्रारंभिक समय में यात्रा Travel in Early Time

पर्यटन गतिविधि की शुरुआत को एक तारीख देना कठिन है। प्राचीन समय में यात्रा के मुख्य कारण थे—व्यापार और वाणिज्य का विस्तार, नई भूमि की खोज, सैन्य गतिविधि और धर्म का प्रसार। पर्यटन का ऐतिहासिक विवरण केवल उस समय से शुरू हो सकता है जब हमें अतीत में की गई यात्राओं का लिखित विवरण मिलता है तथा साथ ही प्रसिद्ध यात्रियों के यात्रा-वृत्तांतों (travelogues) के संदर्भ मिलते हैं। अर्थात् हम कह सकते हैं कि प्रारंभिक पर्यटन गतिविधि उस समय से शुरू हुई जिसके हमें यात्रा साक्ष्य मिलते हैं जैसे राष्ट्रों के बीच व्यापारिक संपर्क या व्यापार के उद्देश्य से महासागरों और समुद्रों में जहाजों का चलना आदि। ये साक्ष्य एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप में पर्यटन गतिविधि को दर्शाते हैं।

प्रारंभिक साम्राज्यों जैसे मिस्र, यूनान, रोमन और सुमेरियन ने व्यापार के उद्देश्य से यात्रा को बढ़ावा दिया। मनोरंजन के लिए यात्रा के सबसे प्रारंभिक विवरणों में से एक मिस्र की रानी हत्शेपसुत (Hatshepsut) द्वारा पंट (Punt) की भूमि की यात्रा है जिसे अफ्रीका के पूर्वी तट पर स्थित माना जाता है। लगभग 5000 वर्ष पहले की इस यात्रा के रिकॉर्ड नील नदी के पश्चिमी तट पर मिस्र के लक्सर शहर के सामने स्थित देइर एल-बाहरी (Deir-el-Bahri) के मंदिर की दीवारों पर दर्ज पाए जाते हैं।

समृद्ध मिस्रियों के आनंद के लिए नील नदी पर क्रूज टूर आयोजित किए जाते थे जबकि समृद्ध रोमन और यूनानी भी आनंद के लिए यात्रा करते थे। इसके कारणों को इस तथ्य से जोड़ा जा सकता है कि ग्रीक को भूमध्य सागर में एक सामान्य भाषा के रूप में बढ़ावा दिया गया था और ग्रीक मुद्रा को विनिमय की मुद्रा के रूप में स्वीकार किया जाता था जिसने इस साम्राज्य के यात्रियों की मदद की।

इसी तरह रोमन साम्राज्य के विस्तार ने अच्छी तरह से बनी सड़कों और अन्य संपर्क साधनों के साथ-साथ एक समान कानूनी प्रणाली के लाभ से यात्रा को आसान बना दिया। प्रारंभिक युगों में भी यात्रियों ने नील नदी और भूमध्य सागर पर चलने वाले व्यापारिक जहाजों पर यात्रा की लेकिन वे आज के क्रूज जहाज़ यात्रियों जैसे नहीं थे। बल्कि इन यात्रियों को अपनी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए अपना भोजन और

देइर एल-बाहरी (Deir el-Bahri) के मंदिर में पंट (Punt) की यात्रा को दर्शाया गया है

सेवक अपने साथ ले जाने के लिए जाना जाता था। इस प्रकार आनंद के लिए यात्रा कुछ समृद्ध लोगों तक ही सीमित थी। हम पाते हैं कि प्राचीन समय में भी पर्यटन गतिविधियाँ उन सुविधाओं के कारण हुईं जो संरक्षकों या पर्यटकों को उपलब्ध थीं जैसे कि अतिरिक्त आय, उचित संपर्क, सामान्य भाषा, यात्रा की सुविधा और एक समान कानूनी प्रणाली के कारण उन्हें दी गई सुरक्षा।

इस अवधि के दौरान एशिया में "सिल्क रूट" (Silk Route) प्रसिद्ध था जिसे मानव इतिहास में "सबसे महान मार्ग" के रूप में प्रशंसित किया जाता है। सिल्क रूट एक आधुनिक शब्द है जो अफ्रो-यूरेशियाई भू-भाग में परस्पर जुड़े ऐतिहासिक व्यापार मार्गों के नेटवर्क को संदर्भित करता है जिसने पूर्वी, दक्षिणी और पश्चिमी एशिया को भूमध्यसागरीय और यूरोपीय दुनिया के साथ-साथ उत्तरी और पूर्वी अफ्रीका के कुछ हिस्सों से जोड़ा। इस मार्ग का नाम इस मार्ग पर किए गए लाभदायक चीनी रेशम व्यापार से दिया गया। भारतीय मसाले भी इस मार्ग से पश्चिमी दुनिया तक पहुँचाए जाते थे।

सिल्क रोड को पूर्व और पश्चिम के बीच का पहला पुल माना जाता है जो 200 ईसा पूर्व में स्थापित किया गया था और यह चीन, भारत, फारस और रोम के प्राचीन साम्राज्यों के बीच व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम था। इस मार्ग में उचित व्यापारिक चौकियाँ थीं और साथ ही व्यापारियों और अन्य यात्रियों के लिए विश्राम स्थल भी थे। इसे आधुनिक समय के व्यावसायिक पर्यटन की शुरुआत कहा जा सकता है। यहाँ यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि सिल्क रूट एक अच्छी तरह से मानचित्रित मार्ग नहीं था बल्कि यह 12,000 किलोमीटर तक फैले प्राचीन मार्गों का एक सांस्कृतिक रूप से विविध मार्ग था जिस पर सिकंदर महान और मार्को पोलो जैसे प्रसिद्ध अन्वेषकों ने यात्रा की थी। पूर्वी और पश्चिमी संस्कृतियों और समाजों को एक साथ लाने में सिल्क रूट के महत्व को अच्छी तरह से दस्तावेज़ित किया गया है। UNWTO ने भी 2010 में एक सिल्क रोड एक्शन प्लान लॉन्च किया, जिसमें 24 सदस्य देश आधुनिक समय में पर्यटन गतिविधि के उद्देश्य से इस मार्ग को विकसित करने के लिए एक साथ आए हैं।

रेशम मार्ग के बारे में कुछ तथ्य:

1870 में जर्मनी के भूगोलवेत्ता (Geographer) फर्डिनेंड वॉन रिचथोफ़ेन ने पहली बार "सेइडंस्ट्राससे (Seidenstrasse)" (सिल्क रोड) नाम का उपयोग किया।

सिल्क रोड एक सीधा मार्ग नहीं था यह स्थलीय और समुद्री मार्गों का एक जटिल नेटवर्क था।

रेशम का मूल्य अधिक होने के कारण इसे लंबे समय तक धन के रूप में उपयोग किया जाता था।

व्यापारी कभी पूरे सिल्क रोड की यात्रा नहीं करते थे वे केवल एक हिस्से तक सामान लेकर जाते थे।

इस मार्ग के एक हिस्से पर व्यापारी सामान दूसरे व्यापारी को सौंप देते थे जो उसे अगले "हैंड-ओवर" तक ले जाता था।

प्रारंभिक समय में पर्यटन की कहानी को आगे बढ़ाते हुए यह देखा गया कि मध्य युग के दौरान यूरोप में यात्रा कम हो गई थी। जिसका एक कारण रोमन साम्राज्य का पतन हो सकता है जिसने कानूनी प्रणाली और यूरोप के शहरों के बीच संपर्क को कमजोर कर दिया। हालांकि इस अवधि में जिसे डार्क एजेज़ कहा जाता है, यूरोप में तीर्थ यात्रा में वृद्धि देखी गई। हम देख सकते हैं कि यात्रा और पर्यटन समृद्धि के समय और सुरक्षित वातावरण में सबसे अधिक फलते-फूलते हैं।

2.3 पुनर्जागरण और ग्रैंड टूर (The Renaissance and the Grand Tour)

पुनर्जागरण (Renaissance) या नए आरंभ का युग जैसा कि आपने इतिहास में पढ़ा है कि पुनर्जागरण, यूरोप में अंधकारमय मध्य युग के बाद आया। पुनर्जागरण यूरोप में सांस्कृतिक पुनर्जागरण का युग था (विशेषकर इंग्लैंड में)। यह सीखने और ज्ञान के लिए यात्रा का समय था जिसे ग्रैंड टूर (Grand Tour) के नाम से जाना जाता है। ग्रैंड टूर का आरंभ इंग्लैंड में सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी में हुआ। कुलीन धनी युवा पुरुष विशेषकर रईस, विद्वान, राजनयिक और व्यवसायी, अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए कभी-कभी शिक्षक के साथ यूरोप के ग्रैंड टूर पर जाते थे। इस यात्रा में पेरिस, फ्लोरेंस, रोम और फ्रांस के अन्य सांस्कृतिक केंद्रों जैसे विभिन्न शहरों की यात्रा शामिल थी जहाँ वे कला और विज्ञान के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते थे और फिर सांस्कृतिक रूप से मजबूत होकर इंग्लैंड लौटते थे। इस यात्रा का उद्देश्य शिक्षित होना और "सभ्य दुनिया" से ज्ञान और सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त करना था। इस यात्रा का उद्देश्य 'अच्छे जन्म और भाग्य' के युवा पुरुषों और महिलाओं द्वारा 'सभ्य दुनिया' से ज्ञान और सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त करना था तथा इसी प्रकार उन्हें सरकार और राजनीति में महत्वपूर्ण पदों और नौकरियों के लिए तैयार करना था।

चिग्रैंड टूर (Grand Tour) के दौरान आमतौर पर यात्रा किए गए शहर

जल्द ही ग्रैंड टूर फैशन और एक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया और धीरे-धीरे ग्रैंड टूर ने अवकाश के लिए यात्रा का रूप ले लिया परंतु उसका उद्देश्य बदल गया एवं मूल उद्देश्य कहीं खो गया। फिर भी ग्रैंड टूर पर्यटन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह पहली बार था जब कुछ हद तक संगठित और योजनाबद्ध पर्यटन गतिविधि शुरू की गई थी अतः यह आधुनिक पर्यटन की ओर पहला कदम था।

इसी समय अठारहवीं शताब्दी में पर्यटन उद्योग ने मुख्य रूप से इंग्लैंड में स्पा, स्नानागार और समुद्र तटीय बीच रिसॉर्ट्स का आगमन देखा गया। हालाँकि रोमनों ने स्नान की अवधारणा इंग्लैंड और बाकी यूरोप में लाई थी लेकिन स्नानागार और रिसॉर्ट्स ब्रिटेन के अभिजात्य और उच्च वर्ग के धनवान लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए। यह न सिर्फ स्वास्थ्य लाभ के साथ उपचार केंद्र के रूप में लोकप्रिय थे बल्कि वे सामाजिक मेलजोल, नृत्य और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के स्थान भी थे जो मुख्यतः सामाजिक स्थिति और स्वीकार्यता के संकेत थे। ऐसी ही एक जगह (स्नानागार) इंग्लैंड में थी जो स्वास्थ्य पुनर्जीवन और सामाजिक आयोजनों के लिए अभिजात्यों और धनवानों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गई।

इसके साथ ही समुद्र तटीय रिसॉर्ट्स की मांग भी बढ़ी। जब चिकित्सा पेशेवरों ने शरीर की सूजन और संबंधित चिकित्सा समस्याओं वाले लोगों के लिए समुद्र के पानी से स्नान की सलाह दी। चिकित्सा प्रैक्टिशनरों ने खनिज जल और प्राकृतिक गर्म पानी के स्रोतों के लाभों का भी समर्थन किया।

स्पा और स्नानागार न केवल स्वास्थ्य लाभों के साथ उपचार केंद्र के रूप में लोकप्रिय थे बल्कि वे सामाजिक मेलजोल, नृत्य और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के स्थान भी थे जो मुख्यतः सामाजिक स्थिति और स्वीकार्यता का संकेत थे। इससे स्पा में वृद्धि हुई और व्यवसाय के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए यात्रा लोकप्रिय हो गई। यह दिखाता है कि उस समय अवकाश और स्वास्थ्य के लिए यात्रा की मांग थी जो तब तक उपयोग नहीं की गई थी। स्पा और स्नानागार की मांग और लोकप्रियता उन्नीसवीं शताब्दी की शुरुआत में औद्योगिक क्रांति और नए गंतव्यों और नए प्रकार के पर्यटन के आगमन के साथ धीरे-धीरे कम हो गई।

2.4 औद्योगिक क्रांति और पर्यटन (Industrial Revolution and Tourism)

पुनर्जागरण के बाद औद्योगिक क्रांति आई और अपने साथ कई सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाई जिसने पर्यटन उद्योग को प्रभावित किया। यह क्रांति इंग्लैंड में शुरू हुई फिर यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में फैल गई। इतिहासकारों ने उल्लेख किया है कि आज हम जिस पर्यटन को जानते हैं वह संभवतः औद्योगिक क्रांति के दौरान और उसके बाद शुरू हुआ जब "मध्यम वर्ग" का उदय हुआ और समय के साथ अपेक्षाकृत सस्ते परिवहन के साधन उपलब्ध हुए।

औद्योगिक क्रांति ने जनसंख्या को शहरी केंद्रों की ओर स्थानांतरित किया और शहरों के बीच तथा शहरी और ग्रामीण केंद्रों के बीच, यात्रा में वृद्धि हुई। अवकाश समय या छुट्टियों की अवधारणा भी इसी समय आई। शुरुआत में साधारण लोगों के लिए किसी भी काम से छुट्टी लेने का उद्देश्य धार्मिक होता था इसलिए उन्हें 'पवित्र दिन (HOLY DAYS)' कहा जाता था। इस प्रकार छुट्टियों के लिए 'हॉलिडे (HOLIDAY)' शब्द का उपयोग किया जाने लगा।

पर्यटन को भाप इंजन से भी बहुत लाभ हुआ जिसने रेल यात्रा के साथ-साथ भाप से चलने वाली नावों और जहाज़ों द्वारा यात्रा को संभव बनाया। रेलवे ने पहली बार 1830 में इंग्लैंड में लिवरपूल और मैनचेस्टर के बीच

यात्रियों को ले जाना शुरू किया। यह यात्रा का वह तरीका था जिसने पर्यटन उद्योग में पहली संगठित यात्रा की शुरुआत की। पहली संगठित यात्रा का श्रेय श्री थॉमस कुक (Thomas Cook) को जाता है।

उन्होंने 5 जुलाई 1841 को इंग्लैंड में लीसेस्टर (Leicester) से लॉफबरो (Loughborough) तक 570 यात्रियों के साथ एक सैर यात्रा (excursion trip) आयोजित किया जहाँ प्रत्येक यात्री ने इस सैर यात्रा के लिए एक शिलिंग (शिलिंग का अर्थ यूनाइटेड किंगडम की एक पूर्व मौद्रिक इकाई है जो 12 पेंस या 1/2 पाउंड के बराबर होती है) का भुगतान किया। पर्यटकों के इस समूह ने पिकनिक लंच और ब्रास बैंड के साथ एक चार्टर्ड ट्रेन में यात्रा की। यह यात्रा इतनी लोकप्रिय हुई कि इसके बाद "थॉमस कुक" ने यात्रा सेवाओं का आयोजन करना शुरू कर दिया और 1843 में लगभग 3000 छात्रों ने लीसेस्टर से डर्बी तक यात्रा की। कुक ने 1848 से 1863 के बीच स्कॉटलैंड के लिए चक्रीय यात्राएँ (circuit tours) संचालित कीं और एक सीजन में लगभग 5000 पर्यटकों ने इन यात्राओं में भाग लिया। "थॉमस कुक" को 1867 में पहला होटल वाउचर पेश करने और यात्रा व्यवसाय में विदेशी मुद्रा विनिमय जोड़ने का श्रेय भी दिया जाता है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि "थॉमस कुक" को पर्यटन उद्योग का जनक कहा जाता है।

यह जहाज़ों विशेष रूप से ट्रांसअटलांटिक यात्रा द्वारा अवकाश यात्रा का भी युग था। पहले के समय में जहाज़ों का उपयोग मुख्य रूप से व्यापार और वाणिज्य तथा इसके साथ ही नए क्षेत्रों की खोज और युद्धों जैसे सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता था। इस युग में यात्रियों ने लंबी दूरी की यात्राएँ कीं मुख्यतः ट्रांसअटलांटिक यात्रा अर्थात् इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच जहाज़ों द्वारा यात्रा। यह यात्री जहाज़ों के लिए सबसे लंबे और सबसे लाभदायक मार्गों में से एक था। जहाज़ों द्वारा यात्रा से जुड़े कुछ तथ्य नीचे दिए गए हैं :

* ट्रांसअटलांटिक यात्री सेवा (Transatlantic passenger service) 1818 में संयुक्त राज्य अमेरिका की ब्लैक बॉल लाइन द्वारा शुरू की गई।
* सैमुअल क्यूनार्ड (Samuel Cunard) ने 1839 में अपनी 'ब्रिटिश एंड नॉर्थ अमेरिकन रॉयल मेल स्टीम-पैकेट कंपनी' शुरू की जिसे बाद में लिवरपूल और बॉस्टन के बीच क्यूनार्ड लाइन (Cunard Line) के नाम से जाना गया।
* 1840 में प्रसिद्ध क्यूनार्ड लाइन (Cunard Line) अटलांटिक के पार निर्धारित स्टीमशिप सेवा प्रदान करने वाली पहली कंपनी बनी।
* दो सबसे महत्वपूर्ण समुद्री प्रगति भूमि पर हुईं: सुएज़ नहर (Suez Canal) का उद्घाटन (1869) और पनामा नहर (Panama Canal) का उद्घाटन (1914)।
* अटलांटिक पार करने वाले यात्रियों की संख्या 1902 में 2,00,000 से बढ़कर 1929 में एक मिलियन से अधिक हो गई।

SCERT DELHI

* यात्री जहाज व्यवसाय द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भी 13 और वर्षों तक फलता-फूलता रहा।

* 1958 एक महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि यह महासागर लाइनरों के अंत की शुरुआत थी क्योंकि 1958 में पहली वाणिज्यिक जेट एयरलाइनर ने बिना रुके अटलांटिक के पार उड़ान भरी थी।

    * 25 कंपनियाँ और 70 जहाज़ ट्रासअटलांटिक मार्गों पर संचालन कर रहे थे।

    * साल 1959 तक, 63 मिलियन यात्री हवाई यात्रा कर रहे थे क्योंकि यह तेज़ और सुरक्षित था।

2.5 आधुनिक समय में पर्यटन (Tourism in modern times)

आधुनिक पर्यटन युग को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अवधि माना जा सकता है। इन समयावधि में बेहतर वेतन स्तर और कार्य स्थितियों ने लोगों को अवकाश के लिए यात्रा करने की अनुमति दी। इस दौरान पर्यटन उद्योग में वास्तविक विकास देखा गया। 1950 के दशक में जेट विमान के विकास और वाणिज्यिक एयरलाइन उद्योग की स्थापना के साथ यात्रा तेज़ हो गई दूरी कम हो गई और बेहतर परिवहन और सस्ती यात्रा विकल्पों के साथ लोगों ने अवकाश के लिए यात्रा करना शुरू कर दिया। वाणिज्यिक एयरलाइन उद्योग की स्थापना ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा और पर्यटन के तेज विकास और विस्तार का संकेत दिया जिससे अन्य देशों उनके लोगों और संस्कृतियों में जिज्ञासा और रुचि को संतुष्ट किया जा सके।

थॉमस कुक (Thomas Cook)

आधुनिक पर्यटन का श्रेय दुनिया भर में जीवन स्तर में हुए बड़े बदलाव को दिया जा सकता है। लोगों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि हुई है और परिवहन व तकनीक के साधनों में विकास हुआ है। आधुनिक समय में पर्यटन उद्योग एक जटिल मिश्रण है जिसमें जन पर्यटन के साथ-साथ सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन गतिविधियाँ भी शामिल हैं।

जन पर्यटन (Mass tourism) का अर्थ उन पैकेज टूर पर्यटकों से है जो किसी स्थान पर केवल इसलिए यात्रा करते हैं ताकि वे उसे अपनी "देखे गए" स्थानों की सूची में जोड़ सकें। इसके विपरीत सतत पर्यटन और पर्यटन के अन्य वैकल्पिक रूप का उद्देश्य ऐसी गतिविधियाँ करना है जो स्थानीय पर्यावरण और समुदाय पर न्यूनतम कार्बन पदचिह्न और प्रभाव छोड़ें।

आधुनिक पर्यटन का मतलब बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना भी है। उदाहरण के लिए जब वाणिज्यिक एयरलाइंस ने अपनी सेवाएँ शुरू कीं तो यात्री जहाजों की लोकप्रियता कम हो गई। इससे यात्री जहाजों ने नए क्षेत्रों की खोज की और अब हमारे पास बेहद लोकप्रिय क्रूज़ शिप्स हैं जो तैरते होटल से तैरते शहर का रूप ले

चुके हैं। आज क्रूज़ शिप्स पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय हो गए हैं न केवल एक गंतव्य के रूप में बल्कि एक क्षेत्र में स्थित दो स्थानों के बीच परिवहन के साधन के रूप में भी। इसी तरह पर्यटन के वैकल्पिक रूप हमारे भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपनी विरासत को संजोने का एक माध्यम हैं ताकि पर्यटन से होने वाले प्रभावों से उसे बचाया जा सके। अगले अध्याय में आप पर्यटन के प्रभावों के बारे में अध्ययन करेंगे।

पर्यटन उद्योग ने बढ़ती पर्यटकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद को बढ़ाया और अनुकूलित किया है तथा इसकी बढ़ती स्थिति को मजबूत किया है। ऐसा महसूस किया जाता है कि इस क्षेत्र में विकास की संभावना को मुश्किल से ही प्राप्त और समझा गया है। यहाँ यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि हाल के समय में पर्यटन उद्योग ने कई संकट स्थितियों का सामना किया है और उन्हें पार भी किया है जैसे कि आतंकवादी हमले जैसे 9/11 की घटना और यूके और अन्य देशों में बम विस्फोट, प्राकृतिक आपदाएं जैसे सुनामी, आर्थिक मंदी, मानव निर्मित संकट जैसे युद्ध और युद्ध जैसी स्थितियां और स्वास्थ्य संबंधी विपत्ति जैसे स्वाइन फ्लू, करोना।

विभिन्न प्रकार की संकट स्थितियों का सामना करने के बावजूद पर्यटन उद्योग ने वापसी की है। UNWTO के World Tourism Barometer के अनुसार अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्राप्तियाँ संकट वर्ष 2009 के नुकसान से उबरने लगीं और अधिकांश गंतव्यों में नए रिकॉर्ड बनाकर 2011 में विश्वभर में अनुमानित US$ 1,030 बिलियन (यूरो 740 बिलियन) तक पहुंचीं जो 2010 में US$ 928 बिलियन (यूरो 700 बिलियन) से बढ़ा था। वास्तविक शर्तों में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक प्राप्तियाँ 3.8% बढ़ीं जबकि अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन 2011 में 4.6% बढ़कर 982 मिलियन हो गया।

UNWTO के वर्ल्ड टूरिज्म बैरोमीटर के अनुसार अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन ने 2012 में पहली बार इतिहास में 1 बिलियन पर्यटकों को पार कर लिया। समय के साथ सामूहिक पर्यटन में वृद्धि हुई है और पर्यटन उद्योग की बढ़ती मांग को पूरा करने से आधुनिक युग के सबसे बड़े उद्योगों में से एक पर्यटन उद्योग का विकास हुआ है। इससे यह विश्वास होता है कि पर्यटन उद्योग ने अपने इतिहास से सीखा है और सीखे गए पाठों को पर्यटन की वृद्धि को बनाए रखने के लिए लागू किया है।

आज बढ़ता हुआ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हर देश का ध्यान आकर्षित कर रहा है। पर्यटन में रोजगार के अवसर प्रदान करने और विदेशी मुद्रा अर्जित करने की क्षमता है जिसका मतलब है कि यह न केवल एक बड़ी सामाजिक घटना है बल्कि एक बड़ी आर्थिक गतिविधि भी है। ये सभी कारण पर्यटन को एक लाभकारी और वांछनीय क्षेत्र बनाते हैं। हालांकि यह एक ऐसा उद्योग है जो कई अन्य उद्योगों में विभाजित है जैसे; होटल, मोटल और अन्य प्रकार के आवास, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य सेवाएं, परिवहन सेवाएं और सुविधाएं, मनोरंजन, आकर्षण और अन्य अवकाश सुविधाएं, गिफ्ट शॉप्स और कई अन्य उद्यम। इसलिए यह हमेशा संभव नहीं होता कि वृद्धि के कारकों को बनाए रखा जाए। फिर भी यात्रा और पर्यटन उद्योग की विविध प्रकृति के कारण इसने शिक्षाविदों, उद्योग पेशेवरों और शोधकर्ताओं में रुचि पैदा की है। पर्यटन और इसके रुझान अब अध्ययन के योग्य विषय माने जाते हैं। आजकल शोध और अध्ययन नियमित रूप से किए जा रहे हैं ताकि पर्यटकों

की जरूरतों को समझा जा सके इससे पहले कि पर्यटक स्वयं उन्हें व्यक्त करें और उन आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

2.6 भारत में पर्यटन (Tourism in India)

भारत में यात्रा और पर्यटन की प्राचीन परंपरा है अर्थात् यात्रा के बारे में प्रेरणा नई नहीं है। यह प्राचीन काल से अनौपचारिक रूप से अस्तित्व में रही है और सभी वर्गों के लोगों द्वारा इसका आनंद लिया गया है। ऋग्वेद के 'ऐतरेय ब्राह्मण' में जो लगभग 3000 वर्ष पहले लिखा गया था कहा गया है कि मानव का मुख्य उपदेश है कि वह सूर्य की तरह बनें और बिना थके लगातार यात्रा कर यात्रा करते रहें और आगे बढ़ें।

संस्कृत साहित्य में पर्यटन के लिए तीन शब्द हैं जो मूल शब्द 'अटन 'से व्युत्पन्न हैं जहाँ 'अटन' का मतलब है "कुछ समय के लिए घर छोड़कर किसी अन्य स्थान पर जाना" । तीन शब्द हैंः

* **तीर्थाटन [तीर्थ + अटन = तीर्थाटन]** – धार्मिक महत्व वाले स्थानों की यात्रा करना।
* **देशाटन [देश + अटन = देशाटन]** मुख्य रूप से आर्थिक लाभ के लिए देश से बाहर यात्रा करना।
* **पर्यटन [परि + अटन] = पर्यटन]** मनोरंजन और ज्ञान के लिए यात्रा करना।

तीर्थाटन यानी तीर्थयात्रा भारत में विविध संस्कृतियाँ और धर्म हैं जिनमें पर्यटन के प्रमुख प्रकारों में से एक तीर्थाटन रही है और आज भी बनी हुई है क्योंकि मनुष्यों की परंपरा है कि वे अधिकांश वांछनीय मानव गतिविधियों को धर्म से संबंधित करते हैं। हिंदू धर्म के अनुयायी चार धाम जैसे तीर्थस्थलों का दर्शन करते हैं और देश की सभी पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। दूसरी ओर बौद्ध धर्म के अनुयायी बौद्ध धर्म से जुड़े स्थानों जैसे बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर आदि का भ्रमण करते हैं।

तीर्थयात्रा की सुविधा राजा और सम्राटों के समय में भी प्रदान की जाती थी। उदाहरण के लिए महान अशोक बुद्ध के सिद्धांतों को फैलाने के लिए बहुत यात्रा करते थे। वे रास्ते के किनारों पर पेड़ लगाते थे और रास्ते में विश्राम गृह बनवाते थे। सम्राट हर्ष ने भी यात्रा की सुविधा विशेष रूप से तीर्थयात्रा के लिए कई संस्थान, मठ और धर्मशालाएं बनवाई थीं।

प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' राज्य के लिए यात्रा अवसंरचना के महत्व को भी उजागर करता है और सैन्य तथा वाणिज्यिक यात्रियों के लिए अच्छी तरह से विकसित यात्रा मार्गों की उपस्थिति को दर्शाता है। इसी तरह, रेशम मार्ग व्यापार और वाणिज्य के लिए यात्रा के प्रमुख उदाहरणों में से एक है क्योंकि भारतीय मसाले इस मार्ग से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं में से एक थे। यात्रियों के विवरण और ऐतिहासिक साक्ष्य हमें बताते हैं कि उन रास्तों को अच्छी तरह से बनाए रखा जाता था जिनके दोनों ओर पेड़ लगाए गए थे और रास्ते में धर्मशालाएं या विश्राम गृह बनाए गए थे जिससे यात्रा सुगम हो जाती थी। मुगलों के शासन के दौरान

सम्राट राज्य में व्यापक रूप से यात्रा करते थे। मील के पत्थर, सराय और सड़कों का नेटवर्क जैसे अतीत के अवशेषों ने इस विशाल देश के सभी कोनों को सुलभ बनाया।

प्रारंभिक समय में यात्राएँ केवल भारतीयों की विदेश यात्राओं तक सीमित नहीं थीं बल्कि इसमें हमारे देश में आने वाले वे आगंतुक भी शामिल थे जो यहाँ के समृद्ध व्यापारिक संबंधों और भारत की संस्कृति एवं संपदा की कहानियों के कारण आकर्षित होकर आते थे। इन विदेशी यात्रियों के यात्रा-वृत्तांत रोचक और सूचनात्मक अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन प्रसिद्ध यात्रियों में से कुछ हैंः

* "हेरोडोटस" (Herodotus) एक यूनानी यात्री थे जो भारत आए। उनके काम "हिस्टोरिका" (Historica) में "अलेक्जेंडर का आक्रमण" के बारे में बहुत सारी जानकारी दी गई है।
* "मेगस्थनीज" (Megasthenes) एक यूनानी राजदूत थे जो मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में थे। उन्होंने चंद्रगुप्त मौर्य के समय के जीवन का एक विवरण लिखा।
* एक अज्ञात यात्री ने "पेरिप्लस ऑफ एरिथ्रियन सी" लिखा जिसमें भारतीय समुद्री व्यापार, बंदरगाहों और पश्चिमी दुनिया के साथ व्यापार संबंधों की जानकारी है।
* "फाहियान" एक चीनी यात्री थे जो 5वीं सदी ईस्वी में भारत आए। इनकी रिपोर्ट सामाजिक जीवन बौद्ध धर्म और उस समय की राजनीतिक घटनाओं पर आधारित है।
* "युआन च्वांग" (Yuan Chwang) एक चीनी यात्री थे जिन्होंने 7वीं सदी ईस्वी में भारत का दौरा किया और यहाँ 16 साल बिताए। उन्होंने उस समय के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन के साथ-साथ राजनीतिक घटनाओं का वर्णन किया।
* "ह्सुआन त्सांग" (Hsuang Tsang) या जिन्हें चीन में "शुआंगज़ांग" (Xuangzang) के नाम से जाना जाता है एक प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान-तीर्थयात्री थे। उन्होंने अपने जीवन के 14 साल 630 से 644 ईस्वी तक भारत में बिताए।
* "अल मसूदी" (Al Masudi) एक अरब यात्री थे जिन्होंने 941 से 943 ईस्वी में भारत का दौरा किया और "राष्ट्रकूट" (Rashtra Kutas) के बारे में लिखा।
* "अबू रिहाम" (Abu Ryham) या "अलबरूनी" (Alberuni) एक प्रसिद्ध अरब यात्री थे और महमूद गज़नी के समकालीन थे। उन्होंने अपने लिखित कार्य "तहकीक-उल-हिंद" (Tahkik ul Hind) में एक स्पष्ट, वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष विवरण दिया।
* "मार्को पोलो" (Marco Polo) एक वेनिसियन यात्री थे जिन्होंने 1294 ईस्वी में दक्षिण भारत का दौरा किया और भारत के आर्थिक इतिहास पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

SCERT DELHI

* "इब्न बतूता" (Ibn Battuta) मोरक्को से थे जिन्होंने 1333 से 1342 के बीच भारत का दौरा किया और एक "रिह्ला" (Rehla) यानी यात्रावृत्तांत लिखा जिसमें उन्होंने भारत में अपनी यात्रा किए गए स्थानों का जीवंत वर्णन किया। उन्होंने भारत की लंबाई और चौड़ाई का भ्रमण किया।

ऊपर उल्लेखित प्राचीन भारत के कुछ यात्रियों की सूची है और यह विभिन्न देशों और भारत के बीच यात्रा को दर्शाता है। एक यात्री जिन्होंने हमें हिंदी और कई अन्य भाषाओं में पहला यात्रावृत्तांत दिया है वह हैं, राहुल सांकृत्यायन (9 अप्रैल, 1893 – 14 अप्रैल, 1963) जिन्हें कभी-कभी हिंदी यात्रा साहित्य के पिता के रूप में भी जाना जाता है। वे भारत के सबसे व्यापक रूप से यात्रा किए गए विद्वान में से एक थे और उन्होंने अपने जीवन के लगभग पैंतालीस वर्ष अपने घर से दूर यात्रा में बिताए। उनकी यात्राएं उन्हें पूरे देश में ही नहीं बल्कि कुछ विदेशी देशों में भी ले गईं। महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने ज्यादातर सतही परिवहन का उपयोग करके यात्रा की जिससे उनके यात्रा-वृत्तांत पढ़ने में बहुत रोचक बनते हैं। उन्हें 1963 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया और 1958 में अपनी पुस्तक मध्य एशिया का इतिहास के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। वे एक सच्चे यात्री थे जिन्होंने भारत के यात्रा लेखन और साहित्य दोनों को प्रभावित किया है।

आज जो पर्यटन हम जानते हैं वह भारत में काफी देर से शुरू हुआ।

व्यापक रेल नेटवर्क ने लोगों को समय और संसाधनों के साथ यात्रा करने में मदद की। 1 अगस्त 1963 को एयर कॉर्पोरेशन्स एक्ट के द्वारा हवाई यात्रा को आसान बनाया गया जब भारत में पूरे हवाई परिवहन उद्योग को राष्ट्रीयकृत किया गया तथा बाद में 1993 में निजी खिलाड़ियों के लिए भारतीय आकाश खोलने से लोगों को कम समय में यात्रा करने में मदद मिली। इंडिया टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (India Tourism Development Corporation- ITDC) की शुरुआत मेहमानों विशेष रूप से विदेशी पर्यटकों को आधुनिक अवसंरचना और आराम प्रदान करने के लिए की गई थी।

हालांकि किसी भी देश के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आगमन बहुत महत्वपूर्ण है भारत के लिए घरेलू पर्यटन भारतीय पर्यटन का मुख्य आधार था और हमेशा रहेगा। इसका कारण देश की विशाल जनसंख्या और देश का विशाल विस्तार तथा पर्यटन आकर्षण हैं। घरेलू पर्यटकों का आवागमन किसी देश के लिए हमेशा महत्वपूर्ण होता है क्योंकि विभिन्न संकट परिस्थितियों में विदेशी पर्यटकों की संख्या प्रभावित हो सकती है लेकिन घरेलू पर्यटन विपरीत परिस्थितियों में भी जारी रहता है। सरकार भी अवकाश यात्रा रियायतें (Leave Travel Concessions - LTC) योजना के तहत अपने कर्मचारियों को हर कुछ साल में वेतन सहित अवकाश देकर घरेलू यात्रा को प्रोत्साहित करती है।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन और भारत के पर्यटन प्राप्तियाँ भी पिछले कुछ दशकों से उल्लेखनीय वृद्धि दिखा रही हैं। भारत को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच पसंदीदा गंतव्य के रूप में प्रचारित किया जा रहा है और परिणाम अंततः स्पष्ट हो रहे हैं। पर्यटन मंत्रालय द्वारा किए गए हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि 2011

में भारत की अंतरराष्ट्रीय पर्यटक प्राप्तियाँ US$ 16.56 बिलियन थी इस अवधि में वार्षिक वृद्धि दर 16.7% थी। 2011 के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन की संख्या लगभग वार्षिक वृद्धि के साथ 6.29 मिलियन थी। इस अवधि के लिए वृद्धि दर 8.9% थी। फिर भी वैश्विक पर्यटक आगमन के मामले में भारत का हिस्सा नगण्य रहा है क्योंकि भारत को वैश्विक पर्यटन हिस्सेदारी में 0.64% के साथ 38वें स्थान पर रैंक किया गया है। यह दिखाता है कि भारत में पर्यटन की क्षमता अभी खुल रही है।

2.6.1 पर्यटन सर्किट (Tourism Circuit)

आपने पर्यटकों और पर्यटन पेशेवरों को अक्सर पर्यटन सर्किट्स पर चर्चा करते हुए सुना होगा। अक्सर पर्यटन से जुड़े हितधारक किसी विशेष सर्किट के विकास पर चर्चा करते हैं ताकि उस स्थान पर पर्यटकों का आगमन बढ़ सके और इस तरह उस जगह का विकास हो सके। आइए "सर्किट" को परिभाषित करके समझते हैं।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अनुसार "एक पर्यटन सर्किट को एक ऐसे मार्ग के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें कम से कम तीन प्रमुख पर्यटन स्थलों का समावेश हो और इनमें से कोई भी एक ही शहर, गांव या कस्बे में न हो।" साथ ही ये एक दूसरे से अधिक दूरी पर न हों। इस सर्किट में एक अच्छी तरह से परिभाषित प्रवेश और निकास बिंदु होना चाहिए। एक पर्यटक जो प्रवेश बिंदु से प्रवेश करता है, उसे इस सर्किट के सभी स्थानों को देखने के लिए प्रेरित होना चाहिए। एक पर्यटन सर्किट का उद्देश्य यह है कि पर्यटकों की कुल संख्या इन सभी स्थलों पर बढ़े और पर्यटकों को सर्किट में शामिल सभी स्थानों के आकर्षण देखने को मिलें।

भारत जो अपने विशाल और विविध पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है ने कई पर्यटन सर्किट्स बनाए हैं जैसे कि लोकप्रिय गोल्डन ट्रायंगल, बौद्ध सर्किट और कई अन्य। गोल्डन ट्रायंगल को विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच सबसे लोकप्रिय पर्यटन सर्किट माना जाता है। इस सर्किट में उत्तर भारत के तीन प्रमुख पर्यटन स्थल शामिल हैं दिल्ली, आगरा और जयपुर। इस सर्किट की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अक्सर अंतरराष्ट्रीय पर्यटक दिल्ली से देश में प्रवेश करते हैं दिल्ली घूमते हैं और फिर आगरा

और जयपुर जाते हैं और फिर वापस दिल्ली से ही प्रस्थान करते हैं ।

2.7 सारांश (Summary)

इस इकाई में आपने सीखा कि अतीत उन कारकों की पहचान करने की कुंजी है जो पर्यटन को बढ़ावा देते हैं या उसे रोकते हैं। प्राचीन दुनिया के पर्यटन इतिहास और यह समय के साथ कैसे बदलता गया पर चर्चा की गई। विदेशी यात्रियों के भारत आने का विवरण भी दिलचस्प है क्योंकि इन यात्रा-वृत्तांतों से हमें अपने देश के बारे में जानने का मौका मिलता है।

वैश्विक और भारतीय पर्यटन को प्रभावित करने वाली प्रमुख घटनाएं जैसे पहली रेलवे यात्रा पहला यात्री जहाज, पहली वाणिज्यिक एयरलाइन आदि और उनका पर्यटन के साथ संबंध भी चर्चा का हिस्सा था। अंत में इस इकाई में हमने पर्यटन उद्योग के बदलते रूप पर भी चर्चा की।

समीक्षा प्रश्न Review Questions

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. पर्यटन का इतिहास हमें क्या समझने में मदद करता है?

   a) आधुनिक ट्रेवल एजेन्सी b) पर्यटन विकास के कारक

   c) वैश्विक परिदृश्य d) इतिहास

2. "ग्रैंड टूर" किस काल में प्रारंभ हुआ?

   a) मध्यकाल b) पुनर्जागरण

   c) आधुनिक युग d) पाषाण

3. भारतीय साहित्य में "पर्यटन" का कौन-सा रूप मुख्यतः धार्मिक यात्रा से संबंधित है?

   a) तीर्थाटन b) देशाटन

   c) पर्यटन d) पर्यटक

4. औद्योगिक क्रांति का मुख्य प्रभाव किस पर पड़ा?

   a) समुद्री यात्रा b) रेल यात्रा

   c) हवाई यात्रा d) मनोरंज यात्रा

SCERT DELHI

5. थॉमस कुक द्वारा पहली सैर यात्रा किस वर्ष आयोजित किया गया?

a) 1841　　b) 1867

c) 1855　　d) 1848

6. भारत का सबसे प्रसिद्ध पर्यटन सर्किट कौन-सा है?

a) तीर्थ सर्किट　　b) गोल्डन ट्रायंगल

c) सांस्कृतिक सर्किट　　d) नया सर्किट

7. निम्नलिखित में से किसे "सिल्क रूट" का नाम दिया गया?

a) भारतीय मसालों का व्यापार　　b) चीन का रेशम व्यापार

c) यूरोपीय संस्कृति　　d) रूस

8. ग्रैंड टूर का मुख्य उद्देश्य क्या था?

a) धार्मिक यात्रा　　b) अध्ययन और सांस्कृतिक ज्ञान प्राप्ति

c) व्यापार यात्रा　　d) मनोरंजन यात्रा

9. निम्नलिखित में से कौन-सी संस्था पर्यटन अध्ययन में शामिल है?

a) यूनेस्को　　b) UNWTO

c) आईसीसी　　d) आईएटीए

10. भारत में पर्यटन विकास के लिए पहला सरकारी संगठन कौन-सा है?

a) आईटीडीसी　　b) पीडब्ल्यूडी

c) एनएचएआई　　d) डबल्यूएचओ

उत्तरः

1. b) पर्यटन विकास के कारक 2. b) पुनर्जागरण 3. a) तीर्थाटन 4. b) रेल यात्रा 5. a) 1841, 6. b) गोल्डन ट्रायंगल 7. b) चीन का रेशम व्यापार 8. b) अध्ययन और सांस्कृतिक ज्ञान प्राप्ति 9. b) UNWTO 10. a) आईटीडीसी.

SCERT DELHI

रिक्त स्थान (Fill in the Blanks)

1. सिल्क रूट का प्रमुख व्यापारिक उत्पाद ____था।
2. थॉमस कुक को _________का जनक माना जाता है।
3. ग्रैंड टूर का उद्देश्य _________प्राप्त करना था।
4. भारत में धार्मिक यात्राओं को ______कहा जाता है।
5. ___________ने रेल यात्रा को लोकप्रिय बनाया।
6. पुनर्जागरण के बाद ______का प्रचलन शुरू हुआ।
7. UNWTO ने 2010 में _________लॉन्च किया।
8. _______में दिल्ली, आगरा और जयपुर शामिल हैं।
9. पर्यटन का मुख्य उद्देश्य ________बढ़ाना है।
10. _______ने भारत में पर्यटन को सुगम बनाया।

उत्तरः

1.रेशम 2. पर्यटन उद्योग 3. सांस्कृतिक ज्ञान 4. तीर्थाटन 5. औद्योगिक क्रांति 6. ग्रैंड टूर 7. सिल्क रोड एक्शन प्लान 8. गोल्डन ट्रायंगल 9. आर्थिक विकास 10. रेलवे नेटवर्क

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Type Questions)

1. पर्यटन को वैश्विक स्तर पर किस प्रकार की घटनाओं ने प्रभावित किया?

उत्तरः भाप इंजन का आविष्कार, ट्रांसअटलांटिक उड़ानें, और औद्योगिक क्रांति जैसी घटनाओं ने पर्यटन को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किया।

2. भारत में यात्रा की प्राचीन परंपरा को किस ग्रंथ में उल्लिखित किया गया है?

उत्तरः यात्रा की प्राचीन परंपरा का उल्लेख ऋग्वेद के 'ऐतरेय ब्राह्मण' में मिलता है।

3. ग्रैंड टूर के दौरान प्रमुख रूप से किन शहरों का दौरा किया जाता था?

उत्तरः ग्रैंड टूर में प्रमुख रूप से पेरिस, फ्लोरेंस, और रोम जैसे शहरों का दौरा किया जाता था।

SCERT DELHI

4. भारतीय संस्कृत साहित्य में पर्यटन के कौन-से तीन प्रकार हैं?

उत्तरः भारतीय संस्कृत साहित्य में पर्यटन के तीन प्रकार हैंः तीर्थाटन, देशाटन, और पर्यटन।

5. स्पा और स्नानागार (Baths) का प्रमुख उद्देश्य क्या था?

उत्तरः स्पा और स्नानागार का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य लाभ के साथ सामाजिक मेलजोल को बढ़ावा देना था।

6. आधुनिक समय में पर्यटन किस प्रकार के प्रभावों का सामना कर रहा है?

उत्तरः आधुनिक पर्यटन को आर्थिक मंदी, प्राकृतिक आपदाएं और स्वास्थ्य संकट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

7. प्रारंभिक यात्राओं के उद्देश्यों में प्रमुख रूप से क्या शामिल था?

उत्तरः प्रारंभिक यात्राओं का उद्देश्य मुख्यतः व्यापार का विस्तार, नए क्षेत्रों की खोज और धार्मिक प्रसार था।

8. पुनर्जागरण के बाद पर्यटन में किस नए प्रकार का बदलाव आया?

उत्तरः पुनर्जागरण के बाद शिक्षा और सांस्कृतिक समझ के लिए ग्रैंड टूर की शुरुआत हुई।

9. 'सिल्क रूट' का क्या महत्व था?

उत्तरः सिल्क रूट एशिया और यूरोप के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का मुख्य मार्ग था।

10. भारत में घरेलू पर्यटन का मुख्य कारण क्या है?

उत्तरः भारत में घरेलू पर्यटन का मुख्य कारण विशाल जनसंख्या और विविधता के कारण धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का महत्व है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. भारत में पर्यटन उद्योग की विकास प्रक्रिया क्या रही है, और इसके प्रमुख चरण कौन-कौन से रहे हैं?

उत्तरः भारत में पर्यटन का इतिहास प्राचीन काल से जुड़ा है जब तीर्थाटन, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए लोग यात्रा करते थे। समय के साथ विभिन्न शासकों जैसे अशोक, मुगलों और ब्रिटिश राज के दौरान यात्रा और अवसंरचना में महत्वपूर्ण सुधार हुए। औद्योगिक क्रांति के बाद रेलवे नेटवर्क का विकास हुआ जिससे यात्रा सरल हुई। 20वीं सदी में भारत सरकार ने आधुनिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ITDC जैसी संस्थाओं की स्थापना की और हवाई यात्रा को प्रोत्साहित किया। इसके अलावा गोल्डन ट्रायंगल और बौद्ध सर्किट जैसे पर्यटन सर्किट ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया।

SCERT DELHI

2. सिल्क रूट ने विश्व इतिहास में कैसे योगदान दिया और इसका पर्यटन में क्या महत्व है?

उत्तर: सिल्क रूट ने एशिया, यूरोप और अफ्रीका के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण मार्ग बनाया। इस मार्ग पर चीनी रेशम, भारतीय मसाले और विभिन्न सांस्कृतिक प्रभावों का आदान-प्रदान होता था। इससे व्यापारिक पर्यटन का विकास हुआ और इसने विभिन्न संस्कृतियों के बीच संपर्क को बढ़ावा दिया। यह मार्ग प्राचीन समय में व्यापारिक पर्यटन का प्रमुख स्रोत था और आज भी पर्यटन में इसका ऐतिहासिक महत्व है जिससे लोग विभिन्न सभ्यताओं और उनके संपर्कों का अध्ययन कर सकते हैं।

3. आधुनिक पर्यटन में सतत् पर्यटन (sustainable tourism) का क्या महत्व है और यह क्यों आवश्यक है?

उत्तर: सतत् पर्यटन का उद्देश्य पर्यटन के कारण पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करना और स्थानीय समुदायों का संरक्षण करना है। बढ़ते जन पर्यटन के साथ पर्यावरणीय दबाव बढ़ रहा है जिससे स्थानीय संसाधनों पर प्रभाव पड़ता है। सतत् पर्यटन स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए आर्थिक लाभ प्रदान करता है। यह भविष्य के लिए पर्यटन को संरक्षित करने का एक तरीका है, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ भी पर्यटन स्थलों का आनंद ले सकें।

4. औद्योगिक क्रांति के बाद पर्यटन के स्वरूप में क्या बदलाव आए?

उत्तर: औद्योगिक क्रांति ने पर्यटन को बहुत प्रभावित किया जिससे परिवहन साधनों में क्रांतिकारी बदलाव आए। रेल यात्रा और भाप इंजन के आविष्कार से लोगों को दूरस्थ स्थानों तक यात्रा करना आसान और किफायती हो गया। इसके अलावा मध्य वर्ग का उदय हुआ जिसने अवकाश पर्यटन को लोकप्रिय बनाया। इस काल में संगठित पर्यटन की शुरुआत भी हुई जिसमें थॉमस कुक जैसी एजेंसियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पर्यटन उद्योग व्यवस्थित और व्यावसायिक रूप में विकसित हुआ।

5. भारत में विभिन्न धार्मिक यात्राओं का क्या महत्व है, और यह कैसे पर्यटन को प्रोत्साहित करती हैं?

उत्तर: भारत में धार्मिक यात्राएँ जैसे चार धाम यात्रा, अमरनाथ यात्रा और बौद्ध तीर्थस्थल लोगों को धार्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव प्रदान करती हैं। यह यात्राएँ न केवल आस्था का प्रतीक हैं बल्कि इसके साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंचाती हैं। इन यात्राओं से धार्मिक पर्यटन का विकास होता है जिससे स्थानीय व्यवसायों जैसे होटलों, परिवहन सेवाओं, और हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा मिलता है। धार्मिक पर्यटन भारत के पर्यटन क्षेत्र का एक प्रमुख हिस्सा है।

SCERT DELHI

6. ट्रांसअटलांटिक यात्रा के पर्यटन पर क्या प्रभाव पड़े और इसके विकास में किस प्रकार के परिवर्तनों को देखा गया?

उत्तरः ट्रांसअटलांटिक यात्रा ने यूरोप और अमेरिका के बीच संपर्क को बढ़ावा दिया, जिससे दोनों क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक और व्यापारिक पर्यटन का आदान-प्रदान हुआ। शुरू में जहाजों का उपयोग व्यापार के लिए होता था परन्तु बाद में यात्री जहाजों के माध्यम से अवकाश यात्रा भी लोकप्रिय हो गई। स्टीमशिप सेवा और बाद में एयरलाइनों के आगमन से ट्रांसअटलांटिक यात्रा सुलभ हो गई जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का विस्तार हुआ।

7. भारत में घरेलू पर्यटन की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार किस प्रकार से इसे बढ़ावा दे रही है?

उत्तरः भारत सरकार घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न नीतियाँ बना रही है। इसके अंतर्गत एलटीसी (Leave Travel Concession) जैसी योजनाएँ सरकारी कर्मचारियों को घरेलू पर्यटन के लिए छुट्टियाँ और रियायतें प्रदान करती हैं। इसके अलावा भारत के विभिन्न राज्यों में स्थानीय पर्यटन सर्किट्स का विकास हो रहा है जो यात्रियों को सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों की ओर आकर्षित करते हैं। इससे पर्यटन उद्योग को आर्थिक मजबूती मिलती है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

8. संगठित पर्यटन और अनौपचारिक पर्यटन में क्या अंतर है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तरः संगठित पर्यटन वह है जिसमें यात्रा एजेंसियों जैसे थॉमस कुक द्वारा यात्राओं का पूरा प्रबंधन और व्यवस्था की जाती है। इसमें यात्रियों के लिए विशेष पैकेज तैयार किए जाते हैं जिनमें यात्रा, आवास, और भोजन शामिल होते हैं। इसके विपरीत, अनौपचारिक पर्यटन व्यक्तिगत रूप से की जाने वाली यात्राएँ होती हैं जिसमें यात्री खुद अपने यात्रा की योजना बनाते हैं। उदाहरण के लिए, थॉमस कुक द्वारा 1841 में आयोजित संगठित यात्रा एक उदाहरण है जबकि किसी व्यक्ति का स्वयं की योजना बनाकर तीर्थ यात्रा पर जाना अनौपचारिक पर्यटन का उदाहरण है।

9. भारत में ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों की सुरक्षा और संवर्धन की आवश्यकता क्यों है?

उत्तरः भारत में कई ऐतिहासिक स्थल जैसे ताजमहल, कुतुब मीनार और फतेहपुर सीकरी सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक हैं। इन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने से प्रदूषण और क्षरण का खतरा बढ़ रहा है। इन्हें संरक्षित रखना आवश्यक है ताकि भारत की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को संरक्षित रखा जा सके। साथ ही, इन स्थलों के संवर्धन से स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलता है जिससे रोजगार और आर्थिक विकास में सहायता मिलती है।

10. आधुनिक समय में पर्यटन के विविध प्रकार कौन-कौन से हैं और उनकी विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तरः आधुनिक समय में पर्यटन के विभिन्न प्रकारों में जन पर्यटन, सतत् पर्यटन, स्वास्थ्य पर्यटन, और सांस्कृतिक पर्यटन शामिल हैं। जन पर्यटन में बड़ी संख्या में पर्यटक एक स्थान की यात्रा करते हैं जबकि सतत पर्यटन पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित होता है। स्वास्थ्य पर्यटन का उद्देश्य चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के लिए यात्रा करना है जैसे आयुर्वेदिक उपचार के लिए भारत आना। सांस्कृतिक पर्यटन का उद्देश्य किसी स्थान की कला, परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का अनुभव करना है। प्रत्येक प्रकार के पर्यटन का अलग-अलग उद्देश्य होता है और ये पर्यटन के बढ़ते रुझानों को दर्शाते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

प्र 1: पर्यटन का इतिहास क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तरः पर्यटन का इतिहास हमें यह समझने में मदद करता है कि कैसे समय के साथ पर्यटन का विकास हुआ है। प्रारंभिक समय में लोग मुख्य रूप से व्यापार, नई भूमि की खोज और धार्मिक कारणों से यात्रा करते थे तथा समय के साथ मनोरंजन और ज्ञान प्राप्ति के लिए भी यात्रा होने लगी। इतिहास में कई घटनाएँ जैसे औद्योगिक क्रांति, रेलवे और स्टीमशिप का आगमन और आधुनिक समय में हवाई यात्रा का विकास सभी ने पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पर्यटन के इतिहास का अध्ययन हमें इन बदलावों और उनके प्रभावों को समझने का अवसर देता है ताकि हम भविष्य में बेहतर योजनाएँ बना सकें और पुराने अनुभवों से सीख सकें।

प्र 2: प्राचीन काल में लोग किन-किन कारणों से यात्रा करते थे?

उत्तरः प्राचीन काल में लोग मुख्यतः व्यापार और वाणिज्य के विस्तार, नई भूमि की खोज, सैन्य अभियानों और धार्मिक कारणों से यात्रा करते थे। मिस्र, यूनान, रोम और सुमेरियन जैसे प्राचीन सभ्यताओं ने व्यापार और अन्य उद्देश्यों के लिए यात्रा को बढ़ावा दिया। उदाहरण के लिए, मिस्र के समृद्ध लोग नील नदी पर आनंद के लिए यात्रा करते थे। इसी तरह रोमन और यूनानी सभ्यताओं में भी समृद्ध लोग यात्रा करते थे। इसके अतिरिक्त एशिया में सिल्क रूट एक प्रसिद्ध मार्ग था जो व्यापार के लिए इस्तेमाल होता था और पूर्व तथा पश्चिम के बीच एक सेतु का काम करता था। इन यात्रा मार्गों ने संस्कृतियों को एक-दूसरे से जोड़ा और व्यापार को बढ़ावा दिया।

प्र 3: ग्रैंड टूर क्या था और इसका महत्व क्या था?

उत्तरः ग्रैंड टूर यूरोप में पुनर्जागरण काल के दौरान सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी में इंग्लैंड में आरंभ हुआ था। इस यात्रा का उद्देश्य युवा धनी पुरुषों को शिक्षा और सांस्कृतिक ज्ञान प्रदान करना था। इस टूर के दौरान वे पेरिस, फ्लोरेंस, रोम जैसे शहरों में जाते थे तथा कला, विज्ञान और संस्कृति की शिक्षा प्राप्त

करते थे। धीरे-धीरे यह यात्रा एक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गई और अवकाश के लिए भी की प्रसिद्ध होने लगी। ग्रैंड टूर को पर्यटन के इतिहास में इसलिए महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि यह पहली बार था जब संगठित और योजनाबद्ध रूप से यात्रा की जाती थी। इसने आधुनिक पर्यटन के विकास की नींव रखी।

प्र 4: भारत में पर्यटन का इतिहास क्या है और यह कैसे विकसित हुआ?

उत्तरः भारत में यात्रा और पर्यटन की प्राचीन परंपरा है। भारतीय संस्कृत साहित्य में पर्यटन के लिए तीन शब्द- तीर्थाटन, देशाटन और पर्यटन का उल्लेख मिलता है जो क्रमशः धार्मिक, आर्थिक और मनोरंजन के लिए यात्रा को दर्शाते हैं। प्राचीन काल में राजा और सम्राट तीर्थ यात्राओं के लिए सुविधाएँ प्रदान करते थे। मुगल काल में भी यात्राओं के लिए सड़कों का निर्माण और सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। आधुनिक भारत में रेल, सड़क, और हवाई यात्रा की सुविधा के कारण पर्यटन का और विकास हुआ। 1963 में एयर कॉर्पोरेशन्स एक्ट लागू होने के बाद हवाई यात्रा भी आसान हुई और विदेशी पर्यटकों का आगमन बढ़ा। सरकार ने भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जिससे आज भारत का पर्यटन उद्योग निरंतर प्रगति कर रहा है।

प्र 5: सिल्क रूट का क्या महत्व था?

उत्तरः सिल्क रूट जो एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ता था व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग था। इस मार्ग से मुख्यतः रेशम, भारतीय मसाले और अन्य वस्तुओं का व्यापार होता था। सिल्क रूट को पूर्व और पश्चिम के बीच पहला पुल माना जाता है और इसका महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि इसने विभिन्न संस्कृतियों को एक-दूसरे से जोड़ा। चीन, भारत, फारस और रोम जैसे प्राचीन साम्राज्यों के बीच इस मार्ग के माध्यम से व्यापारिक संबंध स्थापित हुए। सिल्क रूट का नाम चीनी रेशम व्यापार से लिया गया जो इस मार्ग से किया जाता था। यह मार्ग न केवल व्यापार का केंद्र था बल्कि विभिन्न संस्कृतियों और समाजों के आदान-प्रदान का भी माध्यम था।

SCERT DELHI

पर्यटन की अवधारणा

इकाई 3

3.1 परिचय Introduction

आज का पर्यटन एक उभरता हुआ उद्योग है जो हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हुआ है। पिछली इकाई में आपने देखा कि किस प्रकार यात्रियों की बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार पर्यटन का स्वरूप बदल रहा है। हालांकि, कुछ ऐसे मौलिक कारक हैं जो प्रारंभ से ही पर्यटन को प्रेरित और संचालित करते आ रहे हैं। ये कारक एक स्थान को दूसरे की तुलना में अधिक लोकप्रिय बनाते हैं लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित करते हैं और नए प्रकार के पर्यटन की नींव रखते हैं। इस इकाई में हम पर्यटन उद्योग के विभिन्न पहलुओं और इसके संचालन के बारे में विस्तार से जानेंगे।

3.2 पर्यटन प्रणाली (Tourism System)

लिपर पर्यटन प्रणाली (Leiper Model of Tourism System) एक महत्वपूर्ण मॉडल है जो पर्यटन उद्योग के विभिन्न घटकों और उनके बीच के संबंधों को समझने में मदद करता है। इस मॉडल को 1979 में नाइजीरियाई पर्यटन शोधकर्ता नील लिपर (Neil Leiper) ने विकसित किया था। लीपर ने 1990 में "पर्यटन प्रणाली" के अपने पुराने मॉडल को अपडेट किया ताकि पर्यटन के अध्ययन में आए बदलावों को दिखाया जा सके।

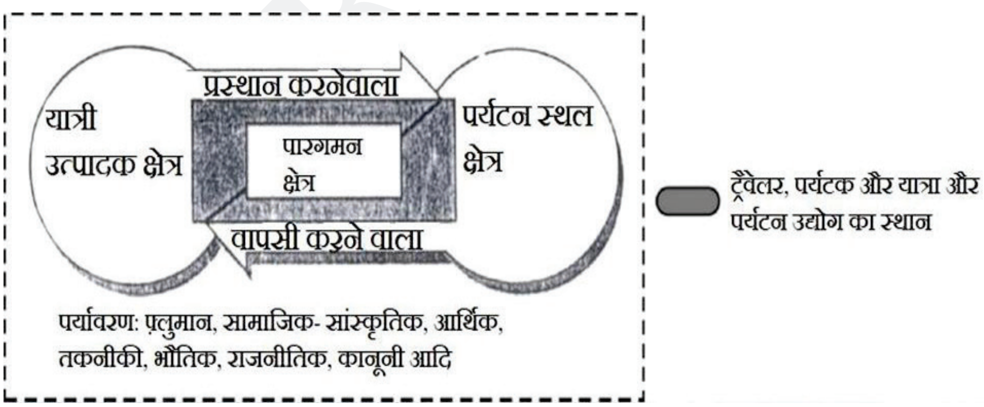

मॉडल के प्रमुख घटक:

1. **पर्यटन क्षेत्र (Tourism Generating Region):** यह वह स्थान है जहां पर्यटन गतिविधियां होती हैं। इसमें देश, क्षेत्र, शहर या गांव शामिल हो सकते हैं।

2. **पर्यटन विकास क्षेत्र (Tourism Destination Region):** यह वह क्षेत्र है जहां पर्यटन उद्योग का विकास होता है। इसमें सरकारी, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय शामिल होते हैं।

3. **पर्यटक (Tourist):** यह वह व्यक्ति है जो पर्यटन गतिविधियों में भाग लेता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू पर्यटन शामिल होते हैं।

4. **पर्यटन संसाधन (Tourism Resources):** ये वे प्राकृतिक, सांस्कृतिक या मानव-निर्मित संसाधन हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इसमें ऐतिहासिक स्थल, प्राकृतिक सुंदरता, मनोरंजन स्थल आदि शामिल होते हैं।

5. **पर्यटन सेवाएं (Tourism Services):** ये वे सेवाएं हैं जो पर्यटकों को प्रदान की जाती हैं। इसमें आवास, परिवहन, खानपान, मनोरंजन आदि शामिल होते हैं।

मॉडल के संबंध:

* पर्यटन क्षेत्र (Tourist Generating Regions) और पर्यटन विकास क्षेत्र (Tourist Destination Region) के बीच एक पारस्परिक संबंध होता है। पर्यटन क्षेत्र का विकास पर्यटन विकास क्षेत्र की गतिविधियों से होता है, और पर्यटन विकास क्षेत्र का विकास पर्यटन क्षेत्र की आकर्षकता (attractiveness) पर निर्भर करता है।

* पर्यटक पर्यटन संसाधनों और पर्यटन सेवाओं का उपयोग करते हैं।

* पर्यटन संसाधन और पर्यटन सेवाएं पर्यटन विकास क्षेत्र द्वारा विकसित और प्रबंधित की जाती हैं।

मॉडल का महत्व:

लिपर पर्यटन प्रणाली पर्यटन उद्योग के विभिन्न घटकों के बीच के संबंधों को समझने में मदद करती है। यह पर्यटन नीतियों के निर्माण, पर्यटन उत्पादों के विकास और पर्यटन स्थलों के प्रबंधन में उपयोगी होती है।

पर्यटन प्रणाली को समझने के लिए हमें यात्री उत्पन्न क्षेत्र (Traveller Generating Region) में कुछ कारकों को देखना होगा जो पर्यटकों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं और पर्यटक गंतव्य क्षेत्र (Tourist Destination Region) में कुछ कारकों को भी देखना होगा जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इन कारकों को क्रमशः "पुश (Push)" और "पुल (Pull)" कारक कहा जाता है। किसी भी पर्यटन गतिविधि के होने के लिए इन दोनों कारकों को एक साथ समन्वय में कार्य करना होगा। पर्यटन के विचार और क्रियाएँ

SCERT DELHI

पुश कारक

कंप्यूटर से पहले काम करना

पुल्ल कारक

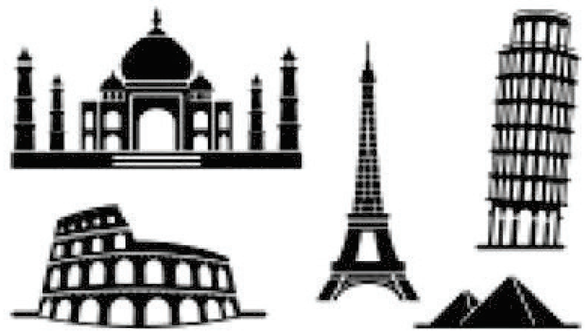

पर्यटकों के आकर्षण

3.3. पर्यटन प्रेरक(Tourism Motivators)

पर्यटन प्रेरक वे कारक हैं जो लोगों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं।

1. **शारीरिक प्रेरक (Physical Motivators)** – वे हैं जो शरीर और मन की ताजगी, स्वास्थ्य उद्देश्यों, खेल और आनंद से संबंधित हैं। प्रेरकों के इन समूहों को उन गतिविधियों से जोड़कर देखा जाता है, जिन से तनाव कम होगा। ये प्रेरक लोगों को उन पर्यटन स्थलों की यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं जहाँ शारीरिक गतिविधियां अपनाई जा सकती हैं।

स्काइडाइविंग

हाईकिंग

2. **सांस्कृतिक प्रेरक** – संगीत, कला, लोकगीत, नृत्य आदि। (Cultural Motivators) ये प्रेरक व्यक्ति को उन गंतव्यों की यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं जो ऐतिहासिक स्मारकों को देखने, संगीत समारोहों, नृत्य गायन आदि में भाग लेने व देखने में रुचि रखते हैं।

मणिपुरी नृत्य

हेंडीक्राफ्ट

3. **इंटरपर्सनल मोटिवेटर्स (Interpersonal Motivators) -** पर्यटन के लिए वे कारक हैं जो लोगों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि वे दूसरों के साथ जुड़ सकें और सामाजिक संपर्क बढ़ा सकें। ये प्रेरक अक्सर आराम, साहस या आध्यात्मिक अनुभवों की तलाश से जुड़े होते हैं लेकिन उनका मुख्य उद्देश्य दूसरों के साथ जुड़ना और नए लोगों से मिलना होता है।

* नए लोगों से मिलने की इच्छाः कुछ लोग यात्रा करते हैं क्योंकि उन्हें नए लोगों से मिलना और विभिन्न संस्कृतियों के साथ बातचीत करना पसंद है।

* दोस्तों और परिवार के साथ समय बितानाः यात्रा दोस्तों और परिवार के साथ गुणवत्ता पूर्ण समय बिताने का एक तरीका हो सकता है खासकर यदि वे दूर रहते हैं।

* सांस्कृतिक विसर्जनः कुछ लोग यात्रा करते हैं ताकि वे अन्य संस्कृतियों को अनुभव कर सकें और सीख सकें।

* आध्यात्मिक विकासः यात्रा आध्यात्मिक विकास और आत्म-खोज के लिए एक अवसर प्रदान कर सकती है।

इन प्रेरकों के कारण, पर्यटन लोगों को नए अनुभवों का सामना करने और उनके जीवन को समृद्ध करने में मदद कर सकता है।

VFR (वीएफआर) का पूर्ण रूप है "Visiting Friends and Relatives" जिसका हिंदी में अर्थ होता है "मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने के लिए यात्रा"। इस प्रकार का पर्यटन उन यात्राओं को संदर्भित करता है जो लोग अपने दोस्तों, परिवार और रिश्तेदारों से मिलने के उद्देश्य से करते हैं। इसे सामाजिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण रूप माना जाता है जिसमें व्यक्ति अपने परिचितों से मिलने के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाता है।

SCERT DELHI

वी.एफ.आर. (VFR) पर्यटन में निम्नलिखित मुख्य बिंदु शामिल होते हैं:

I. **पारिवारिक कार्यक्रमों में भाग लेना:** इसमें शादी, जन्मदिन, सालगिराह या अन्य सामाजिक अवसरों के लिए यात्रा शामिल होती है।

II. **रिश्तेदारों के साथ समय बिताना:** लोग अपने नजदीकी परिवार के सदस्यों या रिश्तेदारों से मिलने के लिए लंबी या छोटी यात्रा कर सकते हैं जो शायद दूर रहते हों।

III. **दोस्तों से मिलना:** कई लोग छुट्टियों या अवसरों पर अपने पुराने दोस्तों से मिलने जाते हैं।

विजिटिंग फॅमिली, फ्रेंड्स एंड रिलेटिव्स (वी एफ आर)

परिवार में एक शादी में भाग लेने

4. प्रतिष्ठा के लिए यात्रा (Traveling for Status and Prestige Motivation)

स्थिति और प्रतिष्ठा प्रेरक उन कारकों में से एक हैं जो लोगों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि वे अपने सामाजिक दर्जे को बढ़ा सकें और दूसरों के बीच अपनी पहचान स्थापित कर सकें। इस प्रकार के प्रेरक अक्सर आराम, साहस या आध्यात्मिक अनुभवों से जुड़े होते हैं लेकिन उनका मुख्य उद्देश्य दूसरों के बीच अपनी स्थिति को मजबूत करना होता है।

विदेशी यात्राएं: कुछ लोग विदेश यात्रा करते हैं दुनिया के अन्य भागों में जा सकते हैं और विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव कर सकते हैं।

* **लक्ज़री रिसॉर्ट्स (luxury resorts) में ठहरना:** कुछ लोग लक्ज़री रिसॉर्ट्स में ठहरना पसंद करते हैं जिसमें कि वे उच्च जीवन स्तर का आनंद ले सकते हैं।

* **प्रतिष्ठित स्थानों की यात्रा:** कुछ लोग उन स्थानों की यात्रा करना पसंद करते हैं जो दूसरों के बीच प्रतिष्ठा का प्रतीक होते हैं जैसे कि प्रसिद्ध म्यूज़ियम, ऐतिहासिक स्थल या आकर्षक शहर।

* **सोशल मीडिया पर यात्रा पोस्ट करना:** कुछ लोग अपनी यात्राओं के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करना पसंद करते हैं ताकि वे दिखा सकें कि वे कितनी जगहों पर यात्रा कर रहे हैं और कितना रोमांचक जीवन जी रहे हैं।

पुरसुइन्ग हॉबी

एजुकेशनल टूरिस्ट

3.4 पर्यटन की बाधाएँ(Barriers to Tourism)

जहां प्रेरक (motivation) कारक लोगों को यात्रा करने के लिए उत्साहित करते हैं वहीं कुछ बाधाएं (Barriers) उनके रास्ते में आ सकती हैं। इन बाधाओं को पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक या व्यक्तिगत कारकों के रूप में देखा जा सकता है जो किसी व्यक्ति की यात्रा करने की इच्छा को कम कर सकते हैं। जैसे की।

1. **ख़ाली समय की कमी: (Lack of Leisure Time):** कई बार लोग छुट्टियां लेने के लिए अपना व्यवसाय, नौकरी, पेशा, शैक्षिक या अन्य प्रतिबद्धताएँ नहीं छोड़ पाते। महिलाओं के पास पुरुषों की तुलना में ख़ाली समय कम होता है क्योंकि उनका अधिक समय अपने परिवार और उसके आसपास ही व्यतीत होता है। परिवार का आकार और पारिवारिक जीवन चक्र भी पर्यटन गतिविधि की मांग और समय को प्रभावित करते हैं।

छुट्टी का समय हो रहा है

समुद्र तट पर छुट्टी

पर्यटन गतिविधि के लिए धन की आवश्यकता हैं

2. **आर्थिक बाधाएं: (Economic Factors)** पर्यटक भी आम लोगों की तरह ही पैसा खर्च करते हैं। पर्यटन के लिए पैसा खर्च करना ज्यादा होता है क्योंकि इसे एक आरामदायक और मज़ेदार गतिविधि माना जाता है। पर्यटन में शामिल होने के लिए आपके पास अतिरिक्त पैसा होना चाहिए। पर्यटन में शामिल होने के लिए आपके पास कितना अतिरिक्त पैसा बचा है, यानी घर के खर्च और ज़रूरी चीज़ों के खर्च के बाद जो पैसा बचता है उस पैसे से यात्रा करते हैं। इसलिए अगर लोगों के पास अतिरिक्त पैसा कम हो तो पर्यटन की मांग भी कम हो जाएगी। यह बात वैश्विक मंदी के दौरान बहुत साफ दिखाई दी थी जब लोगों ने अपनी नौकरियां खो दी थी या उनके वेतन में कटौती हुई थी तब पर्यटन क्षेत्र का विकास भी कम हो गया था।

3. **शारीरिक सीमाएँ: (Physical Limitations)**

1) **विकलांगता:** विकलांगता वाले व्यक्ति पर्यटन सुविधाओं तक पहुंचने और गतिविधियों में भाग लेने में चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

पर्यटन बाधा के रूप में शारीरिक विकलांगता

2) **वरिष्ठ नागरिक:** वृद्ध वयस्क शारीरिक सीमाओं या स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण घर के पास ही रहना पसंद कर सकते हैं।

3) खराब शारीरिक फिटनेस, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं या गर्भावस्था और ये समस्याएं लोगों को पर्यटन गतिविधि अपनाने से रोक सकती हैं।

4. **स्थान/दूरी (Space /Distance):** पर्यटक के उद्गम क्षेत्र से गंतव्य की निकटता यात्रा चयन को प्रभावित करता है। यदि उचित कनेक्टिविटी नहीं है तो पर्यटक गंतव्य के आकर्षणों की परवाह किए बिना लंबी दूरी की यात्रा के लिए निकल सकते हैं और अधिक सुलभ गंतव्य का विकल्प चुन सकते हैं। मान लीजिए कि आप दिल्ली में रहते हैं और एक सप्ताहांत के लिए यात्रा करना चाहते हैं। यदि आपके पास समय और बजट सीमित है तो आप आस-पास के गंतव्यों जैसे आगरा, जयपुर या शिमला

SCERT DELHI

पर विचार कर सकते हैं। ये शहर दिल्ली से निकट हैं और आसानी से पहुंच सकते हैं। हालांकि यदि आपके पास अधिक समय और बजट है तो आप दूरस्थ गंतव्यों जैसे गोवा, कश्मीर या हिमाचल प्रदेश पर विचार कर सकते हैं। ये स्थान दिल्ली से दूर हैं लेकिन उनके आकर्षण और सुंदरता के कारण कई पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

छोटे बच्चों वाला परिवार

यदि गंतव्य तक पहुंचने के लिए कोई उचित कनेक्टिविटी नहीं है, तो पर्यटक लंबी दूरी की यात्रा का विकल्प चुन सकते हैं और अधिक सुलभ गंतव्य के लिए समझौता कर सकते हैं। उदाहरण के लिए यदि आपको किसी दूरस्थ गंतव्य तक पहुंचने के लिए कई बार विमान बदलना पड़ता है या लंबी दूरी की बस या ट्रेन यात्रा करनी पड़ती है तो आप एक ऐसे गंतव्य का चयन कर सकते हैं जहाँ पर अधिक आसानी से पहुंचा जा सके।

5. **पारिवारिक चरण (Family stage):** छोटे बच्चों के माता-पिता या बुजुर्ग माता-पिता वाले परिवार अक्सर पारिवारिक दायित्वों और असुविधा के कारण यात्रा नहीं करते हैं। कभी-कभी अकेले लोग, साथी के अभाव के कारण यात्रा नहीं करते हैं हालांकि आजकल कई एकल यात्री समूह सक्रिय हैं। लेकिन कुछ परिवारों मे एक किशोर अकेले यात्रा नहीं कर सकता क्योंकि यात्रा योजना माता-पिता के निर्णय पर निर्भर करती है।

6. **सुरक्षा (Safety & Security):** राजनीतिक अशांति, युद्ध, सरकारी सलाह (Govt. Travel Advisory) और नकारात्मकता किसी गंतव्य के बारे में नकारात्मक प्रचार संभावित आगंतुक के मन में संदेह और भय पैदा करता है।

* **राजनीतिक अशांति:** यदि किसी देश में राजनीतिक अशांति या युद्ध चल रहा है तो पर्यटक वहां यात्रा करने से हिचकिचा सकते हैं। उदाहरण के लिए जब मध्य पूर्व में राजनीतिक अशांति बढ़ी तो उस क्षेत्र की यात्रा कम हो गई।

* **सरकारी सलाह:** यदि कोई सरकार अपने नागरिकों को किसी देश की यात्रा करने से बचने की सलाह देती है तो पर्यटक वहां यात्रा करने से हिचकिचा सकते हैं। उदाहरण के लिए जब कोविड-19 महामारी फैली तो कई देशों ने अपने नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करने से बचने की सलाह दी।

* **नकारात्मक प्रचार:** यदि किसी गंतव्य के बारे में नकारात्मक प्रचार होता है जैसे कि अपराध, आतंकवाद या प्राकृतिक आपदाओं के कारण पर्यटक वहां यात्रा करने से हिचकिचा सकते हैं। उदाहरण के लिए जब भारत में कुछ क्षेत्रों में आतंकवादी हमले हुए तो उस क्षेत्र की यात्रा कम हो गई।

SCERT DELHI

* **आतंकवादः** आतंकवादी हमले पर्यटकों के लिए एक बड़ा सुरक्षा खतरा बन गए हैं। जैसे 9/11 के हमलों के बाद अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में उल्लेखनीय गिरावट आई।

* **महिलाओं की सुरक्षाः** महिलाओं के लिए अकेले यात्रा करना कभी-कभी असुरक्षित माना जाता है, विशेषकर कुछ देशों में यह महिलाओं को यात्रा करने से रोक सकता है।

* **स्वास्थ्यः** स्वास्थ्य भी एक प्रमुख पर्यटन सुरक्षा मुद्दा बन गया है। उदाहरण के लिए, जब कोविड-19 महामारी फैली तो पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई देशों ने अपनी सीमाएं बंद कर दीं और पर्यटकों को स्वागत नहीं किया।

7. **बुनियादी ढाँचा (Infrastructre):** पर्यटन गतिविधि पर्यटकों को प्रदान की जा रही बुनियादी सुविधाओं पर अत्यधिक निर्भर करती है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई गंतव्य कितना सुंदर है, यदि पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं जैसे कि पर्याप्त/खराब स्थानीय स्थलीय परिवहन, आकर्षणों के आसपास स्वच्छता की स्थिति, बिजली की कमी और पीने के पानी की उपलब्धता, इमारतों और स्मारकों की खराब स्थिति, भीड़भाड़ वाले गंतव्य और आकर्षण आदि तो पर्यटक गंतव्य का दौरा नहीं करेंगे।

उदाहरणः

* **पर्याप्त स्थानीय स्थलीय परिवहनः** यदि किसी गंतव्य में स्थानीय स्थलीय परिवहन की पर्याप्त सुविधा नहीं है तो पर्यटकों को आकर्षणों तक पहुंचने में कठिनाई हो सकती है। उदाहरण के लिए, यदि किसी शहर में पर्याप्त बसें या टैक्सियाँ नहीं हैं तो पर्यटकों को आकर्षणों तक पहुंचने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है या महंगे निजी परिवहन का उपयोग करना पड़ सकता है।

* यदि किसी गंतव्य में स्वच्छता की स्थिति खराब है तो पर्यटक बीमार पड़ सकते हैं या अपनी यात्रा अनुभव से असंतुष्ट हो सकते हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी शहर में सड़कों पर कचरा फैला है या सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति खराब है तो पर्यटक ऐसे शहर में यात्रा करने से हिचकिचा सकते हैं।

स्वच्छता सेवाएँ

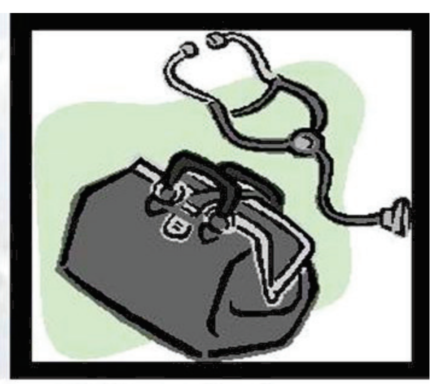

चिकित्सा सेवाएं

8. **राजनीतिक (Political):** सरकारी नीतियां भी पर्यटन में बाधा बन सकती हैं। जैसेकिः

क) **सरकारी कर (tax) नीतियांः** उच्च कर दरें पर्यटन गतिविधियों को महंगा बना सकती हैं जो कि पर्यटकों को यात्रा करने से रोक सकती हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई सरकार पर्यटन से संबंधित सेवाओं पर उच्च कर लगाती है तो पर्यटकों को अधिक पैसा खर्च करना पड़ेगा जिससे यात्रा की लागत बढ़ जाएगी।

ख) **विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंधः** कुछ सरकार विदेशी पर्यटकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा सकती हैं जो कि पर्यटन गतिविधियों को प्रभावित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई सरकार किसी विशेष देश के पर्यटकों के लिए वीजा जारी नहीं करती है तो उन देश के लोग उस देश की यात्रा नहीं कर पाएंगे।

ग) **विदेशी मुद्रा नियमः** कुछ सरकारें विदेशी मुद्रा नियम लगा सकती हैं जो पर्यटकों के लिए यात्रा करना मुश्किल बना सकती हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई सरकार विदेशी मुद्रा के आयात या निर्यात पर प्रतिबंध लगाती है तो पर्यटकों को अपने देश से विदेशी मुद्रा ले जाना मुश्किल हो सकता है।

घ) **पर्यटन गतिविधियों पर प्रतिबंधः** कुछ सरकारें पर्यटन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा सकती हैं जो पर्यटकों के लिए यात्रा करना कम आकर्षक बना सकती हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई सरकार किसी विशेष क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाती है तो पर्यटक उस क्षेत्र की यात्रा नहीं कर पाएंगे।

9. **सूचना प्रौद्योगिकी :** पर्यटन के काम में मदद करती है। अगर विज्ञापन कम किए जाएंगे तो पर्यटकों को अपनी पसंद की जगहों के बारे में पता नहीं चलेगा। उदाहरण के लिए यदि कोई गंतव्य सोशल मीडिया , वेबसाइट पर सक्रिय नहीं है और अपनी जगह के बारे में जानकारी साझा नहीं करता है तो पर्यटकों को उसके बारे में जानने की संभावना कम होगी।

जब जगह पर्यटकों को अपनी भाषा में बात करने की सुविधा नहीं देती है तो भाषा भी एक बड़ी समस्या बन जाती है।

उदाहरणः

यदि कोई गंतव्य पर्यटकों के लिए अपनी भाषा में जानकारी या सेवाएं प्रदान नहीं करता है तो पर्यटक असहज महसूस कर सकते हैं या उस गंतव्य का आनंद नहीं ले सकते हैं। यदि पर्यटक और स्थानीय लोगों के बीच संचार में बाधाएं हैं तो पर्यटक अपनी यात्रा का पूरा लाभ नहीं उठा सकते।

इन सभी कारणों का पर्यटन गतिविधि पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। यदि कोई गंतव्य सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग नहीं करता है या पर्यटकों के लिए भाषा की सुविधा प्रदान नहीं करता है तो पर्यटक उस गंतव्य का दौरा करने से हिचकिचा सकते हैं

SCERT DELHI

10. **रुचि की कमी (Lack of Interest):** रुचि का अभाव पर्यटन गतिविधियों को प्रभावित कर सकता है। यदि कोई गंतव्य उन लोगों को आकर्षित नहीं कर सकता जो उस गंतव्य में रुचि रखते हैं तो पर्यटन गतिविधियां कम हो सकती हैं।

3.5 पर्यटन के रूप (Forms of Tourism:)

यह चित्रण हमें पर्यटन के विभिन्न रूपों के संबंधों के बारे में एक उचित विचार देता है।

पर्यटन बड़ी संख्या में लोगों का देश के भीतर और उसके पार सीमाओं के भीतर आवागमन है। इसे बेहतर ढंग से समझने और उसके आर्थिक प्रभाव का आकलन करने के लिए पर्यटन के विभिन्न रूपों की पहचान करना आवश्यक है।

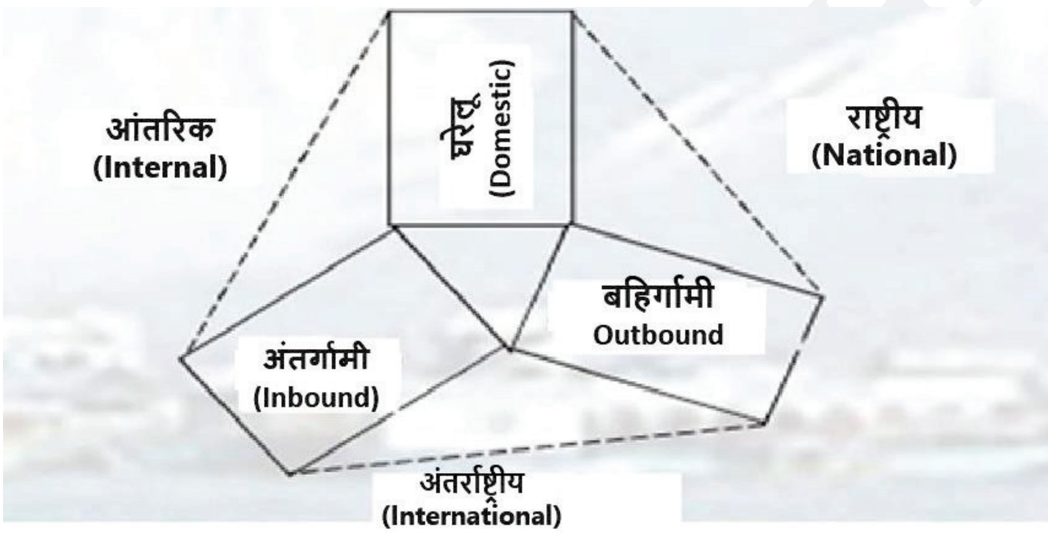

स्रोत: विश्व पर्यटन संगठन

UNWTO द्वारा तैयार किए गए पर्यटन सांख्यिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय सिफारिशें 2008 (IRTS 2008) में, पर्यटन के तीन मूल रूपों को अपडेट किया गया था:

1. **घरेलू पर्यटन (Domestic Tourism):** यह तब होता है जब कोई व्यक्ति अपने ही देश के भीतर यात्रा करता है। उदाहरण के लिए यदि आप दिल्ली में रहते हैं और आगरा या जयपुर की यात्रा करते हैं तो यह घरेलू पर्यटन है।

2. **अंतर्गामी पर्यटन (Inbound Tourism):** यह तब होता है जब कोई विदेशी व्यक्ति किसी देश में यात्रा करता है। उदाहरण के लिए यदि आप अमेरिका में रहते हैं और भारत की यात्रा करते हैं तो यह भारत के लिए अंतर्गामी पर्यटन है।

3. **बहिर्गमी पर्यटन (Outbound Tourism):** यह तब होता है जब कोई देश का निवासी किसी अन्य देश की यात्रा करता है। उदाहरण के लिए यदि आप भारत में रहते हैं और नेपाल की यात्रा करते हैं तो यह भारत के लिए बहिर्गमी या बहिर्गमन पर्यटन है।

   चित्र मे हमें पर्यटन के विभिन्न रूपों के संबंधों के बारे में एक उचित विचार देता है। पर्यटन गतिविधियों के व्यापक वर्गीकरण को समझने के लिए निम्नलिखित पर्यटन श्रेणियों को परिभाषित किया गया है:

1. **आंतरिक पर्यटन (Internal Tourism):** इसका अर्थ है एक देश के भीतर होने वाली सभी प्रकार की पर्यटन गतिविधियां। जिसमें देश के निवासी और गैर-निवासी दोनों ही शामिल होते हैं जो उसी देश के अंदर विभिन्न स्थानों की यात्रा करते हैं।

आंतरिक पर्यटन के दो प्रमुख प्रकार हैं:

(क) **घरेलू पर्यटन (Domestic Tourism):** यह तब होता है जब देश के निवासी अपने ही देश में यात्रा करते हैं।

(ख) **अंतर्गामी पर्यटन (Inbound Tourism):** यह तब होता है जब विदेशी पर्यटक किसी देश में आते हैं और उस देश के भीतर यात्रा करते हैं।

2. राष्ट्रीय पर्यटन (National Tourism): राष्ट्रीय पर्यटन का मतलब है किसी देश के अंदर ही पर्यटन गतिविधियां करना। यह दो तरह से हो सकता है:

(क) **देश के लोगों द्वारा अपने ही देश में घूमना:** इसे घरेलू पर्यटन कहते हैं। जैसे एक भारतीय दिल्ली से मुंबई घूमने जाता है।

(ख) **विदेशी लोगों का किसी देश में घूमना:** इसे विदेशी पर्यटन कहते हैं। जैसे एक अमेरिकी भारत में घूमने आता है।

अतः राष्ट्रीय पर्यटन में देश के लोग और विदेशी लोग दोनों शामिल हो सकते हैं लेकिन ये गतिविधियां हमेशा उस देश के भीतर ही होती हैं।

3. **अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन (International Tourism):** आगमन और प्रस्थान पर्यटन का मतलब है किसी देश में आने वाले और जाने वाले लोगों की यात्राएं। इसे दो हिस्सों में बांटा जा सकता है:

(क) **अंतर्गामी पर्यटन(Inbound Tourism):** जब कोई विदेशी व्यक्ति किसी देश में घूमने आता है, तो इसे आगमन पर्यटन कहते हैं। जैसे एक अमेरिकी व्यक्ति भारत घूमने आया है।

SCERT DELHI

(ख) **बहिर्गमन पर्यटन (Outbound Tourism):** जब कोई देश का नागरिक किसी दूसरे देश में घूमने जाता है तो इसे प्रस्थान पर्यटन कहते हैं। जैसे एक भारतीय व्यक्ति अमेरिका घूमने गया है।

यानी, आगमन और प्रस्थान पर्यटन में देश की सीमाएं पार करने वाली यात्राएं शामिल होती हैं।

उदाहरणः

मान लीजिए कि आप भारत में रहते हैं और एक सप्ताहांत के लिए आगरा की यात्रा करते हैं। यह घरेलू पर्यटन का उदाहरण है। यदि आप अमेरिका में रहते हैं और भारत की यात्रा करते हैं, तो यह भारत के लिए अंतर्गामी पर्यटन (Inbound Tourism) का उदाहरण है। यदि आप भारत में रहते हैं और नेपाल की यात्रा करते हैं, तो यह भारत के लिए बहिर्गमन पर्यटन (Outbound Tourism) का उदाहरण है।

आंतरिक पर्यटन घरेलू पर्यटन (Domestic Tourism) और आगमन पर्यटन (Inbound Tourism) दोनों को शामिल करता है।

राष्ट्रीय पर्यटन घरेलू पर्यटन और प्रस्थान पर्यटन (Outbound Tourism) दोनों को शामिल करता है। इसमें यह आपके देश के भीतर और बाहर दोनों जगहों पर होने वाली पर्यटन गतिविधियों को शामिल करता है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन अंतर्गामी और बहिर्गमन पर्यटन दोनों को शामिल करता है। इसका अर्थ है कि यह आपके देश के बाहर होने वाली पर्यटन गतिविधियों और आपके देश में आने वाले विदेशी पर्यटकों की गतिविधियों को शामिल करता है।

3.6 पर्यटन के प्रकार (Types of Tourism)

पर्यटन गतिविधि अब कई प्रकार में होती है ताकि पर्यटकों की आवश्यकताओं और उपेक्षाओं को पूरा किया जा सके। यात्रा के उद्देश्य के आधार पर पर्यटन के उपलब्ध प्रकारों का उल्लेख चित्रण में किया गया है।

SCERT DELHI

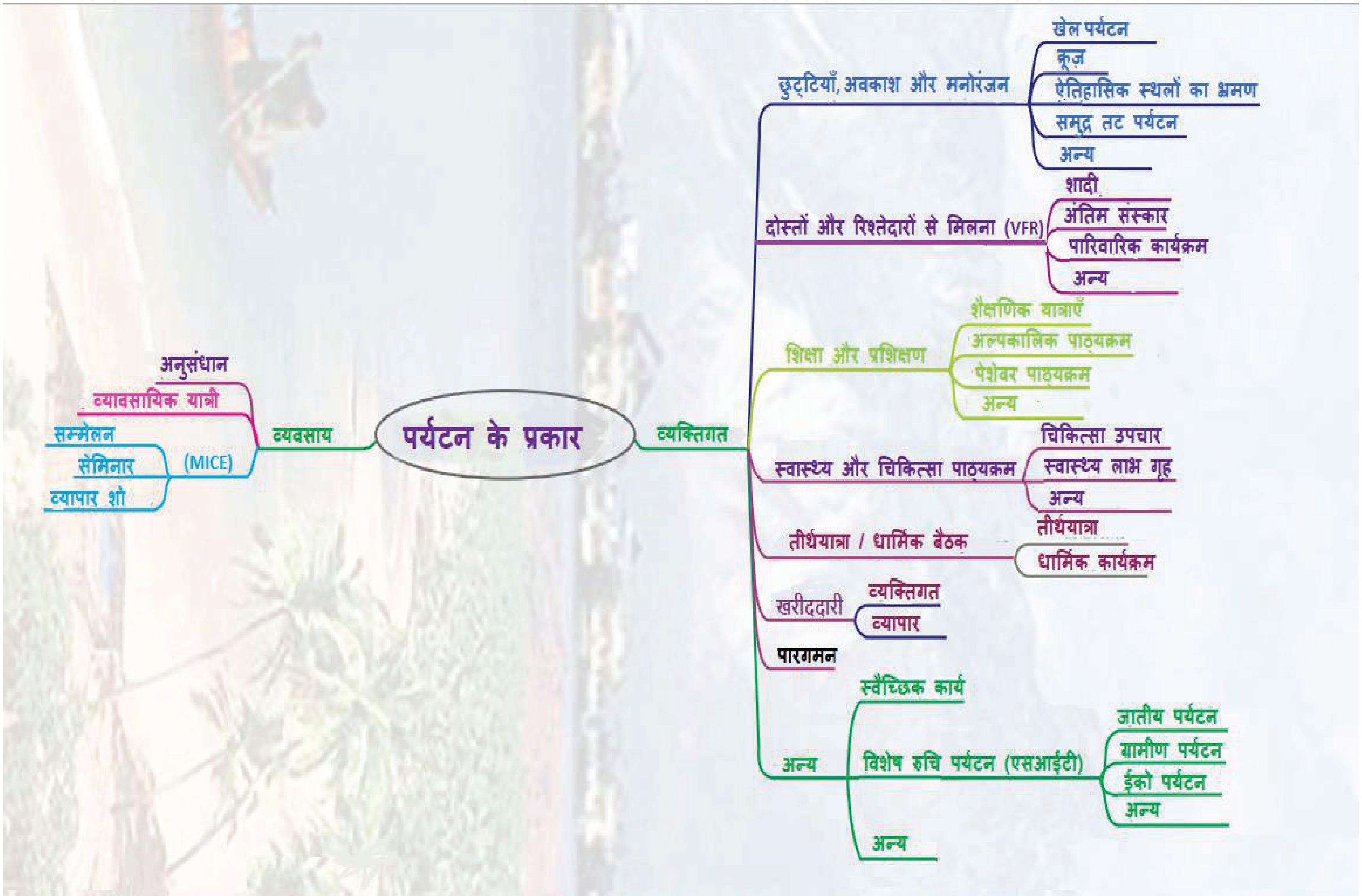

पर्यटन के प्रकार (UNWTO द्वारा दिए गए यात्रा के उद्देश्य के आधार पर)

इस चित्रण में आप देख सकते हैं कि पर्यटन के प्रकार हर कदम पर पर्यटकों की विशिष्ट (special) आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदलते हैं। पर्यटक शिक्षा, सांस्कृतिक ज्ञान, अवकाश, क्रूज(cruise), वन्यजीव सफारी, ग्रामीण पर्यटन, व्यवसाय आदि के लिए यात्रा करते हैं। एक प्रकार का पर्यटन जो उद्योग के साथ-साथ पर्यटकों के बीच भी लोकप्रिय है इसे विशेष रुचि पर्यटन या SIT (Special Interest Tourism) के रूप में जाना जाता है। उदाहरण के लिए - SIT बॉटनी छात्रों के लिए भारत के बॉटनिकल गार्डन का दौरा करने के लिए एक विशेष यात्रा हो सकती है। यह "रूट टूरिज्म" (Root Tourism) भी हो सकता है जिसमें भारतीय मूल के लोग (PIO) भारत में अपने "जड़ों" यानी भारत में अपने पूर्वजों का पता लगाने के लिए यात्रा करते हैं।

SIT (Special Interest Tourism)- एक प्रकार का पर्यटन है जो पर्यटकों की विशिष्ट रुचियों और हितों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पारंपरिक पर्यटन से अलग है जो आमतौर पर आराम, मनोरंजन और सांस्कृतिक अनुभवों पर केंद्रित होता है। विशेष रुचि पर्यटन अधिक विशिष्ट गतिविधियों और अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करता है जो पर्यटकों की रुचियों के अनुरूप हैं।

SIT	गतिविधियां	सामान्य आगंतुक
आध्यात्मिक पर्यटन	आश्रम	मुख्य रूप से 30 से अधिक उम्र के लोग
	ध्यान शिविर	
	धार्मिक स्थलों का दौरा	
	सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना	कुछ बैकपैक
	आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त करना	

आध्यात्मिक पर्यटन का उद्देश्य आध्यात्मिक विकास और आत्म-खोज करना है। इसमें धार्मिक स्थलों, मंदिरों, गुरुओं और आध्यात्मिक शिक्षकों के साथ बातचीत करना शामिल हो सकता है। आध्यात्मिक पर्यटन का लक्ष्य शांति, आंतरिक शांति और व्यक्तिगत विकास प्राप्त करना है।

रूट टूरिज्म एक प्रकार का विशेष रुचि पर्यटन है जो उन लोगों के लिए है जो अपने पूर्वजों (ancestors) की जड़ों का पता लगाना चाहते हैं। यह पर्यटक अपने पूर्वजों के मूल स्थान की यात्रा करते हैं ताकि वे अपने परिवार के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जान सकें।

रूट पर्यटन के उदाहरण:

भारत में भारतीय मूल के लोगों (PIO) की यात्रा: भारत में भारतीय मूल के लोग अक्सर अपने पूर्वजों के गांवों का दौरा करते हैं ताकि वे अपने परिवार के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जान सकें।

यात्रा से पहले पर्यटक अपने परिवार के इतिहास का अनुसंधान (research) कर सकते हैं ताकि वे अपने पूर्वजों के मूल स्थान का पता लगा सकें। यात्रा के दौरान पर्यटक स्थानीय लोगों से बात कर सकते हैं ताकि वे अपने परिवार के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जान सकें। पर्यटक अपने पूर्वजों के गांवों या शहरों में ऐतिहासिक स्थलों का दौरा कर सकते हैं। यदि संभव हो तो पर्यटक अपने परिवार के सदस्यों से मिल सकते हैं जो अभी भी अपने पूर्वजों के गांवों या शहरों में रहते हैं।

रूट पर्यटन एक व्यक्तिगत और भावनात्मक अनुभव हो सकता है। यह पर्यटकों को अपने परिवार के इतिहास और संस्कृति के बारे में अधिक जानने और अपने पूर्वजों के कनेक्शन को फिर से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है।

3.6.1 M.I.C.E का परिचय

MICE पर्यटन (Meeting, Incentive, Conference, and Exposition) का संक्षिप्त रूप है। यह तेजी से, पर्यटन के लोकप्रिय प्रकारों में से एक बन रहा प्रकार का पर्यटन है जो कि एक विशेष रूप से व्यावसायिक यात्राओं से जुड़ा है जो विभिन्न उद्देश्यों के लिए आयोजित की जाती हैं।

* **मीटिंग (Meetings):** मीटिंग व्यावसायिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक मामलों, विलय आदि से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से आयोजित की जाती हैं। ये मीटिंग इन-हाउस हो सकती हैं या अन्य शहरों की यात्रा की आवश्यकता भी हो सकती है जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलता है।

* **इंसेंटिव टूर (Incentive Tours):** इंसेंटिव टूर आमतौर पर संगठनों द्वारा कर्मचारियों (employee) को प्रोत्साहित करने या बेहतर प्रदर्शन के लिए पुरस्कार के रूप में दिए जाते हैं। यह खासकर तब होता है जब कर्मचारी बिक्री (sales) में अच्छा प्रदर्शन करते हैं या उनकी उत्पादकता बढ़ती है। उदाहरण के लिए, एक होटल चेन अपने शीर्ष कर्मचारियों को एक विदेशी छुट्टी का पैकेज दे सकती है ताकि उन्हें उनकी मेहनत और समर्पण के लिए पुरस्कृत किया जा सके।

* **कॉन्फ्रेंस (Conferences):** कॉन्फ्रेंस, सेमिनार या सिम्पोजियम किसी एक उद्योग या क्षेत्र को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित किए जाते हैं। कॉन्फ्रेंस शैक्षणिक इकाइयों, संघों के साथ-साथ किसी विशेष उद्योग से संबंधित अन्य इकाइयों द्वारा बुलाए जाते हैं।

* **एक्सपोज़िशन (Expositions):** एक्सपोज़िशन, प्रदर्शनियां, व्यापार और मेले आयोजन विभिन्न उत्पादों, सेवाओं या विचारों को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किए जाते हैं। भारत और दुनिया के प्रमुख शहरों में आयोजित फैशन वीक और प्रदर्शनियां इसके उदाहरण हैं।

3.7 टूर पैकेज के प्रकार(Types of Tour Packages)

टूर पैकेज एक पूर्व-व्यवस्थित यात्रा योजना है जिसमें आपको सब कुछ पहले से ही तय कर दिया जाता है। इसमें आपके रहने का स्थान, यात्रा का साधन, खाने-पीने की व्यवस्था और मनोरंजन सब कुछ शामिल होता है। आप एक या कई जगहों की यात्रा कर सकते हैं और फिर वापस आ सकते हैं।

ऑल-इंक्लूसिव टूर (All Inclusive Tour) एक ऐसा पैकेज है जिसमें आपको एक ही कीमत में सब कुछ मिल जाता है। आपको अलग-अलग चीजों (services) के लिए अलग से भुगतान नहीं करना पड़ता। ऑल-इंक्लूसिव टूर (All inclusive Tour) एक ही कीमत में कई सेवाओं का लाभ उठाने की सुविधा प्रदान करते हैं जिससे यात्रा अधिक सुविधाजनक और लागत-प्रभावी हो सकती है।

ऑल-इंक्लूसिव टूर दो तरह के होते हैं:

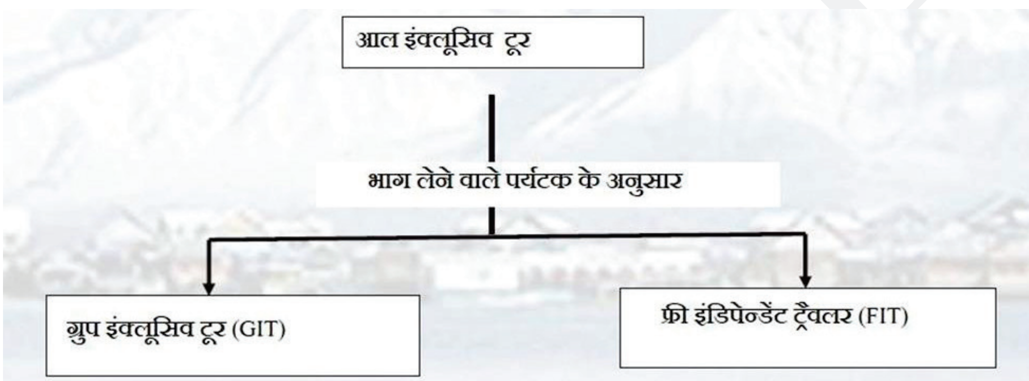

1. **स्वतंत्र व्यक्तिगत यात्रा (Free Individual/Independent Travel - FIT):** यह पैकेज आपके लिए और आपके कुछ दोस्तों या परिवार के लिए होता है। यात्रियों के लिए स्वतंत्रता और लचीलापन प्रदान करता है जो अपने स्वयं के लिए यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने और उसे अनुकूलित करना पसंद करते हैं। GIT के विपरीत, FIT आपको अपनी उड़ानें, आवास और गतिविधियां स्वतंत्र रूप से बुक करने की अनुमति देते हैं जिससे आपको अपनी यात्रा अनुभव पर पूर्ण नियंत्रण मिलता है।

विदेशी व्यक्तिगत यात्री के रूप में पर्यटक

2. **समूह समावेशी यात्रा (Group Inclusive Tour - GIT):** यह पैकेज बड़े समूहों के लिए होता है जैसे स्कूल की यात्रा या कंपनी की यात्रा। इसमें आप सभी साथ में यात्रा करते हैं और सब कुछ एक साथ करते हैं। समूह समावेशी यात्रा (Group Inclusive Tour - GIT) एक यात्रा पैकेज है जो यात्रियों के लिए एक संरचित और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये टूर आमतौर पर 15 या अधिक व्यक्तियों के समूह को शामिल करते हैं जिन्हें अक्सर "Pax" कहा जाता है, जो एक साथ यात्रा करते हैं। GIT एक पूर्व-योजनाबद्ध यात्रा कार्यक्रम निर्देशित पर्यटन

और समूह बुकिंग प्रदान करते हैं जो उन लोगों के लिए एक सुविधाजनक विकल्प हैं जो बिना व्यक्तिगत योजना की जटिलताओं के किसी गंतव्य का अन्वेषण करना चाहते हैं।

विशेषता	समूह समावेशी यात्रा	स्वतंत्र व्यक्तिगत यात्रा
यात्रा का स्वरूप	समूह में यात्रा	स्वतंत्र यात्रा
कार्यक्रम	पूर्व-निर्धारित	अनुकूलनीय
खर्च	आमतौर पर कम, समूह में साझा	व्यक्तिगत खर्च, संभवतः अधिक
लचीलापन	सीमित लचीलापन	अधिक लचीलापन
सामाजिक अनुभव	अन्य यात्रियों के साथ बातचीत	स्वतंत्रता, कम सामाजिक इंटरैक्शन
व्यवस्थाएँ	सभी व्यवस्थाएँ पैकेज में शामिल	स्वयं व्यवस्थाएँ करनी होती हैं
यात्रा की योजना	टूर ऑपरेटर द्वारा निर्धारित	व्यक्तिगत रूप से योजना बनाना

ऑल-इंक्लूसिव टूर (All Inclusive Tour) अक्सर रेडीमेड टूर पैकेज (Ready Made Tour Package) और टेलर-मेड (Tailor Made) या कस्टमाइज्ड टूर (Customized Tour Package) पैकेज के रूप में वर्गीकृत होते हैं जो यात्रा कार्यक्रम के प्रकार पर निर्भर करते हैं।

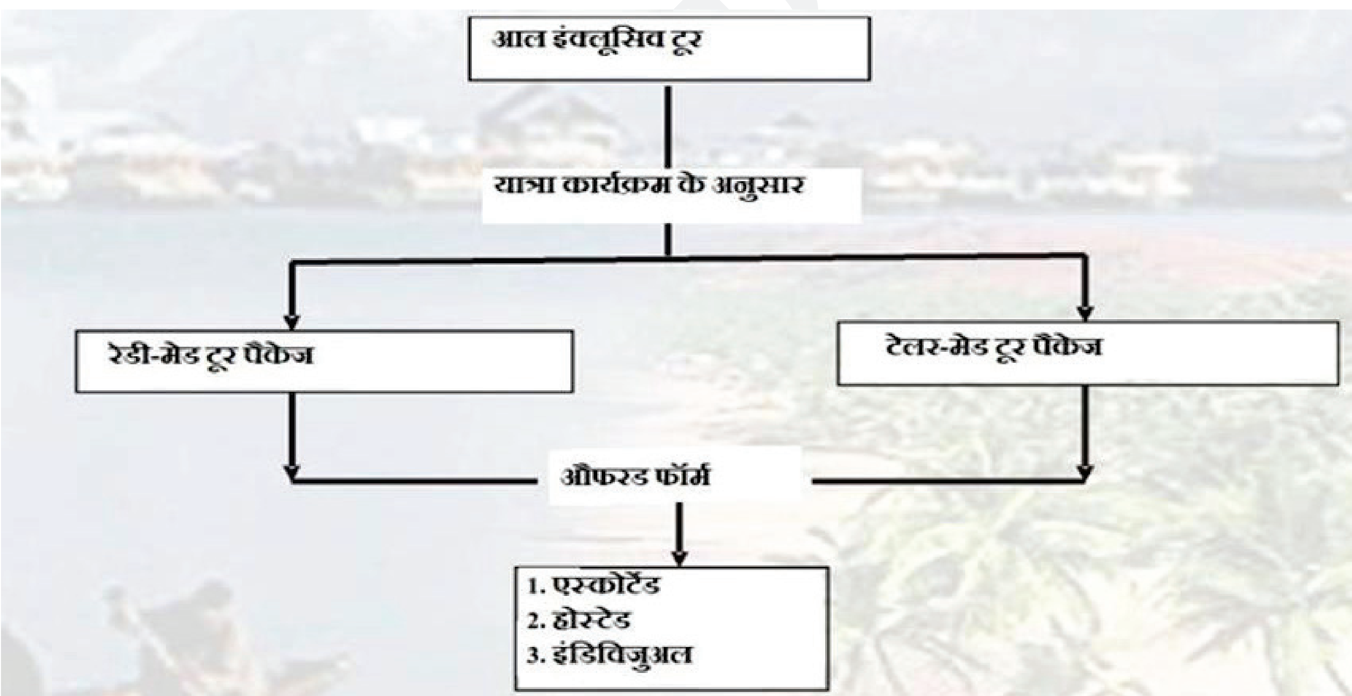

टूर पैकेज के प्रकार

यात्रा कार्यक्रम (Itinerary)

एक समूह में पर्यटक

यात्रा कार्यक्रम वह यात्रा शेड्यूल है जो टूर के सभी विवरण प्रदान करता है जैसे:

* फ्लाइट नंबर
* डिपार्चर और अराइवल टाइम
* रिजर्वेशन नंबर
* होटल की जानकारी
* यात्रा के दौरान की जाने वाली गतिविधियाँ

यह कार्यक्रम यात्रियों को यह जानने में मदद करता है कि यात्रा के दौरान क्या अपेक्षित है और इस यात्रा में किस तरह की गतिविधियाँ शामिल हैं।

विशेषता Characteristics	रेडीमेड टूर पैकेज(Ready Made Tour Package)	टेलर-मेड टूर पैकेज (Tailor Made Tour Package)
परिभाषा	पहले से तैयार किया गया पैकेज	ग्राहक की जरूरतों के अनुसार बनाया गया पैकेज
लचीलापन	कम लचीलापन, स्थिर कार्यक्रम	उच्च लचीलापन, इच्छा अनुसार परिवर्तन संभव
विधान	सामान्य itineraries	व्यक्तिगत itineraries
मूल्य	आमतौर पर सस्ता	थोड़ा महंगा, व्यक्तिगत सेवाओं के कारण
सुविधाएँ	सीमित सुविधाएँ	ग्राहक की प्राथमिकताओं के अनुसार सुविधाएँ
लक्षित दर्शक	सामान्य यात्री	विशेष और व्यक्तिगत यात्रा चाहने वाले यात्री
समय	निश्चित यात्रा अवधि	ग्राहक के अनुसार यात्रा अवधि
पैकेज सामग्री	होटल, परिवहन और गतिविधियाँ पहले से निर्धारित	ग्राहक की पसंद के अनुसार सामग्री चुनी जाती है

रेडीमेड टूर पैकेज (ReadyMade Tour Package) - एक पूर्व-निर्धारित यात्रा कार्यक्रम होता है, जिसे ट्रैवल एजेंसी या टूर ऑपरेटर द्वारा तैयार किया जाता है। इनमें यात्रा के सभी आवश्यक तत्व जैसे होटल, परिवहन, भोजन और गतिविधियाँ शामिल होती हैं। ये पैकेज आमतौर पर निश्चित तारीखों पर उपलब्ध होते हैं जिसमें यात्रा की शुरुआत और समाप्ति का समय पहले से निर्धारित होता है। रेडीमेड पैकेज का मुख्य लाभ यह है कि ये बुकिंग में आसान होते हैं जिससे यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने की चिंता नहीं करनी पड़ती। हालांकि इनमें लचीलापन कम होता है और यात्री को कार्यक्रम में बदलाव करना मुश्किल हो सकता है। उदाहरण के लिए गोल्डन ट्रायंगल (Golden Triangle) यात्रा (दिल्ली, आगरा, जयपुर), हिल स्टेशन टूर (मनाली, शिमला) या धार्मिक यात्रा (हिमालय की तीर्थ यात्रा) जैसे पैकेज लोकप्रिय हैं। ये उन लोगों के लिए आदर्श हैं जो बिना अधिक योजना के आसानी से यात्रा करना चाहते हैं।

टेलर-मेड टूर पैकेज (Tailor Made Tour Package) एक विशेष रूप से तैयार किया गया यात्रा कार्यक्रम होता है जो ग्राहक की जरूरतों, इच्छाओं और प्राथमिकताओं के अनुसार बनाया जाता है। इस प्रकार के पैकेज में यात्रियों को पूरी स्वतंत्रता होती है कि वे अपनी यात्रा की तारीख, गंतव्य, गतिविधियाँ और बजट के अनुसार सब कुछ चुन सकें।

टेलर-मेड पैकेज में लचीलापन बहुत अधिक होता है जिससे यात्री अपनी यात्रा को व्यक्तिगत बना सकते हैं। इसमें होटल, परिवहन, भोजन, और विशेष गतिविधियाँ जैसे कि स्थानीय पर्यटन या विशेष आयोजनों को शामिल किया जा सकता है। यह पैकेज उन लोगों के लिए आदर्श है जो अपनी यात्रा पर पूरा नियंत्रण रखना चाहते हैं और विशेष अनुभव की तलाश में हैं।

उदाहरण के लिए यदि कोई यात्री एक रोमांटिक छुट्टी की योजना बना रहा है तो वह एक टेलर-मेड पैकेज में खास रूम, विशेष डिनर, और व्यक्तिगत टूर गाइड का चयन कर सकता है। इसी तरह परिवार के साथ यात्रा करने वाले लोग बच्चों के अनुसार गतिविधियों और ठहरने के स्थानों का चयन कर सकते हैं। इस तरह के पैकेज उन यात्रियों के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं जो अद्वितीय और व्यक्तिगत यात्रा अनुभव की तलाश में हैं।

पर्यटकों को दी जाने वाली यात्राएँ तीन रूपों में हो सकती हैं:

1. **एस्कॉर्टेड टूर (Escorted Tour):** इस प्रकार के टूर में एक एस्कॉर्ट जो स्थानीय या पर्यटक के देश से हो सकता है यात्रा की शुरुआत से अंत तक यात्रियों के साथ होता है ताकि वे उनकी सुविधा के लिए सहायता कर सकें। एस्कॉर्टेड टूर में आमतौर पर विभिन्न स्थलों और स्थानों पर स्थानीय गाइड सेवाओं का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार के दौरे में एक एस्कॉर्ट या तो स्थानीय या पर्यटक के मूल देश से दौरे की शुरुआत से अंत तक पर्यटक के साथ यात्रा करता है; ताकि उनके पर्यटकों को सुविधा मिल सके। एस्कॉर्ट टूर आमतौर पर विभिन्न गंतव्यों और स्थलों पर स्थानीय गाइड सेवाओं का उपयोग करते हैं।

SCERT DELHI

2. **होस्टेड टूर (Hosted Tour)**- इस प्रकार के टूर में हर गंतव्य पर एक नया मेज़बान टूर समूह से मिलता है। होस्टेड टूर में आमतौर पर विभिन्न स्थलों और स्थानों पर स्थानीय गाइड सेवाओं का उपयोग भी किया जाता है।

3. **व्यक्तिगत यात्रा (Individual Tour)**: इस प्रकार की यात्रा में सदस्य बिना किसी एस्कॉर्ट या मेज़बान के अपने आप यात्रा करते हैं। स्थानीय गाइड की सेवाएँ आवश्यकतानुसार प्राप्त की जाती हैं।

पर्यटन उद्योग में एक और प्रकार की यात्रा होती है, जिसे फ़ैमिलियरीज़ेशन (familarization) टूर या FAM टूर कहा जाता है। यह यात्रा कार्यक्रम यात्रा एजेंटों, टूर ऑपरेटरों या अन्य यात्रा खरीददारों के लिए मुफ्त या रियायती दर पर होता है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को विशेष गंतव्यों या सप्लायर्स से परिचित कराना है ताकि यात्रा को बढ़ावा दिया जा सके। फ़ैमिलियरीज़ेशन टूर यात्रा पत्रकारों को भी शोध यात्राओं के रूप में दिए जाते हैं जिसका उद्देश्य विशिष्ट यात्रा उत्पादों के लिए मीडिया कवरेज बढ़ाना होता है।

3.8 पर्यटन के प्रभाव (Effects of Tourism)

किसी भी गंतव्य में पर्यटन के कारण मेहमानों यानी पर्यटकों और मेज़बानों यानी स्थानीय लोगों के बीच काफी इंटरेक्शन होता है। मेहमान स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को खरीदने, स्थानीय व्यंजन खाने, स्थानीय आयोजनों में भाग लेने आदि के लिए मेज़बानों के साथ बातचीत करते हैं। ये दो अलग-अलग समूहों के बीच की इंटरेक्शन मेज़बान और मेहमान समुदाय पर प्रभाव डालती है। समय के साथ पर्यटकों की गतिविधियों के कारण पर्यावरण और समुदाय में जो परिवर्तन देखे जाते हैं, उन्हें पर्यटन के प्रभाव कहा जाता है।

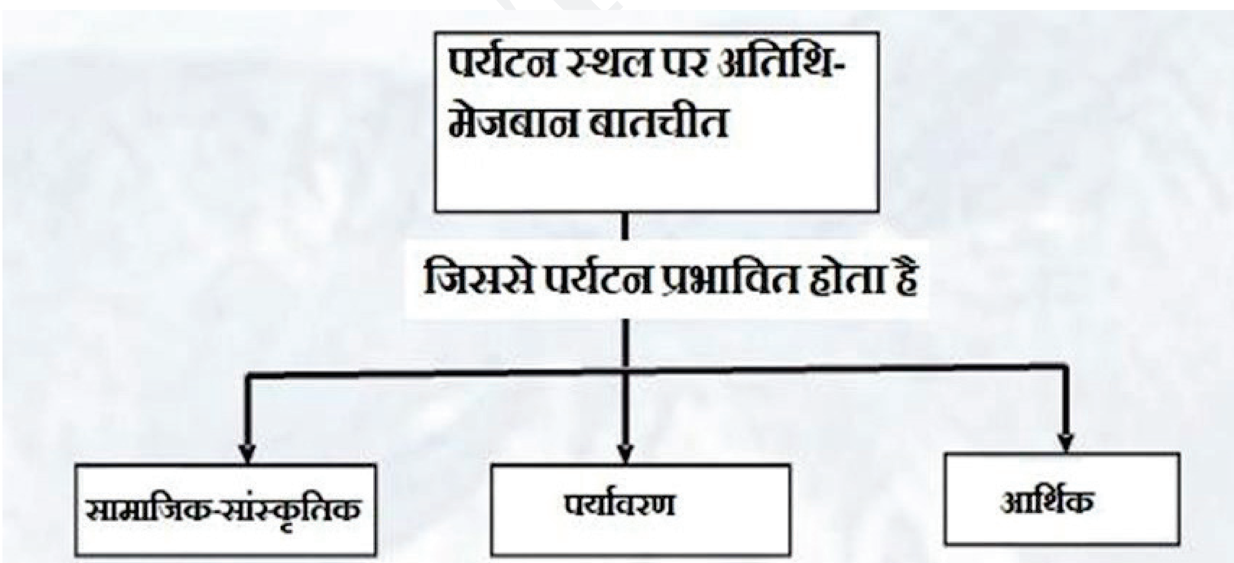

पर्यटन प्रभाव के प्रकार

पर्यटन के प्रभावों को समझने में सरलता के लिए सामान्यतः तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है:-

1. **सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावः**

स्थानीय समुदायों पर पर्यटकों के साथ सीधी और अप्रत्यक्ष बातचीत के कारण कुछ प्रभाव देखे जा सकते हैं। ये प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकते हैं।

सकारात्मक प्रभावः पर्यटन के कारण सांस्कृतिक गर्व का नवीनीकरण होता है जिससे स्थानीय लोग अपनी संस्कृति और विरासत को फिर से जीने का अनुभव करते हैं और इससे पारंपरिक कला एवं शिल्प के संरक्षण में मदद मिलती है।

नकारात्मक प्रभावः डेमोंस्ट्रेशन प्रभाव (Demonstration Effect) एक सामान्य नकारात्मक प्रभाव है जिसमें स्थानीय लोग पर्यटकों की पोशाक, खाने की आदतें, भाषा और व्यवहार अपनाने लगते हैं। इससे सांस्कृतिक गिरावट होती है और स्थानीय रीति-रिवाजों में असंगति उत्पन्न होती है।

2. **आर्थिक प्रभावः**

पर्यटन उद्योग को अक्सर दुनिया का सबसे बड़ा नियोक्ता माना जाता है। इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि पर्यटन गतिविधियों का स्थानीय और मेहमान समुदायों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार का प्रभाव होता है।

सकारात्मक प्रभावः स्थानीय गंतव्य क्षेत्र और पर्यटक उत्पन्न क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

नकारात्मक प्रभावः मांग बढ़ने के कारण कीमतों में वृद्धि होती है जिससे वस्तुओं, सेवाओं, भूमि, आवास आदि की लागत बढ़ जाती है यानी जीवन यापन की लागत में वृद्धि होती है।

3. **पर्यावरणीय प्रभावः**

पर्यटन गतिविधियाँ किसी गंतव्य के भौतिक पर्यावरण से घनिष्ठ रूप से जुड़ी होती हैं और ये गतिविधियाँ सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार से पर्यावरण को प्रभावित करती हैं।

सकारात्मक प्रभावः राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में पर्यटन गतिविधियाँ न केवल पर्यटकों को प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता का अनुभव करने का अवसर प्रदान करती हैं बल्कि इन क्षेत्रों के संरक्षण (conservation) में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जब लोग इन क्षेत्रों में यात्रा करते हैं तो यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाने के साथ-साथ संरक्षण प्रयासों को भी प्रोत्साहित करता है।

SCERT DELHI

एयर, सड़क और रेल द्वारा परिवहन के बढ़ते उपयोग का मुख्य कारण पर्यटन की बढ़ती संख्या और पर्यटकों की गतिशीलता में वृद्धि है। जब लोग विभिन्न गंतव्यों की यात्रा करते हैं तो वे विभिन्न परिवहन विकल्पों का उपयोग करते हैं जो उनके यात्रा अनुभव को आसान और सुविधाजनक बनाते हैं। हालांकि इस बढ़ती यात्रा के साथ-साथ पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव भी बढ़ रहा है विशेष रूप से वायु प्रदूषण और कार्बन डाइऑक्साइड (CO) उत्सर्जन के मामले में। एक अध्ययन के अनुसार एक ट्रान्साटलांटिक (Transatlantic) वापसी की उड़ान से लगभग आधे CO उत्सर्जन (Emissions) होता है जो अन्य स्रोतों (जैसे, बिजली, कार का उपयोग) द्वारा उत्पन्न ऊर्जा से अधिक है।

पर्यटन के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए यह अनिवार्य है कि किसी भी पर्यटन गतिविधि को सभी स्तरों पर उचित योजना के आधार पर और स्थानीय समुदाय के साथ परामर्श करके संचालित किया जाए।

3.9 सारांश (Summary)

इस इकाई में आपको पर्यटन से जुड़े कई सामान्य शब्दों से परिचित कराया गया है जैसे कि डेस्टिनेशन, पैक्स, एसआईटी, जीआईटी, एफआईटी आदि। पर्यटन के छात्र के रूप में ये सामान्य शब्दावली आपको पर्यटन व्यवसाय को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगी। अब आप पुश और पुल कारकों और उनके पर्यटन में योगदान को समझ चुके हैं। इसके अलावा अब आप पर्यटन के प्रेरक और बाधाओं को बेहतर ढंग से समझने की स्थिति में हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतिम खंड में यह बताया गया है कि हर क्रिया का एक प्रतिक्रिया होती है इसलिए पर्यटन गतिविधियों की सही योजना बनानी और फिर उसे लागू करना आवश्यक है।

समीक्षा प्रश्न (Review Questions)

बहु विकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions):

1. पर्यटन प्रणाली मॉडल (Tourism System Model) किसने विकसित किया?

   a) बटलर b) लीपर

   c) कोहेन d) प्लोग

2. MICE पर्यटन का मुख्य उद्देश्य क्या है?

   a) साहसिक गतिविधियाँ b) व्यापारिक यात्रा

   c) पारिवारिक छुट्टियाँ d) धार्मिक यात्रा

3. निम्नलिखित में से कौन सा पर्यटन बाधा का प्रकार नहीं है?

a) आर्थिक
b) सामाजिक
c) सांस्कृतिक
d) प्रेरक

4. 'पुश' कारक (Push Factor) का क्या अर्थ है?

a) पर्यटन स्थल का आकर्षण
b) यात्रा करने की आंतरिक प्रेरणा
c) यात्रा की बाधा
d) पर्यटन सेवा

5. पर्यटन प्रेरकों में से कौन सा शारीरिक प्रेरक (Physical Motivational Factor) नहीं है?

a) खेल
b) स्वास्थ्य
c) सांस्कृतिक नृत्य
d) मानसिक ताजगी

6. कौन-सा प्रकार का टूर पैकेज सबसे अधिक लचीला (Flexible) होता है?

a) रेडीमेड टूर पैकेज
b) ऑल-इंक्लूसिव टूर
c) टेलर-मेड टूर पैकेज
d) ग्रुप टूर

7. पर्यटन के किस प्रकार में गंतव्य स्थल पर सांस्कृतिक और पारंपरिक अनुभवों पर ध्यान दिया जाता है?

a) सांस्कृतिक पर्यटन
b) साहसिक पर्यटन
c) शैक्षिक पर्यटन
d) समुद्र पर्यटन

8. पर्यटन के किस प्रकार में 'इंसेंटिव टूर'(Incentive Tour) शामिल होता है?

a) धार्मिक पर्यटन
b) MICE पर्यटन
c) सांस्कृतिक पर्यटन
d) साहसिक पर्यटन

9. रेडीमेड टूर पैकेज में क्या शामिल नहीं होता है?

a) लचीलापन (Flexibility)
b) होटल
c) परिवहन
d) भोजन

SCERT DELHI

10. पर्यटन की एक महत्वपूर्ण बाधा कौन सी है?

a) अत्यधिक धन b) कम समय

c) दोस्ती d) खेल आयोजन

उत्तरः

1. b) लीपर 2. b) व्यापारिक यात्रा 3. d) प्रेरक 4. b) यात्रा करने की आंतरिक प्रेरणा 5. c) सांस्कृतिक नृत्य 6. c) टेलर-मेड टूर पैकेज 7. a) सांस्कृतिक पर्यटन 8. b) MICE पर्यटन 9. a) लचीलापन 10. b) कम समय

रिक्त स्थान भरें (Fill in the Blanks)

1. ____________________ पर्यटन का उद्देश्य विशेष रुचियों वाले पर्यटकों के लिए अनुभव प्रदान करना होता है।

2. ____________________ पर्यटन वह है जिसमें लोग अपने देश के भीतर यात्रा करते हैं।

3. पर्यटन बाधाओं में सबसे प्रमुख बाधा ____________________ की कमी है।

4. MICE पर्यटन का एक प्रमुख घटक ____________________ है, जिसमें व्यापारिक और शैक्षणिक चर्चाएँ शामिल होती हैं।

5. प्राकृतिक आकर्षण और सांस्कृतिक धरोहर ____________________ कारक होते हैं जो पर्यटकों को किसी गंतव्य की ओर खींचते हैं।

उत्तरः

1. विशेष रुचि 2. घरेलू 3. समय 4. मीटिंग्स 5. पुल

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Type Questions)

1. पर्यटन के शारीरिक प्रेरकों का उदाहरण दीजिए।

उत्तरः शारीरिक प्रेरक वे होते हैं जो खेल, ताजगी और स्वास्थ्य उद्देश्यों से जुड़े होते हैं। उदाहरण के लिए स्काइडाइविंग या लंबी पैदल यात्रा।

2. 'आंतरिक पर्यटन' (Internal Tourism) क्या है?

उत्तरः आंतरिक पर्यटन वह है जिसमें घरेलू और आगमन पर्यटन दोनों शामिल होते हैं, जहां निवासी और गैर-निवासी अपने देश के भीतर यात्रा करते हैं।

3. पर्यटन में सुरक्षा और सुरक्षा बाधाओं का क्या प्रभाव है?

उत्तरः सुरक्षा बाधाओं जैसे राजनीतिक अशांति, युद्ध, और आतंकवाद के कारण पर्यटक गंतव्य पर जाने से हिचकिचाते हैं जिससे पर्यटन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

4. 'इंसेंटिव टूर' का उद्देश्य क्या होता है?

उत्तरः इंसेंटिव टूर का उद्देश्य कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत करना होता है जैसे कि उन्हें विशेष यात्रा या छुट्टियाँ दी जाती हैं।

5. रेडीमेड टूर पैकेज का लाभ क्या है?

उत्तरः रेडीमेड टूर पैकेज में यात्रा की पूरी योजना पहले से तैयार होती है जिससे यात्रियों को किसी योजना की चिंता नहीं करनी पड़ती और यह कम खर्चीला होता है।

6. सांस्कृतिक प्रेरकों का एक उदाहरण दीजिए।

उत्तरः सांस्कृतिक प्रेरकों में संगीत, नृत्य, कला, ऐतिहासिक स्मारक और लोकगीत शामिल हैं जो पर्यटकों को सांस्कृतिक अनुभवों के लिए आकर्षित करते हैं।

7. MICE पर्यटन में एक्सपोज़िशन (Expositions) का क्या मतलब है?

उत्तरः एक्सपोज़िशन का मतलब उत्पादों, सेवाओं या विचारों को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किए जाने वाले व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों से है।

8. पर्यटन बाधाओं के प्रकार क्या होते हैं?

उत्तरः पर्यटन बाधाएँ विभिन्न प्रकार की हो सकती हैं, जैसे समय की कमी, आर्थिक समस्याएं, भौतिक सीमाएँ, दूरी और सुरक्षा समस्याएँ।

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions):

1. लीपर पर्यटन प्रणाली मॉडल का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तरः लीपर पर्यटन प्रणाली मॉडल एक संरचना है जो पर्यटन उद्योग के विभिन्न घटकों और उनके बीच के संबंधों को दर्शाता है। इसमें प्रमुख घटक जैसे पर्यटन क्षेत्र, पर्यटन विकास क्षेत्र, पर्यटक, पर्यटन संसाधन

SCERT DELHI

और पर्यटन सेवाएं शामिल हैं। यह मॉडल यह समझने में मदद करता है कि कैसे ये घटक परस्पर संबंधित होते हैं और एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं।

2. पर्यटन प्रेरक और पर्यटन बाधाओं के बीच अंतर कीजिए।

उत्तरः पर्यटन प्रेरक वे कारक होते हैं जो लोगों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं जैसे शारीरिक, सांस्कृतिक या स्थिति से जुड़े प्रेरक। दूसरी ओर पर्यटन बाधाएँ वे कारक होते हैं जो लोगों को यात्रा करने से रोकते हैं जैसे समय की कमी, आर्थिक समस्या या सुरक्षा चिंताएँ।

3. टेलर-मेड और रेडीमेड टूर पैकेजों के बीच अंतर बताइए।

उत्तरः रेडीमेड टूर पैकेज एक पूर्व-निर्धारित योजना होती है जिसमें लचीलापन कम होता है जबकि टेलर-मेड टूर पैकेज ग्राहकों की जरूरतों और इच्छाओं के अनुसार तैयार किया जाता है और इसमें अधिक लचीलापन होता है।

4. पर्यटन में सांस्कृतिक प्रेरकों का क्या महत्व है?

उत्तरः सांस्कृतिक प्रेरक पर्यटकों को सांस्कृतिक और पारंपरिक अनुभवों के लिए आकर्षित करते हैं। ये प्रेरक लोगों को सांस्कृतिक स्थलों, नृत्य, संगीत और लोक कला के माध्यम से एक गहन सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करते हैं।

5. पर्यटन के आर्थिक प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

उत्तरः पर्यटन का आर्थिक प्रभाव स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार, आय और आर्थिक विकास के रूप में सकारात्मक होता है। हालांकि, कभी-कभी इससे जीवन यापन की लागत में वृद्धि हो जाती है जिससे नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकते हैं।

6. MICE पर्यटन के विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए।

उत्तरः MICE पर्यटन में चार मुख्य घटक होते हैं मीटिंग (व्यावसायिक या शैक्षणिक चर्चा), इंसेंटिव (कर्मचारियों को पुरस्कृत करना), कॉन्फ्रेंस (विभिन्न मुद्दों पर चर्चा) और एक्सपोज़िशन (विभिन्न उत्पादों या सेवाओं की प्रदर्शनी) ।

7. पर्यटन में आने वाली सुरक्षा और राजनीतिक बाधाओं का विश्लेषण कीजिए।

उत्तरः सुरक्षा और राजनीतिक बाधाओं में युद्ध, आतंकवाद, राजनीतिक अशांति और यात्रा प्रतिबंध शामिल होते हैं। ये कारक पर्यटन के विकास को धीमा कर सकते हैं और पर्यटकों की संख्या में गिरावट का कारण बन सकते हैं।

SCERT DELHI

8. पर्यटन क्षेत्र में पर्यावरणीय प्रभावों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तरः पर्यटन का पर्यावरण पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव हो सकता है। सकारात्मक रूप में यह राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों की सुरक्षा में मदद करता है। नकारात्मक रूप में बढ़ती यात्रा और पर्यटकों की संख्या से प्रदूषण और संसाधनों की अत्यधिक खपत होती है।

9. पर्यटन प्रेरक और उनके उदाहरणों का वर्णन कीजिए।

उत्तरः पर्यटन प्रेरक वे कारक होते हैं जो लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित करते हैं। इनमें शारीरिक प्रेरक (स्वास्थ्य और खेल), सांस्कृतिक प्रेरक (संगीत और कला), इंटरपर्सनल प्रेरक (परिवार से मिलना) और स्थिति और प्रतिष्ठा प्रेरक (विदेशी यात्राएं) शामिल हैं।

10. पर्यटन बाधाओं के कारणों और उनके समाधान पर चर्चा कीजिए।

उत्तरः पर्यटन बाधाएँ विभिन्न कारणों जैसे समय की कमी, आर्थिक समस्याएँ, भौतिक सीमाएँ और सुरक्षा चिंताओं के कारण उत्पन्न होती हैं। इन बाधाओं का समाधान उचित योजना, वित्तीय सहायता, बेहतर कनेक्टिविटी और सुरक्षा प्रबंधन के माध्यम से किया जा सकता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. लीपर पर्यटन प्रणाली मॉडल क्या है? इसका विस्तार से वर्णन करें।

उत्तरः लीपर पर्यटन प्रणाली मॉडल (Leiper's Tourism System Model) 1979 में नील लीपर द्वारा विकसित किया गया था। इस मॉडल के अनुसार पर्यटन एक जटिल प्रणाली है जिसमें विभिन्न घटक और उनकी परस्पर क्रियाएँ शामिल होती हैं। यह मॉडल पर्यटन को एक गतिशील प्रक्रिया के रूप में देखता है जो पर्यटकों, संसाधनों, सेवाओं और गंतव्यों के बीच आपसी संबंधों को दर्शाता है।

इस मॉडल के प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं:

* **पर्यटन क्षेत्र (Tourism Region):** यह वह स्थान है जहां पर्यटन गतिविधियाँ होती हैं। इसमें किसी देश, क्षेत्र, शहर या गाँव के प्राकृतिक, सांस्कृतिक और मानव-निर्मित आकर्षण शामिल होते हैं।
* **पर्यटन विकास क्षेत्र (Tourism Development Area):** यह वह स्थान है जहां पर्यटन उद्योग का विकास होता है। इसमें सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय द्वारा किए गए प्रयासों को शामिल किया जाता है।
* **पर्यटक (Tourist):** वे व्यक्ति जो पर्यटन गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों दोनों को शामिल करता है।

SCERT DELHI

* **पर्यटन संसाधन (Tourism Resources):** यह वे संसाधन हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्राकृतिक संसाधन जैसे पर्वत, नदियाँ, समुद्र तट, सांस्कृतिक संसाधन जैसे ऐतिहासिक स्थल, कला, संगीत और मानव-निर्मित आकर्षण शामिल होते हैं।

* **पर्यटन सेवाएँ (Tourism Services):** पर्यटन सेवाओं में आवास, परिवहन, भोजन, मनोरंजन और अन्य सुविधाएँ आती हैं जो पर्यटकों को उनकी यात्रा के दौरान प्रदान की जाती हैं।

मॉडल का महत्वः लीपर का मॉडल पर्यटन उद्योग के विभिन्न घटकों के बीच के संबंधों को समझने में मदद करता है। यह नीति-निर्माण, पर्यटन उत्पादों के विकास और गंतव्यों के प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। इस मॉडल के द्वारा यह समझना आसान हो जाता है कि किस तरह से एक स्थान को पर्यटन के लिए आकर्षक बनाया जा सकता है और वहाँ किस तरह से पर्यटक अनुभव को बढ़ाया जा सकता है।

2. पर्यटन प्रेरक और पर्यटन बाधाओं के बीच अंतर स्पष्ट करें।

उत्तरः पर्यटन प्रेरक (Tourism Motivators) और पर्यटन बाधाएँ (Barriers to Tourism) दोनों ही कारक हैं जो पर्यटन गतिविधियों को प्रभावित करते हैं लेकिन इनका प्रभाव विपरीत होता है।

पर्यटन प्रेरकः ये वे कारक हैं जो लोगों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रेरकों के चार प्रमुख प्रकार होते हैं:

* **शारीरिक प्रेरक (Physical Motivators):** ये प्रेरक व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक ताजगी, खेल और स्वास्थ्य उद्देश्यों से जुड़े होते हैं। उदाहरणः स्काइडाइविंग, योगा आदि।

* **सांस्कृतिक प्रेरक (Cultural Motivators):** ये प्रेरक उन लोगों के लिए होते हैं जो कला, संगीत, नृत्य, लोककला और ऐतिहासिक स्थलों के प्रति आकर्षित होते हैं।

* **इंटरपर्सनल प्रेरक (Interpersonal Motivators):** ये प्रेरक लोगों को यात्रा करने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि वे दोस्तों और परिवार से मिल सकें या सामाजिक संबंधों को मजबूत कर सकें।

* **स्थिति और प्रतिष्ठा प्रेरक (Status and Prestige Motivators):** ये प्रेरक उन लोगों के लिए होते हैं जो अपनी सामाजिक स्थिति को बढ़ाने के लिए यात्रा करते हैं। उदाहरणः लक्ज़री रिसॉर्ट्स में ठहरना या विदेश यात्रा करना।

* **पर्यटन बाधाएँ:** ये वे कारक हैं जो किसी व्यक्ति की यात्रा करने की इच्छा को कम कर सकते हैं। प्रमुख बाधाएँ निम्नलिखित हैं:

* **समय की कमीः** कई लोग यात्रा करना चाहते हैं लेकिन उनके पास समय की कमी होती है।

* **आर्थिक बाधाएँ:** यात्रा महंगी होती है और यदि किसी के पास पर्याप्त धन नहीं होता है तो यह एक बाधा बन जाती है।

* **भौतिक सीमाएँ:** विकलांगता, स्वास्थ्य समस्याएँ या वृद्धावस्था जैसी शारीरिक सीमाएँ भी एक बाधा हो सकती हैं।

* **सुरक्षा चिंताएँ:** राजनीतिक अशांति, आतंकवाद और अन्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों के कारण पर्यटक यात्रा करने से हिचकिचाते हैं।

अंतरः प्रेरक सकारात्मक कारक होते हैं जो यात्रा की इच्छा को बढ़ाते हैं जबकि बाधाएँ नकारात्मक कारक होते हैं जो यात्रा की योजना को रोक सकते हैं। प्रेरक कारकों के कारण लोग यात्रा की योजना बनाते हैं जबकि बाधाएँ उनकी योजना में रुकावट डाल सकती हैं।

3. पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों का विश्लेषण करें।

उत्तर: पर्यटन का किसी भी स्थान के सामाजिक और सांस्कृतिक ढाँचे पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकते हैं।

सकारात्मक प्रभावः

* **सांस्कृतिक गर्व का नवीनीकरण:** पर्यटन के कारण स्थानीय समुदायों को अपनी संस्कृति, परंपराओं, और विरासत को सहेजने और प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। यह स्थानीय कला, शिल्प, और संगीत के संरक्षण में मदद करता है।

* **आर्थिक लाभ:** पर्यटक स्थानीय उत्पादों और सेवाओं का उपभोग करते हैं जिससे स्थानीय व्यापारियों और शिल्पकारों को रोजगार मिलता है और उनकी आय में वृद्धि होती है।

* **अंतर-सांस्कृतिक संवाद:** पर्यटन के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों के लोग एक-दूसरे से मिलते हैं जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और समझ बढ़ती है।

नकारात्मक प्रभावः

* **डेमोंस्ट्रेशन प्रभाव (Demonstration Effect):** यह एक नकारात्मक प्रभाव है जिसमें स्थानीय लोग पर्यटकों की जीवनशैली, पोशाक, और व्यवहार को अपनाने लगते हैं जिससे उनकी अपनी सांस्कृतिक पहचान कमजोर हो जाती है।

* **सांस्कृतिक क्षरण:** पर्यटन के कारण कभी-कभी स्थानीय परंपराएँ और रीति-रिवाज बदलने लगते हैं। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब पर्यटन के कारण स्थानीय लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत का व्यवसायीकरण करते हैं।

SCERT DELHI

* **आपराधिक गतिविधियों में वृद्धिः** पर्यटन क्षेत्र में कभी-कभी अपराधों की वृद्धि हो जाती है जैसे कि चोरी, जालसाजी और पर्यटकों को धोखा देना। यह स्थानीय समाज के लिए नकारात्मक प्रभाव डालता है।

निष्कर्षः पर्यटन का सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव काफी जटिल और व्यापक होता है। जबकि यह स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायक होता है इसके साथ ही यह सामाजिक असमानता, सांस्कृतिक क्षरण, और आपराधिक गतिविधियों को भी जन्म दे सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए पर्यटन योजनाओं को इस तरह से विकसित किया जाना चाहिए जिससे सांस्कृतिक संरक्षण और विकास को बढ़ावा मिले और नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सके।

4. पर्यटन में सुरक्षा और राजनीतिक बाधाओं का विश्लेषण करें।

उत्तरः पर्यटन के लिए सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता बहुत महत्वपूर्ण हैं। जब भी किसी स्थान में सुरक्षा संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं तो वह स्थान पर्यटकों के लिए आकर्षक नहीं रहता। सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता में आई किसी भी कमी के कारण पर्यटन गतिविधियाँ रुक सकती हैं।

सुरक्षा बाधाएँः

* **आतंकवाद और युद्धः** आतंकवादी हमले या युद्धग्रस्त क्षेत्र हमेशा पर्यटकों के लिए एक बड़ी बाधा होते हैं। उदाहरण के लिए 9/11 के हमलों के बाद अंतर्राष्ट्रीय यात्रा में काफी गिरावट आई थी।

* **स्वास्थ्य संबंधित चिंताएँः** हाल ही के कोविड-19 महामारी ने पर्यटन पर बड़ा नकारात्मक प्रभाव डाला था। स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना पर्यटक यात्रा करने से हिचकते हैं।

* **प्राकृतिक आपदाएँः** बाढ़, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण भी पर्यटक किसी स्थान की यात्रा करने से बचते हैं।

राजनीतिक बाधाएँः

* **राजनीतिक अस्थिरताः** जिन देशों में राजनीतिक अशांति या अस्थिरता होती है वहाँ पर्यटक यात्रा करने से हिचकते हैं। उदाहरण के लिए मध्य पूर्व में राजनीतिक अस्थिरता के कारण वहाँ की यात्रा में कमी आई है।

* **सरकारी यात्रा प्रतिबंधः** कई बार सरकारें नागरिकों को किसी विशेष देश की यात्रा करने से मना कर देती हैं। यह भी पर्यटन में बड़ी बाधा साबित होता है।

SCERT DELHI

* **कराधान और पर्यटन नीतिः** कई सरकारें पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष नीतियाँ बनाती हैं। वहीं कुछ सरकारें उच्च कर लगा देती हैं जिससे पर्यटन महंगा हो जाता है और पर्यटक वहाँ जाने से बचते हैं।

निष्कर्षः सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता का पर्यटन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। पर्यटन उद्योग को स्थिर रखने के लिए सरकारों को सुरक्षा उपायों को मजबूत करना होगा और राजनीतिक नीतियों को पर्यटन के अनुकूल बनाना होगा।

5. पर्यटन के पर्यावरणीय प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तरः पर्यटन का पर्यावरण पर गहरा प्रभाव होता है। पर्यावरणीय प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकते हैं क्योंकि पर्यटकों की गतिविधियाँ प्राकृतिक संसाधनों और पारिस्थितिकी पर सीधा असर डालती हैं।

सकारात्मक प्रभावः

1. **संरक्षण को बढ़ावाः** पर्यटन कई प्राकृतिक क्षेत्रों के संरक्षण और रखरखाव को प्रोत्साहित करता है। उदाहरण के लिए राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में पर्यटन गतिविधियों के कारण इन क्षेत्रों की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाता है। पर्यटकों की उपस्थिति सरकार और स्थानीय समुदायों को उन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए प्रोत्साहित करती है। इसके अलावा इस प्रकार के क्षेत्रों से प्राप्त राजस्व का उपयोग संरक्षण प्रयासों के लिए किया जा सकता है।

2. **स्थानीय जागरूकता और शिक्षाः** पर्यावरण पर्यटन (Eco-Tourism) के माध्यम से पर्यटकों और स्थानीय लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ती है। इस प्रकार के पर्यटन में पर्यटकों को स्थलों के प्राकृतिक और सांस्कृतिक महत्व को समझाया जाता है जिससे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा होती है।

नकारात्मक प्रभावः

1. **प्राकृतिक संसाधनों का दोहनः** पर्यटन गतिविधियाँ जैसे होटल निर्माण, सड़कों और परिवहन सेवाओं के विस्तार के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन होता है। जल, ऊर्जा और भूमि जैसी प्राकृतिक संपत्तियों की अत्यधिक खपत होती है। उदाहरण के लिए समुद्र तट के क्षेत्रों में बड़े-बड़े रिसॉर्ट्स और होटल पर्यावरणीय संतुलन को बिगाड़ सकते हैं।

2. **प्रदूषण में वृद्धिः** पर्यटन की वृद्धि के साथ प्रदूषण में भी इजाफा होता है। हवाई, सड़कों और समुद्री यात्रा के लिए परिवहन के बढ़ते उपयोग से वायु और जल प्रदूषण बढ़ता है। हवाई यात्रा से होने वाला

SCERT DELHI

कार्बन उत्सर्जन पर्यावरण के लिए एक बड़ी चुनौती है। इसके अलावा पर्यटक गंतव्यों पर कचरा, प्लास्टिक और अन्य प्रदूषकों की समस्या भी उत्पन्न होती है।

3. **पारिस्थितिकीय प्रणाली (Ecological system) तंत्र को नुकसान:** पर्यटन के कारण कई प्राकृतिक स्थानों का पारिस्थितिकी तंत्र बिगड़ सकता है। पर्यटन के लिए बनाए गए निर्माण कार्यों से स्थानीय वन्यजीवन और वनस्पति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वन्यजीव क्षेत्रों में अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियाँ जैसे सफारी, ट्रेकिंग और कैंपिंग वन्यजीवों की जीवनशैली को प्रभावित करती हैं और उनके प्राकृतिक आवास में हस्तक्षेप करती हैं।

4. **ओवरटूरिज्म का प्रभाव:** अत्यधिक पर्यटन (Overtourism) के कारण पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। जब किसी स्थान पर बहुत अधिक पर्यटक आते हैं तो वहाँ की प्राकृतिक संरचना, बुनियादी ढाँचे, और संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। उदाहरण के लिए प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर अत्यधिक भीड़ से वहाँ के वनस्पति और जीव-जन्तु प्रभावित होते हैं।

समाधान और सतत विकास:

1. **स्थायी पर्यटन (Sustainable Tourism):** पर्यटन के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए स्थायी पर्यटन का दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है। इसमें ऐसे पर्यटन गतिविधियों का संचालन किया जाता है जो पर्यावरण, स्थानीय समुदाय और पारिस्थितिकी के प्रति संवेदनशील हों। इसमें पर्यटकों को जागरूक करना, स्थानीय संसाधनों का संरक्षण करना और प्राकृतिक आवास की सुरक्षा करना शामिल है।

2. **पुनर्चक्रण और कचरा प्रबंधन:** पर्यटक स्थलों पर कचरे के उचित प्रबंधन और पुनर्चक्रण (Recycling) की व्यवस्था की जानी चाहिए। प्लास्टिक और गैर-बायोडिग्रेडेबल सामग्री के उपयोग को कम करने और पर्यटकों को कचरा न फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

3. **कार्बन फुटप्रिंट में कमी:** परिवहन सेवाओं में सुधार करके और ऊर्जा-कुशल विधियों का उपयोग करके कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हवाई यात्रा के स्थान पर स्थानीय परिवहन और पैदल चलने को बढ़ावा देना चाहिए।

निष्कर्ष: पर्यटन का पर्यावरण पर प्रभाव व्यापक और जटिल है। इसे सकारात्मक दिशा में मोड़ने के लिए उचित योजना और सतत विकास की नीतियों को अपनाना जरूरी है। अगर पर्यटन गतिविधियों को पर्यावरण-संवेदनशील तरीके से संचालित किया जाए तो यह पर्यावरण और पारिस्थितिकी के संरक्षण में सहायक हो सकता है। लेकिन अगर इसे अनियंत्रित रूप से किया जाए तो यह पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुँचा सकता है।

SCERT DELHI

पर्यटन घटक-I

इकाई 4

4.1 परिचय (Introduction)

जब हम पर्यटन के बारे में सोचते हैं तो हम मुख्य रूप से उन लोगों के बारे में सोचते हैं जो दर्शनीय स्थलों की यात्रा करने दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने, छुट्टी मनाने और अच्छा समय बिताने के लिए किसी विशेष स्थान पर जाते हैं। वे अपना ख़ाली समय विभिन्न खेलों में शामिल होने, धूप सेंकने, बातचीत करने, गाना गाने, सैर करने, घूमने, पढ़ने या बस पर्यावरण का आनंद लेने में बिता सकते है। यात्रा के उद्देश्य से किसी विशेष गंतव्य पर जाने का निर्णय लेने के समय से लेकर जब तक कोई पर्यटक घर वापस नहीं आ जाता तब तक कई तरह की गतिविधियाँ होती हैं और इसमें कई घटक और संगठन शामिल होते हैं। वास्तव में पर्यटन उद्योग विभिन्न उद्योगों और सेवाओं के उत्पादन का मिश्रण है। पर्यटन एक बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि बन गई है क्योंकि इसमें पर्यटक विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में शामिल होता है तथा यही पयर्टन को आनंदमय बनाता है। वर्तमान में पर्यटन अपने विभिन्न घटकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

पर्यटन में संबंधों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करने वाली इस बहुत जटिल गतिविधि के पीछे की ताकत एक घटना है और इसके विभिन्न घटक बहुत आवश्यक हैं और इन विभिन्न घटकों को जानना आवश्यक है जो एक साथ मिलकर पर्यटन को संभव बनाने में योगदान करते हैं। पर्यटन उद्योग के घटक विविध हैं जो स्थानीय स्तर पर संचालित छोटे पैमाने के व्यवसाय से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक हैं। उदाहरण के लिए एक हवाई अड्डे पर एक फास्ट फूड दुकान पर्यटन उद्योग का एक घटक है जैसे कि एक एयरलाइन या होटल है क्योंकि इसका पर्यटकों के लिए सेवा देना, अपने स्वयं के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ यह उनका उद्देश्य भी है। इसके अलावा ये विभिन्न घटक एक-दूसरे से निकटता से जुड़े हुए हैं। घटकों के एक समूह के भीतर प्रतिस्पर्धा के बावजूद संबंध मौजूद है। यह इकाई पर्यटन के महत्वपूर्ण और बुनियादी घटकों पर चर्चा करती है अर्थात् आकर्षण और पहुंच। इन बुनियादी घटकों का ज्ञान पर्यटन पेशेवरों और पर्यटन अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए एक ज़रूरी आवश्यकता है।

4.2 आकर्षण को परिभाषित करना (Defining Attraction)

आकर्षण का अर्थ है ऐसी कोई भी चीज़ जो किसी व्यक्ति में यात्रा करने की इच्छा पैदा करती है। किसी विशेष स्थान की भौतिक या सांस्कृतिक विशेषता वह होती है जिसे पर्यटक अपनी एक या अधिक विशिष्ट अवकाश संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम मानते है। ऐसी विशेषताएँ परिवेशीय प्रकृति की हो सकती हैं (जैसे जलवायु, संस्कृति, वनस्पति या दृश्य) या वे किसी स्थान जैसे कि थिएटर प्रदर्शन, संग्रहालय या झरनों के

लिए विशिष्ट हो सकती है। इसे पर्यटन का सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी घटक माना जाता है।

एक पर्यटक आकर्षण एक दिलचस्प जगह है जहाँ पर्यटक कुछ अवसरों पर आते हैं जैसे निहित या प्रदर्शित सांस्कृतिक मूल, ऐतिहासिक महत्व, प्रकृति और निर्मित सुंदरता या मनोरंजन के लिए। कुछ उदाहरणों में ऐतिहासिक स्थान, स्मारक, चिड़ियाघर, एक्वेरियम, संग्रहालय और कला दीर्घाएँ, वनस्पति उद्यान, इमारतें और संरचनाएँ (जैसे महल, पुस्तकालय, पूर्व जेल, गगनचुंबी इमारतें, पुल, राष्ट्रीय उद्यान और वन, थीम पार्क और कार्निवल, जीवित इतिहास संग्रहालय, जातीय एन्क्लेव समुदाय, ऐतिहासिक रेलगाड़ियाँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं।

पर्यटन के आकर्षण बहुत हद तक भौगोलिक प्रकृति के होते हैं। आकर्षण का स्थान यानी अंतर्देशीय या तटीय स्थिति और पहुंच यानी साधन या सुविधा जिसके द्वारा पर्यटन स्थल पहुंचा जा सकता है पर्यटन के लिए दोनों ही महत्वपूर्ण है। पहाड़, झील, नदियाँ, झरने, ग्लेशियर, रेगिस्तान आदि जैसे प्राकृतिक संसाधन बड़ी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। नायग्रा फॉल्स, आइसलैंड के गीजर, अफ्रीका के जंगल और वन्यजीव, शक्तिशाली हिमालयी नदियाँ, उत्तर भारतीय राज्यों के हिल स्टेशन और झीलें ये सभी पर्यटकों के लिए रुचि के स्रोत हैं साथ ही ये एक विस्तारित पर्यटन उद्योग का आधार बन गए हैं।

स्ट्रोक्कुर गीजर
(Strokkur Geyser)

भागीरथी नदी, गंगोत्री
(Bhagirathi River at Gangotri)

जलवायु परिस्थितियाँ जैसे मौसम की परिस्थितियाँ- गर्म/ठंडा, नम/शुष्क विशेष महत्व रखती हैं। चरम मौसम वाले देशों से लाखों पर्यटक अच्छे मौसम की तलाश में समुद्र तटों और हिल स्टेशनों पर आते हैं। भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और थाईलैंड और कुछ अन्य देशों के हिल स्टेशन और खूबसूरत समुद्र तट इस बात के उदाहरण हैं कि अच्छा मौसम क्या कर सकता है।

पर्यटन में अक्सर आपको पर्यटन संसाधन, पर्यटन उत्पाद, पर्यटन स्थल और गंतव्य जैसे शब्द देखने को मिलेंगे। पर्यटन को एक उत्पाद माना जाता है क्योंकि किसी भी अन्य उत्पाद की तरह, यह भी कुछ ऐसा है जो "खरीददारों" को आकर्षित करता है। "खरीददार" वे पर्यटक हैं जो अलग-अलग जगहों पर जाते हैं और वहां की गतिविधियों और रोमांच का आनंद लेते हैं और जब पर्यटक आते हैं तो इसका मतलब है आय। यह एक चेन रिएक्शन है।

अगर पर्यटकों ने किसी जगह का दौरा किया है उसने अपने उत्पादों और सेवाओं के ज़रिए अच्छी कमाई की है तो इसका मतलब है कि देश के लिए अतिरिक्त कर। यही कारण है कि सरकारें वास्तव में अपने देश में पर्यटन को बढ़ावा देती हैं। यह भी निवेशक को आकर्षित करने का एक तरीका है। यह एक सरल व्याख्या है कि पर्यटन भी एक उत्पाद क्यों है। पर्यटन अनुभव कई उत्पादों और सेवाओं का परिणाम है जो पर्यटक अपनी यात्रा के दौरान उपभोग करता है। इसमें भौतिक वस्तुएँ, सेवाएँ, व्यक्ति, स्थान, संगठन और विचार शामिल है।

पर्यटन संसाधन, उत्पाद या गंतव्य वे स्थान हैं जो आगंतुकों को अस्थायी प्रवास के लिए आकर्षित करते हैं और महाद्वीपों से लेकर देशों, राज्यों और प्रांतों, शहरों और गांवों तक फैले हुए हैं। बुनियादी स्तर पर गंतव्य अनिवार्य रूप से स्थानीय सरकार की सीमाओं पर आधारित समुदाय होते हैं। विश्व व्यापार संगठन 'स्थानीय पर्यटन गंतव्य' की निम्नलिखित परिभाषा पेश की है;

"स्थानीय पर्यटन गंतव्य एक भौतिक स्थान है जिसमें एक आगंतुक कम से कम एक रात बिताता है"। इसमें सहायक सेवाओं और आकर्षण जैसे पर्यटन उत्पाद और एक दिन की वापसी यात्रा के समय के भीतर मिलने वाले पर्यटन संसाधन शामिल हैं। एक गंतव्य एक साइट और एक घटना दोनों है और ये दोनों ही कारक आकर्षण हैं। एक साइट आकर्षण में एक स्थान कश्मीर की झीलों गोवा की तटरेखा या ताजमहल परिसर की तरह आकर्षक होता है। घटना के मामले में पर्यटक उस स्थान पर होने वाली घटनाओं के कारण किसी विशेष स्थान की ओर आकर्षित होते हैं जैसे ओलंपिक खेल, केरल में नौका दौड, कोणार्क में नृत्य महोत्सव।

गंतव्य एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में फैले हो सकते हैं। किसी गंतव्य के प्रति आकर्षण उसकी छवि में निहित होता है। उदाहरण के लिए कई पर्यटक भारत को एक ही गंतव्य के रूप में देखते हैं। कुछ लोगों के लिए भारत मंदिरों की भूमि है जबकि कई लोगों के लिए इसका आकर्षण मुगल किलों और महलों में है। कई लोग भारत को अस्वीकार करते हैं क्योंकि यह अजीब है और इसलिए डरावना है और कई लोगों के लिए भारत की गरीबी एक बाधा है। वास्तव में किसी गंतव्य की छवि मेजबान आबादी के रवैये, नागरिक सुविधाओं, प्राकृतिक व्यवस्था, पहुंच और उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं जैसे कई कारकों पर निर्भर करती है।

4.3 आकर्षण के प्रकार (Types of Attraction)

पर्यटक आकर्षण प्राकृतिक रूप से आकर्षक हो सकते हैं जैसे पहाड़, हिल स्टेशन, झीलें या फिर उन्हें थीम पार्क, ऐतिहासिक परिसर या हॉलिडे विलेज जैसे मानव निर्मित या कृत्रिम आकर्षणों के साथ डिज़ाइन किया जा सकता है। मूल रूप से आकर्षण के तीन प्रकार हैंः

* प्राकृतिक आकर्षण
* मानव निर्मित आकर्षण
* सहजीवी आकर्षण

एक प्राकृतिक पर्यटक आकर्षण वह स्थान होगा जो मनुष्यों द्वारा नहीं बनाया गया, लेकिन हमेशा से अस्तित्व में रहा या पृथ्वी पर होने वाली प्रक्रियाओं द्वारा किसी बिंदु पर बनाया गया था जैसे डल झील, नायग्रा फॉल्स और समुद्र तट। पर्यटन में प्राकृतिक आकर्षण बहुत महत्वपूर्ण कारक है। पहाड़, झील, झरने, ग्लेशियर, जंगल, रेगिस्तान जैसे दृश्य लोगों को आकर्षित करने वाली मजबूत ताकत हैं। हजारों पर्यटक स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया में आल्प्स की उत्तरी ढलानों और इटली में दक्षिणी ढलानों और भारत और नेपाल के हिमालयी पर्वत ढलानों से आकर्षित होते हैं।

कर्नाटक में जोग जलप्रपात
(Jog Falls in Karnataka)

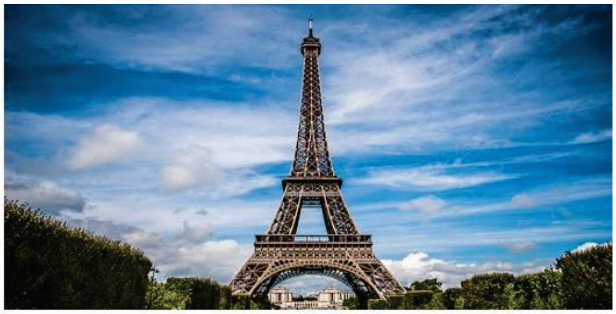

एफिल टॉवर, पेरिस
(Eiffel Tower, Paris)

मानव निर्मित आकर्षण वे वस्तुएं हैं, जिन्हें देखने के लिए कोई व्यक्ति यात्रा कर सकता है और जो इसलिए मौजूद हैं क्योंकि किसी इंसान ने उन्हें बनाया है जैसे स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, डिज्नी वर्ल्ड, एफिल टॉवर, पिरामिड, ताजमहल, माउंट रशमोर, चीन की महान दीवार आदि मानव निर्मित आकर्षण हैं। इसमें स्मारक, संग्रहालय, पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्थल आदि शामिल है। मेलों और त्योहारों के रूप में परंपरा, कला और हस्तशिल्प, नृत्य, संगीत, लोकगीत, देशी जीवन और रीति-रिवाज और मनोरंजन और मनोरंजन पार्क, खेल आयोजन, चिड़ियाघर और महासागर, सिनेमा और थिएटर, नाइट लाइफ और व्यंजन मानव निर्मित आकर्षण के उदाहरण हैं। भारत वास्तव में स्मारकों की भूमि है। देश के जिस भी हिस्से में कोई जाता है उसे मंदिरों, मस्जिदों, पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्थलों की असंख्य संरचनाएं देखने मिलती हैं। यह एक बहुत बड़ी संपदा है और इसमें निस्संदेह पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इसी तरह मूर्तिकला की संपदा और संस्कृति की अन्य वस्तुएं जैसे सिक्के, पेंटिंग, हस्तशिल्प आदि भारत को एक वास्तविक पर्यटक आकर्षण बनाते हैं। इस खजाने का कुछ हिस्सा संग्रहालयों में सफलतापूर्वक रखा और प्रदर्शित किया गया है। ये मानव निर्मित आकर्षण भारत की सांस्कृतिक विरासत के ध्वजवाहक और प्राथमिक पर्यटक आकर्षण बन गए हैं।

सहजीवी आकर्षण कुछ पर्यटन उत्पाद उपरोक्त श्रेणियों में नहीं आते। वन्यजीव अभयारण्य, समुद्री पार्क, हवाई उत्पाद और जल खेल, पुष्प महोत्सव पर्यटन उत्पादों के उदाहरण हैं जो प्रकृति और मनुष्य का सम्मिश्रण है। प्रकृति ने संसाधन प्रदान किए हैं और मनुष्य ने उनका प्रबंधन करके उन्हें पर्यटन उत्पाद में बदल दिया है। उदाहरण के लिए राष्ट्रीय उद्यानों को यथासंभव उनकी प्राकृतिक सुंदरता में छोड़ दिया जाता है लेकिन फिर

भी उन्हें पहुँच पार्किंग सुविधाओं, सीमित आवास, कूड़ेदान आदि के प्रावधान के माध्यम से प्रबंधित करने की आवश्यकता होती है तथा उत्पाद की इस श्रेणी में मुख्य आकर्षण अभी भी प्रकृति है। ये उत्पाद प्रकृति और मनुष्य का सहजीवन है।

लद्दाख के ज़ांस्कर में राफ्टिंग
Rafting at Zanskar, Ladakh)

सहजीवी आकर्षण का एक और उदाहरण साहसिक खेलों का मामला है, जहां पर्यटक भागीदार हो सकते हैं। साहसिक पर्यटन में ज्यादातर प्राकृतिक वातावरण में साहसिक गतिविधियों में भाग लेना शामिल है। उदाहरण के लिए व्हाइट वाटर राफ्टिंग सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक जल खेलों में से एक है, जिसमें एक राफ्ट में पानी की तेज धाराओं में सवारी करना शामिल है, जिसका उपयोग तेज बहती नदियों से निपटने के लिए किया जाता है। एक अन्य साहसिक खेल- स्कीइंग बर्फ से ढके पर्वत ढलानों पर धावकों का फिसलना भी शामिल है, जिसे स्की कहा जाता है। साहसिक पर्यटन गतिविधियाँ सहजीवी आकर्षण का अच्छा उदाहरण हैं क्योंकि लोगों को उस गंतव्य की यात्रा करनी होती है जो साहसिक गतिविधियों के लिए पहाड़ों, खुली जगह जैसे प्राकृतिक संसाधन प्रदान करता है।

4.4 पहुंच- परिवहन के साधन और महत्व (Accessibility - Modes of Transportation and Significance)

परिवहन, पर्यटन का एक मूलभूत घटक है, जो पर्यटक उत्पन्न करने वाले क्षेत्रों और गंतव्यों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी प्रदान करता है। इसलिए परिवहन और पर्यटन उद्योगों के बीच बहुत करीबी संबंध है, जहाँ दो-तरफ़ा संबंध मौजूद है। एक ओर अच्छी पहुँच जो प्रदान की गई परिवहन सेवाओं द्वारा निर्धारित होती है, किसी भी पर्यटन स्थल के विकास के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, परिवहन उद्योग के लिए, पर्यटन से पर्याप्त लाभ हो सकता है क्योंकि इस प्रकार की यात्रा अतिरिक्त मांग पैदा कर सकती है।

सुगम्यता का अर्थ है परिवहन के विभिन्न साधनों के माध्यम से गंतव्य तक पहुंचना। एक पर्यटक को पर्यटन स्थल तक पहुंचने के लिए यात्रा करनी पड़ती है। पर्यटक की आकर्षण के प्रत्येक स्थान तक पहुंच होनी चाहिए। एशिया और प्रशांत क्षेत्र में वैश्वीकरण के बढ़ते प्रभाव के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन निरंतर वृद्धि और विकास का समर्थन करने के लिए कुशल, विश्वसनीय और लागत प्रभावी परिवहन बुनियादी ढांचे और सेवाओं पर निर्भर है। अगर परिवहन नहीं होगा तो यात्रा नहीं हो सकती। यदि स्थान सामान्य परिवहन साधनों से दुर्गम हैं तो इसका कोई महत्व नहीं होगा। ऐसे स्थानों के लिए सभी प्रकार की परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। परिवहन हमारी सामाजिक-आर्थिक जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान देता है और विभिन्न परिवहन साधनों के माध्यम से लोगों और सामानों की एक जगह से दूसरी जगह गतिशीलता को सुविधाजनक बनाकर वैश्विक

नेटवर्क प्रणाली में एक मौलिक स्थान हासिल कर चुका है। सुगम्यता पर्यटन का एक महत्वपूर्ण कारक है और इसका विकास परिवहन उद्योग पर काफी हद तक निर्भर करता है। एक पर्यटक हमेशा सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक परिवहन के बारे में सोचता है। कोई भी गंतव्य तब तक लोकप्रिय नहीं हो सकता जब तक कि वह आसानी से सुलभ न हो। परिवहन नियमित, आरामदायक, किफायती और सुरक्षित होना चाहिए। परिवहन के विभिन्न साधन हैं जैसे एयरलाइंस, रेलवे, सतह (सड़क परिवहन) और जल परिवहन। सभी प्रकार के पर्यटकों और गंतव्यों के लिए परिवहन उपलब्ध होना चाहिए।

मानव सभ्यता के आगमन से हम पाते हैं कि लोग विभिन्न साधनों से यात्रा करते रहे हैं और समय के साथ परिवहन के साधन बदलती परिस्थितियों और प्रौद्योगिकी के विकास के अनुसार बदलते रहे हैं। प्राचीन काल में इस्तेमाल किए जाने वाले साधन मुख्य रूप से जमीन पर जानवर और समुद्र में पाल थे। सोलहवीं शताब्दी से पहले, जो लोग यात्रा करना चाहते थे उनके पास ऐसा करने के तीन तरीके थेः

* वे पैदल चल सकते थे (कई लोग जो किसी भी प्रकार के परिवहन का खर्च उठाने में असमर्थ थे उन्हें ऐसा करना पड़ता था चाहे कितनी भी दूरी क्यों न हो) ।
* वे घोड़े की सवारी कर सकते थे या उन्हें ले जाया जा सकता था या तो एक कूड़े पर (नौकरों द्वारा ले जाया जाता था और बड़े पैमाने पर अभिजात वर्ग तक ही सीमित था) ।
* एक वाहक की गाड़ी पर

उन्नीसवीं सदी में भाप और बिजली की खोज और प्रयोग तथा 20वीं सदी में आंतरिक दहन इंजन ने यात्रा और परिवहन में क्रांति ला दी और जन परिवहन के युग की शुरुआत की। अगली शानदार सफलता 1950 के दशक के अंत में जेट इंजन वाले विमानों के प्रणोदन के साथ आई जिसने पूरी दुनिया को हवाई यात्रा के अपार लाभों से परिचित कराया। पर्यटन और परिवहन एक दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। जैसे-जैसे विश्व पर्यटन बढ़ेगा, परिवहन क्षेत्रों पर अतिरिक्त मांगें बढ़ेंगी। यात्री परिवहन के विभिन्न साधनों की स्थिति को देखते हुए, हम पाते हैं कि परिवहन के साधनों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता हैः

* सतही परिवहन (Surface Transport)
* जल परिवहन (Water Transport)
* वायु परिवहन (Air Transport)

SCERT DELHI

4.4.1 सतही पर्यटन (Surface Tourism)

इसका अर्थ है विमान के बजाय सड़क, रेलगाड़ी और जहाजों द्वारा लोगों या माल की आवाजाही।

भूतल परिवहन के मुख्य साधन हैं:

सड़क परिवहन Road Transport

यह छोटी और मध्यम दूरी के लिए उपयुक्त सबसे आशाजनक और शक्तिशाली साधनों में से एक है। यह दूर-दराज के गांवों में रहने वाले अधिकांश लोगों की मांग को पूरा करता है और उन्हें विभिन्न स्थानों से जोड़कर राष्ट्रीय जीवन की मुख्यधारा में लाने के लिए बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। यह आंतरिक और दूरदराज के क्षेत्रों को जोडने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह तुलनात्मक रूप से किफायती है। सड़क परिवहन के मुख्य लाभों में लचीलापन, विश्वसनीयता, गति और डोर टू डोर सेवा शामिल है। परिवहन के ये साधन लाखों लोगों को सड़क परिवहन का उपयोग करते हुए अपने मनचाहे स्थान तक पहुँचाते हैं ।

सड़कों की विभिन्न श्रेणियां है जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, जिला सड़कें, गांव सड़कें या अवर्गीकृत गांव सड़कें। मुख्य चरण राजमार्गों का उपयोग मुख्य रूप से विभिन्न जिलों में राज्य के भीतर स्थित महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को जोड़ने के लिए किया जाता है। सड़क परिवहन भारत के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है क्योंकि कुल आबादी का 75 प्रतिशत से अधिक लोग अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं। सड़क परिवहन इन स्थानों के बीच दूरियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. रेलवे परिवहन (Rail Transport)

रेलवे मुख्य वाहक है जो विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त है। अधिकांश देशों में, विशेष रूप से भारत में, रेलवे सतही परिवहन की मुख्य धमनी के रूप में कार्य करता है। पहाड़ी क्षेत्रों में भी सड़कें बनाई जा सकती हैं, जबकि रेलवे लाइनें आसानी से नहीं बिछाई जा सकतीं। रेलवे परिवहन का सड़क मार्ग से अधिक लाभ यह है कि वे बड़ी संख्या में यात्रियों और बड़े तथा भारी सामान को लंबी दूरी तक ले जा सकते हैं। इसके अलावा बस की तुलना में ट्रेन से यात्रा अधिक आरामदायक है।

भारत में पूरे देश में रेलवे का एक बड़ा नेटवर्क है। हमारे पास भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक ट्रेनें हैं। भारत में रेलवे पटरियों की कुल लंबाई लगभग 63,000 किलोमीटर है। लगभग 7800 ट्रेनें प्रतिदिन लगभग ग्यारह मिलियन यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं। हमारा रेलवे नेटवर्क एशिया में सबसे बड़ा और दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा है भारत विविध संस्कृतियों का देश है और रेलवे न केवल देश की परिवहन

SCERT DELHI

आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है बल्कि बिखरे हुए क्षेत्रों को एक साथ जोड़ने और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारतीय रेलवे भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनकर उभरी है और महान भारतीय परिवार को एक साथ लाने के लिए आगे आई है। देश के लगभग सभी हिस्सों को जोड़ने वाली सामान्य ट्रेनों के अलावा भारतीय रेलवे; पैलेस ऑन व्हील्स, राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, फेयरी क्वीन जैसी विशेष लक्जरी ट्रेनें भी चलाती है। देश भर के विभिन्न महत्वपूर्ण शहरों में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक ब्यूरो स्थित है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक ब्यूरो विदेशी पर्यटकों और एनआरआई को आरक्षित टिकट और अमेरिकी डॉलर, पाउंड और रुपए में भुगतान के बदले वैध पासपोर्ट नकदीकरण प्रमाण पत्र जारी करते हैं। ये ब्यूरो इंडरेल पास भी बेचते हैं जो पर्यटकों को वैधता अवधि के भीतर जहाँ भी वे चाहें जब भी वे चाहें और जो भी ट्रेन उन्हें पसंद हो से यात्रा करने में सक्षम बनाता है।

4.4.2 हवाई परिवहन (Air Transport)

हवाई परिवहन का अर्थ है यात्रियों और माल को ले जाने के लिए विमान, हवाई जहाज का उपयोग। पर्यटन और विमानन उद्योग आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं और पर्यटन काफी हद तक विमानन उद्योग पर निर्भर करता है। पर्यटन उद्योग एक ऐसे उद्योग को संदर्भित करता है जो उन लोगों से संबंधित है जो अपने स्थान से दूसरे स्थान पर यात्रा करते हैं। जबकि विमानन उद्योग यात्रा उद्योग का एक खंड है जो एक गंतव्य से दूसरे गंतव्य तक हवाई परिवहन से संबंधित है। विमानन दुनिया भर में एकमात्र परिवहन नेटवर्क प्रदान करता है जो इसे वैश्विक व्यापार और पर्यटन के लिए आवश्यक बनाता है। पर्यटन बाजारों के लिए विमानन परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन है। जबकि भूगोल का मतलब है आधुनिक समय में हवाई यात्रा। यह हमेशा लंबी दूरी की यात्रा और बहुत से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के लिए प्रमुख साधन रही है इसका विनियमन की ओर कदम और विशेष रूप से कम लागत वाले वाहक क्षेत्र के उद्भव ने भी छोटी और मध्यम दूरी की पर्यटन यात्राओं के लिए विमानन के महत्व को बढ़ा दिया है। इस प्रकार विमानन में विकास कई अवकाश और व्यावसायिक पर्यटन बाजारों के लिए बहुत बड़े निहितार्थ है।

पर्यटन और हवाई परिवहन उद्योग एक दूसरे के पूरक हैं। पर्यटन आगंतुकों को लाने के लिए परिवहन पर निर्भर करता है जबकि परिवहन उद्योग अपनी सेवाओं की मांग उत्पन्न करने के लिए पर्यटन पर निर्भर करता है। पर्यटन उद्योग में वृद्धि सीधे हवाई परिवहन पर प्रतिबिंबित होती है। 25 वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या

SCERT DELHI

दोगुनी से अधिक हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय का विस्तार पर्यटन का परिवहन भूगोल के अनुशासन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है क्योंकि हवाई परिवहन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन का मुख्य साधन है। हवाई परिवहन पर्यटकों की अंतर-क्षेत्रीय आवाजाही में प्रमुख भूमिका निभाता है जिसमें आम तौर पर लंबी दूरी की यात्रा शामिल होती है। अंतर्राष्ट्रीय हवाई यातायात की वृद्धि दर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन की वृद्धि दर से जुड़ी हुई है। आकर्षण पैकेज टूर प्रतिस्पर्धी हवाई किराया दिन-प्रतिदिन अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है इसलिए दोनों उद्योग तेजी से विस्तार कर रहे हैं।

भारत में अनुसूचित हवाई परिवहन की शुरुआत 1932 में हुई। 1953 में इसके राष्ट्रीयकरण तक हवाई परिवहन का अस्तित्व केवल प्रतीकात्मक था और देश की अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका अपेक्षाकृत छोटी थी। चूंकि इसका उपयोग ब्रिटिश सरकार तक ही सीमित था और इस उद्योग का तकनीकी स्तर अपर्याप्त था इसलिए उन्होंने इसे विकसित करने के लिए कभी कोई प्रयास नहीं किया। वायु निगम अधिनियम 1953 के अधिनियमन और भारत में हवाई परिवहन उद्योग के राष्ट्रीयकरण के बाद दो निगम स्थापित किए गए अर्थात् इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया। इंडियन एयरलाइंस ने घरेलू और पड़ोसी देशों के लिए सेवाएं संचालित कीं, जबकि एयर इंडिया देश के अंदर और बाहर अंतर्राष्ट्रीय यातायात की सेवा प्रदान करता था। पवन हंस का गठन वर्ष 1985 में हेलीकॉप्टर सेवाओं को चलाने के लिए किया गया था इसका उद्देश्य भारत में अपतटीय तेल ड्रिलिंग के समर्थन में हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रदान करना था इसके अलावा अंडमान निकोबार, लक्षद्वीप समूह को मुख्य भूमि से जोड़ना और जम्मू-कश्मीर, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों में दुर्गम क्षेत्रों और कठिन इलाकों को जोड़ना था। 1990 से, सरकार ने निजी ऑपरेटरों को खुले आसमान की नीति के तहत भारत में ट्रंक रूट संचालित करने की अनुमति दी है। अब इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया को एक पहचान में मिला दिया गया है और अब यह एयर इंडिया के नाम से परिचालन किया जाता है।

कई निजी कंपनियां हैं जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर एयर इंडिया के साथ परिचालन कर रही हैं। भारत में हवाई परिवहन का उपयोग मुख्य रूप से यात्रियों के लिए किया जाता है। परिवहन के लिए यह एक महत्वपूर्ण साधन है और इसलिए पर्यटन के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार अब हवाई अड्डों को आज और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार उन्नत और आधुनिक बनाने के लिए भारी मात्रा में खर्च कर रही है। इस जबरदस्त क्षमता को ध्यान में रखते हुए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने विभिन्न प्रमुख शहरों में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों का विस्तार किया है। भारत में पर्यटकों के आगमन को दोगुना या तिगुना करने के लिए हमें अधिक अंतर्राष्ट्रीय सीटें उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि हमें अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों को विभिन्न कम उपयोग वाले हवाई अड्डों का उपयोग करके भारत से अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

4.4.3. जल परिवहन Water Transport

जल परिवहन जलयान परिवहन है जो लोगों (यात्रियों) या माल (कार्गो) को ले जाता है। जल परिवहन पूरे इतिहास में माल का सबसे बड़ा वाहक रहा है। यद्यपि विमानन के कारण यात्रियों के लिए समुद्री यात्रा का महत्व कम हो गया है यह छोटी यात्राओं और आनंद यात्राओं के लिए प्रभावी है। रेलवे की तरह शिपिंग ने उन्नीसवीं सदी के दौरान यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जबकि रेलवे अंतर्देशीय यात्रा के लिए जिम्मेदार थे विशेष रूप से यूरोप में स्टीमशिपने सीमाओं को पार किया और अंतर-महाद्वीपीय यात्रा में प्रगति की। सड़क और रेल परिवहन के आने से पहले यह जल परिवहन था जो माल और व्यक्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाता था और परिवहन का यह तरीका सबसे पुराना परिवहन मोड माना जाता है।

भारत (जिसकी लगभग 5500 किलोमीटर की विशाल तटरेखा है) में माल और यात्रियों के परिवहन के लिए तटरेखा शिपिंग के उपयोग की काफी गुंजाइश है। इस मोड पर यात्री यातायात वर्तमान में मुख्य भूमि से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह तक है। भारत में 11 बड़े और 139 छोटे बंदरगाह हैं। बड़े बंदरगाह केंद्र सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय के नियंत्रण में हैं जबकि छोटे बंदरगाह राज्य सरकारों के अधीन हैं। जल-आधारित परिवहन आगंतुकों के लिए किसी गंतव्य तक यात्रा करने के सबसे पारंपरिक और यादगार तरीकों में से एक है। यह न केवल यात्रा करने का एक तरीका है बल्कि अपने आप में एक पर्यटन अनुभव है। क्रूज पर्यटन दुनिया भर में न केवल किसी गंतव्य की यात्रा करने के साधन के रूप में बल्कि एक अनुभव के रूप में भी एक बढ़ता हुआ बाजार क्षेत्र रहा है। एक गंतव्य के क्रूज बंदरगाह के रूप में विकास के लिए गहन आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। नदियों के किनारे या समुद्र तटीय रेखा के किनारे बसे शहरों में नाव, स्टीमर या जहाज पर अलग-अलग पैकेज टूर की योजना बनाने की जबरदस्त क्षमता है। उदाहरण के लिए पश्चिम बंगाल पर्यटन विभाग ने पर्यटकों को सुंदरबन (रॉयल बंगाल टाइगर के लिए प्रसिद्ध) ले जाने के लिए विशेष पर्यटन कार्यक्रम शुरू किए। लॉन्चिंग राज्य में ही यात्रा और ठहरने को आरामदायक बनाने के लिए विभिन्न सुविधाएँ प्रदान कीं। यह परियोजना एक बड़ी सफलता रही है। एलीफेंटा गुफाओं तक पहुँचने के लिए केवल मोटर लॉन्च का उपयोग किया जाता है जो भारत (मुंबई) गेटवे से चलती है।

इसी तरह गोवा पर्यटन विभाग आधे दिन और पूरे दिन के समुद्री परिभ्रमण का आयोजन करता है। सबसे दिलचस्प अनुभव क्रूज जहाजों पर या द्वीपों पर जाने वाले पर्यटकों का है। दिन के दौरान उन्हें नावों द्वारा द्वीपों पर ले जाया जाता है और रात में वे जहाज पर वापस रुकते हैं जहाँ विभिन्न प्रकार की मनोरंजक गतिविधियाँ प्रदान की जाती हैं। कुछ ट्रैवल एजेंसियां अंडमान के लिए विशेष पैकेज की पेशकश करके पर्यटकों के लिए समुद्री क्रूज भी आयोजित करती हैं। अन्य पर्यटक आकर्षण हैं जैसे कश्मीर में डल झील में एक हाउसबोट में रहना वाराणसी या इलाहाबाद में नाव की सैर करना; नैनीताल में नौका विहार (देश में नौका विहार और

जल क्रीड़ाएँ तेजी से बढ़ रही हैं)। कोचीन में, विभिन्न द्वीपों के बीच नाव बसें चलती हैं। हालांकि वे स्थानीय परिवहन का साधन हैं लेकिन पर्यटक उनमें यात्रा करने का आनंद लेते हैं।

क्रूज़ शिप (Cruise Ship)

शिकारा (Shikara)

जल मेट्रो (Water Metro)

4.5 सुविधाएं, स्वास्थ्य और स्वच्छता Amenities, Health and Hygiene

होटल - आवास

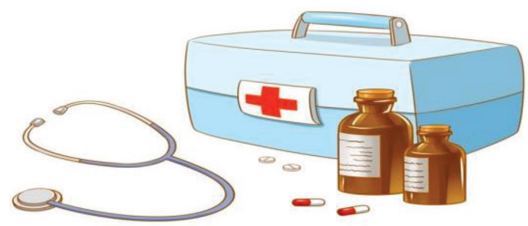
चिकित्सा सेवाएँ - सुविधाएँ

सुविधाओं में वे सभी सुविधाएँ शामिल हैं जिनकी एक पर्यटक को किसी गंतव्य पर आवश्यकता होती है। इनमें विभिन्न प्रकार के आवास से लेकर विभिन्न मनोरंजन, साहसिक कार्य और मनोरंजन के अवसर शामिल है। किसी भी पर्यटन केंद्र के लिए सुविधाएँ बहुत आवश्यक होती हैं। इन्हें पर्यटन केंद्र के लिए आवश्यक सहायता माना जाता है। समुद्र तटीय सैरगाह के लिए तैराकी, नौका विहार, सर्फिंग और इस तरह की अन्य सुविधाएँ जिनमें मनोरंजन एक महत्वपूर्ण विशेषता है। सुविधाएँ दो प्रकार की होती हैं प्राकृतिक और मानव निर्मित। समुद्र तट, समुद्र में स्नान, मछली पकड़ना, चढ़ाई, ट्रैकिंग, दृश्य देखना आदि पहली श्रेणी में आते हैं। विभिन्न प्रकार के मनोरंजन और सुविधाएँ जो पर्यटकों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करती हैं दूसरी श्रेणी में आती हैं।

स्वास्थ्य और स्वच्छता (Health and Hygiene): पर्यटक आनंद और स्वस्थ वातावरण का आनंद लेने के लिए किसी गंतव्य स्थान पर जाते हैं। यदि नागरिक सुविधाओं का स्तर खराब है कचरा निपटान या ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उचित नहीं है रास्ते गंदे हैं तो गंतव्य की छवि खराब होती है। पर्यटन के विकास के लिए गंतव्य अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उचित और स्वच्छ स्थितियां बनी रहें। इसके अलावा चिकित्सीय सहायता प्रदान

करने के लिए चिकित्सा केंद्र भी होने चाहिए। साथ ही सभी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस चिकित्सा केंद्र एवं जाँच केंद्र खोले जाने चाहिए जैसे के कोविड-19 या अन्य किसी भी स्वास्थ्य संबंधित आवश्कताओं की सुरक्षा, चिकित्सा एवं जाँच होना। इसके अलावा खाने के प्रतिष्ठानों में भी भोजन को संभालने वाले हों तथा यह प्रत्येक व्यक्ति की कानूनी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह यह सुनिश्चित करे कि ग्राहक को तैयार और परोसा जाने वाला भोजन सुरक्षित हो। कुछ अत्यधिक प्रचारित खाद्य स्वच्छता उल्लंघनों और भोजन के बारे में बढ़ती जागरूकता के बाद खाद्य संचालक लगातार जांच के दायरे में हैं। व्यवसाय और उपभोक्ता पर खराब खाद्य स्वच्छता के संभावित प्रभाव इस प्रकार हैंः -

* मृत्यु
* भोजन से संबंधित बीमारी
* जुर्माना और अभियोजन
* कर्मचारियों का कम मनोबल और उच्च स्टाफ टर्नओवर
* व्यवसाय की प्रतिष्ठा
* बिक्री में कमी मुनाफे में कमी
* भोजन की बर्बादी में वृद्धि
* व्यवसाय बंद होना और नौकरियों का नुकसान।

उपभोक्ता रसोई, भोजन कक्ष और सहायक क्षेत्रों में अच्छे स्वच्छता मानकों की अपेक्षा करता है इन अच्छी प्रथाओं के मुख्य लाभ हैंः

* अच्छे ग्राहक संबंध
* एक अच्छा कार्य वातावरण
* कम स्टाफ टर्नओवर
* कानून का अनुपालन
* भोजन की बर्बादी में कमी
* उपभोक्ता को भोजन से संबंधित बीमारी का कम जोखिम।

भोजन की सुरक्षित तैयारी और सेवा में खाद्य संचालक की भूमिका महत्वपूर्ण है और कानून कहता है कि एक

SCERT DRAFT

खाद्य संचालक - चाहे वह खाद्य व्यवसाय का मालिक हो या कर्मचारी - यह सुनिश्चित करने की कानूनी जिम्मेदारी है कि भोजन सुरक्षित रखा जाए। हर समय सतर्क रहना महत्वपूर्ण है और यदि आपको लगता है कि किसी भी समय खाद्य सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है तो अपने पर्यवेक्षक या प्रबंधक को सूचित करें। खाद्य स्वच्छता विनियमों के अनुसार यह आवश्यक है कि खाद्य परिसर उद्देश्य के लिए उपयुक्त हो और संचालन की जरूरतों को पूरा करने वाले खाद्य तैयारी और सहायक क्षेत्रों पर उचित विचार किया गया हो।

सुरक्षा (Security): पर्यटन में गुणवत्ता प्रदान करने के लिए सुरक्षा और संरक्षण महत्वपूर्ण हैं। किसी भी अन्य आर्थिक गतिविधि से अधिक पर्यटन स्थल की सफलता या विफलता आगंतुकों के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण प्रदान करने में सक्षम होने पर निर्भर करती है। कोई भी स्थान जो असुरक्षित है और जहां कानून और व्यवस्था की समस्या है वह कभी भी एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में उभरने में सक्षम नहीं होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह आवश्यक है कि वह स्थान सुरक्षित हो और गड़बड़ी और विकारों से मुक्त हो। साथ ही संबंधित अधिकारियों को मेजबान गंतव्य क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों के दौरान उत्पन्न होने वाले ऐसे अपराधों पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने चाहिए।

4.6 सारांश Summary

इस इकाई में आपको पर्यटन के विभिन्न घटकों से परिचित कराया गया। आकर्षण और इसके विभिन्न प्रकारों से लेकर परिवहन के विभिन्न साधनों के साथ-साथ पर्यटन में उनकी भूमिका पर चर्चा की गई। पर्यटन एक बहुआयामी उद्योग है जहाँ हर घटक को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। पर्यटन का प्राथमिक घटक होने के नाते परिवहन पर्यटन के विकास में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभा रहा है इसलिए यह गंतव्य विकास के लिए एक पूर्व आवश्यकता है।

समीक्षा प्रश्न (Review Question)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. पर्यटन का सबसे महत्वपूर्ण घटक क्या है?

   a) परिवहन   b) आवास

   c) आकर्षण   d) खाद्य सेवा

2. पर्यटन स्थल पर जाने का उद्देश्य क्या होता है?

   a) व्यापार　　b) आराम और आनंद

   c) खेल　　d) काम

3. किसे "पर्यटन का सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी घटक" माना जाता है?

   a) परिवहन　　b) सांस्कृतिक स्थल

   c) आकर्षण　　d) भोजन

4. निम्नलिखित में से कौन सा प्राकृतिक आकर्षण का उदाहरण है?

   a) ताजमहल　　b) हिमालय

   c) एफिल टॉवर　　d) स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी

5. मानव-निर्मित आकर्षण का उदाहरण कौन सा है?

   a) झील　　b) रेगिस्तान

   c) ताजमहल　　d) पर्वत

6. सहजीवी आकर्षण किसे कहा जाता है?

   a) केवल प्राकृतिक स्थल　　b) केवल मानव निर्मित स्थल

   c) मानव और प्राकृतिक दोनों का मिश्रण　　d) केवल सांस्कृतिक स्थल

7. निम्नलिखित में से कौन सा सहजीवी आकर्षण का उदाहरण है?

   a) झील　　b) वन्यजीव अभयारण्य

   c) रेगिस्तान　　d) समुद्र तट

8. पर्यटन और परिवहन के बीच क्या संबंध है?

   a) कोई संबंध नहीं है　　b) परिवहन पयटन को बढ़ावा देता है

   c) पर्यटन परिवहन पर निर्भर नहीं है　　d) परिवहन पयटन को रोकता है

SCERT DELHI

9. किस प्रकार का पर्यटन स्थल पर्वतीय स्थल माना जाता है?

   a) रेगिस्तानी स्थल
   b) समुद्री स्थल
   c) हिल स्टेशन
   d) मैदानी स्थल

10. पर्यटन उद्योग में "गंतव्य" का क्या अर्थ है?

   a) एक विशेष प्रकार का भोजन
   b) वह स्थान जहां पर्यटक जाते हैं
   c) परिवहन साधन
   d) यात्रा की दूरी

11. हवाई परिवहन मुख्य रूप से किसके लिए उपयुक्त है?

   a) छोटी दूरी की यात्रा
   b) लंबी दूरी की यात्रा
   c) केवल माल ढुलाई
   d) स्थानीय यात्रा

12. एक गंतव्य स्थल के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है?

   a) आकर्षण
   b) सुलभता
   c) मनोरंजन
   d) भोजन

उत्तरः

1. c) आकर्षण 2. b) आराम और आनंद 3. c) आकर्षण 4. b) हिमालय 5. c) ताजमहल 6. c) मानव और प्राकृतिक दोनों का मिश्रण 7. b) वन्यजीव अभयारण्य 8. b) परिवहन पर्यटन को बढ़ावा देता है 9. c) हिल स्टेशन 10. b) वह स्थान जहां पर्यटक जाते हैं 11. b) लंबी दूरी की यात्रा 12. b) सुलभता

रिक्त स्थान भरें (Fill in the blanks)

1. पर्यटन में आवास का सबसे महत्वपूर्ण घटक ________ है।
2. मोटल मुख्य रूप से ________ के लिए आवास प्रदान करता है।
3. तीन समय का भोजन प्रदान करने वाली योजना को ________ कहते हैं।
4. फ्लोटिंग होटल आमतौर पर ________ या ________ पर होते हैं।
5. पर्यटकों के लिए सस्ता और स्वच्छ आवास ________ में मिलता है।
6. एक ऐसा होटल जो लंबे समय तक रहने के लिए सुविधाएँ देता है, उसे ________ कहते हैं।

SCERT DELHI

7. ________ होटल आमतौर पर समुद्र तट या पहाड़ी इलाकों में स्थित होते हैं।

8. पर्यटकों को ऐतिहासिक अनुभव प्रदान करने वाला आवास ________ है।

9. ________ योजना में केवल नाश्ता शामिल होता है।

10. सस्ते और सामान्य आवास की व्यवस्था के लिए ________ का उपयोग किया जाता है।

उत्तर

1. होटल 2. मोटर चालकों 3. अमेरिकन प्लान 4. नदी, झील 5. युवा छात्रावास 6. अपार्टमेंट होटल 7. रिज़ॉर्ट 8. हेरिटेज होटल 9. कॉन्टिनेंटल प्लान 10. लॉज

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short answers type questions)

1. पर्यटन किसे कहते हैं?

उत्तरः पर्यटन का अर्थ है मनोरंजन, छुट्टियाँ मनाने या दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने के उद्देश्य से यात्रा करना।

2. पर्यटन के कितने मुख्य घटक होते हैं?

उत्तरः पर्यटन के मुख्यतः दो घटक होते हैं: आकर्षण और पहुँच।

3. पर्यटन उत्पाद किसे कहते हैं?

उत्तरः पर्यटन उत्पाद वे सेवाएँ और सुविधाएँ हैं जिन्हें पर्यटक यात्रा के दौरान उपयोग करता है।

4. आकर्षण का क्या मतलब होता है?

उत्तरः आकर्षण का मतलब उन विशेषताओं से है जो किसी व्यक्ति को उस स्थान की यात्रा के लिए प्रेरित करती हैं।

5. प्राकृतिक आकर्षण क्या होते हैं?

उत्तरः प्राकृतिक आकर्षण में झीलें, पहाड़, नदियाँ और जंगल जैसे प्राकृतिक स्थल शामिल होते हैं।

6. मानव निर्मित आकर्षण क्या होते हैं?

उत्तरः मानव निर्मित आकर्षण में स्मारक, संग्रहालय, और थीम पार्क जैसे स्थल आते हैं।

SCERT DELHI

7. सहजीवी आकर्षण का क्या अर्थ है?

उत्तरः सहजीवी आकर्षण वह हैं जो मानव और प्रकृति के संयुक्त प्रयासों से बने होते हैं जैसे वन्यजीव अभयारण्य।

8. पर्यटन के लिए परिवहन क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तरः परिवहन पर्यटन स्थलों तक पहुँचने का माध्यम प्रदान करता है जिससे पर्यटन संभव होता है।

9. सड़क परिवहन का महत्व क्या है?

उत्तरः सड़क परिवहन ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

10. हवाई परिवहन का पर्यटन में क्या महत्व है?

उत्तरः हवाई परिवहन लंबी दूरी के यात्रा के लिए एक प्रमुख साधन है जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बढ़ता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. पर्यटन उद्योग में आकर्षण और पहुँच का क्या महत्व है?

उत्तरः पर्यटन उद्योग में आकर्षण और पहुँच दो प्रमुख घटक हैं। आकर्षण वे विशेषताएँ होती हैं जो पर्यटकों को किसी स्थान की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती हैं, जैसे ऐतिहासिक स्थल, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर आदि। वहीं, पहुँच का मतलब उस स्थान तक पहुँचने के साधनों से है, जैसे सड़क, रेल, और हवाई सेवाएँ। यदि किसी स्थान का आकर्षण अच्छा है लेकिन पहुँच साधन उचित नहीं हैं, तो वह स्थल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित नहीं हो सकता।

2. पर्यटन के प्राकृतिक और मानव निर्मित आकर्षणों के उदाहरण दीजिए।

उत्तरः प्राकृतिक आकर्षण में भारत का हिमालय, झीलें, नदियाँ, और जंगल आते हैं जो प्राकृतिक सौंदर्य और शांति के कारण पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। वहीं मानव निर्मित आकर्षणों में ताजमहल, स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, एफ़िल टॉवर, और डिज़्नी वर्ल्ड जैसे स्थल आते हैं जिन्हें मानव ने विशेष रूप से पर्यटन के उद्देश्य से निर्मित किया है।

3. पर्यटन उद्योग में परिवहन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

उत्तरः परिवहन पर्यटन का आधार है। यह पर्यटकों को उनके गंतव्य तक पहुँचने में मदद करता है। सड़क परिवहन छोटे और मध्यम दूरी के लिए महत्वपूर्ण है जबकि रेलवे लंबी दूरी की यात्रा के लिए उपयुक्त है। हवाई परिवहन अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का मुख्य साधन है और लंबी दूरी के लिए तेज और सुविधाजनक है। जल परिवहन क्रूज यात्राओं और मनोरंजक यात्राओं के लिए एक प्रमुख साधन है। परिवहन की सुगमता के बिना

SCERT DELHI

पर्यटन उद्योग का विकास संभव नहीं है।

4. सहजीवी आकर्षण क्या हैं और उनके उदाहरण दीजिए।

उत्तरः सहजीवी आकर्षण वे होते हैं जो मानव और प्रकृति के संयुक्त प्रयासों से बनाए जाते हैं। उदाहरण के लिए वन्यजीव अभयारण्य जहां प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जाता है और इसे पर्यटकों के लिए सुलभ बनाया जाता है। इसी प्रकार साहसिक खेल जैसे राफ्टिंग और ट्रेकिंग भी सहजीवी आकर्षण हैं जहाँ पर्यटक प्राकृतिक स्थल का आनंद लेते हुए रोमांचक गतिविधियों में भाग लेते हैं।

5. भारत में सड़क परिवहन का पर्यटन में क्या महत्व है?

उत्तरः भारत में सड़क परिवहन पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ता है। भारत में अधिकांश जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और सड़कें उन क्षेत्रों को पर्यटन स्थलों से जोड़ने में मदद करती हैं। यह परिवहन का सबसे लचीला और व्यापक साधन है जो कम लागत और सुगमता प्रदान करता है।

6. पर्यटन में स्वास्थ्य और स्वच्छता का क्या महत्व है?

उत्तरः पर्यटक आनंद और स्वास्थ्यकर वातावरण की तलाश में होते हैं। यदि किसी स्थल पर स्वच्छता की स्थिति खराब है जैसे कचरा फैला हुआ है या स्वच्छता सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं तो वह स्थल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र नहीं बन सकता। साथ ही आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता भी पर्यटन स्थलों की आवश्यकताओं में से एक है।

7. पर्यटन उद्योग के विकास में सरकार की भूमिका पर चर्चा करें।

उत्तरः सरकार पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वह बुनियादी ढांचे का विकास करती है जैसे सड़कें, हवाई अड्डे और स्वास्थ्य सुविधाएँ। इसके साथ ही पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार और वहां की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून व्यवस्था भी बनाए रखती है। सरकार द्वारा दी गई सहूलियतें जैसे सस्ते परिवहन और पर्यटन पैकेज भी पर्यटन को प्रोत्साहित करते हैं।

8. हवाई परिवहन के आने से पर्यटन उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तरः हवाई परिवहन ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को एक नई दिशा दी है। इसके माध्यम से लोग जल्दी और आसानी से लंबी दूरी की यात्रा कर सकते हैं। हवाई परिवहन ने पर्यटन उद्योग के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है खासकर उन स्थानों के लिए जहां भूमि या जल परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध नहीं थीं।

SCERT DELHI

9. मानव निर्मित आकर्षण कैसे पर्यटन को बढ़ावा देते हैं?

उत्तरः मानव निर्मित आकर्षण विशेष रूप से पर्यटकों को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं जैसे थीम पार्क, संग्रहालय और ऐतिहासिक स्थल। ये स्थल न केवल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व रखते हैं बल्कि पर्यटकों के लिए मनोरंजन और ज्ञान का स्रोत भी होते हैं। इन स्थलों पर होने वाली विभिन्न गतिविधियाँ और सेवाएँ पर्यटन उद्योग में आय का प्रमुख स्रोत बनती हैं।

10. आकर्षण, परिवहन और सुविधाओं का पर्यटन में आपसी संबंध पर प्रकाश डालिए।

उत्तरः आकर्षण, परिवहन और सुविधाएँ तीनों आपस में जुड़े हुए हैं। यदि किसी स्थल का आकर्षण बहुत अच्छा है लेकिन वहाँ पहुँचने के लिए परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं तो पर्यटक उस स्थल पर नहीं आएंगे। इसी तरह अगर वहाँ सुविधाएँ जैसे ठहरने के स्थान और मनोरंजन के साधन नहीं हैं तो वह स्थल पर्यटकों के लिए आकर्षक नहीं होगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

प्र 1: पर्यटन का परिचय और इसका महत्व क्या है?

उत्तरः पर्यटन एक व्यापक गतिविधि है जो लोगों को उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी से दूर ले जाकर अलग-अलग स्थानों की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है। लोग पर्यटन के अंतर्गत दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलने, छुट्टियाँ मनाने या प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहरों का आनंद लेने के लिए विशेष स्थानों पर जाते हैं। पर्यटन केवल यात्रा तक सीमित नहीं है बल्कि यह खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मनोरंजन और कई अन्य गतिविधियों को भी शामिल करता है।

पर्यटन उद्योग विभिन्न उद्योगों और सेवाओं के उत्पादन और आपूर्ति से जुड़ा है। यह एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें आकर्षण, पहुँच और सेवाएँ शामिल होती हैं। पर्यटन के विकास के लिए विभिन्न घटकों का मेल आवश्यक है। आकर्षण (जैसे प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर) और पहुँच (जैसे परिवहन के साधन) पर्यटन के प्रमुख घटक होते हैं। इसके अलावा, यह भी ध्यान में रखा जाता है कि पर्यटक जिस स्थान पर जाते हैं, वह सुरक्षित और सुविधाजनक हो।

पर्यटन का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यह देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। जब पर्यटक किसी जगह की यात्रा करते हैं, तो वे वहाँ की सेवाओं का उपभोग करते हैं, जिससे उस स्थान पर आय उत्पन्न होती है। यह स्थानीय व्यवसायों और सरकार दोनों के लिए लाभकारी होता है।

SCERT DELHI

प्र 2: पर्यटन में आकर्षण क्या होते हैं और उनके प्रकार कौन-कौन से हैं?

उत्तरः पर्यटन में आकर्षण उन विशेषताओं को कहते हैं जो लोगों को किसी स्थान पर यात्रा करने के लिए प्रेरित करती हैं। ये आकर्षण प्राकृतिक हो सकते हैं जैसे पहाड़, झील, समुद्र तट आदि या मानव निर्मित हो सकते हैं जैसे ताजमहल, संग्रहालय और थीम पार्क। पर्यटक आकर्षण मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं:

1. **प्राकृतिक आकर्षणः** ये वे स्थान होते हैं जो प्रकृति द्वारा बनाए गए हैं जैसे झरने, नदियाँ, पहाड़, और वन्यजीव अभयारण्य। प्राकृतिक सौंदर्य और संसाधन पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं। उदाहरणस्वरूप स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के पर्वत पर्यटन के प्रमुख आकर्षण माने जाते हैं।

2. **मानव निर्मित आकर्षणः** ये वे स्थान होते हैं जो इंसानों द्वारा निर्मित किए गए हैं, जैसे ऐतिहासिक स्थल, संग्रहालय, स्मारक और उत्सव। उदाहरणस्वरूप ताजमहल चीन की दीवार और डिज्नी वर्ल्ड मानव निर्मित आकर्षण के अंतर्गत आते हैं।

3. **सहजीवी आकर्षणः** सहजीवी आकर्षण उन स्थानों से जुड़े होते हैं जो प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों की विशेषताओं को मिलाकर बनाए गए हैं। जैसे कि वन्यजीव अभयारण्य और साहसिक खेल। इन आकर्षणों में पर्यटक प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हैं और साथ ही रोमांचक गतिविधियों में भाग लेते हैं जैसे राफ्टिंग, स्कीइंग, और ट्रैकिंग।

प्र 3: पर्यटन के लिए परिवहन की क्या भूमिका होती है और इसके मुख्य साधन क्या हैं?

उत्तरः पर्यटन के लिए परिवहन एक बुनियादी घटक है क्योंकि यह पर्यटकों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने में मदद करता है। बिना परिवहन के यात्रा संभव नहीं होती। एक अच्छा परिवहन ढांचा किसी भी पर्यटन स्थल के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। परिवहन और पर्यटन एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं क्योंकि पर्यटन के बिना परिवहन उद्योग को बहुत लाभ नहीं होता और बिना परिवहन के पर्यटन भी असंभव हो जाता है।

परिवहन के मुख्य साधन तीन प्रकार के होते हैं:

1. **सड़क परिवहनः** यह छोटे और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त साधन है। सड़क परिवहन का लचीलापन, विश्वसनीयता और दरवाजे तक की सेवा इसे बहुत उपयोगी बनाती है।

2. **रेल परिवहनः** रेल परिवहन लंबी दूरी की यात्रा के लिए एक प्रमुख साधन है। यह बड़े समूहों और भारी सामान को ले जाने के लिए उपयुक्त है। भारत में रेलवे एक व्यापक नेटवर्क है जो देश के विभिन्न हिस्सों को जोड़ता है।

SCERT DELHI

3. **हवाई परिवहनः** हवाई परिवहन तेजी से बढ़ रहा है और विशेषकर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण है। यह लंबी दूरी की यात्राओं को सुगम बनाता है और तेजी से गंतव्य तक पहुँचाने में सहायक होता है।

प्र 4: पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य और स्वच्छता का क्या महत्व है?

उत्तरः पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य और स्वच्छता का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि पर्यटक एक साफ और सुरक्षित वातावरण की तलाश में होते हैं। यदि किसी स्थल पर साफ-सफाई की व्यवस्था खराब होती है जैसे कि कचरे का सही ढंग से निपटान न किया जाता हो तो इससे पर्यटन स्थल की छवि पर बुरा प्रभाव पड़ता है और पर्यटकों की संख्या कम हो सकती है।

पर्यटन स्थलों पर नागरिक सुविधाओं का उच्च स्तर होना चाहिए जिसमें कूड़ा निपटान, स्वच्छ पानी की उपलब्धता और साफ-सुथरे शौचालय शामिल हैं। इसके साथ ही चिकित्सा सेवाओं की भी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि किसी आपात स्थिति में पर्यटकों को त्वरित चिकित्सा सहायता मिल सके। स्वच्छता और स्वास्थ्य का ध्यान न रखने से न केवल पर्यटकों की यात्रा खराब होती है बल्कि पर्यटन स्थल की प्रतिष्ठा भी गिर सकती है।

प्र 5: सहजीवी आकर्षण क्या होते हैं और इनके उदाहरण क्या हैं?

उत्तरः सहजीवी आकर्षण वह पर्यटन उत्पाद होते हैं जो प्राकृतिक और मानव निर्मित संसाधनों का मिश्रण होते हैं। ये आकर्षण पर्यटकों को रोमांचक और अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। इन आकर्षणों में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ साहसिक गतिविधियाँ या मानव निर्मित सुविधाएँ शामिल होती हैं।

उदाहरण के तौर पर वन्यजीव अभयारण्य एक प्रमुख सहजीवी आकर्षण है। यहाँ पर्यटक वन्यजीवों को प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं और इसका आनंद ले सकते हैं। इसके अलावा साहसिक खेल जैसे राफ्टिंग, पर्वतारोहण, और स्कीइंग भी सहजीवी आकर्षण के उदाहरण हैं जहाँ पर्यटक रोमांचक गतिविधियों में भाग लेते हैं और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद उठाते हैं।

SCERT DELHI

पर्यटन घटक-II

इकाई 5

5.1 परिचय (Introduction)

जैसा कि हम जानते हैं आवास उन पर्यटकों के लिए ठहरने का स्थान है जो रात भर अपने घर से दूर ठहरना चाहते हैं। विश्व पर्यटन संगठन ने पर्यटक की अपनी परिभाषा में कहा है कि एक पर्यटक वह है जो गंतव्य पर कम से कम एक रात बिताता है। यह गंतव्य पर किसी प्रकार के आवास की उपलब्धता को पूर्व निर्धारित करता है। इससे पता चलता है कि पर्यटन उद्योग में आवास एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और पर्यटन स्थल में आवास की आवश्यकता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि उचित और विविध आवास की उपलब्धता किसी गंतव्य की लोकप्रियता का कारण बन सकती है। इस इकाई का उद्देश्य आपको विभिन्न प्रकार के आवास और पर्यटन उद्योग के साथ इसके महत्व से परिचित कराना है। यह इकाई पर्यटन स्थलों पर सहायक सेवाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डालेगी।

5.2 आवास का महत्व (Significance of Accommodation)

आवास पर्यटन के बुनियादी घटकों में से एक है तथा यह पर्यटन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। घर से दूर आवास की मांग कई तरह की सुविधाओं से पूरी होती है इसलिए आवास की रेंज और प्रकार काफी विविध हैं और पिछले दशकों में इनमें काफी बदलाव हुए हैं। हाल के वर्षों में आवास के प्रकारों में कुछ बदलाव दिखाई दिए हैं। गैर-पारंपरिक और अनौपचारिक प्रकार के आवास की मांग बढ़ रही है। हाल ही में आवास क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं। नए प्रकार के आवास जैसे विशेष रूप से हॉलिडे विलेज, अपार्टमेंट हाउस कैंपिंग और टूरिस्ट कॉटेज आदि बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। आमतौर पर बड़ी संख्या में पर्यटक किसी विशेष स्थान पर सिर्फ इसलिए जाते हैं क्योंकि वहां बेहतरीन सुविधाओं वाला प्रथम श्रेणी का होटल है। आज स्विट्जरलैंड, हॉलैंड, ऑस्ट्रिया और नीदरलैंड ने अच्छे भोजन, आराम और सफाई के लिए ख्याति प्राप्त की है।

आधुनिक समय में लोगों के छुट्टियां बिताने के तरीके में काफी बदलाव आया है। लोग परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करते हैं साथ ही दुनिया भर के विभिन्न पर्यटक आकर्षणों की खोज भी करते हैं। नतीजतन दुनिया भर में पर्यटन उद्योग ने अभूतपूर्व वृद्धि का अनुभव किया है जिसके परिणामस्वरूप होटल सुविधाओं और आवास में भी मजबूत वृद्धि हुई है। आरामदायक होटल और आवास प्रतिष्ठान किसी भी पर्यटन स्थल को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यदि कोई व्यक्ति जो अपने घर से काफी दूर है वही सुख-सुविधाएँ प्राप्त करता है जो वह अपने घर में प्राप्त करता है तो उसे उसी स्थान पर रहेगा। इसके विपरीत यदि पर्यटक ऐसी जगह पहुँचता है जहाँ होटल और

आवास की सुविधाएँ संतोषजनक नहीं हैं तो संभावना है कि वह उस स्थान पर कभी वापस नहीं आना चाहेगा। शायद यही कारण है कि विभिन्न पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध कराए जा रहे होटल और आवास सुविधाओं ने पर्यटकों को उचित दरों पर अधिकतम आराम प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। विभिन्न आर्थिक पृष्ठभूमि के लोगों को आरामदायक आवास प्रदान करना भी महत्वपूर्ण है। जहाँ पाँच सितारा होटल संपन्न आगंतुकों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं वहीं मध्यम वर्ग के यात्री के उपयोग के लिए छोटे और मध्यम श्रेणी के होटल और आवास गृह उपलब्ध हैं।

5.3 आवास के प्रकार (Types of Accommodation)

विभिन्न प्रकार के पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार की आवास इकाइयाँ उपलब्ध हैं। यह महत्वपूर्ण है कि एक पर्यटन पेशेवर को सभी प्रकार के आवासों की जानकारी हो और वह स्पष्ट रूप से सोच सके कि वह अपने अतिथि के लिए किन आवासों की पहचान कराना चाहता है। आवास के प्रकारों में शामिल हैं।

1) संगठित क्षेत्र में आवास Accommodation in Organised Sector

यह विभिन्न प्रकार के होटलों और हमारे लिए उपलब्ध अन्य ऐसे आवासों को संदर्भित करता है जो संगठित क्षेत्र से संबंधित हैं क्योंकि उनके बारे में रिकॉर्ड और जानकारी आसानी से उपलब्ध है। इस क्षेत्र में आवास के प्रकारों में शामिल हैं।

i. फाइव स्टार डीलक्स होटल या अंतर्राष्ट्रीय होटल (Five-star Deluxe Hotel or International Hotel)

ये आधुनिक पश्चिमी शैली के हैं जो आमतौर पर महानगरों और प्राथमिक पर्यटन स्थलों पर स्थित हैं। ऐसे होटलों में बड़ी संख्या में कमरे होते हैं जो आमतौर पर 200 से 1000 कमरों के बीच होते हैं। इन्हें वर्गीकरण और मानकों के कुछ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत प्रणाली द्वारा वर्गीकृत किया गया है जिसमें एक निश्चित संख्या में सुविधाएं और सेवाएं, रेस्तरां, कमरों का विशेष आकार, लॉबी, बाथरूम, व्यापार केंद्र सुविधाएं, स्विमिंग पूल और अन्य शानदार सेवाएं शामिल हैं। इन होटलों को विभिन्न सितारा श्रेणियों में रखा गया है। ऐसी पांच श्रेणियां हैं जो प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और सेवाओं के आधार पर पांच सितारा से लेकर एक सितारा तक हैं। ये होटल आवास के साथ-साथ अन्य सभी सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करते हैं जो ठहरने को एक दिलचस्प और आरामदायक अनुभव बनाती हैं। ये होटल आमतौर पर उच्च श्रेणी के पर्यटकों और व्यावसायिक अधिकारियों की मांग को पूरा करते हैं।

SCERT DELHI

आईटीसी मौर्या, नई दिल्ली
(ITC Maurya, New Delhi)

द लीला, नई दिल्ली
(The Leela, New Delhi)

ii. प्रथम श्रेणी के होटल या ए-क्लास होटल (First Class Hotel Or A-Class Hotel)

ये आलीशान होटल हैं जिनमें पाँच सितारा होटलों में दी जाने वाली अधिकांश सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस प्रकार के होटल महानगरीय और विकसित शहरों और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी स्थित हैं। ये पर्यटकों और व्यवसायी वर्ग दोनों की माँग को पूरा करते हैं।

iii. वाणिज्यिक होटल (Commercial Hotel)

ये होटल मुख्य रूप से उन लोगों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं जो वाणिज्य या व्यवसाय के लिए किसी स्थान पर जाते हैं। वाणिज्यिक होटल बड़े शहरों के महत्वपूर्ण वाणिज्यिक और औद्योगिक केंद्रों में स्थित हैं।

iv. रिसॉर्ट होटल (Resort Hotel)

ये होटल पहाड़ों समुद्र तटों और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर अन्य क्षेत्रों के पास बनाए जाते हैं। रिसॉर्ट होटल छुट्टियाँ मनाने वालों पर्यटकों और उन लोगों की ज़रूरतों को पूरा करते हैं जो स्वास्थ्य कारणों से माहौल में बदलाव चाहते हैं। आराम विश्राम और मनोरंजन वे प्रमुख कारक हैं जिनके इर्द-गिर्द रिसॉर्ट बनाए जाते हैं। इनमें जाने वाले व्यक्ति का प्राथमिक उद्देश्य आराम और विश्राम होता है।

भारत में हमारे पास समुद्र तट रिसॉर्ट, पहाड़ी रिसॉर्ट, ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट, स्वास्थ्य रिसॉर्ट और वन्य जीवन रिसॉर्ट हैं। वे मुख्य रूप से प्राकृतिक परिवेश में रहने की सुविधा प्रदान करते हैं। अधिकांश रिसॉर्ट होटल मौसमी प्रतिष्ठान हैं।

SCERT DELHI

रिसॉर्ट होटल
(Resort Hotel)

सुविधा अपार्टमेंट होटल
(Service Apartment Hotel)

v. अपार्टमेंट होटल (Apartment Hotel)

एक होटल जो कई महीनों से लेकर कई सालों तक के लिए लंबी अवधि के निवास के रूप में सुसज्जित आवास किराए पर देता है और आमतौर पर सभी होटल सेवाएँ प्रदान करता है। ये होटल उन लोगों के लिए उपयुक्त हैं जिन्हें लंबे समय तक घर से दूर रहने की ज़रूरत होती है। अपार्टमेंट होटलों में कीमतें अक्सर साधारण होटलों की तुलना में कम होती हैं। अपार्टमेंट होटल बड़े शहरों में स्थित हैं और विशेष रूप से यूरोपीय योजना के तहत संचालित होते हैं जहाँ मेहमानों को कोई भोजन नहीं दिया जाता है। अपार्टमेंट होटलों में दी जाने वाली सेवाएँ और सुविधाएँ एक औसत सुव्यवस्थित होटल के बराबर होती हैं।

vi. फ़्लोटिंग होटल (Floating Hotel)

ये होटल समुद्र, नदी या झील के पानी की सतह पर स्थित होते हैं। कश्मीर के हाउस बोट और केरल के हाउस बोट (केट्टुवल्लम) जो पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं फ़्लोटिंग होटलों के सबसे अच्छे उदाहरण हैं। डोम देशों में पुराने लग्जरी जहाजों को फ़्लोटिंग होटलों में बदल दिया गया है जो कि बड़ी संख्या में पर्यटकों की माँग को पूरा करते हैं। इन फ्लोटिंग होटलों में होटल की सुविधाएं और सेवाएं प्रदान की जाती हैं और इनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और सेवाओं की श्रेणी के आधार पर विभिन्न श्रेणियां भी होती हैं।

vii. हेरिटेज होटल (Heritage Hotel)

हेरिटेज होटल पुराने स्मारक या महल हैं जिन्हें होटलों में परिवर्तित कर दिया गया है जो अपने अतिथियों को शाही अनुभव प्रदान करते हैं। भारत में हेरिटेज होटल 1950 से पहले निर्मित किसी भी आकार के महलों/किलों/हवेलियों/शिकार गृहों/निवास में चल रहे होटलों को कवर करते हैं। मुख्यतः इनमें वास्तुशिल्पीय विशेषताएँ और सामान्य निर्माण के क्षेत्र में पारंपरिक जीवन शैली के अनुरूप विशिष्ट गुण और माहौल होना चाहिए।

SCERT DELHI

अपार्टमेंट होटल
(Apartment Hotel)

फ़्लोटिंग होटल/फ्लोटेल्स
(Floating Hotel/Flotels)

हेरिटेज होटल
(Heritage Hotel)

2. असंगठित क्षेत्र में आवास Accommodation in The Unorganized Sector

आवास का यह क्षेत्र संगठित क्षेत्र में आवास का पूरक है क्योंकि कई बार पर्यटकों की मांग या आवश्यकताओं के प्रकार को पारंपरिक संगठित आवास क्षेत्र द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यह इस तथ्य के कारण हो सकता है कि होटल आवास गंतव्य पर उपलब्ध नहीं हो या पर्यटक के बजट से परे हो। हालाँकि होटल आवास का प्रमुख रूप रहे हैं लेकिन दुनिया भर में अन्य प्रकार के आवासों का बड़े पैमाने पर विकास हुआ है जो बड़ी संख्या में पर्यटकों को आवास प्रदान करते हैं। आवास के इस क्षेत्र को कभी-कभी आवास का पूरक या वैकल्पिक रूप भी कहा जाता है। उनके द्वारा प्रदान की जाने वाले आवास और सेवाएँ न्यूनतम हैं और होटलों के मामले में व्यापक नहीं हैं। सभी पूरक आवास प्रतिष्ठानों में सुविधाओं और सेवाओं का मानक होटल की तुलना में मामूली है। पारंपरिक होटल आवास की तुलना में पूरक प्रकार के आवास में कुछ अंतर्निहित लाभ हैं और सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसकी कीमत मध्यम है। सभी वर्गों और श्रेणियों के पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए संगठित होटल क्षेत्र के बाहर आवास की अधिक मांग है। भारत और कई अन्य देशों में होटलों की तुलना में अधिक पर्यटक इस प्रकार के आवास का उपयोग करते हैं। पूरक आवास के प्रमुख रूप हैं-

i. मोटल (Motel)

पूरक आवास मोटलों के शुरुआती रूपों में से एक स्थानीय मोटर चालक और सड़क मार्ग से यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए था। मोटलों को मुख्य रूप से मोटर चालकों की जरूरतों को पूरा करने और विशेष रूप से पारगमन आवास की मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। ये मोटल मुख्यतः शहर की सीमा से बाहर ग्रामीण इलाकों में मुख्य राजमार्गों के किनारे महत्वपूर्ण सड़क जंक्शन पर स्थित हैं। मोटल द्वारा प्रदान की जाने वाली मुख्य सेवाओं में ऑटो सुविधाएँ जैसे पार्किंग और गैरेज सुविधाएँ, सस्ते कमरे, कम कर्मचारी उन्मुख सेवाएँ और साथ ही खानपान तथा बार सुविधाएँ और तैराकी, टेनिस जैसी मनोरंजक गतिविधियाँ शामिल हैं। सभी मोटल फिलिंग स्टेशन, मरम्मत सेवाएँ, सहायक उपकरण, गैरेज, पर्याप्त पार्किंग स्थान, रेस्तरां और वाहनों की मरम्मत के लिए सभी उपकरणों और औजारों से सुसज्जित हैं। आम तौर पर होटलों की तुलना में आवास और बोर्डिंग के लिए ली जाने वाली कीमत सस्ती होती है।

SCERT DELHI

ii. युवा छात्रावास (Youth Hostel)

युवा छात्रावास एक इमारत है जो अपने देश या अन्य देशों की खोज करने वाले और स्वतंत्र रूप से या समूहों में छुट्टियों या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए यात्रा करने वाले युवाओं को स्वच्छ मध्यम और सस्ता आश्रय प्रदान करती है। यह एक ऐसा स्थान है जहाँ विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि और राष्ट्रीयताओं के युवा मिलते हैं और एक-दूसरे को जानते हैं। युवा छात्रावास का प्राथमिक उद्देश्य ऐसे केंद्र के रूप में कार्य करना है जो देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों से आने वाले युवाओं को एक-दूसरे को जानने और समझने का अवसर प्रदान करते हैं। यह दोस्ती मनोरंजन और औपचारिक स्कूली शिक्षा के अलावा शिक्षा का स्थान है। युवा छात्रावास बुनियादी सुविधाओं और बोर्डिंग, लॉजिंग और मनोरंजन की सेवाओं से सुसज्जित हैं जिसमें स्वयं खाना पकाने की सुविधा और नाममात्र शुल्क पर व्यक्तिगत और छात्रावास दोनों कमरों का प्रावधान है।

iii. कैंपिंग साइट्स (Campaign Sites)

कैंपिंग साइट्स ज़्यादातर प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों पर खुली जगहों पर स्थित हैं जो क्षेत्रों में आवास का एक महत्वपूर्ण प्रकार है। इन्हें आमतौर पर ओपन एयर हॉस्टल, टूरिस्ट कैंप या कैंपिंग ग्राउंड के रूप में जाना जाता है। ये पार्किंग, टेंट लगाने, पानी, बिजली, सार्वजनिक सुविधाओं जैसी सुविधाओं के साथ उचित स्वच्छता के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करते हैं। ये ज़्यादातर क्षेत्र के स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। इस तरह के आवास मौसमी रूप से स्थापित किए जाते हैं और इसमें अपेक्षाकृत कम निवेश शामिल होता है इसके अलावा यह पारिस्थितिकी के अनुकूल भी होते हैं क्योंकि वे परिदृश्य को बहुत ज़्यादा खराब नहीं करते हैं।

मोटल
(Motel)

कैंपिंग साइट्स
(Campaign Sites)

iv. एयरपोर्ट/रेलवे रिटायरिंग रूम (Airport/Railway Retiring Room)

एयरपोर्ट/रेलवे रिटायरिंग रूम प्रमुख रेलवे स्टेशनों के मुख्य प्लेटफॉर्म पर और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर स्थित हैं। रिटायरिंग रूम आवास का उद्देश्य शहर में जाए बिना यात्री को सुविधा प्रदान करना है। ये कन्फर्म और चालू टिकट वाले रेलवे यात्रियों या शहर से बाहर या पारगमन में हवाई यात्रियों को आवास प्रदान करते हैं। ये रिटायरिंग रूम उचित दरों पर उपलब्ध कराए जाते हैं और अक्सर प्रमुख जंक्शनों पर वातानुकूलित साफ और अच्छी तरह से बनाए रखे जाते हैं। उनके पास संलग्न स्नानघर हैं और रेलवे कैंटीन या एयरपोर्ट

रेस्तरां खानपान है। बुकिंग स्टेशन अधीक्षक या एयरपोर्ट मैनेजर के माध्यम से की जाती है।

v. लॉज/पर्यटक बंगले/बोर्डिंग हाउस (Lodge/Tourist Bungalow/Boarding House)

ये शहर के केंद्र से दूर या दूरस्थ गंतव्यों पर स्थित मामूली आवास इकाइयाँ हैं। ये आत्मनिर्भर प्रतिष्ठान हैं जो खानपान और बार (bar) सुविधाओं के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित कमरे जैसी मानक सुविधाएँ प्रदान करते हैं। ये सेवाएँ बजट और मध्यम वर्ग के पर्यटकों को विशेष रूप से उन गंतव्यों पर सेवा प्रदान करती हैं जो प्रमुख होटल उद्योग को आकर्षित नहीं करते। इन बंगलों के प्रमुख स्थान हैं क्योंकि वे कई पर्यटन केंद्रों पर परिचालन स्थापित करने वाले पहले हैं। राज्य सरकारें और पर्यटन विभाग पहाड़ों और जंगलों में सुंदर स्थानों पर पर्यटक विश्राम गृह भी प्रदान करते हैं जहाँ अधिकांश वन्य जीवन पर्यटन स्थित हैं। ये जंगल तक पहुँच प्रदान करते हैं और साथ ही अच्छे दृश्य स्थान भी हैं। ये क्षेत्र की अपील को प्रतिबिंबित करने के लिए बनाए गए हैं।

बोर्डिंग हाउस ऐसे प्रतिष्ठान हैं जो आमतौर पर सप्ताहांत या संतुष्ट रहने के लिए निर्दिष्ट अवधियों पर आवास और भोजन प्रदान करते हैं। इस प्रकार वे निवासियों की सेवा करते हैं। ये छोटे उद्यम होते हैं तथा यहाँ स्थान सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम बुकिंग की आवश्यकता होती है। ये ठहरने की अवधि तथा ग्राहकों के प्रकार पर आधारित साधारण छात्रावास जैसी सुविधाओं से लेकर अधिक परिष्कृत सुविधाओं तक हो सकते हैं। ऐसी इकाइयाँ परिवारों के लिए अच्छी हैं क्योंकि वे सभी भोजन और आराम से सुसज्जित कमरे प्रदान करते हैं साथ ही ये बच्चों को रखने में कोई आपत्ति नहीं करते हैं।

vi. बिस्तर और नाश्ता प्रतिष्ठान (Bed and Breakfast Establishment)

ये इकाइयाँ केवल आवास और नाश्ता प्रदान करती हैं मुख्य भोजन नहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी इकाइयाँ युवा लोगों के बीच भी लोकप्रिय हैं जो पूरा दिन यात्रा पर बिताते हैं। ये आम तौर पर बड़े शहरों और कस्बों में वाणिज्यिक और छुट्टियों के मार्गों और रिसॉर्ट क्षेत्रों में स्थित होते हैं और इनका उपयोग यात्रा करने वाले यात्रियों द्वारा किया जाता है।

vii. पर्यटक अवकाश गांव (Tourist Holiday Village)

पर्यटक गांवों को सामाजिक और पर्यटन संगठनों और महत्वपूर्ण क्लबों द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। इन गांवों में माहौल को यथासंभव अनौपचारिक रखा जाता है। ऐसे अधिकांश गांवों में टेलीफोन, रेडियो, टीवी और समाचार पत्रों पर प्रतिबंध है। प्रदान की जाने वाली आवास व्यवस्था आमतौर पर कई इकाइयों में होती है और कई में स्वयं खानपान की व्यवस्था होती है।

पर्यटक अवकाश गांव आमतौर पर बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं वाली पारिवारिक इकाइयों पर आधारित होते हैं। कई पर्यटक क्षेत्रों में सरकार ने आवासीय घरों को गेस्ट हाउस में बदलने की योजना शुरू की है जिसे

पेइंग गेस्ट आवास के रूप में भी जाना जाता है। कई पर्यटक संस्थागत आवासों की तुलना में होम स्टे को प्राथमिकता देते हैं और इससे गंतव्यों पर व्यक्तिगत परिवारों द्वारा पेइंग गेस्ट आवास की पेशकश की अवधारणा सामने आती है।

5.4 आवास बुकिंग की भोजन योजना (Meal Plan of Booking Accommodation)

"Meal plan" या "hotel plan" एक योजना और कमरे की दर होती है जो होटल में मेहमानों को कमरा और भोजन प्रदान करने के लिए होती है। यात्रियों के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण होता है कि वे भोजन योजना पर विचार करने के बाद कमरे या संपत्ति की दर की जांच करें। आमतौर पर चार प्रकार के भोजन योजनाएं होती हैं:

1. अमेरिकन प्लान (American Plan):

   इसे "AP" के रूप में संक्षिप्त किया जाता है जिसमें कि उद्धृत दर में तीन समय का भोजन शामिल होता है अर्थात् नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना। ये भोजन होटल की रसोई से प्रदान किए जाते हैं। ज्यादातर दूरस्थ स्थानों पर स्थित होटलों में जहां ज्यादा रेस्तरां नहीं होते ऐसे होटलों में अमेरिकन प्लान उपलब्ध होता है। यूरोप और कुछ अन्य देशों में इसे "फुल पेंशन" या "फुल बोर्ड" कहा जाता है।

2. संशोधित अमेरिकन प्लान (Modified American Plan):

   इसे "MAP" के रूप में संक्षिप्त किया जाता है जिसमें कि उद्धृत दर में दिन में दो भोजन शामिल होते हैं जिनमें नाश्ता और दोपहर का भोजन या रात का खाना होता है। ऐसे होटल जो दूरस्थ स्थानों पर स्थित होते हैं जहां ज्यादा रेस्तरां नहीं होते हैं कम से कम संशोधित अमेरिकन प्लान प्रदान करते हैं। इस योजना में भोजन होटल के डाइनिंग रूम में प्रदान किया जाता है। यूरोप और कुछ अन्य देशों में इसे "हाफ पेंशन" या "हाफ बोर्ड" कहा जाता है।

3. कॉन्टिनेंटल प्लान (Continental Plan):

   इसे"CP" के रूप में संक्षिप्त किया जाता है इसका मतलब है उद्धृत दर में "कॉन्टिनेंटल ब्रेकफास्ट" शामिल है। जिसका अर्थ होता है कि उद्धृत दर में कॉफी या चाय, जूस और ब्रेड शामिल होना । मेहमानों के पास ब्रेड के विभिन्न विकल्प होते हैं जैसे कि लोफ, क्रोइसांट्स, स्कोन्स और मफिन्स। इस नाश्ते में पके हुए खाद्य पदार्थ जैसे पैनकेक्स या अंडे शामिल नहीं होते। कॉन्टिनेंटल प्लान के तहत नाश्ता अक्सर स्व-सेवा होता है हालांकि कई होटलों में एक वेटर उपलब्ध होता है जो पेय पदार्थ डालने और फिर से भरने का काम करता है।

SCERT DELHI

4. यूरोपियन प्लान (European Plan):

इसे "EP" के रूप में संक्षिप्त किया जाता है जिसका अर्थ है उद्धृत दर में कोई भी भोजन शामिल नहीं होना अर्थात् यह केवल आवास के लिए होता है। संपत्ति के मालिक भोजन के लिए अलग से शुल्क लेंते हैं। इसका फायदा यह है कि मेहमान विभिन्न रेस्तरां अनुभवों का आनंद ले सकते हैं और अक्सर कम शुल्क वाले स्थानों पर भोजन करके पैसे बचा सकते हैं।

भोजन की योजना	नाश्ता	दिन का खाना	रात का खाना
अमेरिकी योजना	हाँ	हाँ	हाँ
संशोधित अमेरिकी योजना	हाँ	कोई एक	
महाद्वीपीय योजना	हाँ	नहीं	नहीं
यूरोपीय योजना	नहीं	नहीं	नहीं

5.5 उपलब्ध पैकेज (Available Packages)

उपलब्ध पैकेज उन टूर पैकेजों को संदर्भित करता है जो पर्यटकों के लिए उपलब्ध होते हैं। किसी पसंदीदा टूर पैकेज की उपलब्धता पर्यटक द्वारा चुने गए गंतव्य को प्रभावित कर सकती है। उदाहरण के लिए एक संभावित यात्री के पास यात्रा करने और वापस आने के लिए केवल तीन दिन हो सकते हैं। एक ऐसा टूर पैकेज जो इस समयावधि में यात्रा और वापसी की सुविधा प्रदान करता है सीमित समय वाले व्यक्ति के लिए आकर्षक होता है।

वर्तमान समय में उपलब्ध टूर पैकेज गंतव्य की ओर पर्यटकों के प्रवाह को प्रभावित करते हैं और इसलिए यह गंतव्य पर पर्यटन गतिविधियों को भी प्रभावित कर सकते हैं। उपलब्ध पैकेज दो दिन और एक रात से शुरू होकर हफ्तों या महीनों तक एक क्रूज या विश्व यात्रा के रूप में हो सकते हैं। पैकेज की अवधि अर्थात् दिन और रात संभावित पर्यटक की आवश्यकता के अनुसार भिन्न हो सकती है। चूंकि समय और टूर पैकेज पर्यटक को गंतव्य की ओर आकर्षित कर सकते हैं या किसी विशेष गंतव्य को चुनने से रोक सकते हैं इसलिए उपलब्ध पैकेज पर्यटन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

5.6 गतिविधियाँ (Activities)

एक पर्यटक जब किसी गंतव्य को चुनता है तो वह उस गंतव्य पर कुछ खास गतिविधियों को करने की उम्मीद करता है ताकि अपनी यात्रा से अधिकतम लाभ प्राप्त कर सके। ये गतिविधियाँ किसी भी टूर अनुभव को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं और पर्यटक के लिए किसी भी गंतव्य की यात्रा का आनंद लेने में अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं:

SCERT DELHI

1. **दृश्य दर्शन (Sightseeing):** किसी गंतव्य की यात्रा में आमतौर पर दृश्य दर्शन शामिल होता है। इसमें स्थानीय स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों या सिर्फ एक संग्रहालय की यात्रा हो सकती है। दृश्य दर्शन को पर्यटक द्वारा किसी गंतव्य पर पहुंचने पर किए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में से एक माना जाता है। आगरा की यात्रा में ताजमहल का दृश्य दर्शन शामिल होगा और इसी तरह अन्य गंतव्यों का भी। दृश्य दर्शन पर्यटक को गंतव्य को जानने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करता है।

2. **स्मृति चिह्नों की खरीदारी (Shopping for Souvenirs):** स्मृति चिह्न व्यवसाय के लोग आमतौर पर खुले स्थानों या अस्थायी स्टॉल से काम करते हैं। वे जातीय कला और शिल्प उत्पादों को उन लोगों को बेचने के व्यवसाय में होते हैं जो आमतौर पर उन समाजों की सांस्कृतिक और सौंदर्य संबंधी मानदंडों से अपरिचित होते हैं, जहां ये कलाकृतियां बनाई जाती हैं। यात्रा की शुरुआत से ही स्मृति चिह्न पर्यटक अनुभव का एक केंद्रीय हिस्सा रहे हैं। सामान्य तौर पर यात्री एक ठोस वस्तु लेना चाहते हैं जो उनके साथ उनके घर वापस जाए और उनके अनुभव का प्रतिनिधित्व करे जिन स्थानों पर वे गए जो चीजें उन्होंने देखीं और जो यादें उन्होंने बनाई उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए यात्री स्मृति चिह्न खरीदते हैं।

सांस्कृतिक पर्यटक प्रामाणिक और गुणवत्तापूर्ण स्मृति चिह्नों की तलाश करते हैं जो उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। पर्यटक स्मृति चिह्न इसलिए भी खरीदते हैं ताकि उनके पास कुछ ऐसा हो जो उनकी यात्रा के दौरान बनाई गई यादों का प्रतीक हो। यात्रियों के लिए स्मृति चिह्न कहते हैं "देखो, मैं कहाँ गया हूँ!" या "देखो, मैंने क्या किया!" उन सभी को, जो उनके स्मृति चिह्न देखते हैं। पर्यटक हमेशा अपनी यात्रा की एक अनोखी निशानी की तलाश में होते हैं जिसे वे अपने साथ घर ले जा सकें और स्मृति चिह्नों की बिक्री से मिलने वाले संभावित लाभ उस गंतव्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो सकते हैं जहाँ इनकी बिक्री होती है।

गंतव्य पर कई अन्य गतिविधियाँ भी होती हैं जो पर्यटकों के प्रवाह को प्रभावित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए गतिविधियाँ रोमांचक खेलों से जुड़ी हो सकती हैं क्योंकि विभिन्न गंतव्य अलग-अलग प्रकार के रोमांचक खेलों के अवसर प्रदान करते हैं जैसे किसी थीम पार्क की यात्रा करना और इसी तरह की

अन्य गतिविधियाँ।

5.7 अनुषंगी सेवाएँ (Ancillary Services):

इन्हें सहायक सेवाएँ भी कहा जाता है समग्र पर्यटक बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं और किसी भी पर्यटन गंतव्य पर पर्यटन के विकास और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आजकल कई प्रकार की सेवाएँ हैं जो पर्यटन बुनियादी ढांचे का गठन करती हैं या जो सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से पर्यटन से जुड़ी होती हैं। पर्यटन में विभिन्न अनुषंगी सेवाओं में शामिल हैंः

1. **मार्गदर्शक (Guides):** एक व्यक्ति जो आगंतुकों को उनकी पसंदीदा भाषा में गाइड करता है और किसी क्षेत्र की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर की व्याख्या करता है। आमतौर पर यह व्यक्ति उस क्षेत्र की विशेष योग्यता रखता है जिसे उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा जारी और या मान्यता प्राप्त किया गया होता है।

   टूर गाइड एक योग्य व्यक्ति होता है जो कला कार्यों, संग्रहालयों, दीर्घाओं, पुरातात्विक स्थलों का दौरा करने वाले लोगों के साथ होता है और ऐतिहासिक, कलात्मक, स्मारकीय और प्राकृतिक आकर्षणों की व्याख्या करता है। गाइड उस स्थान का जनसंपर्क प्रतिनिधि होता है जहाँ वह काम करता है।

   आज के अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में यह संभव है कि मध्यस्थों की भूमिका के बिना मौजूदा गंतव्य संसाधन आगंतुकों के लिए या तो उपलब्ध न हों या ठीक से समझे न गए हों। स्थानीय धरोहर, जीवित संस्कृति, मूल्य और सांस्कृतिक पहचान की व्याख्या सामान्यतः समकालीन गाइड की भूमिका का मुख्य घटक है। पर्यटक गाइड फ्रंट-लाइन पेशेवर होते हैं जो किसी अन्य पर्यटन खिलाड़ी की तरह नहीं बल्कि आगंतुकों के साथ निकट गहन और प्रभावशाली संपर्क स्थापित करते हैं साथ ही स्थायी पर्यटन के हितों की रक्षा करते हैं। उन्हें अक्सर उनके गंतव्य के "पर्यटन दूत" कहा जाता है। फिर भी उनके पेशे को आम तौर पर एक अनुषंगी दोहराव वाली और जन पर्यटन गतिविधि के रूप में देखा जाता है हालांकि यह पर्यटक अनुभवों के निर्माण में एक बहुत ही प्रभावी उपकरण हो सकता है।

2. **एस्कॉर्ट्स (Escorts):** टूर एस्कॉर्ट एक योग्य व्यक्ति होता है जो विभिन्न गंतव्यों, देशों और विदेशों में यात्रा करने वाले लोगों के साथ यात्रा करता है ताकि नियोजित यात्राओं का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जा सके। वह यात्रा की पूरी अवधि के दौरान आवश्यक सहायक सेवाएँ प्रदान करता है और गंतव्य की महत्वपूर्ण जानकारी भी देता है। यात्रा की प्रकृति के आधार पर एस्कॉर्ट को एक प्रबंधक या किसी विषय विशेषज्ञ की भूमिका निभानी होती है। एस्कॉर्टेड टूर में एस्कॉर्ट का काम सुविधा देखना कस्टम क्लीयरेंस करवाना या हवाई अड्डों पर चेक-इन जैसी चीजें सुनिश्चित करना भी शामिल होता है।

3. **स्वास्थ्य सेवाएँ (Health Services):** स्वास्थ्य सुविधाएँ वे स्थान होते हैं जहाँ स्वास्थ्य की देखभाल प्रदान की जाती है। इनमें अस्पताल, क्लीनिक, बाह्य रोगी देखभाल केंद्र और विशिष्ट देखभाल केंद्र शामिल होते हैं। व्यापक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की पहुँच स्वास्थ्य समानता प्राप्त करने और सभी के लिए स्वस्थ जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान किसी भी पर्यटन गंतव्य के लिए आवश्यक सहायता है। स्वास्थ्य देखभाल और प्राथमिक चिकित्सा की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी पर्यटन गंतव्यों में गंतव्य के भीतर और गंतव्यों के रास्ते में भी बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ होनी चाहिए।

4. **दस्तावेज़ीकरण (Documentation):** यात्रा के लिए और यात्रा के दौरान पर्यटक को विभिन्न दस्तावेजों की आवश्यकता होती है जैसे पासपोर्ट, वीजा, टिकट, स्वास्थ्य दस्तावेज और बीमा आदि। पर्यटक जिस देश में जाता है वहाँ के कानून और नियमों का पालन करना आवश्यक होता है। जो पर्यटन पेशेवर इनबाउंड और आउटबाउंड पर्यटकों से निपटते हैं उन्हें इस जानकारी का अच्छा ज्ञान होना चाहिए कि किसी देश के बाहर यात्रा करने के लिए कौन-कौन से यात्रा दस्तावेज़ों की आवश्यकता होती है और इन दस्तावेज़ों को कैसे तैयार किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए आवश्यक विभिन्न यात्रा दस्तावेज़ों में शामिल हैं:-

i. **पासपोर्ट (Passport):** पासपोर्ट एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज़ है जो सीमा पार करने के लिए पर्याप्त होता है और किसी व्यक्ति की पहचान और राष्ट्रीयता को प्रमाणित करता है। सभी यात्रियों को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए एक वैध पासपोर्ट की आवश्यकता होती है चाहे गंतव्य कोई भी हो लेकिन कुछ देशों में पर्यटन अनुमति के लिए पासपोर्ट पर कम से कम छह महीने की वैधता होना आवश्यक है।

ii. **वीज़ा (Visa):** वीज़ा एक मुहर होती है जो आवेदक के पासपोर्ट पर लगाई जाती है या यह एक प्रमाण पत्र होता है जो उस देश के आव्रजन अधिकारियों द्वारा जारी किया जाता है जहाँ यात्री यात्रा कर रहा है। यह दर्शाता है कि आवेदक की साख की जाँच की गई है और उसे देश में एक निर्दिष्ट अवधि के लिए अस्थायी प्रवास की अनुमति दी गई है।

iii. **हवाई टिकट (Flight Ticket):** पुष्टि किया हुआ वापसी हवाई टिकट एक दस्तावेज़ है जो यात्री को एक निश्चित तारीख और समय पर उड़ान लेने की अनुमति देता है। यह टिकट उड़ान के विवरण जैसे कि उड़ान नंबर, प्रस्थान और आगमन समय और गंतव्य की जानकारी प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए यह आवश्यक है कि यात्री के पास एक वैध हवाई टिकट हो जो यह दर्शाता है कि वह अपनी यात्रा समाप्त होने के बाद वापस लौटेगा।

पासपोर्ट
(Passport)

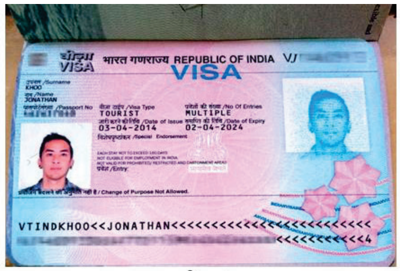

वीज़ा
(Visa)

हवाई टिकट
(Flight Ticket)

iv. **यात्रा बीमा (Travel Insurance):** यह एक बीमा उत्पाद है जिसे घरेलू या अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के दौरान अप्रत्याशित घटनाओं से जुड़ी लागतों को कवर करने और जोखिम को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यात्रा बीमा आमतौर पर दो मुख्य श्रेणियों में बीमित व्यक्ति को कवर करता है: चिकित्सा खर्च और यात्रा रद्दीकरण से संबंधित लागतें। अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करते समय वैध चिकित्सा और यात्रा बीमा रखना सलाहकार है।

v. **दूरसंचार (Telecommunication):** संचार प्रौद्योगिकी यात्रा और पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि आधुनिक पर्यटन का अधिकांश भाग गंतव्यों पर यात्रियों के लिए उनके लाभों को संवाद करने और उन आगंतुकों के लिए रुचि के बिंदुओं तक पहुँचने की क्षमता के चारों ओर घूमता है। सभी दूरसंचार सुविधाओं जैसे फोन, फैक्स, सेल सेवाओं की उपलब्धता यात्रियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है। इंटरनेट कैफे पर्यटन स्थलों पर और उनके रास्ते में इंटरनेट कैफे की उपलब्धता आजकल एक बुनियादी आवश्यकता है। पर्यटकों को अपने आरामदायक और सुविधाजनक ठहराव के लिए इन सेवाओं की आवश्यकता होती है।

विदेशी मुद्रा
(Foreign Exchange)

vi. **विदेशी मुद्रा (Foreign Exchange):** विदेशी मुद्रा सेवाओं का प्रावधान विदेशी पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए पर्यटन अवसंरचना का एक महत्वपूर्ण घटक है। विदेशी मुद्रा एक यात्री की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है। विभिन्न देशों में यात्रा करने वाले पर्यटकों को स्थानीय मुद्रा में पैसे की आवश्यकता होती है ताकि वे विभिन्न सेवाओं और सुविधाओं का उपयोग कर सकें जैसे कि कैब, सार्वजनिक परिवहन, भोजन या खरीदारी आदि। दुनिया भर में एटीएम की बढ़ती संख्या का अर्थ है कि स्थानीय मुद्रा आमतौर पर निकटतम कैश मशीन के पास उपलब्ध होती है विशेष रूप से यदि कोई एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भर रहा हो।

गंतव्यों पर विदेशी मुद्रा सेवाएँ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों, बैंकों और अधिकृत एजेंटों/डीलरों के माध्यम से उपलब्ध होती हैं। भारत में लाए जाने वाले विदेशी मुद्रा की राशि में कोई प्रतिबंध नहीं होता है, जिसमें नोट/सिक्के, ट्रैवलर चेक, भारतीय बैंकों पर जारी ड्राफ्ट या बैंकों के क्रेडिट पत्र शामिल होते हैं।

हालाँकि यदि एक बार में भारत लाए गए विदेशी मुद्रा नोटों/सिक्कों या यात्री चेकों की कुल राशि 10,000 अमेरिकी डॉलर या इसके समतुल्य से अधिक है तो धारक को आगमन पर भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष मुद्रा घोषणा प्रपत्र (सी.डी.एफ.) पर इसकी घोषणा करनी होगी।

5.8 सारांश (Summary)

इस इकाई में यह समझाने का प्रयास किया गया है कि आवास और सहायक सेवाओं की पर्यटन स्थलों पर महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमने पहले आवास की महत्वपूर्णता और इसके विभिन्न प्रकारों पर चर्चा की। इसके बाद हमने आवास की बुकिंग के लिए मेनू योजनाओं, उपलब्ध पैकेजों और पर्यटन में गतिविधियों के महत्व पर चर्चा की। अंत में हमने पर्यटन स्थलों पर सहायक सेवाओं के महत्व को स्पष्ट किया है। पर्यटन के छात्र के रूप में आपके लिए इन सभी पर्यटन घटकों को समझना और पर्यटन उद्योग के बारे में पूरी तरह से परिचित होना बहुत महत्वपूर्ण है।

समीक्षा प्रश्न (Review Question)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. पर्यटन का एक प्रमुख घटक क्या माना जाता है?

 a) दर्शनीय स्थल देखना b) आवास

 c) खरीददारी d) परिवहन

2. कौन सी भोजन योजना दिन में तीनों समय का भोजन प्रदान करती है?

 a) यूरोपीय योजना b) अमेरिकी योजना

 c) कॉन्टिनेंटल योजना d) संशोधित अमेरिकी योजना

3. कौन सा आवास प्रकार लंबे समय तक रहने के लिए बुनियादी होटल सेवाएँ प्रदान करता है?

 a) फ्लोटिंग होटल b) अपार्टमेंट होटल

 c) हेरिटेज होटल d) मोटल

SCERT DELHI

4. मोटल किस प्रकार के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करता है?

a) हवाई यात्री
b) रेल यात्री
c) मोटर चालक
d) बस यात्री

5. कौन सा आवास पर्यटन स्थलों पर असंगठित क्षेत्र में आता है?

a) 5 सितारा होटल
b) मोटल
c) प्रथम श्रेणी होटल
d) रिसॉर्ट होटल

6. हेरिटेज होटल क्या होते हैं?

a) पुराने महल या किले
b) फ्लोटिंग होटल
c) आधुनिक होटल
d) मोटल

7. किस प्रकार के होटल आमतौर पर शहरों के बाहरी क्षेत्रों में स्थित होते हैं?

a) प्रथम श्रेणी होटल
b) रिसॉर्ट होटल
c) फ्लोटिंग होटल
d) मोटल

8. संशोधित अमेरिकी योजना में कितने भोजन शामिल होते हैं?

a) तीन
b) दो
c) चार
d) केवल एक

9. किस आवास योजना में केवल नाश्ता शामिल होता है?

a) अमेरिकी योजना
b) कॉन्टिनेंटल योजना
c) संशोधित अमेरिकी योजना
d) यूरोपीय योजना

10. फ्लोटिंग होटल कहाँ स्थित होते हैं?

a) जंगलों में
b) सड़कों के किनारे
c) पानी के ऊपर
d) पहाड़ों मे

उत्तरः

SCERT DELHI

1. b) आवास 2. b) अमेरिकी योजना 3. b) अपार्टमेंट होटल 4. c) मोटर चालक 5. b) मोटल 6. a) पुराने महल या किले 7. d) मोटल 8. b) दो, 9. b) कॉन्टिनेंटल योजना 10. c) पानी के ऊपर

रिक्त स्थानों की पूर्ति (Fill in the Blanks)

1. आवास पर्यटन का एक __________ घटक है।
2. अमेरिकी योजना में __________ समय का भोजन शामिल होता है।
3. हेरिटेज होटल पुराने __________ और __________ होते हैं।
4. मोटल मुख्य रूप से __________ चालकों के लिए होते हैं।
5. फ्लोटिंग होटल __________, __________ या झील के ऊपर स्थित होते हैं।
6. संशोधित अमेरिकी योजना में __________ समय के भोजन होते हैं।
7. __________ योजना में केवल आवास की सुविधा दी जाती है।
8. __________ होटल में लंबी अवधि के लिए ठहरने की सुविधा होती है।
9. पर्यटन स्थलों पर __________ सेवाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
10. __________ पर्यटन गंतव्य को आकर्षक बनाता है।

उत्तरः

1. महत्वपूर्ण 2. तीन 3. महल, किले 4. मोटर 5. समुद्र, नदी 6. दो 7. यूरोपीय 8. अपार्टमेंट 9. सहायक 10. आवास

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. पर्यटन में आवास का क्या महत्व है?

उत्तरः आवास पर्यटन के मूल घटकों में से एक है और यह पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. मोटल किस प्रकार के यात्रियों के लिए उपयुक्त हैं?

उत्तरः मोटल मुख्य रूप से मोटर चालकों और सड़क मार्ग से यात्रा करने वाले यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए होते हैं।

3. हेरिटेज होटल क्या होते हैं?

उत्तरः हेरिटेज होटल पुराने महलों, किलों या हवेलियों को होटल में परिवर्तित करके बनाए जाते हैं जो अतिथियों को शाही अनुभव प्रदान करते हैं।

4. अमेरिकी योजना और यूरोपीय योजना में क्या अंतर है?

उत्तरः अमेरिकी योजना में तीनों समय का भोजन शामिल होता है जबकि यूरोपीय योजना में केवल आवास की सुविधा होती है और भोजन अलग से चार्ज किया जाता है।

5. फ्लोटिंग होटल की विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तरः फ्लोटिंग होटल पानी के ऊपर स्थित होते हैं जैसे कि समुद्र, नदी या झील और इन होटलों में रहने की सभी सुविधाएँ होती हैं।

6. संशोधित अमेरिकी योजना में कौन से भोजन शामिल होते हैं?

उत्तरः संशोधित अमेरिकी योजना में नाश्ता और दोपहर का भोजन या रात का खाना शामिल होते हैं।

7. कॉन्टिनेंटल योजना में कौन-कौन से भोजन शामिल होते हैं?

उत्तरः कॉन्टिनेंटल योजना में नाश्ते के रूप में कॉफी या चाय, जूस और ब्रेड शामिल होते हैं।

8. अपार्टमेंट होटल किसके लिए उपयुक्त होते हैं?

उत्तरः अपार्टमेंट होटल उन लोगों के लिए उपयुक्त होते हैं जिन्हें लंबे समय तक घर से दूर रहना पड़ता है।

9. सहायक सेवाओं का पर्यटन में क्या महत्व है?

उत्तरः सहायक सेवाएँ जैसे गाइड, स्वास्थ्य सेवाएँ और विदेशी मुद्रा विनिमय पर्यटन स्थल पर पर्यटकों के अनुभव को सुगम बनाती हैं।

10. पर्यटन स्थल पर गतिविधियों का क्या महत्व है?

उत्तरः गतिविधियाँ जैसे दर्शनीय स्थल देखना और खरीदारी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं और उनके यात्रा अनुभव को बेहतर बनाती हैं।

SCERT DELHI

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. आवास के विभिन्न प्रकारों की विस्तार से चर्चा करें।

उत्तर: आवास के कई प्रकार होते हैं जैसे 5 सितारा होटल, प्रथम श्रेणी होटल, मोटल, रिसॉर्ट होटल, अपार्टमेंट होटल, फ्लोटिंग होटल, हेरिटेज होटल आदि।

* **5 सितारा होटलः** ये अत्यधिक सुविधाएँ प्रदान करते हैं और आमतौर पर महानगरों और प्रमुख पर्यटन स्थलों में होते हैं। इन होटलों में सभी आधुनिक सुविधाएँ होती हैं जैसे स्विमिंग पूल, स्पा, रेस्तरां आदि।
* **प्रथम श्रेणी होटलः** इनमें 5 सितारा होटलों जैसी सुविधाएँ होती हैं लेकिन इनमें कमरे की संख्या और सेवाओं में थोड़ा अंतर होता है।
* **मोटलः** ये मुख्यतः मोटर चालकों के लिए होते हैं और शहरों के बाहरी क्षेत्रों में स्थित होते हैं।
* **रिसॉर्ट होटलः** ये पर्यटकों के लिए विश्राम और आराम प्रदान करते हैं और प्राकृतिक स्थलों के पास होते हैं।
* **अपार्टमेंट होटलः** यह होटल लंबे समय तक ठहरने वालों के लिए होते हैं और इसमें रसोईघर की सुविधा भी होती है।
* **फ्लोटिंग होटलः** ये पानी के ऊपर बने होते हैं और पर्यटकों को जल में रहने का अनुभव प्रदान करते हैं।
* **हेरिटेज होटलः** पुराने महलों या किलों को होटल में परिवर्तित किया जाता है, जो पर्यटकों को ऐतिहासिक और शाही अनुभव प्रदान करते हैं।

2. अमेरिकी योजना, यूरोपीय योजना और कॉन्टिनेंटल योजना में क्या अंतर है?

उत्तर: आवास बुकिंग के लिए विभिन्न भोजन योजनाएँ उपलब्ध होती हैं:

* **अमेरिकी योजना (AP):** इसमें तीनों समय का भोजन – नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना शामिल होता है। यह योजना उन होटलों में लोकप्रिय है जो दूरस्थ स्थानों पर होते हैं।
* **संशोधित अमेरिकी योजना (MAP):** इसमें दो समय का भोजन शामिल होता है जैसे नाश्ता और रात का खाना।
* **कॉन्टिनेंटल योजना (CP):** इसमें सिर्फ नाश्ता शामिल होता है जिसमें चाय, कॉफी, जूस और ब्रेड जैसी चीजें होती हैं।

SCERT DELHI

* **यूरोपीय योजना (EP):** इसमें केवल आवास प्रदान किया जाता है और भोजन के लिए अलग से शुल्क लिया जाता है।
* यह विभिन्न योजनाएँ पर्यटकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार भोजन की सुविधा प्रदान करती हैं।

3. सहायक सेवाओं की पर्यटन में भूमिका पर विस्तृत चर्चा करें।

उत्तर: सहायक सेवाएँ पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन सेवाओं में गाइड, एस्कॉर्ट्स, स्वास्थ्य सेवाएँ, दस्तावेजीकरण और विदेशी मुद्रा सेवाएँ शामिल हैं।

* **गाइड:** पर्यटकों को गंतव्य के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के बारे में जानकारी देते हैं।
* **एस्कॉर्ट्स:** समूह यात्राओं के दौरान यात्रियों को सुविधाएँ प्रदान करते हैं।
* **स्वास्थ्य सेवाएँ:** आपातकालीन चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करती हैं।
* **दस्तावेजीकरण:** पासपोर्ट, वीजा, बीमा आदि से संबंधित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।
* **विदेशी मुद्रा सेवाएँ:** विदेशी पर्यटकों के लिए स्थानीय मुद्रा में विनिमय की सुविधा उपलब्ध कराती हैं।
* इन सेवाओं के बिना, पर्यटकों का अनुभव सुचारु और सुरक्षित नहीं हो सकता।

4. हेरिटेज होटल क्या होते हैं? उनकी विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर: हेरिटेज होटल पुराने महलों, किलों या हवेलियों को होटल में परिवर्तित करके बनाए जाते हैं। ये होटल अपने अतिथियों को शाही अनुभव प्रदान करते हैं। 1950 से पहले निर्मित महल, किले, हवेलियाँ आदि हेरिटेज होटल के रूप में परिवर्तित किए जाते हैं।

विशेषताएँ:

1. ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक धरोहर।
2. पारंपरिक वास्तुकला और स्थानीय संस्कृति का अनुभव।
3. शाही आवास और सेवाओं का अनुभव।

हेरिटेज होटल भारतीय और विदेशी पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं विशेषकर राजस्थान, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में।

SCERT DELHI

5. मोटल और अपार्टमेंट होटल के बीच क्या अंतर है?

उत्तरः मोटल और अपार्टमेंट होटल दोनों ही आवास की सुविधाएँ प्रदान करते हैं लेकिन इनके उद्देश्यों और स्थानों में अंतर होता है।

* **मोटलः** मोटल मुख्य रूप से सड़क मार्ग से यात्रा करने वाले मोटर चालकों के लिए होते हैं और ये शहरों के बाहरी क्षेत्रों या हाईवे के किनारे स्थित होते हैं। इसमें पार्किंग, गैरेज और बुनियादी आवास सुविधाएँ होती हैं।

* **अपार्टमेंट होटलः** ये लंबे समय तक रहने के लिए उपयुक्त होते हैं और पूरी तरह से सुसज्जित आवास प्रदान करते हैं। इसमें घर जैसा वातावरण होता है और ये आमतौर पर शहरों में स्थित होते हैं।

मोटल का उद्देश्य त्वरित और अस्थायी ठहराव प्रदान करना होता है जबकि अपार्टमेंट होटल स्थायी या दीर्घकालिक ठहराव के लिए होते हैं।

6. फ्लोटिंग होटल की अवधारणा और उसके लाभों की चर्चा करें।

उत्तरः फ्लोटिंग होटल पानी के ऊपर स्थित होते हैं और ये समुद्र, नदी या झील पर बने होते हैं। फ्लोटिंग होटलों का एक प्रमुख उदाहरण कश्मीर और केरल में पाए जाने वाले हाउसबोट हैं इसके अवधारणा और लाभ निम्नलिखित है।

* यह पर्यटकों को एक अनोखा अनुभव प्रदान करता है जहाँ वे पानी के ऊपर रह सकते हैं और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं।

* पर्यावरण के अनुकूल होने के कारण ये होटल पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचाते।

* रोमांचक और शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करते हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करता है।

* यह आवास का एक अनूठा विकल्प है और विशेष रूप से उन पर्यटकों के लिए आकर्षक है जो पानी के करीब रहना पसंद करते हैं।

7. आवास बुकिंग की विभिन्न भोजन योजनाओं का वर्णन करें।

उत्तरः आवास बुकिंग की भोजन योजनाएँ पर्यटकों की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न प्रकार की होती हैं।

1. **अमेरिकी योजना (AP):** इसमें तीनों समय का भोजन शामिल होता है – नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना।

2. **संशोधित अमेरिकी योजना (MAP):** इसमें दिन में दो भोजन शामिल होते हैं – नाश्ता और रात

SCERT DELHI

का खाना।

3. **कॉन्टिनेंटल योजना (CP):** इसमें केवल नाश्ता शामिल होता है, जिसमें कॉफी, चाय, जूस और ब्रेड होते हैं।

4. **यूरोपीय योजना (EP):** इसमें सिर्फ कमरे की दर होती है और भोजन के लिए अलग से शुल्क लिया जाता है।

5. ये योजनाएँ पर्यटकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार के भोजन विकल्प उपलब्ध कराती हैं।

8. पर्यटन में सहायक सेवाओं (अनुषंगी सेवाओं) की महत्ता और उनके प्रकारों की चर्चा करें।

उत्तरः सहायक सेवाएँ पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं क्योंकि ये पर्यटकों को आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करती हैं। इन सेवाओं में गाइड, स्वास्थ्य सेवाएँ, दस्तावेज़ सेवाएँ, विदेशी मुद्रा विनिमय और दूरसंचार सेवाएँ शामिल हैं।

* गाइड्सः पर्यटकों को जानकारी देने का काम करते हैं।
* स्वास्थ्य सेवाएँ: आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करती हैं।
* विदेशी मुद्रा विनिमयः विदेशी पर्यटकों को स्थानीय मुद्रा में लेन-देन करने की सुविधा प्रदान करती है।
* दूरसंचार सेवाएँ: संचार की सुविधा देती हैं जिससे पर्यटक आसानी से संपर्क कर सकते हैं।

ये सेवाएँ पर्यटकों की यात्रा को सुविधाजनक और सुरक्षित बनाती हैं और पर्यटन स्थल की आकर्षकता को बढ़ाती हैं।

9. रिसॉर्ट होटल और फ्लोटिंग होटल के बीच अंतर पर प्रकाश डालें।

उत्तरः रिसॉर्ट होटल और फ्लोटिंग होटल दोनों ही पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण आवास सुविधाएँ हैं लेकिन इन दोनों में काफी अंतर हैं।

* **रिसॉर्ट होटल–** ये प्रमुख रूप से प्राकृतिक स्थलों के पास होते हैं जैसे पहाड़, समुद्र तट, आदि। इनका मुख्य उद्देश्य पर्यटकों को आराम, स्वास्थ्य और मनोरंजन प्रदान करना होता है।
* **फ्लोटिंग होटल–** ये जल में बने होते हैं जैसे कि समुद्र, नदी या झील में। ये पर्यटकों को जल के ऊपर रहने का अनोखा अनुभव प्रदान करते हैं।

SCERT, DELHI

रिसॉर्ट होटल स्थलीय होते हैं जबकि फ्लोटिंग होटल जल पर आधारित होते हैं, और दोनों की संरचना और अनुभव में भिन्नता होती है।

10 पर्यटन में आवास का क्या महत्व है?

उत्तरः पर्यटन उद्योग में आवास का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह पर्यटकों के ठहरने के लिए आवश्यक स्थान प्रदान करता है। आवास का महत्व इसलिए भी है क्योंकि यदि किसी पर्यटक को उसकी यात्रा के दौरान आरामदायक और संतोषजनक आवास नहीं मिलता है तो उसकी यात्रा का अनुभव नकारात्मक हो सकता है। आवास चाहे होटल हो रिसॉर्ट हो या अन्य कोई सुविधा वह पर्यटकों के ठहरने के अनुभव को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक अच्छा आवास पर्यटक की यात्रा को सुखद और यादगार बनाता है, जिससे वे बार-बार उस गंतव्य पर जाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। अतः पर्यटन स्थल पर आवास सुविधाओं का होना और उनका उच्च गुणवत्ता वाला होना पर्यटन उद्योग के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

11 आवास के विभिन्न प्रकारों के बारे में विस्तार से बताइए।

उत्तरः पर्यटन उद्योग में आवास के विभिन्न प्रकार होते हैं जो पर्यटकों की भिन्न-भिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। आवास के प्रमुख प्रकार निम्नलिखित हैंः

1. **फाइव स्टार होटलः** ये होटल आधुनिक सुविधाओं से लैस होते हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सेवाएं प्रदान करते हैं। इनके पास बड़ी संख्या में कमरे होते हैं और ये उच्च श्रेणी के पर्यटकों को सेवा देते हैं।
2. **फर्स्ट क्लास होटलः** इन होटल में फाइव स्टार होटलों की अधिकांश सुविधाएं उपलब्ध होती हैं लेकिन ये थोड़े कम महंगे होते हैं और मध्यम वर्ग के पर्यटकों के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **रिसॉर्ट होटलः** ये होटल प्राकृतिक सौंदर्य वाले स्थानों जैसे पहाड़ों, समुद्र तटों आदि पर स्थित होते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य पर्यटकों को आराम, मनोरंजन और शांति प्रदान करना होता है।
4. **फ्लोटिंग होटलः** ये होटल पानी के ऊपर तैरते हुए होते हैं जैसे कश्मीर और केरल की हाउसबोट्स। ये एक अनोखा अनुभव प्रदान करते हैं और पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय होते हैं।
5. **मोटलः** मोटल मुख्यतः सड़क यात्रियों के लिए होते हैं और शहर की सीमा से बाहर स्थित होते हैं। ये कम कीमत पर आवास और पार्किंग जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

12 पर्यटन में भोजन योजना (Meal Plan) का क्या महत्व है?

उत्तरः पर्यटन में भोजन योजना का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यह पर्यटकों के लिए उनके आवास और भोजन की व्यवस्था को सरल और सुविधाजनक बनाती है। मुख्यतः चार प्रकार की भोजन योजनाएं होती हैंः

1. **अमेरिकन प्लान (AP):** इसमें पर्यटकों को तीनों समय का भोजन (नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का भोजन) होटल द्वारा दिया जाता है। यह योजना दूरस्थ स्थानों के होटल में अधिक प्रचलित होती है जहां अन्य रेस्तरां उपलब्ध नहीं होते।

2. **संशोधित अमेरिकन प्लान (MAP):** इसमें दो समय का भोजन (नाश्ता और दोपहर का भोजन या रात का भोजन) शामिल होता है। यह योजना भी दूरस्थ स्थानों पर अधिक उपयोग की जाती है।

3. **कॉन्टिनेंटल प्लान (CP):** इसमें सिर्फ नाश्ता शामिल होता है। पर्यटक अन्य समय का भोजन अपने हिसाब से बाहर कर सकते हैं।

4. **यूरोपियन प्लान (EP):** इसमें केवल आवास की सुविधा होती है भोजन की व्यवस्था नहीं होती। पर्यटक अपने हिसाब से भोजन की व्यवस्था कर सकते हैं।

भोजन योजना पर्यटकों के बजट और सुविधा के अनुसार चुनने का अवसर देती है जिससे उनकी यात्रा का अनुभव बेहतर होता है।

13 पर्यटन में सहायक सेवाओं का क्या महत्व है?

उत्तर: सहायक सेवाएँ पर्यटन उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं क्योंकि ये पर्यटकों की यात्रा को सुगम और आनंददायक बनाने में मदद करती हैं। कुछ प्रमुख सहायक सेवाएँ निम्नलिखित हैं:

1. **मार्गदर्शक (Guides):** मार्गदर्शक पर्यटकों को गंतव्य स्थल की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहर के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। वे पर्यटकों को उस स्थल के महत्व को समझाने में मदद करते हैं।

2. **स्वास्थ्य सेवाएँ (Health Services):** यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं का होना अत्यावश्यक होता है। किसी आपातकालीन स्थिति में पर्यटकों को त्वरित चिकित्सा सहायता मिल सके इसके लिए स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध होनी चाहिए।

3. **विमान टिकट (Flight Tickets):** अंतर्राष्ट्रीय या घरेलू यात्रा के लिए विमान टिकट आवश्यक होता है। यह टिकट यात्रा की तारीख उड़ान का समय और गंतव्य की जानकारी प्रदान करता है।

4. **दस्तावेज़ीकरण (Documentation):** अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। इन दस्तावेजों की उचित जानकारी होना पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण है।

SCERT DELHI

सहायक सेवाओं के बिना पर्यटन उद्योग सही ढंग से कार्य नहीं कर सकता, क्योंकि ये सेवाएँ पर्यटकों की यात्रा को सुरक्षित और आरामदायक बनाती हैं।

14 पर्यटन में गंतव्य पर उपलब्ध गतिविधियों का क्या महत्व है?

उत्तरः पर्यटन में गंतव्य पर की जाने वाली गतिविधियों का अत्यधिक महत्व होता है क्योंकि ये गतिविधियाँ पर्यटकों के यात्रा अनुभव को समृद्ध और यादगार बनाती हैं। कुछ प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैंः

1. **दृश्यावलोकन (Sightseeing):** पर्यटक किसी भी गंतव्य पर पहुँचने के बाद वहाँ के प्रमुख स्थलों का दृश्यावलोकन करना पसंद करते हैं। जैसे आगरा में ताजमहल का भ्रमण या किसी अन्य ऐतिहासिक स्थल की यात्रा करना। यह गतिविधि पर्यटकों को उस गंतव्य के इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है।

2. **खरीददारी (Shopping):** पर्यटन स्थलों पर पर्यटक स्थानीय हस्तशिल्प और स्मारिका की खरीददारी करते हैं। यह गतिविधि पर्यटकों को उस स्थल की सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ती है।

3. **साहसिक खेल (Adventure Sports):** कई गंतव्यों पर पर्यटक रोमांचक गतिविधियों में भाग लेते हैं जैसे राफ्टिंग, पर्वतारोहण और स्कीइंग। यह गतिविधियाँ पर्यटकों को रोमांचक अनुभव देती हैं।

गंतव्य पर उपलब्ध गतिविधियाँ पर्यटकों को उस स्थान की ओर आकर्षित करती हैं और उनकी यात्रा को अनोखा और रोमांचक बनाती हैं।

15 पर्यटन में उपलब्ध पैकेज योजनाओं का महत्व क्या है?

उत्तरः पर्यटन में उपलब्ध पैकेज योजनाओं का महत्व बहुत बड़ा है क्योंकि ये पर्यटकों की यात्रा को योजना के अनुसार सुगम बनाती हैं। पैकेज योजनाएँ समय और बजट के अनुसार बनाई जाती हैं। उदाहरण के लिए कोई पर्यटक केवल तीन दिनों के लिए यात्रा करना चाहता है तो उसके लिए तीन दिन और दो रात का पैकेज उपयुक्त होता है।

पैकेज योजनाएँ यात्रियों की आवश्यकताओं और समय की उपलब्धता के आधार पर डिजाइन की जाती हैं। कुछ पैकेज केवल दो दिन और एक रात के होते हैं जबकि कुछ हफ्ते भर के या महीने भर की अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के लिए होते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से पर्यटक अपनी यात्रा को बेहतर तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं और वे अपने यात्रा के अनुभव का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

SCERT DELHI

भूगोल और पर्यटन उद्योग के बीच अंतर्संबंध

इकाई 6

6.1 परिचय (Introduction)

भूगोल का मतलब है धरती और उस पर मौजूद हर चीज़ के बारे में सीखना जैसे पहाड़, नदियाँ और अलग-अलग जगह जहाँ लोग रहते हैं। यह हमें यह समझने में मदद करता है कि अलग-अलग इलाकों (areas) में प्रकृति किस तरह अलग-अलग है। उदाहरण के लिए कुछ जगहों पर बहुत सारे पेड़ होते हैं जबकि दूसरी जगहों पर सिर्फ़ रेगिस्तान होते हैं। यह दिखाता है कि प्रकृति और लोग अलग-अलग तरीकों से एक साथ कैसे रहते हैं। हम इसे इस तरह से समझ सकते हैं कि अलग-अलग जगहों पर चीज़ें कैसे फैली हुई हैं। पर्यटन तब होता है जब लोग अलग-अलग जगहों पर जाते हैं या तो वे जहाँ रहते हैं उसके नज़दीक या फिर नई और रोमांचक (exciting) जगहों पर जहाँ वे पहले नहीं गए हैं। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से लोग कुछ खास जगहों पर जाना पसंद करते हैं जैसे कि वह जगह कितनी खूबसूरत है कितनी दूर है और वहाँ वे कौन-सी मजेदार चीज़ें कर सकते हैं। किसी जगह का स्थान, मौसम और उपलब्ध गतिविधियाँ (activities) सभी भूगोल पर निर्भर करती हैं जो कि पृथ्वी और उसकी विशेषताओं का अध्ययन है इसलिए भूगोल पर्यटन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और यह पाठ आपको यह जानने में मदद करेगा कि पर्यटन और भूगोल किस तरह आपस मे जुड़े हुए हैं।

6.2 पर्यटन में भूगोल का महत्व (Importance of Geography in Tourism)

भूगोल का अध्ययन हमें उस पर्यावरण की सच्ची तस्वीर देता है जिसमें हम रहते हैं। यह किसी विशेष स्थान पर मनुष्यों और प्रकृति के बीच स्थानिक संबंधों का वर्णन करता है। यह संस्कृतियों, अर्थव्यवस्थाओं, परिदृश्यों (landscapes) और पर्यावरण में अंतर को समझने के लिए एक रूपरेखा (framework) भी प्रदान करता है। भूगोल को दो व्यापक क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता हैः

भौतिक भूगोलः (physical geography) यह पृथ्वी की प्राकृतिक विशेषताओं और उनके निर्माण के तरीके का अध्ययन है। इसमें पहाड़, नदियाँ, महासागर और मौसम शामिल हैं। यह उन जगहों के बारे में सीखने जैसा है जिन्हें हम प्रकृति में देखते हैं और समय के साथ उनमें कैसे बदलाव आते हैं।

मानव भूगोलः (human Geography) यह पर्यावरण के साथ मानव अंतःक्रिया (Interaction) और समाज निर्माण की प्रक्रिया का अध्ययन है। इसे आगे सांस्कृतिक भूगोल, जनसंख्या भूगोल, राजनीतिक भूगोल, विकास भूगोल, स्वास्थ्य भूगोल और आर्थिक भूगोल में विभाजित किया गया है।

SCERT DELHI

भौगोलिक विशेषताएँ पर्यटन को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती हैं। यात्रा के रुझान, गंतव्यों (destinations) का विकास, उन गंतव्यों का प्रबंधन, आगंतुकों (tourists) की जनसांख्यिकी और पर्यटन उद्योग का संगठन जैसे विभिन्न पहलू कई भौगोलिक तत्वों द्वारा आकार लेते हैं जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है।

गंतव्य स्थान के चयन को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक (प्रत्यक्ष भूगोल से संबंधित) (directly)

* स्थान की प्राकृतिक सुंदरता (पहाड़ी इलाका, पेड़ और हरियाली, समुद्र तट आदि)
* स्थान की विशेष भौगोलिक विशेषताएँ (ज्वालामुखी क्षेत्र, क्रेटर आदि)
* दूरी (distance) (गंतव्य तक पहुँचने/यात्रा कार्यक्रम पूरा करने के लिए)
* जनसांख्यिकीय (demographic) विशेषताएँ (गंतव्य के भीतर या आसपास, जैसे राष्ट्रीय उद्यान)

अन्य कारक (अप्रत्यक्ष रूप से भूगोल से संबंधित) (Indirectly)

* राजनीतिक माहौल
* सामाजिक विकास
* पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे (Infrastructure) का विकास (होटल, रिसॉर्ट, रेल लाइन आदि)
* गंतव्य (destination) की लोकप्रियता (गंतव्य के बारे में जागरूकता)
* सेवाओं (services) की उपलब्धता (टूर ऑपरेटर, ट्रांसपोर्टर आदि)
* आगंतुकों (tourists) के पैटर्न (आगंतुकों की प्राथमिकताएं)
* लागत (यात्रा करने, रहने और घूमने के लिए (खर्च)

जैसा कि आप देख सकते हैं भूगोल किसी भी पर्यटन स्थल के चयन और वहां के विकास में बड़ी भूमिका निभाता है। कुछ मशहूर पर्यटन स्थलों का विकास वहां की भौगोलिक स्थिति की वजह से हुआ है। उदाहरण के लिए दार्जिलिंग की टॉय ट्रेन के रास्ते में 'Z' (zigzag) मोड़ इसलिए है क्योंकि वहां की भौगोलिक स्थिति की वजह से सीधी रेल लाइन नहीं बिछाई जा सकती। इसी वजह से दार्जिलिंग की टॉय ट्रेन को यूनेस्को (UNESCO) ने विश्व धरोहर (world heritage) का दर्जा दिया है। इसी तरह नायग्रा फॉल्स ने बफेलो जैसे छोटे से शहर को एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बना दिया है।

SCERT DELHI

6.3 अक्षांश और देशांतर (Latitude & Longitude)

अक्षांश और देशांतर पृथ्वी पर स्थान जानने की दो मूलभूत अवधारणाएँ हैं।

1. **अक्षांश (Latitude)** हमें यह जानने में मदद करता है कि कोई स्थान भूमध्य रेखा से कितनी दूर उत्तर या दक्षिण में है जो पृथ्वी का मध्य है और 0 पर है। अक्षांश रेखाएँ सीढ़ी के पायदानों की तरह साथ-साथ चलती हैं और हम उन्हें समानांतर रेखाएँ कहते हैं। उत्तरी ध्रुव (north pole) जो पृथ्वी का सबसे ऊपरी भाग है 90 पर है और दक्षिणी ध्रुव(south pole) जो सबसे नीचे है वह भी 90 पर है। ये ध्रुव सिर्फ़ बिंदु(point) हैं वृत्त (circle) नहीं। यदि आप भूमध्य रेखा (Equator) से उत्तरी ध्रुव तक यात्रा करते हैं तो यह लगभग 10,000 किलोमीटर है और हर बार जब आप अक्षांश का एक डिग्री आगे बढ़ते हैं तो यह लगभग 111 किलोमीटर होता है।

* **भूमध्य रेखाः** (Equator) एक बड़ी अदृश्य रेखा की तरह है जो पृथ्वी के मध्य भाग के चारों ओर जाती है। यह पृथ्वी को दो भागों में विभाजित करती है ऊपरी भाग को उत्तरी गोलार्ध कहा जाता है और निचले भाग को दक्षिणी गोलार्ध कहा जाता है।

* **कर्क रेखाः** (Tropic of Cancer) एक काल्पनिक रेखा है जो भूमध्य रेखा से 23 डिग्री ऊपर है जो पृथ्वी की मध्य रेखा है। 21 जून को सूर्य इस रेखा पर सीधे चमकता है जिससे यह उत्तर का सबसे दूर का बिंदु बन जाता है जहाँ सूर्य सीधे सिर के ऊपर होता है। इस वजह से उत्तरी गोलार्ध में कई जगहों पर जो पृथ्वी का ऊपरी आधा हिस्सा है जून के दौरान गर्मी होती है।

* **मकर रेखाः** पृथ्वी पर एक विशेष रेखा है जो भूमध्य रेखा (line)से 23 डिग्री नीचे है। 22 दिसंबर को दोपहर के समय सूर्य इस रेखा पर सीधा चमकता है। इसका मतलब है कि यह सबसे दक्षिण दिशा है जहाँ सूर्य सीधे सिर के ऊपर चमक सकता है।

* **आर्कटिक सर्कलः** भूमध्य रेखा के 66 उत्तर में स्थित है। 21 जून को 24 घंटे सूर्य की रोशनी उपलब्ध होती है क्योंकि सूर्य सबसे उत्तरी सीमा पर होता है।

* **अंटार्कटिक सर्कलः** भूमध्य रेखा के 66 दक्षिण में स्थित है। 21 दिसंबर को 24 घंटे सूर्य की रोशनी उपलब्ध होती है क्योंकि सूर्य सबसे दक्षिणी सीमा पर होता है।

* **उत्तरी ध्रुवः** यह पृथ्वी का सबसे उत्तरी बिंदु है जो भूमध्य रेखा से 90 उत्तर में स्थित है।

* **दक्षिणी ध्रुवः** यह पृथ्वी का सबसे दक्षिणी बिंदु है जो भूमध्य रेखा से 90 दक्षिण में स्थित है।

2. **देशांतर (Longitude)** एक बड़ी अदृश्य रेखा की तरह है जो हमें यह जानने में मदद करती है कि पृथ्वी पर कोई स्थान पूर्व या पश्चिम में कितनी दूर है। यह प्राइम मेरिडियन नामक एक विशेष रेखा

SCERT DELHI

से शुरू होता है जो 0 डिग्री पर है। यदि आप दाईं ओर (पूर्व) जाते हैं तो संख्याएँ +180 डिग्री तक बढ़ जाती हैं और यदि आप बाईं ओर (पश्चिम) जाते हैं तो संख्याएँ -180 डिग्री तक कम हो जाती हैं। पृथ्वी पर प्रत्येक स्थान को यह दिखाने के लिए एक संख्या दी गई है कि वह प्राइम मेरिडियन से कितनी दूर है।

अक्षांश और देशांतर

6.3.1 स्थानों की पहचान(Identification Of Places)

जब हमारे पास अक्षांश और देशांतर के अनुसार डिग्री होती है तो मानचित्र या ग्लोब पर स्थानों की स्थिति की जाँच करना हमेशा आसान होता है। मानचित्र में किसी स्थान का पता लगाने के लिए

* उस स्थान के आगे उल्लिखित डिग्री के अनुसार अक्षांशीय बिंदु को समझें जहां वह स्थान स्थित है।

* फिर उल्लिखित डिग्री के अनुरूप (according) देशांतरीय स्थिति बिंदु ज्ञात करें और इसे अक्षांशीय बिंदु से संगत करें।

जिस बिंदु पर अक्षांशीय और देशांतरीय बिंदु मिलते हैं इच्छित स्थान उसी बिंदु पर स्थित होता है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि कोई विशेष गंतव्य वास्तव में कहाँ स्थित है क्योंकि इससे हमें गंतव्य की जलवायु संभावित वनस्पतियों और जीवों के साथ-साथ गंतव्य पर संभावित गतिविधियों के बारे में कुछ जानकारी मिलती है।

6.3.2 स्थानीय समय की गणना (Local Time Calculation)

दुनिया 24 अलग-अलग समय क्षेत्रों में विभाजित है। ये समय क्षेत्र इंग्लैंड में एक विशेष स्थान से शुरू होते हैं जिसे ग्रीनवीच वेधशाला (Observatory) कहा जाता है। इस स्थान को मानचित्रों पर ग्रीनविच मेरिडियन के रूप में चिह्नित किया गया है और वहां के समय को ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) या यूनिवर्सल टाइम

कहा जाता है। कुछ क्षेत्रों में यह समय एक घंटे या घंटे का एक अंश होता है। इसे डे लाइट सेविंग टाइम के नाम से जाना जाता है।

स्थानीय समय जानने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन करें।

A. जीएमटी (ग्रीनविच मीन टाइम/यूनिवर्सल टाइम कोऑर्डिनेटेड) का पता लगाएं।

B. जीएमटी और स्थानीय समय के बीच समय का अंतर ज्ञात करें

C. स्थान के अनुसार जी.एम.टी. से समय अन्तर (जी.एम.टी.) से जोड़कर/घटाकर स्थानीय समय की गणना करें।

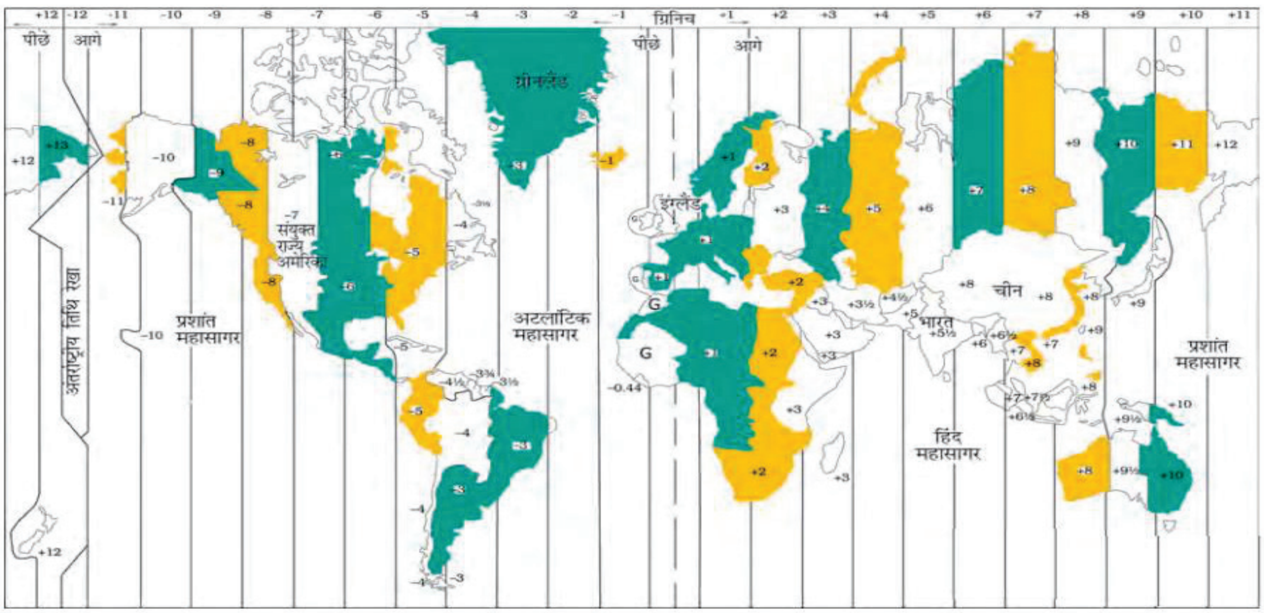

उदाहरण 1: जब GMT 12:00 बजे हो, तो दिल्ली का स्थानीय समय क्या होगा?

* दिल्ली का स्थानीय समय जानने के लिए हमें GMT से समय का अंतर पता होना चाहिए

* भारतीय मानक समय (Indian Standard Time - IST) जी.एम.टी. से 5.30 घंटे आगे है (+5.30)

* दिल्ली का स्थानीय समय 12:00 + 5.30 = शाम के 5:30 बजे का होगा।

उदाहरण 2: जब GMT 12:00 बजे हो तो किंग्स्टन (जमैका) का स्थानीय समय क्या होगा?

* किंग्स्टन (जमैका) का स्थानीय समय जानने के लिए हमें जीएमटी से समय का अंतर पता होना चाहिए

* किंग्स्टन का मानक समय GMT से 5 घंटे पीछे है

* गणनाः (calculation): GMT पर समयः 12:00 घंटे (दोपहर) समय अंतरः GMT - 5 घंटे तो 12:00 - 5 = 07:00 घंटे

* जब GMT पर समय 12:00 घंटे है तो किंग्स्टन, जमैका का स्थानीय समय 07:00 घंटे (सुबह 7:00 बजे) होगा।

उदाहरण 3: 05 अप्रैल 2012 को दिल्ली का स्थानीय समय 13:45 बजे है बैंकॉक का स्थानीय समय क्या होगा?

* अब हम दोनों शहरों के समय क्षेत्रों का अंतर निकालते हैं।

* बैंकॉक (GMT +7:00) और दिल्ली (GMT +5:30) के बीच का अंतर 1 घंटे 30 मिनट है। यानी बैंकॉक का समय दिल्ली से 1 घंटे 30 मिनट आगे होता है।

* गणना दिल्ली का स्थानीय समयः 13:45 (दोपहर 1:45 बजे) इसमें 1 घंटे 30 मिनट जोड़ने पर 13:45 + 1:30 = 15:15 (दोपहर 3:15 बजे)

* उत्तरः 05 अप्रैल 2012 को जब दिल्ली में समय 13:45 बजे होगा तब बैंकॉक में स्थानीय समय 15:15 (दोपहर 3:15 बजे) होगा।

उदाहरण 4: 06 अगस्त 2012 को जब दिल्ली का स्थानीय समय 15:30 बजे था तब मनामा (बहरीन) का स्थानीय समय क्या था?

* दिल्ली और मनामा (बहरीन) के बीच समय क्षेत्र (टाइम ज़ोन) का अंतर जानने के लिए

* दिल्ली, भारत भारतीय मानक समय (IST) पर आधारित है जो GMT +5:30 घंटे है।

* मनामा, बहरीन अरब मानक समय (AST) पर आधारित है जो GMT +3:00 घंटे है।

* अब हम दोनों शहरों के समय क्षेत्रों का अंतर निकालते हैं:

* दिल्ली (GMT +5:30) और मनामा (GMT +3:00) के बीच का अंतर 2 घंटे 30 मिनट का है। यानी मनामा का समय दिल्ली से 2 घंटे 30 मिनट पीछे होता है।

* गणनाः दिल्ली का स्थानीय समयः 15:30 (दोपहर 3:30 बजे) इसमें से 2 घंटे 30 मिनट घटाने पर 15:30 - 2:30 = 13:00 (दोपहर 1:00 बजे)

* उत्तरः 06 अगस्त 2012 को जब दिल्ली का स्थानीय समय 15:30 बजे था तब मनामा (बहरीन) का

SCERT DELHI

स्थानीय समय 13:00 (दोपहर 1:00 बजे) था।

उदाहरण 5: 15 सितम्बर 2012 को जब कराकास (वेनेजुएला) में सुबह 08:00 बजे थे तब दिल्ली का स्थानीय समय क्या था?

* 15 सितंबर 2012 को जब कराकास (वेनेजुएला) में सुबह 08:00 बजे थे तब दिल्ली का स्थानीय समय जानने के लिए हमें कराकास और दिल्ली के बीच के समय अंतर की गणना करनी होगी।
* कराकास (वेनेजुएला) वेनेजुएला समय (VET) पर है जो GMT -4:30 घंटे है।
* दिल्ली, भारत, भारतीय मानक समय (IST) पर है जो GMT +5:30 घंटे है।
* दोनों शहरों के बीच 10 घंटे का समय अंतर है जिसमें दिल्ली का समय कराकास से 10 घंटे आगे है।
* गणना: कराकास का समय: 08:00 (सुबह 8 बजे) दिल्ली का समय: 08:00 + 10:00 = 18:00 (शाम 6 बजे)
* उत्तर: 15 सितंबर 2012 को जब कराकास (वेनेजुएला) में सुबह 08:00 बजे थे तब दिल्ली का स्थानीय समय शाम 18:00 (शाम 6 बजे) था।

6.4 भौतिक भूगोल और सांस्कृतिक भूगोल (Physical Geography And Cultural Geography)

भूगोल का अध्ययन आमतौर पर भौतिक और सांस्कृतिक (Cultural) भूगोल के रूप में किया जाता है।

भौतिक भूगोल हमारी पृथ्वी और उसे विशेष बनाने वाली सभी चीज़ों की खोज करने जैसा है। यह उस ज़मीन को देखता है जिस पर हम चलते हैं जैसे कि चट्टानें और मिट्टी और हवा और पानी जैसी चीज़ों के कारण समय के साथ उनमें कैसे बदलाव आते हैं। यह अंतरिक्ष में ग्रहों और तारों जैसी बहुत बड़ी चीज़ों को भी देखता है। भूगोल के कई अलग-अलग हिस्से हैं जैसे कि यह अध्ययन करना कि लोग अलग-अलग जगहों पर कैसे रहते (जनसंख्या भूगोल) हैं हम अपने प्राकृतिक संसाधनों का कैसे उपयोग करते (पर्यावरण भूगोल) हैं और कैसे अलग-अलग संस्कृतियों के जीवन जीने के अपने अनूठे तरीके (सांस्कृतिक भूगोल) हैं।

SCERT DELHI

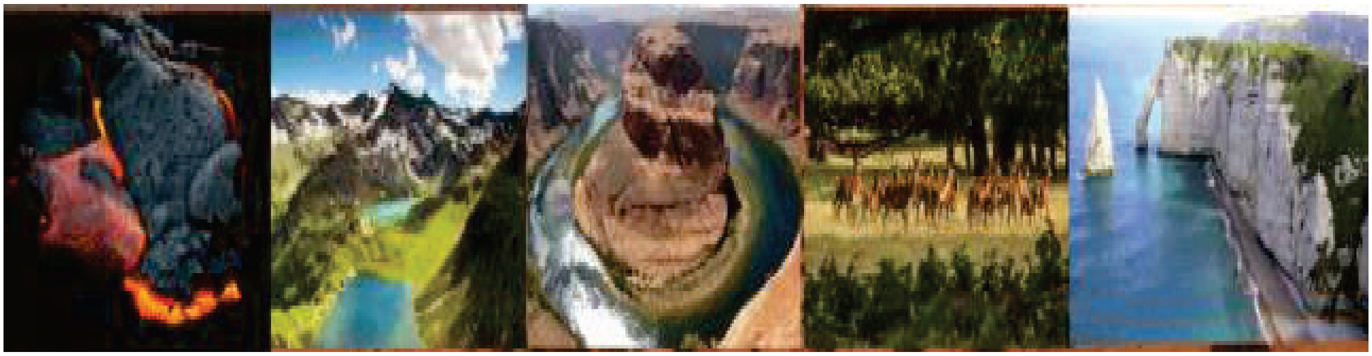

सांस्कृतिक भूगोल किसी स्थान की सांस्कृतिक विशेषताओं से जुड़ा होता है। एक निर्धारित क्षेत्र में कुछ सामान्य विशेषताएँ होती हैं जो वहां के लोगों की जीवन शैली और अभिव्यक्तियों के माध्यम से दिखाई देती हैं। इन सांस्कृतिक विशेषताओं का विकास कुछ भौगोलिक घटनाओं से होता है जिनका वहां के लोगों के दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है। अभिव्यक्ति के रूपों में परंपराएँ, रीति-रिवाज, पूजा, त्योहार और यहाँ तक कि लोगों का व्यवहार भी शामिल होता है। उदाहरण के लिए सिक्किम में झीलों को पवित्र माना जाता है। हालांकि यह श्रद्धा धार्मिक मान्यताओं पर आधारित है लेकिन झीलों के पास रहने वाले लोग इसे पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाते रहते हैं। झील का स्थान पवित्र माना जाता है इसलिए स्थानीय लोग और पर्यटक इसे प्रदूषित करने का प्रयास नहीं करते।

एक और उदाहरण भारत में गंगा नदी एक प्राचीन और पवित्र जल निकाय है जिसे बहुत सम्मान दिया जाता है और यह कई व्यक्तियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी उम्र के लोग नदी की पूजा करते हैं और महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के लिए इसके जल का उपयोग करते हैं। गंगा के किनारे बसे शहर जैसे गोमुख, हरिद्वार, इलाहाबाद, वाराणसी, पटना और गंगा सागर कई मंदिरों और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों का घर हैं। यहाँ पर बहुत ही उत्साह के साथ त्यौहार और मेले मनाए जाते हैं। इन क्षेत्रों में सामाजिक जीवन गंगा के इर्द-गिर्द घूमता है जहाँ पीढ़ियों से भक्ति और आस्था चली आ रही है।

-इस प्रकार एक भौगोलिक घटना (नदी, झील, पहाड़, पहाड़ी, जंगल, चट्टानें आदि) के रूप में यहाँ गंगा नदी लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही है और इसने लोगों के सांस्कृतिक जीवन को परिभाषित करना शुरू कर दिया है। इस प्रकार सांस्कृतिक भूगोल, पर्यटन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संक्षेप में (in summary) सांस्कृतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैः

* विशिष्ट भौगोलिक घटना के संदर्भ में स्थान का महत्व
* लोगों के दैनिक जीवन पर भौगोलिक घटना का प्रभाव
* स्थानीय आबादी द्वारा विशिष्ट विशेषता की मान्यता और स्वीकृति
* संस्कृति, परंपराओं और उनकी अभिव्यक्तियों का विकास और उस पर भौगोलिक विशेषता का प्रभाव।

6.5 भौगोलिक विशेषताएं और पर्यटन में इसकी भूमिका(Geographical Features and Its Role in Tourism)

पहाड़, समुद्र तट और जंगल सहित विभिन्न प्रकार के परिदृश्य (landscapes) लोगों को नए गंतव्यों की खोज करने के लिए प्रेरित करते हैं। जिज्ञासा (Curiosity) लोगों को अनोखी जगहों की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। किसी स्थान की विशिष्टता और उसके बारे में जागरूकता का स्तर आगंतुकों के आकर्षण को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। वर्तमान में पर्यटन अधिकारी (tourist officers) विभिन्न सूचना-साझाकरण तकनीकों के माध्यम से इन विशिष्ट स्थलों को बढ़ावा देने के लिए काफी प्रयास कर रहे हैं।

निम्नलिखित उदाहरण भारत के विभिन्न राज्यों की विभिन्न भौगोलिक विशेषताओं को दर्शाते हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

* कच्छ का रण (गुजरात) - दुनिया का सबसे बड़ा नमक रेगिस्तान
* लद्दाख (जम्मू और कश्मीर) - ठंडा रेगिस्तान
* युमथांग (सिक्किम) – घाटी (valley)
* जैसलमेर (राजस्थान) - रेगिस्तान
* माउंट आबू (राजस्थान)- हिल स्टेशन, अरावली पर्वतमाला पर स्थित
* महाबलेश्वर (महाराष्ट्र) - पश्चिमी घाट का दृश्य
* गुप्त गोदावरी (चित्रकूट), म.प्र. - गुफाएँ
* अल्मोड़ा (उत्तराखंड) - हिल स्टेशन

SCERT DELHI

* लाहुल और स्पीति (हिमाचल प्रदेश) - घाटी
* हम्पी (कर्नाटक)-विरासत स्थल (heritage site)
* चिल्का झील (ओडिशा) - सबसे बड़ी ताजे पानी की झील
* अल्लाप्पी (केरल) – बैकवाटर्स
* कन्याकुमारी बंगाल की खाड़ी और अरब सागर का मिलन बिंदु (point)

चिल्का झील का नक्शा

लद्दाख का ठंडा रेगिस्तान

दुनिया भर में इसके अनेक उदाहरण मिल सकते हैं। जैसेः-

* तस्सिली एन अज्जेर – (रेगिस्तान, हवा के अनुसार रेत की संरचना बदलना), अल्जीरिया
* विक्टोरिया फॉल्स - अफ्रीका (ज़ाम्बेजी नदी)
* चूना पत्थर संरचनाएँ – बेमराहा की त्सिंगी, मॉरीशस
* स्टोनहेंज - यू. के. (England)
* मेटियोरा मैसिफ़ - थेसली, ग्रीस
* चाँद जैसे परिदृश्य, उजुंडेरे घाटी - कप्पादोसिया, तुर्की
* गुइलिन पर्वत - चीन
* उलुरु (Uluru) पवित्र स्थल - ऑस्ट्रेलिया
* ग्रेट बैरियर रीफ - ऑस्ट्रेलिया
* उत्तरी ध्रुव के निकट - ऑरोरा बोरियालिस (जिसे उत्तरी रोशनी के नाम से भी जाना जाता है।)
* ग्रांड कैन्यन - घाटियों का स्वरूप जो की अमेरिका में देखा जा सकता है।

स्टोनहेंज, इंग्लैंड

* येलोस्टोन नेशनल पार्क - झील और गीजर के लिए जाना जाता है। (अमेरिका)

6.6 मानचित्र पढ़ना और मानचित्रकला (Map Reading And Cartography)

मानचित्र एक तस्वीर की तरह होता है जो किसी जगह को दिखाता है जैसे कि ज़मीन या समुद्र और हमें अलग-अलग चीज़ें देखने में मदद करता है जैसे कि सड़कें, पहाड़ और देश कहाँ हैं। लोग यह समझने के लिए नक्शे का इस्तेमाल करते हैं कि कैसे घूमना है लोग कहाँ रहते हैं और किसी क्षेत्र में कौन से प्राकृतिक संसाधन (resources) हैं। वैज्ञानिक और शोधकर्ता (researchers) अक्सर इन चीज़ों के बारे में ज़्यादा जानने के लिए नक्शे देखते हैं। नक्शे बनाने के अध्ययन को कार्टोग्राफी कहा जाता है। ज़्यादातर नक्शे सपाट बनाए जाते हैं और उन्हें बनाने के अलग-अलग तरीके होते हैं ताकि वे सब कुछ साफ़-साफ़ दिखा सकें।

* **पैमाना (Scale):** एक खास तरीका है जिससे यह पता चलता है कि नक्शे पर चीज़ें कितनी दूर हैं और असल दुनिया में वे कितनी दूर हैं। जब नक्शे पैमाने का उपयोग करते हैं तो वे हमें यह देखने में मदद करते हैं कि स्थान कहाँ हैं और उनके बीच कितनी जगह है जिससे भूमि के स्थिति (layout) को समझना आसान हो जाता है।

* **प्रतीक (Legends):** मानचित्रों में विशेष चित्र और रंग होते हैं जो हमें यह समझने में मदद करते हैं कि चीज़ें कहाँ हैं। ये चित्र और रंग हमें नदियाँ, सड़कें और पार्क जैसी चीज़ें दिखाते हैं। वे हमें यह देखने में भी मदद करते हैं कि अलग-अलग देश या राज्य कहाँ हैं और महत्वपूर्ण इमारतें कहाँ स्थित हैं। कभी-कभी मानचित्र किसी स्थान के बारे में संख्याएँ या जानकारी दिखाने के लिए ग्राफ़ और अलग-अलग रंग पैटर्न का उपयोग करते हैं।

* **प्रक्षेपण (Projections):** कागज़ पर पृथ्वी के कुछ हिस्सों को दिखाने वाले चित्रों की तरह होते हैं। चूँकि पृथ्वी गोल है और कागज सपाट है इसलिए हमें मानचित्र बनाने के लिए विशेष तरीकों की ज़रूरत है जो चीज़ों को बहुत ज़्यादा न खींचे या न मोड़ें। प्रक्षेपण (Projections) हमें आकृतियों, दिशाओं और दूरियों जैसी चीज़ों को मानचित्र पर देखने पर सही दिखने में मदद करते हैं।

6.7 भारतीय भूगोल (Indian Geography)

क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा देश है। यह उत्तर में बर्फ से ढके हिमालय से लेकर दक्षिण के तटीय गांवों, दक्षिण-पश्चिम तट के उष्णकटिबंधीय जंगलों (Tropical forests), पूर्व में ब्रह्मपुत्र घाटी से लेकर पश्चिम में रेगिस्तान तक फैला हुआ है। उत्तर में हिमालय से घिरा यह देश दक्षिण की ओर कर्क रेखा तक फैला हुआ है।

भारत की मुख्य भूमि 8'4 और 37'6 (अक्षांश) उत्तर, 68'7 और 97'25 (देशांतर) के बीच स्थित है। अक्षांशों के बीच उत्तर से दक्षिण तक की दूरी लगभग 3,214 किमी और देशांतरों के बीच पूर्व से पश्चिम

तक की दूरी 2,933 किमी है। इसकी भूमि सीमा 15,200 किमी है और मुख्य भूमि लक्षद्वीप द्वीप समूह और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की तट रेखा की कुल लंबाई 7,516.6 किमी है।

भारत की सीमा उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान, उत्तर में चीन, नेपाल और भूटान, पूर्व में म्यांमार और पश्चिम बंगाल के पूर्व में बांग्लादेश से लगती है। पाक जलडमरूमध्य भारत और श्रीलंका को अलग करता है।

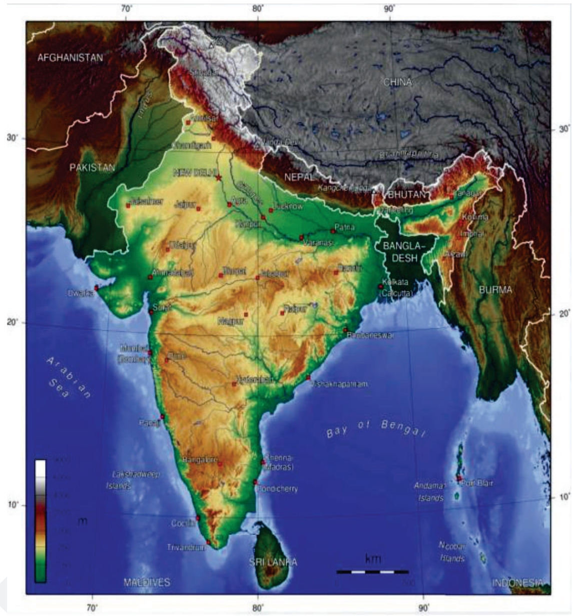

भारत का स्थलाकृतिक मानचित्र

6.7.1 भौतिक विशेषताएँ (Physical Characteristics)

यह समझने के लिए कि भारत कितना बड़ा और अलग है हम देश को चार मुख्य क्षेत्रों में विभाजित कर सकते हैं।

1. हिमालय पर्वत श्रृंखलाः जो की बहुत ऊँचे पहाड़ों से बना है जिन्हें हिमालय कहा जाता है। ये पहाड़ भारत के उत्तरी भाग से लेकर देश के पूर्वी हिस्से तक फैले हुए हैं।

2. गंगा और सिंधु के मैदानः भूमि के बड़े और समतल क्षेत्र हैं जो लगभग 2,400 किलोमीटर लंबे और 240 से 320 किलोमीटर चौड़े हैं। इनका निर्माण सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा किया गया था।

3. रेगिस्तानी क्षेत्र के दो मुख्य भाग हैं।

(1) **बड़ा रेगिस्तानः** कच्छ के रण नामक स्थान के किनारे से शुरू होकर लूनी नामक नदी की ओर जाता है।

(2) **छोटा रेगिस्तानः** एक रेतीला क्षेत्र है जो लूनी नदी से शुरू होता है जो जैसलमेर और जोधपुर नामक दो स्थानों के बीच है और उत्तर में कुछ खाली भूमि तक जाता है।

4. दक्षिणी प्रायद्वीपः भूमि का एक बड़ा टुकड़ा है जो सिंधु और गंगा नदियों के नीचे स्थित है। इसमें अरावली, विंध्य, सतपुड़ा, मैकाल और अजंता सहित बहुत सारे पहाड़ हैं। पश्चिम की ओर पश्चिमी घाट (जो पहाड़ है) और अरब सागर के बीच भूमि का एक पतला टुकड़ा है। पूर्व की ओर, पूर्वी घाट और पूर्वी तट के बीच एक बड़ा स्थान है। पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट नीलगिरी पहाड़ियों नामक स्थान पर मिलते हैं।

6.7.2 ऋतुएँ Seasons

भारत में मौसम हमेशा खास होते हैं। यहाँ मौसम के सबसे मधुर बदलावों का भी अनुभव किया जा सकता है। ये मौसम हैं:

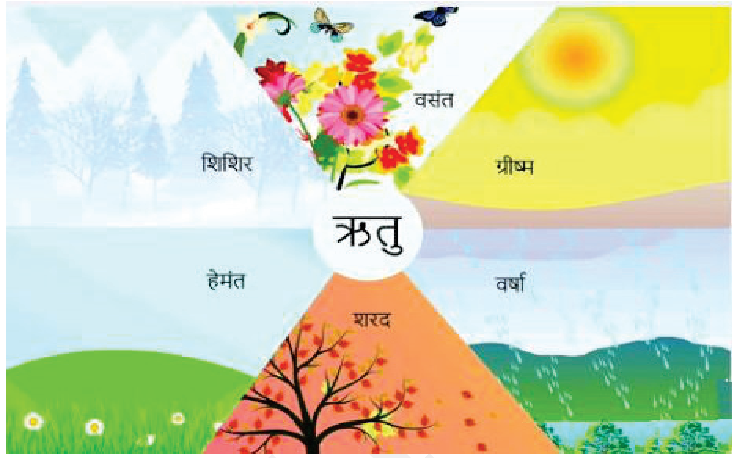

1. **वसन्त ऋतु (Spring)** – वसंत वर्ष का वह समय होता है जब मौसम गर्म हो जाता है फूल खिलने लगते हैं और जानवर छिपने की जगहों से बाहर निकल आते हैं। ऐसा लगता है जैसे प्रकृति लंबी नींद से जाग उठी हो।

2. **ग्रीष्म ऋतु (Summer)** – गर्मी वर्ष का गर्म और धूप वाला समय होता है जब आप बाहर खेल सकते हैं तैराकी कर सकते हैं और आइसक्रीम का आनंद ले सकते हैं। यह मज़ेदार गतिविधियों और लंबे दिनों से भरा मौसम होता है!

3. **वर्षा ऋतु (Rainy)** – वर्षा ऋतु भारत में वर्षा लाता है। यह समय विशेष रूप से पश्चिमी घाट और उत्तर-पूर्व भारत के लिए लोकप्रिय है।

4. **शरद् ऋतु (Autumn)** – शरद ऋतु की शुरुआत वर्ष का वह समय होता है जब पत्ते रंग बदलने लगते हैं और पेड़ों से गिरने लगते हैं। यह तब होता है जब मौसम थोड़ा ठंडा हो जाता है और हम हर जगह कद्दू और सेब देख सकते हैं।

5. **हेमन्त ऋतु (Pre-Winter)** – हेमंत ऋतु वर्ष का वह समय होता है जब पेड़ों पर से पत्ते ज़्यादातर गिर जाते हैं और ठंड बढ़ने लगती है और कभी-कभी हमें सुबह में थोड़ी धुंध भी दिखाई दे सकती है। यह एक खास समय है जब हम सर्दियों के लिए तैयार होते हैं और गर्म पेय और आरामदायक कपड़ों जैसी चीजों का आनंद लेते हैं।

6. **शिशिर ऋतु (Winter)** - सर्दी जिसे सिसिरा भी कहा जाता है यह साल का वह समय होता है जब बहुत ठंड होती है। सर्दियों के दौरान आप बर्फ देख सकते हैं और लोग अक्सर आरामदायक रहने के लिए जैकेट और टोपी जैसे गर्म कपड़े पहनते हैं। यह एक ऐसा मौसम है जब कई जानवर ठंड से बचने के लिए शीतनिद्रा (hibernate) करते हैं या लंबे समय तक सोते हैं। सर्दी मज़ेदार हो सकती है क्योंकि आप बर्फ में खेल सकते हैं हॉट चॉकलेट पी सकते हैं और छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं।

SCERT DELHI

6.7.3 मानसून (Monsoon)

भारत का मानसून किसानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनकी फसलों (crops) को बढ़ने में मदद करता है और कई पर्यटक इसके बारे में बात करना भी पसंद करते हैं। जब मानसून के दौरान बारिश होती है तो जमीन बहुत हरी और खूबसूरत हो जाती है जो भारत को अन्य जगहों की तुलना में खास बनाती है।

मानसून के दो मुख्य प्रकार हैं:

पहला उत्तर-पूर्वी मानसून (North East Monsoon) जिसे शीतकालीन (Winter) मानसून कहा जाता है भूमि से आता है और समुद्र में चला जाता है।

दूसरा दक्षिण-पश्चिम मानसून (South West Monsoon) जिसे ग्रीष्मकालीन (Summer) मानसून कहा जाता है, समुद्र से आता है और हिंद महासागर अरब सागर और बंगाल की खाड़ी (bay) से यात्रा करने के बाद भूमि पर बहुत अधिक बारिश लाता है। यह दक्षिण-पश्चिम मानसून ही है जो हर साल भारत में सबसे अधिक बारिश लाता है।

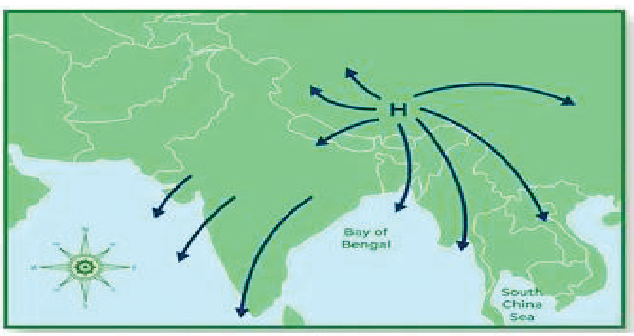

उत्तर-पूर्वी मानसून

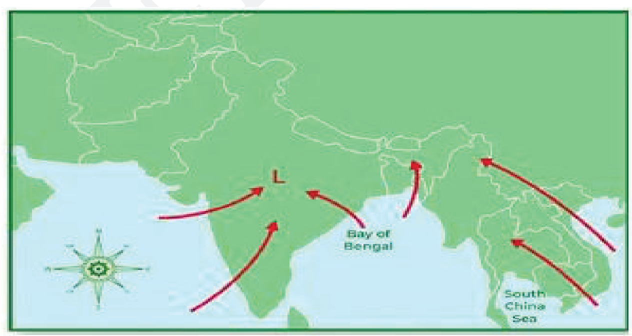

दक्षिण-पश्चिम मानसून

6.8 सारांश (Summary)

भारत एक खास जगह है क्योंकि यहाँ प्रकृति की बहुत सारी खूबसूरत चीजें हैं जैसे हिमालय नामक ऊंचे पहाड़, बहती नदियाँ, हरे-भरे जंगल, समतल भूमि और समुद्र के किनारे रेतीले समुद्र तट। ये सभी चीजें भारत को दुनिया भर से आने वाले लोगों के लिए एक बेहतरीन जगह बनाती हैं।

समीक्षा प्रश्न (Review Question)

बहु विकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions):

1. भूगोल किसका अध्ययन है?

   a) मानचित्र b) स्थान और पर्यावरण

   c) राजनीति d) सामाजिक विकास

2. निम्नलिखित में से कौन-सा पर्यटन गतिविधियों को प्रभावित करता है?

   a) भाषा b) भौगोलिक विशेषताएँ

   c) भोजन d) कपड़े

3. कर्क रेखा कितने डिग्री अक्षांश पर स्थित है?

   a) 0 b) 23.5 उत्तर

   c) 66.5 उत्तर d) 23.5 दक्षिण

4. गंगा नदी किस प्रकार की भौगोलिक विशेषता है?

   a) पहाड़ b) झील

   c) नदी d) मरुस्थल

5. देशांतर किससे संबंधित होता है?

   a) उत्तर-दक्षिण दिशा b) पूर्व-पश्चिम दिशा

   c) जलवायु d) स्थलाकृति

6. भारत दुनिया का ________ सबसे बड़ा देश है?

   a) दुनिया का 5वां सबसे बड़ा देश b) दुनिया का 7वां सबसे बड़ा देश

   c) दुनिया का 3वां सबसे बड़ा देश d) दुनिया का 10वां सबसे बड़ा देश

SCERT DELHI

7. मानसून के किस प्रकार से भारत में अधिक वर्षा होती है?

    a) उत्तर-पूर्वी मानसून   b) दक्षिण-पश्चिमी मानसून

    c) पश्चिमी मानसून   d) पूर्वी मानसून

8. विक्टोरिया फॉल्स कहाँ स्थित है?

    a) भारत   b) अफ्रीका

    c) ऑस्ट्रेलिया   d) अमेरिका

9. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थान अपनी चूना पत्थर संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है?

    a) ताजमहल   b) बेमारहा (मॉरीशस)

    c) ग्रांड कैन्यन   d) माउंट एवरेस्ट

10. विश्व के कितने समय क्षेत्र है?

    a) 12   b) 24

    c) 36   d) 48

उत्तरः

1. b) स्थान और पर्यावरण 2. b) भौगोलिक विशेषताएँ 3. b) 23.5 उत्तर 4. c) नदी 5. b) पूर्व-पश्चिम दिशा 6. b) दुनिया का 7वां सबसे बड़ा देश 7. b) दक्षिण-पश्चिमी मानसून 8. b) अफ्रीका 9. b) बेमराहा (मॉरीशस) 10. b) 24

रिक्त स्थान भरें (Fill in the Blanks):

1. अक्षांश भूमध्य रेखा से उत्तर या दक्षिण की ______________________ स्थिति को दर्शाता है।
2. ग्रीनविच मीन टाइम (GMT) को ______________________ के रूप में भी जाना जाता है।
3. पृथ्वी का सबसे उत्तरी बिंदु ______________________ है।
4. भारत की मुख्य भूमि का तट रेखा की कुल लंबाई ______________________ किमी है।
5. भौगोलिक विशेषताएँ किसी स्थान की ______________________ को परिभाषित करती हैं।
6. ______________________ भारत की सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है।

SCERT DELHI

7. दक्षिण-पश्चिम मानसून ______________________ से ज़मीन की ओर बहता है।

8. नक्शे बनाने के अध्ययन को ______________________कहा जाता है।

9. ______________________नक्शे पर चित्र या रंग होते हैं जो चीजों को समझने में मदद करते हैं।

10. ______________________ ने दार्जिलिंग की टॉय ट्रेन को विश्व धरोहर बना दिया।

उत्तरः

1. कोणीय 2. यूनिवर्सल टाइम कोऑर्डिनेटेड (UTC) 3. उत्तरी ध्रुव 4. 7516.6 किमी 5. प्राकृतिक सुन्दरता 6. चिल्का झील 7. समुद्र 8. कार्टोग्राफी 9. प्रतीक 10. 'Z' कर्व्स

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions):

1. भूगोल और पर्यटन के बीच संबंध को स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः भूगोल पर्यटन की जलवायु स्थलाकृति और भौगोलिक विशेषताओं को समझने में मदद करता है जो पर्यटन गतिविधियों को प्रभावित करता है।

2. अक्षांश और देशांतर क्या हैं?

उत्तरः अक्षांश भूमध्य रेखा से दूरी को दर्शाता है जबकि देशांतर प्रधान मध्याह्न से पूर्व-पश्चिम स्थिति को दर्शाता है।

3. गंगा नदी का सांस्कृतिक महत्व क्या है?

उत्तरः गंगा नदी भारत की पवित्र नदी है जिसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे जीवन का केंद्र माना जाता है।

4. भौतिक भूगोल और सांस्कृतिक भूगोल में क्या अंतर है?

उत्तरः भौतिक भूगोल पृथ्वी की प्राकृतिक विशेषताओं का अध्ययन है जबकि सांस्कृतिक भूगोल किसी क्षेत्र की सांस्कृतिक विशेषताओं और उनके विकास का अध्ययन करता है।

5. किसी गंतव्य की विशिष्टता का पर्यटन में क्या महत्व है?

उत्तरः गंतव्य की विशिष्ट भौगोलिक विशेषताएँ पर्यटकों को आकर्षित करती हैं और पर्यटन को बढ़ावा देती हैं।

SCERT DELHI

6. भारत के मानसून की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तरः मानसून के दौरान भारत में वर्षा होती है जो कृषि के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिण-पश्चिमी मानसून सबसे अधिक वर्षा लाता है।

7. भारतीय भूगोल का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उत्तरः भारत का भूगोल विविध है जिसमें हिमालय, मैदान, मरुस्थल, पठार और समुद्र तट शामिल हैं जो इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाते है।

8. मानचित्रण में पैमाना और प्रतीक का क्या महत्व है?

उत्तरः पैमाना मानचित्र पर दूरी के अनुपात को दर्शाता है जबकि प्रतीक मानचित्र में विशेष चित्र और रंग को समझने में मदद करता हैं।

9. भौतिक भूगोल में आने वाले कौन-कौन से प्रमुख क्षेत्र हैं?

उत्तरः प्रमुख क्षेत्र हैंः महान पर्वतीय क्षेत्र, गंगा और सिंधु के मैदान, रेगिस्तानी क्षेत्र और दक्षिणी प्रायद्वीप।

10. मानसून के दो मुख्य प्रकार कौन से हैं?

उत्तरः मानसून के दो मुख्य प्रकार हैंः

1. उत्तर-पूर्वी मानसून (शीतकालीन मानसून)
2. दक्षिण-पश्चिम मानसून (ग्रीष्मकालीन मानसून)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. भूगोल का पर्यटन में क्या महत्व है? विस्तृत रूप से समझाइए।

उत्तरः भूगोल का पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि यह प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को समझने में मदद करता है। भूगोल अध्ययन से हमें यह जानने को मिलता है कि किसी गंतव्य की जलवायु, स्थलाकृति, संसाधन और मानव गतिविधियाँ किस प्रकार पर्यटकों के अनुभव को प्रभावित करती हैं।

उदाहरण के लिए पहाड़ी क्षेत्रों में ठंडी जलवायु और प्राकृतिक सुन्दरता होती है जो ट्रेकिंग, पर्वतारोहण और अन्य बाहरी गतिविधियों के लिए उपयुक्त है। इसी प्रकार समुद्री तटों पर गर्म जलवायु और समुद्री गतिविधियाँ पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

भौगोलिक जानकारी न केवल गंतव्यों के चयन में मदद करती है बल्कि यह यात्रा योजनाओं और पर्यटकों की गतिविधियों को भी आकार देती है। इसके अलावा भूगोल स्थानीय संस्कृतियों और परंपराओं को भी दर्शाता है,

SCERT DELHI

जो पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध बनाती हैं।

इस प्रकार भूगोल का अध्ययन पर्यटन के विकास, प्रबंधन और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

2. भारत के भौतिक भूगोल की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तरः भारत का भौतिक भूगोल अत्यंत विविध है और इसे चार भौगोलिक विशेषताओं में विभाजित किया जा सकता हैः

1. हिमालय पर्वत श्रृंखला जो की बहुत ऊँचे पहाड़ों से बना है जिन्हें हिमालय भी कहा जाता है। ये पहाड़ भारत के उत्तरी भाग से लेकर देश के पूर्वी हिस्से तक फैले हुए हैं।

2. गंगा और सिंधु के मैदान भूमि के बड़े और समतल क्षेत्र हैं जो लगभग 2,400 किलोमीटर लंबे और 240 से 320 किलोमीटर चौड़े हैं। इनका निर्माण सिंधु, गंगा (जिसे गंगा भी कहा जाता है) और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा किया गया था।

3. रेगिस्तानी क्षेत्र के दो मुख्य भाग हैं।

(1) बड़ा रेगिस्तान कच्छ के रण नामक स्थान के किनारे से शुरू होकर लूनी नामक नदी की ओर जाता है।

(2) छोटा रेगिस्तान एक रेतीला क्षेत्र है जो लूनी नदी से शुरू होता है जो जैसलमेर और जोधपुर नामक दो स्थानों के बीच है और उत्तर में कुछ खाली भूमि तक जाता है।

4. दक्षिणी प्रायद्वीप भूमि का एक बड़ा टुकड़ा है जो सिंधु और गंगा नदियों के नीचे स्थित है। इसमें अरावली, विंध्य, सतपुड़ा, मैकाल और अजंता सहित बहुत सारे पहाड़ हैं। पश्चिम की ओर पश्चिमी घाट (जो पहाड़ हैं) और अरब सागर के बीच भूमि का एक पतला टुकड़ा है। पूर्व की ओर पूर्वी घाट और पूर्वी तट के बीच एक बड़ा स्थान है। पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट नीलगिरी पहाड़ियों नामक स्थान पर मिलते हैं।

भारत की भौगोलिक विशेषताएँ न केवल पर्यटकों को आकर्षित करती हैं बल्कि यह स्थानीय आर्थिक गतिविधियों और सांस्कृतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

3. अक्षांश और देशांतर का अध्ययन क्यों महत्वपूर्ण है? उदाहरणों सहित समझाइए।

उत्तरः अक्षांश और देशांतर पृथ्वी पर किसी स्थान की सटीक स्थिति को निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रमुख प्रणालियाँ हैं। इनका अध्ययन कई कारणों से महत्वपूर्ण हैः

SCERT DELHI

स्थान की पहचान: अक्षांश (latitude) और देशांतर (longitude) का उपयोग करके हम किसी स्थान की सटीक स्थिति का पता लगा सकते हैं। उदाहरण के लिए भारत की मुख्य भूमि 84' और 376' (अक्षांश) उत्तर, 687' और 9725' (देशांतर) के बीच स्थित है।

समय गणना: विभिन्न समय क्षेत्रों को समझने के लिए देशांतर का अध्ययन आवश्यक है। प्रत्येक 15 डिग्री देशांतर का मतलब एक घंटे का समय अंतर होता है।

यात्रा योजना: अक्षांश और देशांतर का ज्ञान यात्रा की योजना बनाने में मदद करता है जैसे कि मौसम और जलवायु की जानकारी प्राप्त करना जिससे यात्रियों को अधिकतम अनुभव मिल सके।

इस प्रकार अक्षांश और देशांतर का अध्ययन न केवल भूगोल बल्कि पर्यटन और यात्रा प्रबंधन के लिए भी आवश्यक है।

4. भारतीय ऋतुओं और मानसून का पर्यटन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: भारत में ऋतुओं और मानसून का पर्यटकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। भारत में मुख्य रूप से छह ऋतुएँ होती हैं:

1. **वसन्त ऋतु (Spring)** – वसंत वर्ष का वह समय होता है जब मौसम गर्म हो जाता है फूल खिलने लगते हैं और जानवर छिपने से बाहर निकल आते हैं। ऐसा लगता है जैसे प्रकृति लंबी नींद से जाग उठी हो।

2. **ग्रीष्म ऋतु (Summer)** – गर्मी वर्ष का गर्म और धूप वाला समय होता है जब आप बाहर खेल सकते हैं तैराकी कर सकते हैं और आइसक्रीम का आनंद ले सकते हैं। यह मज़ेदार गतिविधियों और लंबे दिनों से भरा मौसम होता है।

3. **वर्षा ऋतु (Rainy)** – वर्षा ऋतु भारत में वर्षा लाता है। यह समय विशेष रूप से पश्चिमी घाट और उत्तर-पूर्व भारत के लिए लोकप्रिय है।

4. **शरद् ऋतु (Autumn)** – शरद ऋतु की शुरुआत वर्ष का वह समय होता है जब पत्ते रंग बदलने लगते हैं और पेड़ों से गिरने लगते हैं। यह तब होता है जब मौसम थोड़ा ठंडा हो जाता है और हम हर जगह कद्दू और सेब देख सकते हैं।

5. **हेमन्त ऋतु (Pre-Winter)** – हेमंत ऋतु वर्ष का वह समय होता है जब पेड़ों पर से पत्ते ज़्यादातर गिर जाते हैं और ठंड बढ़ने लगती है और कभी-कभी हमें सुबह में थोड़ी ठंढ भी दिखाई दे सकती है। यह एक खास समय है जब हम सर्दियों के लिए तैयार होते हैं और गर्म पेय और आरामदायक कपड़ों जैसी चीजों का आनंद लेते हैं।

6. **शिशिर ऋतु (Winter)** - सर्दी, जिसे सिसिरा भी कहा जाता है साल का वह समय होता है जब बहुत ठंड होती है। सर्दियों के दौरान आप बर्फ देख सकते हैं।

इस प्रकार भारत में ऋतुओं और मानसून का अध्ययन पर्यटन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह यात्रा की योजना बनाने, गंतव्यों की पहचान करने और स्थानीय अनुभवों को बढ़ाने में मदद करता है।

5. मानचित्र और मानचित्रण में पैमाना और प्रतीक का क्या महत्व है?

उत्तरः मानचित्र और मानचित्रण में पैमाना (Scale) और प्रतीक (Legends) अत्यधिक महत्वपूर्ण होते हैं:

* **पैमाना (Scale):** एक खास तरीका है जिससे यह पता चलता है कि नक्शे पर चीज़ें कितनी दूर हैं और असल दुनिया में वे कितनी दूर हैं। जब नक्शे पैमाने का उपयोग करते हैं तो वे हमें यह देखने में मदद करते हैं कि स्थान कहाँ हैं और उनके बीच कितनी जगह है जिससे भूमि के स्थिति (layout) को समझना आसान हो जाता है।

* **प्रतीक (Legends):** मानचित्रों में विशेष चित्र और रंग होते हैं जो हमें यह समझने में मदद करते हैं कि चीज़ें कहाँ हैं। ये चित्र और रंग हमें नदियाँ, सड़कें और पार्क जैसी चीज़ें दिखाते हैं। वे हमें यह देखने में भी मदद करते हैं कि अलग-अलग देश या राज्य कहाँ हैं और महत्वपूर्ण इमारतें कहाँ स्थित हैं। कभी-कभी मानचित्र किसी स्थान के बारे में संख्याएँ या जानकारी दिखाने के लिए ग्राफ़ और अलग-अलग रंग पैटर्न का उपयोग करते हैं।

इस प्रकार पैमाना और प्रतीक मानचित्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे उपयोगकर्ता सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और अपनी यात्रा की योजना को बेहतर तरीके से बना सकते हैं।

6. भौतिक भूगोल और सांस्कृतिक भूगोल में अंतर को विस्तृत रूप से समझाइए।

उत्तरः भौतिक भूगोल और सांस्कृतिक भूगोल दो प्रमुख भौगोलिक अनुशासन (concept) हैं जो पृथ्वी की विशेषताओं और मानव समाज के बीच के संबंधों को समझने में मदद करते हैं।

भौतिक भूगोलः भौतिक भूगोल हमारी पृथ्वी और उसे विशेष बनाने वाली सभी चीज़ों की खोज करने जैसा है। यह उस ज़मीन को देखता है जिस पर हम चलते हैं, जैसे कि चट्टानें और मिट्टी, हवा और पानी जैसी चीज़ों के कारण समय के साथ उनमें कैसे बदलाव आते हैं। यह अंतरिक्ष में ग्रहों और तारों जैसी बहुत बड़ी चीज़ों को भी देखता है।

उदाहरण के लिए हिमालय पर्वत की संरचना उसकी ऊँचाई, जलवायु आदि भौतिक भूगोल का हिस्सा है। भौतिक भूगोल का अध्ययन यह भी दर्शाता है कि ये प्राकृतिक विशेषताएँ मानव जीवन और गतिविधियों को किस प्रकार प्रभावित करती हैं।

SCERT DELHI

सांस्कृतिक भूगोल किसी स्थान की सांस्कृतिक विशेषताओं से जुड़ा होता है। एक निर्धारित क्षेत्र में कुछ सामान्य विशेषताएँ होती हैं जो वहां के लोगों की जीवन शैली और अभिव्यक्तियों के माध्यम से दिखाई देती हैं। इन सांस्कृतिक विशेषताओं का विकास कुछ भौगोलिक घटनाओं से होता है जिनका वहां के लोगों के दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है।

उदाहरण के लिए सिक्किम में झीलों को पवित्र माना जाता है। हालांकि यह श्रद्धा धार्मिक मान्यताओं पर आधारित है लेकिन झीलों के पास रहने वाले लोग इसे पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाते रहते हैं। झील का स्थान पवित्र माना जाता है इसलिए स्थानीय लोग और पर्यटक इसे प्रदूषित करने का प्रयास नहीं करते।

इन दोनों के बीच अंतर यह है कि भौतिक भूगोल प्राकृतिक विशेषताओं पर केंद्रित है जबकि सांस्कृतिक भूगोल मानव गतिविधियों और उनकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करता है। दोनों अनुशासन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और किसी भी क्षेत्र के व्यापक अध्ययन के लिए आवश्यक हैं।

7. भारत में विभिन्न भौगोलिक विशेषताओं के आधार पर पर्यटन के प्रमुख आकर्षण स्थलों का वर्णन करें

उत्तरः भारत की भौगोलिक विविधता इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। विभिन्न भौगोलिक विशेषताओं के आधार पर यहाँ कुछ प्रमुख आकर्षण स्थलों का वर्णन किया गया हैः

हिमालय क्षेत्रः भारत का उत्तर भाग हिमालय पर्वत श्रृंखला से घिरा हुआ है जो न केवल अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है बल्कि ट्रेकिंग और पर्वतारोहण के लिए भी प्रसिद्ध है। मनाली, लद्दाख और दार्जिलिंग जैसे स्थल यहाँ के मुख्य आकर्षण हैं। दार्जिलिंग की टॉय ट्रेन विश्व धरोहर है।

गंगा नदीः गंगा नदी का महत्व धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यधिक है। वाराणसी, हरिद्वार, और ऋषिकेश जैसे स्थल यहाँ स्थित हैं जहाँ हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। ये स्थल न केवल धार्मिक गतिविधियों के लिए बल्कि योग और ध्यान के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

राजस्थान के रेगिस्तानः राजस्थान का थार मरुस्थल ऊँट सफारी और ऐतिहासिक किलों के लिए प्रसिद्ध है। जैसलमेर, जोधपुर और उदयपुर जैसे शहर अपने महलों और किलों के लिए जाने जाते हैं। यहाँ की संस्कृति और कला भी पर्यटकों को आकर्षित करती है।

दक्षिण भारतः दक्षिण भारत में कई तटीय शहर और प्राकृतिक आकर्षण हैं। गोवा अपने समुद्र तटों और पार्टी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है जबकि कर्नाटका का उडुपी और केरल के बैकवाटर्स शांति और प्राकृतिक सुन्दरता के लिए जाने जाते हैं।

मध्य भारत के राष्ट्रीय उद्यानः मध्य भारत में कई राष्ट्रीय उद्यान हैं जैसे कन्हा और बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान जो वन्यजीवों और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध हैं। यहाँ पर्यटक सफारी का अनुभव कर सकते हैं और अद्भुत वन्यजीवों को देख सकते हैं।

SCERT DELHI

उत्तर-पूर्व भारतः उत्तर-पूर्व भारत में प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता है। सिक्किम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में अद्भुत पहाड़, झीलें और जलप्रपात हैं। यह क्षेत्र आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के लिए भी जाना जाता है।

इन भौगोलिक विशेषताओं के आधार पर भारत पर्यटकों के लिए एक विविध और समृद्ध अनुभव प्रदान करता है।

8. अक्षांश और देशांतर की मदद से समय की गणना कैसे की जाती है? विस्तृत रूप से बताइए।

उत्तरः अक्षांश और देशांतर का उपयोग करके समय की गणना करना एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है विशेषकर यात्रा और वैश्विक समय समझने के लिए।

* **अक्षांशः** अक्षांश पृथ्वी के उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव से स्थान की दूरी को दर्शाता है। अक्षांश की रेखाएँ भूमध्य रेखा (0) से शुरू होती हैं और उत्तर (90 N) या दक्षिण (90 S) की ओर बढ़ती हैं।

* **देशांतरः** देशांतर पृथ्वी के पूर्वी या पश्चिमी हिस्से को दर्शाता है। इसे प्रधान मध्याह्न रेखा (0) से मापा जाता है जो कि ग्रीनविच, इंग्लैंड में स्थित है। देशांतर रेखाएँ (180E) पूर्व और (180W) पश्चिम तक जाती हैं।

* **समय का अंतरः** हर 15 डिग्री देशांतर का मतलब एक घंटे का समय अंतर होता है। जब एक स्थान पर समय बढ़ता है तो उसके पूर्व में स्थित स्थानों में समय कम होता है।

उदाहरण के लिएः

* यदि ग्रीनविच (GMT) पर समय 12:00 हैः

* यदि आप भारत (जो GMT+5:30 है) की ओर बढ़ते हैं तो भारत का स्थानीय समय 12:00 + 5:30 = 17:30 (शाम) होगा।

* इसी प्रकार, यदि आप न्यूयॉर्क (जो GMT-5:00 है) की ओर बढ़ते हैं तो न्यूयॉर्क का समय 12:00 - 5 = 07:00 (सुबह) होगा।

उदाहरणः

* यदि दिल्ली का स्थानीय समय 13:45 है और आपको पता करना है कि बैंकॉक (जो GMT+7:00 है) में क्या समय होगा तो आपको पहले समय अंतर निकालना होगाः

* दिल्ली GMT+5:30 है और बैंकॉक GMT+7:00 है अतः समय का अंतर 1.5 घंटे है।

* 13:45 + 1.5 = 15:15 होगा अर्थात् बैंकॉक में समय 15:15(दोपहर) है।

इस तरह अक्षांश और देशांतर का अध्ययन यात्रा और समय की गणना के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे हमें विभिन्न देशों और स्थानों के बीच समय की स्पष्टता मिलती है।

9. भारत के मानसून का अध्ययन पर्यटन के दृष्टिकोण से क्यों महत्वपूर्ण है? विस्तृत रूप से समझाइए।

उत्तरः भारत का मानसून केवल कृषि के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह पर्यटन के लिए भी एक प्रमुख कारक है। मानसून की दिशा, समय और प्रभाव को समझना यात्रा की योजना और पर्यटकों के अनुभव को आकार देता है।

भारत में मुख्यता दो मानसून होते हैंः दक्षिण-पश्चिम मानसून और उत्तर-पूर्वी मानसून। दक्षिण-पश्चिम मानसून (जो जून से सितंबर तक होता है) देश के अधिकांश भागों में वर्षा लाता है जबकि उत्तर-पूर्वी मानसून (जो अक्टूबर से दिसंबर तक होता है) मुख्य रूप से दक्षिण भारत में प्रभावी होता है।

मानसून के दौरान हरे-भरे दृश्यों और जलप्रपातों की सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती है। जैसे कि लोनावाला, महाबलेश्वर और निलगिरी में मानसून के दौरान अद्भुत दृश्य होते हैं। मानसून में जल क्रीड़ाओं (games) जैसे कि राफ्टिंग और कैनोइंग के लिए अवसर बढ़ता है। उदाहरण के लिए रिवर राफ्टिंग की गतिविधियाँ मानसून के दौरान बढ़ती हैं।

इस प्रकार भारत के मानसून का अध्ययन पर्यटन के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय अनुभवों को बढ़ाता है बल्कि यात्रा की योजना बनाने और पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने में भी सहायक होता है।

SCERT DELHI

इतिहास और पर्यटन उद्योग के बीच अंतर्संबंध

इकाई 7

7.1 परिचय (Introduction)

वेबस्टर (Webster) की शब्दावली के अनुसार इतिहास 'महत्वपूर्ण घटनाओं का कालानुक्रमिक (chronological) रिकॉर्ड' है। इसमें घटनाओं के तथ्यों और कारणों का स्पष्टीकरण भी शामिल होता है। सरल शब्दों में कहें तो अतीत की घटनाएं इतिहास कहलाती हैं। दूसरी ओर विरासत वह है जो हमने अपने पूर्वजों से प्राप्त की है। विरासत ठोस (tangible) और अमूर्त (intangible) दोनों हो सकती है यानी सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और यहां तक कि मानसिक तत्व जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते हैं सभी विरासत हैं। इतिहास और विरासत दोनों हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। इतिहास उन घटनाओं का रिकॉर्ड है जो घटित हुई हैं जबकि विरासत ठोस और अमूर्त के रूप में एक समाज या सभ्यता की पहचान के रूप में कार्य करती है।

इतिहास विरासत और ऐतिहासिक स्थल कई लोकप्रिय पर्यटन आकर्षणों का आधार होते हैं। आमतौर पर 'सांस्कृतिक विरासत' शब्द का लोकप्रिय स्थलों की पहचान के लिए उपयोग किया जाता है। एडवर्ड बर्नेट टायलर के अनुसार 'संस्कृति' वह जटिलताओं से संपूर्ण है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कला, नैतिकता, कानून, रिवाज़ और समाज के सदस्य के रूप में मनुष्य द्वारा अर्जित अन्य क्षमताएँ और आदतें शामिल होती हैं। यूनेस्को (UNESCO) 'सांस्कृतिक विरासत' को उन सभी भौतिक संकेतों के रूप में परिभाषित करता है - चाहे वे कलात्मक हों या प्रतीकात्मक - जो अतीत से ही प्रत्येक संस्कृति को सौंपे गए हैं और इसी प्रकार पूरी मानव जाति को भी। अधिकांश पर्यटन आकर्षण सांस्कृतिक इतिहास और उससे जुड़ी विरासत के कारण प्रसिद्ध होते हैं। भारत अपने सांस्कृतिक विरासत के कारण अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों में लोकप्रिय है। यह समझना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है कि इतिहास, ऐतिहासिक स्थल, पुरातात्विक स्थल आदि जैसे शब्दों के बीच क्या अंतर और संबंध है। यह यूनिट आपको विरासत और संस्कृति की अवधारणा से परिचित कराती है। साथ ही, यह पर्यटन गतिविधियों के विकास में इतिहास, विरासत, सांस्कृतिक इतिहास और ऐतिहासिक स्थलों के महत्व पर भी चर्चा करती है।

7.2 पर्यटन में इतिहास का महत्व (Significance of history in Tourism)

जैसा कि आप जानते हैं हम सभी को विभिन्न स्थानों के बारे में जानने की जिज्ञासा होती है। जब हम किसी स्थान के बारे में सीखते हैं तो उस स्थान को बेहतर ढंग से समझने के लिए हमें उसके इतिहास का अध्ययन भी करना पड़ता है। जब लोग किसी ऐतिहासिक महत्व के स्थल पर जाते हैं तो उनके मन में कई सवाल

SCERT DELHI

उत्पन्न होते हैं। उदाहरण के लिए जब आप नालंदा, ए.एस.आई. द्वारा उत्खनन किए गए स्थल का दौरा करते हैं तो आपको यह जानने की उत्सुकता हो सकती है कि इसे कब बनाया गया इसका उपयोग क्यों किया गया इसे किसने बनवाया? प्रत्येक संरचना का क्या अर्थ है, वहाँ के छात्र कौन थे वे कहाँ रहते थे और ये सभी संरचनाएँ कहाँ गायब हो गईं आदि। पहले की चर्चा के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक भारत आते हैं ताकि वे इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जान सकें। यहाँ भारत का इतिहास ऐतिहासिक या विरासत स्थल के महत्व को पुनर्स्थापित करने वाले एक आवश्यक कारक के रूप में कार्य करता है।

उदाहरणः बोधगया का मंदिर गुप्त काल/ गुप्त साम्राज्य के दौरान बनाया गया था और यह अतीत की झलक प्रस्तुत करता है। जब कोई पर्यटक बोधगया का दौरा करता है तो बुद्ध के जीवन और ज्ञान से संबंधित कहानियाँ उनकी यात्रा के अनुभव को और भी समृद्ध बनाती हैं। इस मंदिर में ऐतिहासिक साक्ष्य जैसे सम्राट अशोक की रेलिंग बोधि वृक्ष (पीपल का पेड़) और गुप्त काल के दौरान निर्मित मंदिर समृद्ध स्थापत्य विरासत के संकेत देते हैं। पौराणिक कथाएँ, ऐतिहासिक तथ्य और प्रमाण मंदिर के दौरे के अनुभव को बढ़ाते हैं।

इसी प्रकार महाबलीपुरम की एकल-शिल्प मूर्तियाँ शिल्पकारिता और कौशल का एक उदाहरण हैं।

7.3 विरासत पर्यटन (Heritage Tourism)

विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार 'विरासत पर्यटन' का अर्थ है 'प्राकृतिक इतिहास मानव विरासत, कला, दर्शन और किसी पर्यटक का किसी अन्य क्षेत्र या देश की संस्थाओं में संपूर्ण रूप से डूब जाना।'

दूसरे शब्दों में समझें तो विरासत पर्यटन का अर्थ है किसी गंतव्य की यात्रा करना ताकि उसके इतिहास और ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त की जा सके लेकिन मुख्य रूप से उस गंतव्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को समझने और अनुभव करने के लिए की जाने वाली यात्रा को विरासत पर्यटन कहा जा सकता है। टिमोथी और बॉयड (2003) के अनुसार विरासत को तीन प्रकार के संसाधनों में वर्गीकृत किया जा सकता हैः

बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर

* मूर्त अचल संसाधन (इमारतें/स्मारक, नदियाँ, प्रकृति में अद्वितीय घटनाएँ) । उदाहरण के लिए, ताज महल, ग्रेट बैरियर रीफ।
* मूर्त चल संपत्ति (संग्रहालयों में वस्तुएँ, अभिलेखागार में दस्तावेज़ आदि) । उदाहरण के लिए, अशोक स्तंभ का हिस्सा आदि।
* मूर्त संसाधन जैसेः मूल्य, रिवाज, समारोह, जीवन शैली और

SCERT DELHI

त्योहार, कला और सांस्कृतिक आयोजन। उदाहरण के लिए त्योहार, मेले, गंगा आरती आदि।

7.4 विरासत, ऐतिहासिक स्थल और पुरातात्विक स्थलों की परिभाषा (Definition of Heritage, Historical Places and Archaeological Sites)

बृहदीश्वर मंदिर, तंजावुर, मूर्त अचल संसाधन

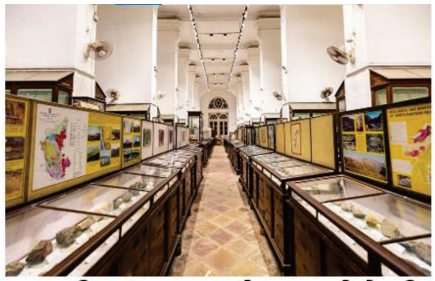
भारतीय संग्रहालय, कोलकाता में गैलरी, मूर्त चल संसाधन

छठ पूजा, अमूर्त संसाधन

विरासत स्थल (Heritage Site)

विरासत स्थल वे सभी स्थल होते हैं जो ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं। यूनेस्को एक निश्चित मापदंड को पूरा करने के आधार पर किसी स्थल, स्मारक, शहर या प्राकृतिक स्थल को अपनी सूची में शामिल करता है।

पुरातात्विक स्थल (Archaeological Sites)

धमेख स्तूप, सारनाथ

पुरातात्विक रूप से महत्वपूर्ण घोषित किए गए स्थल या स्मारक और इमारतें (प्रागैतिहासिक) (prehistoric) स्थलों से लेकर ऐतिहासिक महत्व के स्थल) । कुछ ऐसे स्थल संरक्षित हो सकते हैं जो कि, खोजे गए हों या अनखोजे हों, खुदाई किए गए हों या खुदाई की प्रक्रिया में हों, या फिर ऐसे स्थल जिनमें ऐतिहासिक मूल्य की सामग्री और उपकरण हो सकते हैं। भारत के कई ऐतिहासिक स्थलों का अन्वेषण ब्रिटिश शासन के दौरान किया गया था। स्वतंत्रता के बाद, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) ने हमारी इमारतों, स्मारकों और स्थलों की रक्षा के अपने मिशन को जारी रखा।

ऐतिहासिक स्थल (Historical Sites)

ऐसे स्थल जो अतीत की घटनाओं से जुड़े होते हैं - जैसे कि शिकागो में आयोजित विश्व धार्मिक कांग्रेस (सम्मेलन, बैठक, घोषणा आदि), व्यक्तित्व और उनकी वस्तुएँ - जैसे साबरमती में महात्मा गांधी का आश्रम, घटनाएँ, युद्ध, आविष्कार, ऐतिहासिक महत्व की प्रयोगशालाएँ और फैक्ट्रियाँ।

याद रखने योग्य बिंदुः

* विरासत हमारी संपत्ति है। इसे संरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है।

* व्यावसायिक हितों द्वारा हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और प्रणालियों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। इसलिए हमारी अमूर्त विरासत की रक्षा करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

7.5 विरासत स्थलों के आसपास गाइडिंग (Guiding near Heritage Sites)

जंतर मंतर, जयपुर

हर स्मारक/ऐतिहासिक स्थल चाहे वह पुरातात्विक हो या विरासत स्थल, सभी अपनी बहुत सी कहानियाँ कहने के लिए तैयार रहते हैं। बिना गाइड या स्थल व्याख्याता के एक पर्यटक के द्वारा केवल स्थल का दौरा करना या भवन (महल/किले) के अवशेष देखना बेकार होता है। प्रशिक्षित गाइड पर्यटक को संकेत, आकृतियाँ, चित्र, आरेख, लिपियाँ, मूर्तियाँ और स्थल, स्मारक, तथा इमारत के महत्व को समझने में मदद करते हैं। कई स्थानों पर लेख और ऑडियो गाइड उपलब्ध होते हैं जो पर्यटकों को स्थल या स्मारक के महत्व को समझने में मदद करते हैं। भारत में, सरकार द्वारा लाइसेंस प्राप्त पर्यटक गाइडों को स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों में पर्यटकों को मार्गदर्शन करने की अनुमति होती है। चूंकि पर्यटक स्थलों पर प्रशिक्षित गाइडों की उपलब्धता अपेक्षाकृत कम है इसलिए कई राज्य सरकारों ने गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं।

एक पर्यटक गाइड का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है ताकि हर पर्यटक की यात्रा को एक संपूर्ण यात्रा बनाया जा सके। सही और तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करने की क्षमता लिपियों और चित्रों की जांच करने की क्षमता उन्हें सरल और आसान भाषा में पर्यटकों के लिए व्याख्या करने की क्षमता और आगंतुकों की जिज्ञासा को तथ्यात्मक जानकारी के साथ संतुष्ट करना पर्यटक गाइड के लिए आवश्यक कौशलों के अन्तर्गत आते हैं।

लगभग हर महत्वपूर्ण स्थल के पास आगंतुक व्याख्या केंद्र (विज़िटर इंटरप्रिटेशन सेंटर) भी होते हैं। भारत में, आगंतुक प्रबंधन और आगंतुक व्याख्या केंद्र (V.I.C.) की अवधारणा एक उभरती हुई धारणा है। V.I.C. गाइड पुस्तकों और जानकारी कार्यालय से लैस होते हैं जो आगंतुक को स्थल के बारे में पहली जानकारी प्रदान करने में मदद करते हैं। भारत के राष्ट्रीय उद्यानों में भी आगंतुक व्याख्या केंद्र होते हैं जो आगंतुकों को प्रकृति, पारिस्थितिकी तंत्र, वनस्पति और जीवों तथा संबंधित राष्ट्रीय उद्यानों की विशेषताओं के बारे में जानकारी देते हैं। V.I.C. स्थल के इतिहास और विरासत के संदर्भ में तस्वीरों ऑडियो-विज़ुअल मीडिया, टच स्क्रीन या विशेष मूवी शो के माध्यम से जानकारी प्रदान करते हैं। भारत के कई महत्वपूर्ण किलों जैसे लाल किला (दिल्ली), ग्वालियर किला (मध्य प्रदेश), चित्तौड़गढ़ किला (राजस्थान), और मंदिर स्थलों जैसे खजुराहो (मध्य प्रदेश), सोमनाथ (गुजरात) में लाइट एंड साउंड शो आयोजित किए जाते हैं जो पर्यटकों को आकर्षित

करते हैं। लाइट एंड साउंड शो इतिहास को रंगों के संयोजन से पुनः प्रस्तुत करते हैं जिसमें उचित ऑडियो पृष्ठभूमि का समर्थन होता है।

भारत के कई ऐतिहासिक स्थलों पर ऑडियो टूर भी उपलब्ध होते हैं जो विदेशी पर्यटकों के लिए बहुत सहायक होते हैं। ऑडियो गाइड (हेडफोन के साथ इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण) आगंतुक को सीमित संख्या के विकल्पों में से अपनी भाषा चुनने की अनुमति देता है। टिप्पणी जानकारीपूर्ण और प्रामाणिक होती है। आमतौर पर स्थल का एक नक्शा भी प्रदान किया जाता है ताकि विभिन्न स्थलों को पहचाना जा सके। विभिन्न बिंदुओं पर अंकित साइन बोर्ड आगंतुक को किसी विशेष स्थान पर रुकने और विवरण पढ़ने में मदद करते हैं। हालांकि यह आगंतुक को एक ऐतिहासिक स्थल के बारे में स्पष्ट जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है लेकिन इसमें गाइड/भाषा व्याख्याता के व्यक्तिगत स्पर्श की कमी होती है जो स्थल के इतिहास को स्थानीय रीति-रिवाजों और स्थानीय लोगों के साथ भी जोड़ सकता है। ऑडियो गाइड का एक और लाभ यह है कि यह एक लाइसेंस प्राप्त गाइड को किराए पर लेने की तुलना में सस्ता होता है। लेकिन कई बार गाइड केवल एक व्याख्याता ही नहीं होता बल्कि वह पर्यटकों को सही दिशा दिखाने और भीड़भाड़ वाले आकर्षण स्थलों में सही जानकारी प्राप्त करने में भी मदद कर सकता है। एक अच्छा गाइड भारतीय संस्कृति का दर्पण होता है और हर आगंतुक के लिए वह हमारी विरासत का राजदूत होता है।

गाइड के बारे में मुख्य आलोचना तथ्यों की गलत व्याख्या है लेकिन यह अनधिकृत/गैर-लाइसेंस प्राप्त गाइडों की अनुमति के कारण होती है जो अतिरिक्त आय के लिए मार्गदर्शन को शौकिया गतिविधि के रूप में करते हैं। यह पाया गया है कि पर्यटक भी अनधिकृत/गैर-लाइसेंस प्राप्त गाइडों की मदद लेते हैं ताकि पैसे की बचत हो सके लेकिन कई बार यह स्थल के बारे में तथ्यों की गलत व्याख्या की ओर ले जाता है। गाइड का खराब भाषा कौशल भी एक पर्यटक के लिए खराब अनुभव का कारण बन सकते हैं। संक्षेप में ऐतिहासिक स्थलों पर पर्यटकों का मार्गदर्शन करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आगंतुकों को सही जानकारी देता है और साथ ही यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के कई अवसर भी प्रदान करता है।

यह पाया गया है कि कई ऐतिहासिक स्थलों (निजी संपत्तियों) में प्रदर्शनों और स्थलों को उचित तरीके से बनाए रखा जाता है और समय-समय पर उनका रखरखाव किया जाता है। पर्यटकों की सुविधाओं का निर्माण किया जाता है जिससे न केवल संपत्ति की बल्कि भारतीय विरासत की भी अच्छी प्रतिष्ठा बन सके। उदाहरण के लिए राजस्थान के किलों और महलों का रख-रखाव बहुत अच्छे से किया गया है। महल या किले का स्टाफ अच्छी तरह से प्रशिक्षित होता है और वे न केवल पर्यटकों को दिशा निर्देश दे सकते हैं बल्कि स्थलों के ऐतिहासिक तथ्य और महत्व भी बता सकते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि आगंतुक कलाकृतियों, प्रदर्शनियों या स्थलों की सराहना करें और उन्हें खुद के हाथों से न छूएं या उन्हें विकृत या क्षतिग्रस्त न करें। कई स्थलों पर पान/गुटखा, तंबाकू उत्पाद और खाद्य सामग्री भी प्रतिबंधित हैं ताकि स्थल की पवित्रता बनाए रखी जा सके जो कि ज़रूरी भी है।

याद रखने योग्य बिंदुः

* एक पर्यटक गाइड किसी संस्कृति, परंपरा या विरासत स्थल का प्रतिनिधि होता है।
* गाइड की जिम्मेदारी है कि वह आगंतुकों को सही जानकारी प्रदान करे।
* अधिकारियों का कर्तव्य है कि वे स्थलों पर प्रशिक्षित गाइडों की उपलब्धता की जाँच करें।
* पर्यटक किसी स्थल या स्थान की प्रामाणिक और तथ्यात्मक जानकारी की तलाश करते हैं।
* पर्यटक किसी स्थल या आकर्षण को चुनने से पहले उससे संबंधित सभी जानकारी स्रोतों की खोज करते हैं।

7.6 ए.एस.आई. की भूमिका(Role of ASI)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का लोगो

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) ने 150 वर्षों से हमारी समृद्ध इतिहास की रक्षा की है। सर विलियम जोन्स ने भारत में पुरातात्विक और ऐतिहासिक अनुसंधानों की शुरुआत की थी। 1788 में प्रकाशित एशियाटिक रिसर्चेज ने भारत में ऐतिहासिक अवशेषों और अनेक स्मारकों के संरक्षण के एक नए क्षेत्र की शुरुआत की। जेम्स प्रिंसेप, जेम्स फर्ग्यूसन और सर अलेक्जेंडर कनिंघम ने स्मारकों का सर्वेक्षण और खोजों के दस्तावेजीकरण (documentation) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 1861 में सर अलेक्जेंडर कनिंघम को पुरातात्विक सर्वेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया और बाद में 1871 में उन्हें महानिदेशक नियुक्त किया गया। कनिंघम के सर्वेक्षणों से कई खोजें हुईं जैसे एकाश्म शिलालेख (monolithic inscriptions) और अशोक के अन्य अवशेष गुप्त और गुप्तोत्तर काल की वास्तुकला के नमूने, भरहुत का महान स्तूप और प्राचीन नगरों की पहचान जैसेः संकिसा, श्रावस्ती और कौशाम्बी। उन्होंने गुप्त काल के मंदिरों जैसे तिगवा, बिलसर, भीटारगाँव, कूथरा, देवगढ़ और गुप्तकालीन शिलालेखों जैसे; इरण उदयगिरी आदि को प्रमुखता दी है। ट्रेज़र ट्रोव अधिनियम 1878 ने सरकार को किसी भी खुदाई के दौरान पाए गए खजा़ने और पुरावशेषों को जब्त करने और उनकी सुरक्षा का अधिकार दिया है।

ए.एस.आई. भारत में पुरातात्विक अनुसंधान खोज, उत्खनन और राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों और स्थलों के संरक्षण में केंद्रित प्रमुख संस्था है। ए.एस.आई. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्य करती है। इसके कार्यों में शामिल हैंः

* पुरातात्विक अनुसंधान
* खोज

* राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण
* प्राचीन स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों का रखरखाव
* सभी पुरातात्विक गतिविधियों का विनियमन

स्मारक की परिभाषा (Definition of Memorial)

ए.एस.आई. के अनुसार स्मारक एक संरचना निर्माण, टीला, गुफा, शिला मूर्ति, शिलालेख, एकाश्म या ऐतिहासिक/पुरातात्विक रुचि की कोई भी चीज़ है जिसका अस्तित्व कम से कम 100 वर्षों से हो। ए.एस.आई. के तहत लगभग 3650 स्मारक आते हैं जिनमें मंदिर, मस्जिद, मकबरे, चर्च, कब्रिस्तान, किले, महल, बावड़ी, शिला-कट गुफाएँ और धर्मनिरपेक्ष वास्तुकला शामिल हैं जो सभ्यताओं के अवशेष या स्थल हैं।

प्रत्येक राज्य में भी एक पुरातत्व विभाग होता है जिसके अंतर्गत वे स्मारक और स्थल आते हैं जो ए.एस.आई. संरक्षित स्मारकों की सूची में नहीं होते। इन स्मारकों और स्थलों की देखभाल राज्य सरकार करती है।

7.7 भारत में विश्व धरोहर स्थल(World Heritage Sites in India)

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल एक ऐसा स्थान होता है (जिसमें जंगल, पर्वत, झील, द्वीप, रेगिस्तान, स्मारक, इमारत, परिसर, या शहर आदि आते हैं), जिसे यूनेस्को द्वारा विशेष सांस्कृतिक या प्राकृतिक धरोहर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। वैश्विक महत्व की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों की सूची बनाना यूनेस्को की एक पहल है जिसका उद्देश्य विशिष्ट धरोहरों के वैश्विक प्रतिनिधि को बचाना है। यूनेस्को की नई दृष्टि "धरोहर की परिभाषाओं से परे जाकर उन स्थलों को पहचानने और संरक्षित करने की कोशिश करती है जो भूमि के साथ मानव के सह-अस्तित्व साथ ही मानव संपर्क सांस्कृतिक सह-अस्तित्व, आध्यात्मिकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अद्वितीय प्रदर्शन हैं।"

2013 तक, 981 स्थल सूचीबद्ध थे 759 सांस्कृतिक, 193 प्राकृतिक और 29 मिश्रित संपत्तियाँ जो 160 देशों में स्थित हैं। देशों के अनुसार रैंक किए गए स्थलों में इटली के पास सबसे अधिक विश्व धरोहर स्थल हैं जिनकी संख्या 49 है इसके बाद चीन (45) और स्पेन (44) का स्थान आता है। विश्व धरोहर स्थलों के चयन के मापदंड इस प्रकार हैं:

1. मानव रचनात्मक प्रतिभा के उत्कृष्ट कृत्य का प्रतिनिधित्व करना।

2. किसी समय अवधि या विश्व के एक सांस्कृतिक क्षेत्र में मानव मूल्यों के महत्वपूर्ण आदान-प्रदान को प्रदर्शित करना जैसे कि वास्तुकला या प्रौद्योगिकी, स्मारक कला, नगर-योजना या परिदृश्य डिज़ाइन का विकास।

3. किसी सांस्कृतिक परंपरा या ऐसी सभ्यता का अद्वितीय या कम से कम असाधारण साक्ष्य प्रदान करना जो वर्तमान में जीवित है या जिसका अस्तित्व समाप्त हो गया है।

4. किसी प्रकार की इमारत वास्तुकला या प्रौद्योगिकी के उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में कार्य करना जो मानव इतिहास के महत्वपूर्ण चरणों को दर्शाता हो।

5. एक पारंपरिक मानव बस्ती, भूमि उपयोग, या समुद्र उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण होना जो किसी संस्कृति (या संस्कृतियों) या पर्यावरण के साथ मानव संपर्क का प्रतिनिधित्व करता हो विशेष रूप से जब वह अपरिवर्तनीय परिवर्तन के प्रभाव से कमजोऱ हो गया हो।

6. प्रत्यक्ष या ठोस रूप से किसी घटना, जीवित परंपराओं, विचारों, मान्यताओं, उत्कृष्ट सार्वभौमिक महत्व के कलात्मक और साहित्यिक कार्यों से संबंधित होना।

7. असाधारण प्राकृतिक घटनाओं या असाधारण प्राकृतिक सुंदरता और सौंदर्य महत्व के क्षेत्रों को शामिल करना।

8. पृथ्वी के इतिहास के प्रमुख चरणों का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्कृष्ट उदाहरण होना जिसमें जीवन का रिकॉर्ड, भू-आकृतियों (landforms) के विकास में चल रही महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक (geolgical) प्रक्रियाएं या महत्वपूर्ण भू-आकृति (geomorphic) या भौतिक (physical) विशेषताएं शामिल हैं।

9. स्थलीय मीठे पानी, तटीय और समुद्री पारिस्थितिक तंत्रों और पौधों और जानवरों के समुदायों के विकास में चल रही महत्वपूर्ण पारिस्थितिक और जैविक प्रक्रियाओं का उत्कृष्ट उदाहरण होना।

10. जैव विविधता के इन-सीटू संरक्षण के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक आवासों को शामिल करना जिनमें विज्ञान या संरक्षण के दृष्टिकोण से उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य की लुप्तप्राय प्रजातियाँ हों।

भारत में भी कई स्थल और स्मारक विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल हैं। इससे इन स्थलों को विशेष संरक्षण और महत्व मिलता है और साथ ही यह पर्यटकों को आकर्षित करता है क्योंकि यह सूची वैश्विक रूप से उपलब्ध है और नियमित यात्रियों की यात्रा सूची में प्रमुखता से देखी जाती है।

भारत के सांस्कृतिक विश्व धरोहर स्थल Cultural World Heritage Sites of India

क्रम संख्या	स्मारक का नाम	घोषणा का वर्ष	राज्य	संक्षिप्त विवरण
1	आगरा का किला	1983	उत्तर प्रदेश	किला, जहांगीर महल, खास महल, दीवान-ए-खास और मस्जिदें।
2	अजंता की गुफाएँ	1983	महाराष्ट्र	गुफा स्मारक जिनमें बौद्ध धार्मिक कला को दर्शाने वाली चित्रकारी और मूर्तियां हैं।
3	सांची के बौद्ध स्मारक	1989	मध्य प्रदेश	स्मारकों का समूह, स्तंभ, महल, मंदिर और मठ
4	चंपानेर-पावागढ़ पुरातात्त्विक उद्यान	2004	गुजरात	प्रागैतिहासिक स्थल और 8-14 ई. तक के स्तंभ, महल, मठ।
5	छत्रपति शिवाजी टर्मिनस	2004	महाराष्ट्र	गॉथिक शैली की इमारत - जिसे पहले विक्टोरिया टर्मिनस के नाम से जाना जाता था
6	एलोरा की गुफाएँ	1983	महाराष्ट्र	34 मठ और स्मारक जो 600 से 1000 ईस्वी तक के हैं, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और हिंदू धर्म को समर्पित।
7	एलीफेंटा की गुफाएँ	1987	महाराष्ट्र	हिंदू और बौद्ध धर्म की पत्थर की मूर्तियों वाले गुफा स्मारक।
8	फतेहपुर सीकरी	1986	उत्तर प्रदेश	आगरा से 37 किमी दूर स्थित ऐतिहासिक किला।
9	चोल मंदिर	1987	तमिलनाडु	तंजावुर में बृहदीश्वर मंदिर, गंगईकोंडा चोलपुरम, ऐरावतेश्वर मंदिर, दारासुरम।
10	हम्पी के स्मारक समूह	1987	कर्नाटक	विजयनगर के शासकों के काल में निर्मित स्मारक और मंदिर (14वीं से 16वीं शताब्दी ई.)
11	महाबलीपुरम के स्मारक समूह	1984	तमिलनाडु	कोरामंडल तट पर स्थित चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिर और मूर्तियां (7वीं और 8वीं शताब्दी ई.)

12	पट्टदकल के स्मारक समूह	1987	तमिलनाडु	चालुक्यों के काल (7वीं से 8वीं शताब्दी ई.) के दौरान निर्मित हिंदू और जैन मंदिरों का समूह।
13	हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली	1993	दिल्ली	भारत में पहला उद्यान मकबरा - 1570 में बनाया गया।
14	खजुराहो के मंदिर	1986	मध्य प्रदेश	चंदेल राजाओं (950 -1050 ई.) के दौरान निर्मित मंदिरों का समूह।
15	महाबोधि मंदिर, बोधगया	2002	बिहार	पूरी तरह से ईंटों से निर्मित सबसे पुराने बौद्ध मंदिरों में से एक। वर्तमान मंदिर का निर्माण 5वीं-6वीं शताब्दी ई.पू. में हुआ था लेकिन पहला मंदिर ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के दौरान सम्राट अशोक द्वारा बनाया गया था।
16	पर्वतीय रेलमार्ग	1999	पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश	दार्जिलिंग हिमालय, नीलगिरि माउंटेन रेलवे, कालका-शिमला।
17	कुतुब मीनार स्मारक, दिल्ली	1993	दिल्ली	13वीं शताब्दी की शुरुआत में निर्मित कुतुब मीनार की लाल बलुआ पत्थर की मीनार 72.5 मीटर ऊंची है। आसपास के पुरातात्विक क्षेत्र में अंत्येष्टि इमारतें हैं अलाई -दरवाज़ा गेट, (1311 में निर्मित) और दो मस्जिदें, जिनमें कुव्वतुल-इस्लाम भी शामिल है जो उत्तरी भारत में सबसे पुरानी है।
18	लाल किला परिसर, दिल्ली	2003	दिल्ली	लाल किला परिसर को सम्राट शाहजहाँ ने शाहजहाँनाबाद के महल किले के रूप में बनवाया था। इसे मुगल रचनात्मकता के चरम का प्रतिनिधित्व करने वाला माना जाता है।

19	भीमबेटका की शैलाश्रय	2003	मध्य प्रदेश	विंध्य पर्वत की तलहटी में स्थित, ये प्राकृतिक चट्टान आश्रय, ऐसी पेंटिंग प्रदर्शित करते हैं जो मध्यपाषाण काल से लेकर ऐतिहासिक काल तक की प्रतीत होती हैं।
20	सूर्य मंदिर, कोणार्क	1984	ओडिशा	माना जाता है कि इसका निर्माण 13वीं शताब्दी के दौरान हुआ था। ई. बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित कोणार्क का यह सूर्य मंदिर सूर्य देवता सूर्य के रथ का एक स्मारकीय प्रतिनिधित्व है। इसके 24 पहियों को प्रतीकात्मक डिजाइनों से सजाया गया है और इसका नेतृत्व छह घोड़ों की एक टीम करती है।
21	ताजमहल, आगरा	1983	उत्तर प्रदेश	इसे 1631 से 1648 तक सम्राट शाहजहाँ के शासनकाल के दौरान उनकी पसंदीदा पत्नी की याद में बनवाया गया था। ताज महल आज भी दुनिया के सात अजूबों में से एक है।
22	जंतर मंतर, जयपुर	2010	राजस्थान	यह 18वीं सदी की शुरुआत में बनाया गया एक खगोलीय अवलोकन स्थल है। इसमें सूर्य ग्रहों की गति का निरीक्षण करने और सौर मंडल का अध्ययन करने के लिए लगभग 20 मुख्य स्थिर उपकरणों का एक सेट शामिल है।

भारतीय में संयुक्त राष्ट्र विश्व धरोहर स्थल (सांस्कृतिक)

प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र Naturally Protected Areas

1. काजीरंगाः 1985
2. केओलादेओः 1985

3. मानसः 1985

4. नंदा देवी और फूलों की घाटीः 1988

5. सुंदरबनः 1987

6. पश्चिमी घाटः 2012

विश्व धरोहर स्थलों में 2013 में शामिल निम्नलिखित पहाड़ी किलेः

1. चित्तौड़गढ़
2. कुंभलगढ़
3. रणथंभौर
4. जैसलमेर
5. आमेर
6. गागरोन

ये किले क्रमशः चित्तौड़गढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, जयपुर और झालावाड़ जिलों में स्थित हैं।

7.8 सारांश(Summary)

इस इकाई में आपको पर्यटन के इतिहास से जुड़ाव समझाया गया है। संक्षेप में धरोहर के महत्व को बताया गया है। पुरातात्त्विक स्थलों के बारे में मार्गदर्शन करना आगंतुकों को हमारी धरोहर के मूल्य को समझने में मदद करेगा। इसके साथ ही यूनेस्को की धरोहर स्थलों को संरक्षित करने में भूमिका को समझना भी आवश्यक है।

समीक्षा प्रश्न (Review Questions)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. निम्नलिखित में से कौन एक मूर्त स्थानांतरित संसाधन नहीं है?

   A. ताज महल B. होली

   C. महाबोधि मंदिर D. मेहरानगढ़ किला

2. दिए गए विकल्पों में से एक मूर्त स्थानांतरित संसाधन की पहचान करें।

SCERT DELHI

A. नृत्य करती लड़की की कांस्य मूर्ति B. साँची स्तूप

C. जंतर मंतर D. गेटवे ऑफ इंडिया

3. दिए गए विकल्पों में से अमूर्त धरोहर संसाधन से संबंधित सही विकल्प चुनें।

1. गंगा आरती 2.होली 3.कथक 4.लाल किला

A. 1,2,3 B. 1,3,4

C. 4,3,2 D. 2,4,1

4. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले सर्वेक्षक कौन थे?

A. विलियम जोन्स B. जेम्स फर्ग्यूसन

C. अलेक्जेंडर कनिंघम D. जॉन रिचर्ड

5. 1878 के किस अधिनियम ने खजाने और पुरावशेषों की जब्ती और सुरक्षा के लिए सरकार को सभी शक्तियाँ प्रदान कीं?

A. धरोहर पथ अधिनियम B. भारतीय एएसआई अधिनियम

C. शाही खजाना अधिनियम D. ट्रेज़र ट्रोव अधिनियम

6. एएसआई के अनुसार एक स्मारक को धरोहर के अंतर्गत माना जाने के लिए कितने वर्ष पुराना होना चाहिए?

A. 100 वर्ष से कम नहीं B. 50 वर्ष से अधिक

C. 500 वर्ष से अधिक D. 850 वर्ष से कम नहीं

7. निम्नलिखित में से कौन सा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का प्रकार नहीं है?

A. प्राकृतिक B. सांस्कृतिक

C. आर्थिक D. मिश्रित

8. निम्नलिखित में से कौन सी जोड़ी सही नहीं है?

A. आगरा का किला – उत्तर प्रदेश B. अजंता गुफाएँ – कर्नाटक

C. एलोरा गुफाएँ – महाराष्ट्र D. चोल मंदिर – तमिलनाडु

SCERT DELHI

9. निम्नलिखित में से कौन सी साइट भारत की प्रारंभिक चार यूनेस्को धरोहर स्थलों में शामिल नहीं थी?

A. अजंता गुफाएँ   B. एलोरा गुफाएँ

C. ताज महल   D. जंतर मंतर

10. वर्तमान में दिल्ली में यूनेस्को के तीन स्मारक हैं। नीचे दिए गए विकल्पों में से सही तीन का चयन करें:

A. जंतर मंतर, लाल किला, हुमायूँ का मकबरा   B. लाल किला, कुतुब मीनार, पुराना किला

C. लाल किला, हुमायूँ का मकबरा, कुतुब मीनार   D. पुराना किला, जंतर मंतर, लोटस टेम्पल

उत्तर:

1: B होली 2: A नृत्य करती लड़की की कांस्य मूर्ति 3: A1,2,3, 4: Cअलेक्जेंडर कनिंघम 5: D ट्रेज़र ट्रोव अधिनियम 6: A100 वर्ष से कम नहीं 7: C आर्थिक 8: B अजंता गुफाएँ – कर्नाटक 9: D जंतर मंतर 10: C लाल किला, हुमायूँ का मकबरा, कुतुब मीनार

रिक्त स्थान भरें (Fill In The Blanks)

1. इतिहास _______________ महत्वपूर्ण घटनाओं का क्रमिक रिकॉर्ड है।

2. धरोहर को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी _______________ है।

3. _______________ हितों को हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और प्रणालियों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।

4. _________________ कुछ मानदंडों के आधार पर एक स्थल को धरोहर स्थल घोषित करता है।

5. भारत में, सरकार द्वारा ________________ पर्यटक गाइडों को स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों में पर्यटकों का मार्गदर्शन करने की अनुमति है।

6. ________________ शो इतिहास को रंगों के संयोजन के साथ उचित ऑडियो पृष्ठभूमि के माध्यम से पुनःनिर्मित करते हैं।

7. ऑडियो गाइड एक आगंतुक को सीमित विकल्पों में से अपनी ________________ चुनने की अनुमति देता है।

8. ए.एस.आई. _______________ मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

9. यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल मानव रचनात्मक ________________ का एक उत्कृष्ट कृति प्रस्तुत करते

SCERT DELHI

हैं।

10. ________________ किले एक साथ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का गठन करते हैं।

उत्तरः

1: क्रमिक 2: संपत्ति 3: व्यावसायिक 4: यूनेस्को 5: लाइसेंस प्राप्त 6: लाइट एंड साउंड 7: भाषा 8: संस्कृति 9: प्रतिभा 10: छह

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. इतिहास और धरोहर में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तरः इतिहास महत्वपूर्ण घटनाओं का 'क्रमिक रिकॉर्ड' है। इसमें घटनाओं के तथ्य और कारणों की व्याख्या भी शामिल होती है। दूसरी ओर धरोहर वह है जो हमने अपने पूर्वजों से प्राप्त किया है। धरोहर में भौतिक और अमूर्त तत्व शामिल हैं जैसे समाज-सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और यहां तक कि मनोवैज्ञानिक पहलू जो पीढ़ियों द्वारा आगे बढ़ाए जाते हैं।

2. यूनेस्को सांस्कृतिक धरोहर को कैसे परिभाषित करता है?

उत्तरः यूनेस्को 'सांस्कृतिक धरोहर' को भौतिक प्रतीकों के पूरे संग्रह के रूप में परिभाषित करता है - चाहे वह कलात्मक हो या प्रतीकात्मक - जिसे प्रत्येक संस्कृति और इस प्रकार संपूर्ण मानव जाति तक पहुँचाने के लिए अतीत से हस्तांतरित किया गया है।

3. धरोहर स्थल क्या हैं?

उत्तरः धरोहर स्थल वे सभी स्थल हैं जो ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। यूनेस्को कुछ मानदंडों को पूरा करने के आधार पर किसी स्थल, स्मारक, शहर या प्राकृतिक स्थल को अपने सूची में शामिल करता है।

4. आप ऐतिहासिक स्थलों से क्या समझते हैं?

उत्तरः वे स्थल जो घटनाओं से जुड़े हैं जैसे - शिकागो में आयोजित विश्व धार्मिक कांग्रेस (सम्मेलन, बैठकें, घोषणा) और महात्मा गांधी का साबरमती आश्रम, घटनाएं, युद्ध, आविष्कार और ऐतिहासिक महत्व की प्रयोगशालाएँ और फैक्ट्रियाँ।

5. धरोहर स्थल पर पर्यटक अनुभव के लिए गाइड कितने महत्वपूर्ण हैं?

उत्तरः किसी पर्यटक के लिए बिना गाइड के स्थल या इमारत (महल/किले) को देखना बिना मतलब का होता

है। प्रशिक्षित गाइड एक पर्यटक को संकेतों, आकृतियों, चित्रों, स्क्रिप्ट्स, मूर्तियों, स्थल, स्मारक और इमारत के महत्व को समझने में मदद करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. पर्यटन में इतिहास का महत्व क्या है?

उत्तरः पर्यटन में इतिहास का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि इतिहास के माध्यम से ही हम विभिन्न स्थानों की वास्तविकता को समझ सकते हैं। जब भी लोग किसी नए स्थान पर जाते हैं वे वहाँ के बारे में अधिक से अधिक जानने की कोशिश करते हैं। यह जानने की जिज्ञासा होती है कि वहाँ की संस्कृति कैसी है वहाँ की सभ्यता कैसे विकसित हुई और वहाँ का वर्तमान स्वरूप कैसा है। इन सभी प्रश्नों के उत्तर पाने के लिए उस स्थान के इतिहास को जानना आवश्यक हो जाता है।

जब पर्यटक किसी ऐतिहासिक स्थल पर जाते हैं तो उनके मन में कई प्रश्न उठते हैं जैसे कि उस स्थल का निर्माण कब हुआ उसका उद्देश्य क्या था उसका उपयोग कैसे किया जाता था और कौन उस स्थल का निर्माण करने वाला था। ये सभी प्रश्न उस स्थल से जुड़े गहरे अर्थों को उजागर करते हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई पर्यटक भारत के ताजमहल की यात्रा पर जाता है तो उसके मन में यह जानने की इच्छा होती है कि यह खूबसूरत इमारत किसने बनाई किस उद्देश्य से बनाई गई और इसके निर्माण में किस प्रकार की वास्तुकला का प्रयोग किया गया। ताजमहल का इतिहास हमें मुगलों की कला, संस्कृति और उनके शासन के दौरान हुई तकनीकी प्रगति के बारे में बताता है।

इतिहास का अध्ययन न केवल पर्यटकों की जिज्ञासा को संतुष्ट करता है बल्कि उन्हें यह भी सिखाता है कि कैसे समय के साथ सभ्यता का विकास हुआ और किस प्रकार विभिन्न घटनाओं का प्रभाव स्थलों पर पड़ा। भारत के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का इतिहास न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आकर्षण का केंद्र है जिससे विदेशी पर्यटक यहाँ की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति आकर्षित होते हैं। इस प्रकार इतिहास का महत्व पर्यटन में इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि यह हमें स्थलों की गहरी समझ और सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ता है।

2. धरोहर स्थल पर पर्यटक का मार्गदर्शन करने वाले गाइड से पर्यटकों की मुख्य अपेक्षाएँ क्या होती हैं?

उत्तरः किसी धरोहर स्थल की यात्रा के दौरान पर्यटक गाइड एक अहम भूमिका निभाते हैं। एक अच्छे गाइड की वजह से पर्यटक का अनुभव अधिक दिलचस्प और ज्ञानवर्धक बनता है। पर्यटक गाइड से पर्यटकों की कई अपेक्षाएँ होती हैं जो उन्हें स्थल के प्रति अधिक जानकारीपूर्ण अनुभव प्रदान करती हैं।

SCERT DELHI

* सबसे पहले पर्यटक यह अपेक्षा करते हैं कि गाइड उन्हें स्थल के बारे में सही और तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करे। गाइड का कार्य है कि वह ऐतिहासिक तथ्यों संरचनाओं और स्थापत्य कला के बारे में सटीक जानकारी दे ताकि पर्यटक उस स्थान की ऐतिहासिकता को समझ सकें।

* गाइड की यह जिम्मेदारी होती है कि वह स्क्रिप्ट्स, चित्रों, शिलालेखों और स्थल से जुड़े अन्य सांकेतिक तत्वों की व्याख्या सरल शब्दों में कर सके। पर्यटक गाइड से उम्मीद करते हैं कि वह शब्दों के माध्यम से उस स्थल की कहानी इस प्रकार से प्रस्तुत करे कि उसे सुनने में दिलचस्पी बनी रहे और साथ ही तथ्यों की जानकारी प्राप्त हो।

* गाइड से यह भी अपेक्षा होती है कि वह उस स्थल की जानकारी को ऐसी भाषा में प्रस्तुत करे जो सभी के लिए आसान हो। भाषा में स्पष्टता होनी चाहिए ताकि पर्यटकों के मन में कोई भ्रम न हो और वे स्थल की सभी जानकारी को आसानी से समझ सकें।

* एक अन्य महत्वपूर्ण अपेक्षा यह होती है कि गाइड पर्यटकों की जिज्ञासा को पूरा करे। विभिन्न पर्यटकों के मन में स्थल से संबंधित अलग-अलग प्रकार के प्रश्न हो सकते हैं और एक अच्छा गाइड वही होता है जो उन प्रश्नों के संतोषजनक और तथ्यात्मक उत्तर दे सके। गाइड की जानकारी और प्रस्तुति शैली स्थल के प्रति पर्यटक की रूचि और अनुभव को बढ़ाने में सहायक होती है।

इन सभी अपेक्षाओं के साथ, गाइड की भूमिका केवल जानकारी देना ही नहीं बल्कि पर्यटकों को उस स्थल से भावनात्मक रूप से जोड़ना भी होती है। एक अच्छा गाइड स्थल की महत्ता उसकी संस्कृति और इतिहास के माध्यम से पर्यटकों को एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है।

3. V.I.C. क्या हैं?

उत्तरः V.I.C. का पूरा नाम विजिटर इंटरप्रिटेशन सेंटर होता है। ये केंद्र लगभग हर महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के पास स्थित होते हैं और एक उभरते हुए विचार के रूप में लोकप्रिय हो रहे हैं। विजिटर इंटरप्रिटेशन सेंटर का उद्देश्य पर्यटकों को स्थल के बारे में प्राथमिक जानकारी प्रदान करना है ताकि वे उस स्थल को और गहराई से समझ सकें। यह सेंटर गाइड बुक्स, सूचना कार्यालय और इंटरप्रिटेशन सेवाओं के साथ स्थापित किए जाते हैं जो पर्यटकों को स्थलों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पहलुओं को समझने में मदद करते हैं।

भारत के राष्ट्रीय उद्यानों में भी विजिटर इंटरप्रिटेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं जो पर्यटकों को प्रकृति, पारिस्थितिकी, वनस्पति और जीव-जंतुओं के बारे में गहन जानकारी प्रदान करते हैं। इन केंद्रों में पर्यटकों के लिए प्रदर्शनी, वीडियो प्रस्तुतियाँ और सूचना बोर्ड होते हैं जो स्थल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी को संक्षिप्त और रोचक रूप में प्रस्तुत करते हैं।

विजिटर इंटरप्रिटेशन सेंटर का उद्देश्य सिर्फ सूचनात्मक होना नहीं बल्कि पर्यटकों को एक प्रेरणादायक अनुभव

SCERT DELHI

प्रदान करना भी है ताकि वे स्थलों की महत्ता को समझ सकें और उसके प्रति आदर और संवेदनशीलता विकसित कर सकें। यह केंद्र एक प्रकार से पर्यटकों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं और उनकी जिज्ञासा को संतुष्ट करने में सहायक होते हैं।

4. ऑडियो गाइड पर्यटक को अपनी भाषा में गंतव्य के बारे में जानने की अनुमति देता है लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। ऑडियो गाइड के नुकसान क्या हैं?

उत्तरः ऑडियो गाइड का उपयोग कई पर्यटक स्थलों पर किया जाता है क्योंकि यह पर्यटकों को उनकी पसंदीदा भाषा में स्थल के बारे में जानकारी प्रदान करता है। यह पर्यटकों के लिए बहुत ही सुविधाजनक होता है क्योंकि वे आसानी से एक ऐतिहासिक स्थल की जानकारी को सुन और समझ सकते हैं।

हालाँकि ऑडियो गाइड में कई लाभ होते हुए भी कुछ कमियाँ होती हैं। सबसे बड़ी कमी यह है कि इसमें गाइड के व्यक्तिगत स्पर्श की कमी होती है। गाइड का व्यक्तिगत स्पर्श और उनका संवाद स्थल की भावना को जीवंत बनाता है जो कि ऑडियो गाइड में संभव नहीं हो पाता। गाइड के माध्यम से पर्यटक स्थल से जुड़े किस्से, मान्यताएँ और अन्य स्थानीय संस्कृति को समझ पाते हैं जबकि ऑडियो गाइड में यह अनुभव नहीं हो पाता।

ऑडियो गाइड पर्यटकों को स्थल के इतिहास की जानकारी तो देता है लेकिन कभी-कभी स्थानीय रीति-रिवाजों और संस्कृति के साथ उस जानकारी का संबंध जोड़ना कठिन हो सकता है। साथ ही ऑडियो गाइड में व्यक्तिगत बातचीत की कमी होती है जो कि एक वास्तविक गाइड से मिलकर मिलती है। यह कमी कई पर्यटकों के लिए एक अधूरा अनुभव बन जाती है क्योंकि वे केवल रिकॉर्डेड जानकारी सुनते हैं और सवाल पूछने का अवसर नहीं मिलता।

इस प्रकार ऑडियो गाइड अपनी सीमाओं में रहकर जानकारी तो प्रदान करता है लेकिन वह एक संपूर्ण अनुभव नहीं दे पाता जो पर्यटक एक वास्तविक गाइड से प्राप्त कर सकते हैं।

5. पर्यटक गाइड की मुख्य आलोचनाएँ क्या हैं?

उत्तरः पर्यटन गाइड्स की कई बार आलोचना की जाती है और इसका प्रमुख कारण तथ्यों की गलत व्याख्या करना है। गाइड्स की यह आलोचना विशेष रूप से अनधिकृत गाइड्स और अलाइसेंस्ड गाइड्स के कारण होती है जो अतिरिक्त आय कमाने के लिए गाइड का कार्य करते हैं। ये गाइड्स अक्सर स्थल की सटीक और प्रमाणिक जानकारी नहीं दे पाते और भ्रमित करने वाली जानकारियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं। यह पर्यटकों के अनुभव को नकारात्मक बना सकता है और उनके मन में स्थल के प्रति गलत धारणाएँ उत्पन्न कर सकता है।

दूसरी आलोचना भाषा के कौशल से संबंधित होती है। यदि गाइड की भाषा स्पष्ट नहीं है या वे अपनी बात को प्रभावशाली तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते तो पर्यटक को स्थल के बारे में समझने में कठिनाई होती है। खराब भाषा कौशल या कमजोर संप्रेषण क्षमता के कारण कई बार गाइड्स पर्यटकों के लिए एक असंतोषजनक

SCERT DELHI

अनुभव बना देते हैं।

इसके अतिरिक्त कुछ गाइड्स का व्यवहार भी आलोचना का कारण बनता है। अगर गाइड का व्यवहार असभ्य है या वह पर्यटकों के प्रति सम्मानपूर्ण नहीं है तो यह पर्यटक के अनुभव को प्रभावित कर सकता है और उनके पर्यटन अनुभव को नकारात्मक बना सकता है।

इन आलोचनाओं के कारण पर्यटक गाइड्स को बेहतर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है ताकि वे अपनी भूमिका को बेहतर तरीके से निभा सकें और पर्यटकों को एक समृद्ध अनुभव प्रदान कर सकें।

SCERT DELHI

पर्यटन संगठन और प्रवृत्तियाँ

इकाई 8

8.1 परिचय (Introduction)

आज पर्यटन विश्व की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। यह एक उल्लेखनीय घटना है जो सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय प्रभाव डालती है। पर्यटन जैसी बहुआयामी उद्योग के संचालन के लिए विभिन्न खिलाड़ियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक होती है जिनमें 'पर्यटन संगठन' एक प्रमुख समूह हैं।

पर्यटन के विश्वभर में तीव्र विस्तार के साथ, कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के पर्यटन संगठन उभर कर सामने आए हैं जो , अंतर्राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, राज्य या स्थानीय स्तरों पर कार्यरत हैं। उदाहरण के लिए संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO), पैसिफिक एशिया टूरिज्म एसोसिएशन (PATA), वर्ल्ड टूरिज्म एंड ट्रैवल काउंसिल (WTTC) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत प्रमुख संगठन हैं। इसके अलावा विभिन्न सरकारी मंत्रालयों/विभागों/डिवीजनों, यात्रा एजेंसियों और टूर ऑपरेटरों के संघ और पर्यटन क्लब भी पर्यटन संगठनों के उदाहरण हैं।

इस इकाई में कुछ चयनित संगठनों के महत्व, भूमिका और कार्यों पर चर्चा की गई है और साथ ही पर्यटन में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) की अवधारणा पर भी ध्यान दिया गया है। स्थानीय निकायों और गैर-सरकारी संगठनों (NGO) की भूमिका भी इसमें शामिल है। इस कोर्स की अंतिम इकाई के रूप में इससे पहले के सभी इकाइयों का सारांश भी दिया गया है, जिसमें पर्यटन की वृद्धि और विकास के लिए उत्तरदायी कारकों और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला गया है। यह छात्रों को पर्यटन उद्योग के विकास और संचालन के व्यापक दृष्टिकोण को समझने में सक्षम करेगा।

8.2 भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की भूमिका (Role of Ministry of Tourism, Government of India)

सभी देश जो पर्यटन में संलग्न हैं उन्हें अपनी पर्यटन विकासात्मक गतिविधियों के उचित दिशा-निर्देशन और नियंत्रण के लिए एक राष्ट्रीय पर्यटन संगठन (NTO) की आवश्यकता होती है। यह (NTO) एक पूर्ण मंत्रालय, एक महानिदेशालय, एक विभाग, एक निगम या एक बोर्ड हो सकता है जिसका ढांचा देश-देश में भिन्न हो सकता है। 1963 में रोम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय यात्रा और पर्यटन सम्मेलन ने प्रत्येक देश में एक राष्ट्रीय पर्यटन संगठन (NTO) की स्थापना पर जोर दिया। इसे एक समृद्ध और गतिशील पर्यटन

SCERT DELHI

उद्योग के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण नींव माना गया। भारत में पर्यटन मंत्रालय देश का राष्ट्रीय पर्यटन संगठन (NTO) के रूप में कार्य करता है। इसका नेतृत्व पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) करते हैं जबकि सचिव (पर्यटन) प्रशासनिक प्रमुख और पर्यटन के महानिदेशक (DG) के रूप में कार्य करते हैं। पर्यटन मंत्रालय के तहत निम्नलिखित विभाग आते हैं:

* देश में 20 क्षेत्रीय कार्यालय
* 14 विदेश कार्यालय
* सहायक कार्यालय/परियोजनाएँ जैसे भारतीय स्कीइंग और पर्वतारोहण संस्थान (IISM)/ गुलमर्ग विंटर स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट
* एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम: भारत पर्यटन विकास निगम (ITDC)
* दो स्वायत्त संस्थान: भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (IITTM) और राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं कैटरिंग टेक्नोलॉजी परिषद (NCHMCT)

पर्यटन मंत्रालय की प्राथमिक भूमिका पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों का निर्माण करना है और इसमें विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों, राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श और सहयोग करना शामिल है।

आपके आसान संदर्भ के लिए मंत्रालय के मुख्य कार्यों की रूपरेखा नीचे दी गई है:

(i) सभी नीति मामलों सहित:

a) विकास नीतियाँ

b) प्रोत्साहन

c) बाहरी सहायता

d) जनशक्ति विकास

e) संवर्धन और विपणन

f) निवेश सुविधा

g) विकास रणनीतियाँ (ix) क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यों की समग्र समीक्षा

(ii) योजना (x) समेकित वित्त मामलों

SCERT DELHI

(iii) अवसंरचना और उत्पाद विकास

a) केंद्रीय सहायता

b) पर्यटन उत्पादों का वितरण (xi) राजभाषाः

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

(iv) नियमन

a) मानक

b) दिशानिर्देश (xii) योजना समन्वय

(v) अनुसंधान, विश्लेषण, निगरानी और मूल्यांकन (xiii) बजट समन्वय और संबंधित मामले

(vi) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और बाहरी सहायता

a) अंतर्राष्ट्रीय निकाय

b) द्विपक्षीय समझौते

c) बाहरी सहायता

d) विदेशी तकनीकी सहयोग (xiv) सतर्कता मामले

(vii) विधायी और संसदीय कार्य (xv) विदेशी विपणन (OM) कार्य

(viii) अन्य मंत्रालयों, विभागों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के साथ समन्वय

पर्यटन मंत्रालय के कार्य

SCERT DELHI

8.3 राज्य पर्यटन विकास निगमों (STDC) की भूमिका (Role of State Tourism Development Corporations (STDC))

भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक पर्यटन विभाग या निदेशालय होता है जो उनके अधिकार क्षेत्र के भीतर पर्यटन गतिविधियों की नियमित देखरेख योजना और समन्वय के लिए जिम्मेदार होता है। इनका मुख्य उद्देश्य पर्यटन स्थलों का विकास विभिन्न पर्यटन स्थलों पर प्रचार साहित्य का प्रकाशन मेलों और त्योहारों का आयोजन पर्यटन आकर्षणों पर फिल्मों और वीडियो टेप का निर्माण, नए पर्यटन स्थलों की खोज, निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित और सहायता प्रदान करना आदि है।

हाल के वर्षों में लगभग सभी राज्यों द्वारा पर्यटन पर बढ़ते जोर के साथ विशेष रूप से आर्थिक विकास के लिए इन विभागों/निदेशालयों के कार्यों का विविधीकरण हुआ है। इसके कारण पर्यटन के बुनियादी ढांचे के विकास और इसके प्रचार-प्रसार और व्यावसायिक पहलुओं को अधिक पेशेवर तरीके से संभालने के लिए एक अलग शाखा की आवश्यकता महसूस की गई।

इसी क्रम में अधिक सक्रिय पर्यटन राज्यों ने केंद्रीय सरकार के पर्यटन मंत्रालय के अंतर्गत 1996 में स्थापित भारत पर्यटन विकास निगम (ITDC) के मॉडल का अनुसरण करते हुए राज्य पर्यटन विकास निगम (STDC) स्थापित करना शुरू किया। कुछ प्रमुख राज्य पर्यटन विकास निगम (STDC) इस प्रकार हैंः

* आंध्र प्रदेश पर्यटन विकास निगम
* कर्नाटक पर्यटन विकास निगम
* केरल पर्यटन विकास निगम
* मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम
* राजस्थान पर्यटन विकास निगम
* महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम
* जम्मू और कश्मीर पर्यटन विकास निगम
* तमिलनाडु पर्यटन विकास निगम
* बिहार पर्यटन विकास निगम

STDC के मुख्य उद्देश्यः

लगभग सभी स्थितियों में STDC का मुख्य उद्देश्य पर्यटन बुनियादी ढांचे का विकास और पर्यटन संसाधनों का व्यावसायीकरण करना है। इनमें से कई निगम होटल और पर्यटन बंगलों का विकास संचालन और प्रबंधन करते हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व और विकास के स्तर के आधार पर STDC की भूमिका और जिम्मेदारी राज्य दर राज्य भिन्न हो सकती है। हालांकि कुछ सामान्य कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैंः

* आवासीय इकाइयों का प्रबंधन
* परिवहन सुविधाएं
* खानपान सेवाएं

SCERT DELHI

* पैकेज टूर
* कैफेटेरिया आदि।

8.4 सार्वजनिक-निजी भागीदारी (Public Private Partnership (PPP)

पर्यटन में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) एक वैश्विक स्तर पर उपयोग की जाने वाली सहयोगात्मक विधि है जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों के लिए लाभकारी साझा लक्ष्यों को प्राप्त करना है। भारत में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए PPP को एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में अपनाया गया। इसके महत्व को देखते हुए UNWTO ने भी हालिया 2008-09 वैश्विक आर्थिक संकट के बाद यात्रा व्यवसाय में आई मंदी को दूर करने के लिए ऐसे उपक्रमों का प्रस्ताव रखा। अब हम पर्यटन विकास में PPP की भूमिका का अध्ययन करेंगे।

सार्वजनिक क्षेत्र (सरकार) के हित (Public Sector (Government) Interests):

* उद्योग का विकास
* निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन
* पूंजी निवेश
* उपलब्ध राज्य वित्त का लाभ उठाने की आवश्यकता
* प्रशासनिक लागत में कमी
* गुणवत्ता और समय-सीमा के भीतर डिलीवरी

निजी क्षेत्र के हित (Private Sector Interests):

* आकर्षक व्यावसायिक वातावरण
* उद्योग के अनुकूल नीतियों का प्रोत्साहन
* कम ब्याज दर पर वित्त विकल्प
* लालफीताशाही (red tape) का उन्मूलन
* प्रोत्साहन और प्रचारक समर्थन

सार्वजनिक-निजी भागीदारी क्यों? (Why Public-Private Partnership?)

सेवा क्षेत्रों में अवसंरचना के विकास के लिए PPP एक ऐसा तंत्र है जिसका उद्देश्य संसाधनों का अधिकतम उपयोग करके और अधिक विकास प्राप्त करना है। यह विकल्प विशेष रूप से तब अपनाया जाता है जब कोई

SCERT DELHI

राज्य वित्तीय बाधाओं के कारण बड़े अवसंरचना विकास और रखरखाव परियोजनाओं को शुरू करने की स्थिति में नहीं होता है। भारत के कई राज्यों ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी की मदद से पर्यटन परियोजनाओं को शुरू किया है। राज्य सरकार निजी क्षेत्र को पर्यटन परियोजनाओं में निवेश करने की अनुमति देती है जिसमें राज्य सरकार की सहायता या केंद्रीय निकायों से अनुदान भी शामिल होता है। हवाई अड्डे, एक्सप्रेसवे, होटल और रेस्तरां, पार्कों का विकास, शॉपिंग मॉल, सम्मेलन केंद्र आदि कुछ ऐसे आकर्षक निवेश विकल्प हैं जहाँ PPP मॉडल को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।

8.5 स्थानीय निकायों और गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) की भूमिका (Role of local bodies and non-governmental organizations (NGOs))

पर्यटन स्थल की आकर्षण क्षमता एक महत्वपूर्ण कारक है जो पर्यटक की कुल संतुष्टि स्तर को निर्धारित करती है। जब कोई पर्यटक छुट्टी पर जाने का निर्णय लेता है तो वह तनाव मुक्त समय की कल्पना करता है जिसमें कुछ विशिष्ट अपेक्षाएं होती हैं जो उसकी रोज़मर्रा की दिनचर्या से अलग हों। गंतव्य स्थल पर आरामदायक ठहराव लगभग पर्यटक का जन्मसिद्ध अधिकार माना जाता है और इसके लिए आवश्यक है कि वहाँ की सुविधाएं पूरी तरह से उपलब्ध और कार्यशील हों।

स्थानीय निकाय किसी पर्यटन स्थल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नीति निर्माण का कार्य प्रायः राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर उच्च स्तर की सरकार द्वारा किया जाता है लेकिन इन नीतियों को लागू करने की ज़िम्मेदारी स्थानीय निकायों पर होती है। भारतीय संदर्भ में स्थानीय निकायों के उदाहरण हो सकते हैं नगरपालिका निगम, जिला परिषद, ग्राम पंचायत, या विकास प्राधिकरण जैसे दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA)। इन निकायों का किसी क्षेत्र की छवि पर पर्यटक गंतव्य के रूप में गहरा प्रभाव होता है। यह एक स्वीकृत तथ्य है कि पर्यटक उन स्थानों पर जाना पसंद करते हैं जहाँ सामान्य वातावरण सुरक्षित और स्वच्छ हो, अच्छी कनेक्टिविटी हो और बुनियादी ढाँचा अच्छी तरह से स्थापित हो।

कुछ प्रमुख सुविधाएँ जो स्थानीय निकायों के दायरे में आती हैं और जिनकी अनुपस्थिति पर्यटन के विकास में बाधक होती हैं वे निम्नलिखित हैं:

1. सड़कें
2. यातायात प्रबंधन
3. संकेतों की स्थापना और रखरखाव
4. स्वच्छता और शौचालय
5. कचरा निपटान

SCERT DELHI

6. जल आपूर्ति

7. मनोरंजन और पार्कों का विकास

8. प्रदूषण की निगरानी और नियंत्रण

9. स्वास्थ्य जोखिम और चिकित्सा सहायता

10. शॉपिंग सेंटर

11. स्थानीय परिवहन - शहरों और कस्बों के भीतर स्थानीय परिवहन प्रदान करना साथ ही शहरों/कस्बों से पर्यटक स्थलों तक परिवहन की सुविधा प्रदान करना संबंधित स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी होती है।

12. सुरक्षा, कानून और व्यवस्था

उपरोक्त दी गई सुविधाएँ स्थानीय निकायों द्वारा आमतौर पर साझा संसाधन के रूप में प्रदान की जाती हैं, जिसका अर्थ यह है कि ये संसाधन निवासियों और पर्यटकों दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसलिए इन साझा संसाधनों का प्रबंधन एक संवेदनशील मुद्दा बन जाता है। जब संसाधनों की कमी होती है या पर्यटन-आधारित सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाती है तो स्थानीय लोगों को नजरअंदाज किया जाता है जिससे पर्यटकों के प्रति असंतोष और विरोध की भावना उत्पन्न होती है।

आज गैर-सरकारी संगठन (NGO) भी समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। NGO विभिन्न उद्देश्यों के लिए गठित होते हैं और कई मुद्दों पर काम करते हैं। ये अच्छे शासन की दिशा में प्रमुख दबाव समूह के रूप में कार्य करते हैं। आज पर्यटन को लगभग सभी स्थलों द्वारा राजस्व कमाने के प्रमुख स्रोत के रूप में देखा जा रहा है। अधिकांश मामलों में, पर्यटन विकास को उचित योजना और शोध के बिना शुरू किया जाता है जबकि पर्यटन उद्योग का बहुआयामी स्वभाव और अन्य क्षेत्रों के साथ इसके संपर्कों की आवश्यकता होती है। इसके परिणामस्वरूप कई नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होते हैं विशेष रूप से जब ये विकास व्यावसायिक व्यापक (mass) पर्यटन गतिविधियों की ओर बढ़ते हैं।

सरकारी प्रशासनिक तंत्र अक्सर पर्यटन व्यापार के सभी पक्षकारों के बीच समन्वय और संवाद की एक सक्रिय और सकारात्मक धारा स्थापित करने में विफल रहता है। इस अंतराल के कारण पर्यटन से जुड़े मुद्दों को संबोधित करने के लिए पर्यटन-आधारित NGOs का उदय हुआ है जैसे नीति निर्माण के चरण में गंतव्य समुदायों की गैर-भागीदारी, पर्यटन संसाधनों की कमी, नकारात्मक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभाव आदि। "इक्विटेबल टूरिज्म ऑप्शंस" (EQUATIONS) एक ऐसा पर्यटन NGO है जो बेंगलुरु में स्थित है और विभिन्न पर्यटन से संबंधित मुद्दों को सक्रिय रूप से संबोधित करता है। यह NGO निम्नलिखित पाँच मुख्य

विषयों के इर्द-गिर्द कार्य करता है:

1. बच्चा और पर्यटन
2. आर्थिक प्रभाव और पर्यटन
3. पारिस्थितिकी तंत्र (ecosystem), समुदाय और पर्यटन
4. शासन, कानून और पर्यटन
5. महिला और पर्यटन

8.6 कुछ महत्वपूर्ण संगठनों के कार्य(Functions of some important organizations)

आज विभिन्न स्तरों पर कई पर्यटन संगठन कार्यरत हैं जो पर्यटन के प्रचार और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अनुभाग में हम चार महत्वपूर्ण संगठनों को चुनकर उनकी महत्ता और कार्यों को समझने की कोशिश करेंगे।

8.6.1 संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन(United Nations World Tourism Organization (UNWTO))

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो विश्व में स्थायी जिम्मेदार और सभी के लिए सुलभ पर्यटन के विकास पर केंद्रित है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यटन के माध्यम से आर्थिक वृद्धि, समावेशी विकास और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। 2024 में UNWTO ने एक नए नाम और ब्रांड के साथ एक नए युग में प्रवेश किया। यूएन टूरिज्म (UN Tourism) UNWTO का मुख्यालय मैड्रिड, स्पेन (Madrid, Spain) में स्थित है।

UNWTO का संक्षिप्त ऐतिहासिक विवरण:

* **1925:** इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ टूरिस्ट एसोसिएशन का गठन हेग (Hague) में किया गया।
* **1946:** लंदन में पहली अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय पर्यटन निकायों की कांग्रेस आयोजित हुई और इंटरनेशनल यूनियन ऑफ ऑफिशियल टूरिस्ट प्रोपेगैंडा ऑर्गनाइजेशन्स (IUOTPO) की जगह एक नया

अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन बनाने का निर्णय लिया गया।

* **1947:** इंटरनेशनल यूनियन ऑफ ऑफिशियल ट्रैवल ऑर्गनाइजेशन्स (IUOTO) की पहली संविधान सभा हेग में आयोजित हुई। IUOTO का अस्थायी मुख्यालय लंदन में स्थापित किया गया।
* **1951:** IUOTO का मुख्यालय जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड स्थानांतरित किया गया जहाँ यह सन् 1975 तक रहा।
* **1970:** 27 सितंबर को IUOTO की विशेष महासभा ने मेक्सिको सिटी में विश्व पर्यटन संगठन (WTO) के संविधान को अपनाया। 1980 से इस दिन को "विश्व पर्यटन दिवस" के रूप में मनाया जाने लगा।
* **1975:** पहली WTO महासभा मई में मैड्रिड (Madrid) में आयोजित हुई।
* **2003:** इसका नाम बदलकर UNWTO रखा गया।

कुछ महत्वपूर्ण घटनाएंः

* **1967:** "इंटरनेशनल टूरिज़्म ईयर" घोषित किया गया जिसका नारा था शांति का पासपोर्ट।
* **1980:** मनीला डिक्लेरेशन ऑन टूरिज़्म।
* **1991:** एजेंडा 21 (रियो डिक्लेरेशन) को अपनाया गया।
* **1999:** टूरिज्म सैटेलाइट अकाउंट्स (TSA) को मंजूरी दी।
* **2002:** अंतर्राष्ट्रीय इकोटूरिज्म वर्ष

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) पाँच क्षेत्रों में काम करता हैः अमेरिका, अफ्रीका, एशिया-प्रशांत, यूरोप और मध्य पूर्व। UNWTO की सदस्यता में 155 देश, 6 एसोसिएट सदस्य और 400 से अधिक एफिलिएट सदस्य शामिल हैं जो निजी क्षेत्र, शैक्षिक संस्थान, पर्यटन संघ और स्थानीय पर्यटन प्राधिकरणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। UNWTO के विभिन्न कार्य निम्नलिखित हैंः

1. बाजार ज्ञान उत्पन्न करना

   बाजार अनुसंधान के माध्यम से पर्यटन प्रवृत्तियों को समझना, पर्यटक आगमन, आर्थिक प्रभावों का आकलन और संकट प्रबंधन जैसी जानकारी जुटाना।

SCERT DELHI

2. स्थायी पर्यटन नीतियों को बढ़ावा देना

उदाहरण के लिए, सतत पर्यटन और गरीबी उन्मूलन पहल (STEP) जो संयुक्त राष्ट्र के सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों (UNMDG) का हिस्सा है।

3. पर्यटन शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना

उदाहरण के लिए UNWTO-TedQual एक स्वैच्छिक प्रमाणन प्रणाली जो पर्यटन शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों में गुणवत्ता के मानकों को सुनिश्चित करती है।

4. विकास के लिए पर्यटन को एक प्रभावी उपकरण बनाना

उदाहरण के लिए नेपाल में ग्रेट हिमालयन ट्रेल एक तीन साल की ST-EP परियोजना का परिणाम है जो 2009 में एसएनवी नेपाल, एसटी-ईपी फाउंडेशन और यूएनडब्ल्यूटीओ के बीच त्रिपक्षीय गठबंधन से वित्त पोषण के साथ शुरू हुई थी। जिसका मुख्य उद्देश्य एक ऐसा ट्रैकिंग मार्ग बनाना था जो प्रसिद्ध क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य कम-ज्ञात स्थलों को भी पार करे जो बहुत खराब हैं लेकिन उनमें पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

5. गंतव्य प्रबंधन में समन्वय

6. संचार और जानकारी प्रदान करना

सूचना वितरित करना और अपने सभी सदस्यों के लिए एक प्रमुख संचार चैनल के रूप में कार्य करना उपरोक्त के अलावा यह तस्करी के शिकार बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए वैश्विक आचार संहिता (Global Code of Ethics) को भी बढ़ावा देता है। जलवायु परिवर्तन और पर्यटन मुद्दे, पानी की बचत, कम विकसित देशों में पर्यटन का विकास आदि।

8.6.2 अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ

International Air Transport Association (IATA)

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (IATA) की स्थापना 1945 में हवाना में की गई थी। IATA का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन को सुरक्षित, नियमित और आर्थिक रूप से संचालित करना है। यह एयरलाइनों का शीर्ष निकाय है जो वैश्विक स्तर पर हवाई परिवहन के मानकीकरण (standardization) से संबंधित है। इसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल (Montreal) कनाडा में स्थित है। IATA के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:

* सुरक्षित, नियमित और आर्थिक हवाई परिवहन को बढ़ावा देना
* हवाई वाणिज्य को प्रोत्साहित करना

SCERT DELHI

* एयरलाइन उद्योग से संबंधित समस्याओं का अध्ययन करना
* हवाई परिवहन कंपनियों और एजेंसियों के बीच सहयोग की व्यवस्था करना
* अन्य अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संगठनों के साथ सहयोग करना

वर्तमान में IATA के 240 सदस्य 118 विभिन्न देशों से हैं। IATA एयरलाइनों, हवाई अड्डों, मालवाहकों, सरकारी नीति निर्माताओं, यात्रियों और यात्रा एजेंटों के बीच बहु-स्तरीय इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करता है। IATA के बिलिंग और सेटलमेंट प्लान (BSP) के माध्यम से यात्री किसी भी देश में आसानी से यात्रा की व्यवस्था कर सकते हैं जैसे टिकट बुकिंग, भुगतान करना आदि। उदाहरण के लिए ई-टिकटिंग एक लागत प्रभावी प्रणाली है जिसने एयरलाइनों और यात्रा एजेंटों के लिए लागत को कम किया है। IATA यात्री और यात्रा एजेंटों की प्रक्रियाओं को सरल बनाकर यात्रा को और सुगम बनाता है।

IATA अपने प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रम के तहत ट्रैवल और टूरिज्म मैनेजमेंट, एयरलाइन, एयर नेविगेशन सेवाएँ, हवाई अड्डा, कार्गो, सिविल एविएशन, ग्राउंड सेवाएँ और ट्रैवल एजेंसी से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

8.6.3 इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (Indian Association of Tour Operators (IATO))

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (IATO) की स्थापना 1982 में पर्यटन उद्योग के एक शीर्ष संगठन के रूप में की गई थी। इसकी सदस्यता केवल टूर ऑपरेटर्स तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह उद्योग के अन्य सभी क्षेत्रों को भी कवर करता है जिसमें शैक्षणिक संस्थान भी शामिल हैं। इसकी सदस्यता पाँच श्रेणियों में विभाजित है जैसे कि ऐक्टिव, ऐलाइड, असोसिएट, इन्टर्नैशनल और आनरेरी।

अंतर्राष्ट्रीय समझ और सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए सामान्य हित में स्थापित, IATO के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:

I. उद्योग के विभिन्न हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न संघों को एकीकृत करना एक सामान्य मंच और कार्य कार्यक्रम बनाना।

II. सरकार के साथ एक मजबूत लॉबी का निर्माण करना ताकि नए कानूनों के लागू होने से पहले यात्रा व्यापार के हितों की रक्षा के लिए निर्णय लेने में भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

SCERT DELHI

III. संबंधित सरकारी मंत्रालयों/विभागों, वाणिज्य और उद्योग मंडलों, राजनयिक मिशनों आदि के साथ विभिन्न स्तरों पर उद्योग के महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करने के लिए बातचीत करना।

IV. घरेलू एयरलाइनों के साथ विशेष कोटा (Quota) की व्यवस्था करना, ताकि सदस्यों और/या IATO टीमों को देश में व्यापारिक यात्रा पर छूट किराए की पेशकश की जा सके।

V. देश भर में पर्यटन के विकास को बढ़ावा देने और पर्यटन व्यापार की भलाई को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाना।

VI. उद्योग में उच्च नैतिक मानकों को स्थापित और बनाए रखना।

VII. अन्य देशों में समान संगठनों के साथ संबद्धता प्राप्त करना।

VIII. सभी आगंतुकों के लिए बिना किसी भेदभाव के पर्यटन और यात्रा सुविधाओं का आनंद लेने के समान अवसरों को बढ़ावा देना।

IX. छात्रों को पर्यटन के विकास और अंतर्राष्ट्रीय भाईचारे के क्षेत्र में उच्च शिक्षा, अध्ययन और अनुसंधान के लिए छात्रवृत्ति (Scholarship) प्रदान करना।

8.6.4 ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया(Travel Agents Association of India (TAAI))

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TAAI) की स्थापना 1951 में भारत के प्रमुख ट्रैवल एजेंट्स द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य उन लोगों के हितों की रक्षा करना है जो इस उद्योग में लगे हुए हैं जैसे; उद्योग के क्रमिक विकास को बढ़ावा देना और यात्रायों को शोषण से बचाना। TAAI के लगभग 2500 सदस्य हैं जिनमें ऐक्टिव, असोसिएट, ऐलाइड, सरकारी और गैर-निवासी सदस्य शामिल हैं। यह यात्रा और पर्यटन उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों का पेशेवर निकाय है।

i) TAAI के उद्देश्य

TAAI भारत में यात्रा और पर्यटन उद्योग के विकास का उद्देश्य रखता है ताकि उद्योग में सेवा और व्यावसायिकता के मानक में सुधार हो और भारतीय और विदेशी यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। यह यात्रा और पर्यटन उद्योग के विभिन्न खंडों के बीच परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी काम करता है।

ii) TAAI के कार्य

* उद्योग में यात्रा और पर्यटन के विकास को प्रोत्साहित करना।

SCERT DELHI

* सदस्यों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सम्मेलनों और सेमिनारों के माध्यम से शिक्षित और तैयार करना।

* नियंत्रण और नियामक अधिकारियों का ध्यान उद्योग की समस्याओं की ओर आकर्षित करना और इसके सुधार और सदस्यों की भलाई के लिए काम करना।

* वैश्विक निकायों के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए रखना और देश की यात्रा और पर्यटन उद्योग से संबंधित मुद्दों का प्रतिनिधित्व करना।

* यात्रा और पर्यटन से संबंधित उपयोगी जानकारी एकत्रित करना और उसे सदस्यों के बीच प्रसारित करना।

TAAI अपने सदस्यों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देता है और उद्योग के विभिन्न खंडों के बीच बेहतर समझ विकसित करने में मदद करता है।

8.7 पर्यटन के विकास और वृद्धि के लिए उत्तरदायी कारक (Factors responsible for development and growth of tourism)

पर्यटन दुनिया भर में सबसे बड़ा आय अर्जक और एक बहुत ही लोकप्रिय अवकाश गतिविधि बन गया है। UNWTO के अनुमान के अनुसार 2012 में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन 1.02 अरब से अधिक था। पर्यटन की वृद्धि के कई कारक हैं जिन्हें मुख्य रूप से निम्नलिखित श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

* सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विकास

* नई विचारधाराएं और नवाचारपूर्ण व्यापार रणनीतियाँ

* व्यवसाय में वृद्धि

* प्रौद्योगिकी में परिवर्तन और विकास

पर्यटन की तेज़ वृद्धि के विशिष्ट कारण इस प्रकार सूचीबद्ध किए जा सकते हैं:

1. बढ़ती गतिशीलता (गाड़ियों का बढ़ा हुआ स्वामित्व, आधारभूत संरचना (infrastructure) में सुधार) ।

2. आय स्तर में वृद्धि (समृद्धि और जीवन स्तर में सुधार लोगों को यात्रा के लिए प्रेरित करता है)।

3. कम खर्चीले यात्रा पैकेजों और सस्ते यात्रा सुविधाओं की उपलब्धता।

4. सड़कों, रेल पटरियों और कम ज्ञात स्थलों तक उड़ानों के बढ़ते नेटवर्क।

SCERT DELHI

5. सरकारी कर्मचारियों द्वारा अवकाश का अधिकार।

6. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य में GATT (सामान्य व्यापार और शुल्क समझौता) और WTO (विश्व व्यापार संगठन) समझौतों के परिणामस्वरूप MICE (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी) पर्यटन में बढ़ती संभावनाएँ।

7. व्यापार और राजनीतिक वातावरण में बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

8. नवीन पर्यटन उत्पाद (सफारी, ट्री हाउस, हाउसबोट्स आदि) और नए प्रकार के पर्यटन जैसे इकोटूरिज्म, वन्यजीव पर्यटन, जातीय पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन आदि।

9. सूचना प्रौद्योगिकी में प्रगति (सोशल नेटवर्किंग साइट्स, स्मार्टफोन का उपयोग, यात्रा व्यवस्थाओं के लिए इंटरनेट का बढ़ता उपयोग आदि) ।

10. नवीन विपणन रणनीतियाँ और प्रतिस्पर्धी व्यापार वातावरण के परिणामस्वरूप बेहतर उत्पाद पेशकश।

8.8 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में सामान्य रुझान(General trends in national and international tourism)

विश्व: अंतर्गामी पर्यटन
अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन

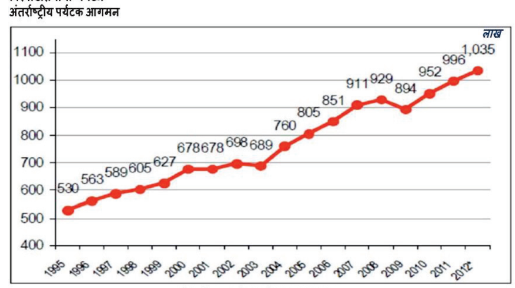

स्रोत विश्व: पर्यटन संगठन (UNWTO)
अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन

यह चित्र दुनिया भर में पर्यटन की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें दिखाया गया है कि 2000 से 2012 तक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में स्थिर वृद्धि हुई है (627 मिलियन से 1.035 बिलियन तक) । UNWTO की रिपोर्ट के अनुसार, कई देशों ने 2012 में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन आर्थिक मंदी को ध्यान में रखते हुए उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर था। इसके अलावा एशिया और प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित देशों ने सबसे अधिक वृद्धि (7%) दर्ज की।

भारत ने भी विदेशी पर्यटक आगमन में अच्छी वृद्धि दर्ज की है। पर्यटन मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार, 2011 में भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन 6.29 मिलियन था।

वर्ष	विदेशी पर्यटकों का आगमन (मिलियन में)	विदेशी मुद्रा अर्जन (अमेरिकी डॉलर-मिलियन में)
2000	2.65	3460
2004	3.46	6170
2008	5.28	11832

2011	6.29	16564

विदेशी पर्यटक आगमन स्रोतः भारत पर्यटन

उपरोक्त तालिका दर्शाती है कि भारत में विदेशी पर्यटकों का आगमन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 0.64% की हिस्सेदारी के साथ लगातार बढ़ा है। विदेशी पर्यटक आगमन के मामले में भारत का विश्व में 38वां स्थान है और पर्यटन प्राप्तियों में 17वां स्थान है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान वे शीर्ष राज्य हैं जो सबसे अधिक विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं जबकि भारत के लिए शीर्ष पांच स्रोत बाजार क्रमशः अमेरिका, ब्रिटेन, बांग्लादेश, श्रीलंका और कनाडा हैं।

घरेलू पर्यटन में भी वृद्धि हो रही है। पर्यटन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 2011 में घरेलू पर्यटकों के कुल दौरे का अनुमान 850.86 मिलियन है। उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र देश के शीर्ष 5 घरेलू पर्यटन स्थलों में हैं।

भारतीय बाजारों में नए पर्यटन उत्पाद और नवाचारपूर्ण विचारों को व्यापक लोकप्रियता मिल रही है। साहसिक पर्यटन, इकोटूरिज्म, स्वास्थ्य और वेलनेस पर्यटन, विशेष आयोजन, थीम गंतव्य, विवाह पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन आदि यात्रा व्यापार के सभी खंडों द्वारा स्वागत किया जा रहा है।

8.8.1 उभरते रुझान(Emerging Trends)

पर्यटन एक बहुत ही गतिशील (dynamic) गतिविधि है। समय के साथ-साथ पर्यटकों की प्राथमिकताएँ और रुचियाँ भी बदल रही हैं। इसे पर्यटन में उभरते रुझानों सके तौर पर देखा जा सकता है। पर्यटकों की प्रेरणाएँ और उपलब्ध सुविधाएँ गंतव्य का चुनाव तय करती हैं। कुछ नई रोचक अवधारणाएँ इस प्रकार हैंः

1. **वीकेंड गंतव्यः** कामकाजी युवा सप्ताहांत में अपने कार्यस्थल के पास स्थित आकर्षक स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे शहरों के पास स्थित स्थल अक्सर सप्ताहांत पर कई आगंतुकों को आकर्षित करते हैं क्योंकि कई कामकाजी लोग अपने सप्ताहांत यहां बिताते हैं।

2. **पर्यावरण अनुकूल पर्यटनः** इकोटूरिज्म और ग्रीन टूरिज्म ऐसे पर्यटन गतिविधियों के लिए सामान्य शब्द हैं। इन दिनों टूर ऑपरेटर और आतिथ्य (hospitality) इकाइयाँ भी अपने उत्पादों की पैकेजिंग करते समय पर्यावरण अनुकूल उपाय अपनाते हैं।

3. **स्वेच्छा सेवा (volunteering):** स्वेच्छा सेवा उन लोगों के लिए एक विकल्प है जो NGO क्षेत्र में काम करना चाहते हैं, या सामाजिक कल्याण या विकास गतिविधियों में रुचि रखते हैं। यह प्रतिष्ठित नियोक्ताओं (employers) के बीच एक प्रथा भी है कि वे अपने कर्मचारियों को कॉर्पोरेट सामाजिक

SCERT DELHI

जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में ऐसी पहलों को अपनाने के लिए नियुक्त करते हैं।

4. **ध्यान/पुनरुत्थानः** व्यस्त कार्यक्रम और तनावपूर्ण कार्य वातावरण अक्सर लोगों को नियमित जीवन से ब्रेक लेकर ध्यान या पुनरुत्थान चिकित्सा का चयन करने के लिए मजबूर करते हैं।

5. **एकांत या रहस्यमय स्थानों की यात्रा (डार्क टूरिज्म):** हालांकि यह अजीब लगता है लेकिन कुछ लोग एकांत भवनों, क्षेत्रों या रहस्यमय स्थानों की खोज में रुचि रखते हैं।

6. **स्थानीय त्योहारों में भागीदारी:** स्थानीय त्योहारों में भागीदारी नई उम्र के पर्यटकों के लिए एक आकर्षक विकल्प है जहाँ परंपराओं और स्थानीय संस्कृति का अनुभव किया जाता है। स्थानीय त्योहारों में भाग लेना पर्यटकों को स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करने और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता को देखने का अवसर प्रदान करता है।

7. **पाक-यात्राएँ (Culinary Tours):** यह पाया गया है कि कई लोग अक्सर भोजन को यात्रा का एक कारण मानते हैं। पाक परंपराओं का अन्वेषण, विभिन्न प्रकार के भोजन (पारंपरिक या आधुनिक) की तैयारी का अनुभव करना पर्यटन के लिए एक मजबूत प्रेरणा है।

8. **महिला संचालित और महिला पर्यटकों के लिए विशेष पर्यटन:** इन दिनों कई महिलाएँ यात्रा करती हैं। वे महिला संचालित टूर ऑपरेटर, महिला संचालित होटलों में ठहरने आदि का चयन करना पसंद करती हैं। यह एक आधुनिक अवधारणा है और कुछ शहरों में केवल महिलाओं के लिए विशेष रेस्तरां भी हैं।

9. **अंतर्राष्ट्रीय यात्राएँ (पड़ोसी देशों की यात्रा):** सस्ती हवाई सेवाओं की शुरुआत और युवाओं के बीच बढ़ती डिस्पोजेबल आय दो प्रमुख कारक हैं जो पड़ोसी गंतव्यों की यात्रा को बढ़ावा देते हैं। दुबई, थाईलैंड के विभिन्न स्थान, मलेशिया और सिंगापुर भारतीय पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय गंतव्य बन गए हैं।

8.9 सारांश (Summary)

पर्यटन को कई देशों द्वारा एक प्रमुख आर्थिक प्रोत्साहक के रूप में मान्यता दी गई है। इसके आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, शांति और देशों के बीच बेहतर समझ के लिए इसके महत्व ने पर्यटन को इन देशों के लिए एक प्राथमिकता बना दिया है। आजकल, पारंपरिक विकास विधियों के साथ-साथ सार्वजनिक निजी भागीदारी (PPP) का उपयोग किया जा रहा है जिसमें सरकार सार्वजनिक और निजी क्षेत्र पर्यटन ढांचे के विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO), अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (IATA) जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठन पर्यटन और पर्यटकों की आवाजाही, गंतव्य प्रबंधन, गंतव्य विकास आदि को समन्वित करने में मदद करते हैं। भारत के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर IATO और TAAI जैसे संगठन उद्योग के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और पर्यटकों को उच्च गुणवत्ता और मूल्य आधारित सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर काम करते रहते हैं। इकाई के अंतिम भाग में पर्यटन के विकास और नवीनतम रुझानों की व्याख्या की गई है।

समीक्षा प्रश्न (Review Questions)

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. भारत का राष्ट्रीय पर्यटन संगठन (NTO) कौन है?

   A. दिल्ली विकास प्राधिकरण B. पर्यटन मंत्रालय

   C. STDC D. IATO

2. निम्नलिखित में से कौन सा पर्यटन मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है?

   A. भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (IITTM)

   B. राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं कैटरिंग टेक्नोलॉजी परिषद (NCHMCT)

   C. विदेश कार्यालय

   D. राज्य पर्यटन विकास निगम (STDC)

3. आईटीडीसी (ITDC) की स्थापना कब हुई थी?

   A. 1966 B. 1963

   C. 1976 D. 1987

4. निम्नलिखित में से कौन सा पर्यटन उद्योग के संदर्भ में सार्वजनिक क्षेत्र का हित नहीं है?

   A. उद्योग उन्नति B. कम ब्याज वित्त विकल्प

   C. पूंजी निवेश D. प्रशासनिक लागत में कमी

SCERT DELHI

5. निजी क्षेत्र को पर्यटन उद्योग में व्यवसाय करने के संदर्भ में निम्नलिखित में से किस कारक की चिंता नहीं होती?

A. आकर्षक व्यापार वातावरण

B. प्रोत्साहन और प्रो-इंडस्ट्री नीतियाँ

C. उपलब्ध राज्य वित्त का लाभ उठाने की आवश्यकता

D. लालफीताशाही का उन्मूलन

6. निम्नलिखित में से कौन पर्यटन विकास के संदर्भ में स्थानीय निकाय का उदाहरण नहीं है?

A. नगरपालिका

B. पंचायत

C. NTO

D. विकास प्राधिकरण

7. UNWTO का मुख्यालय कहाँ है?

A. मैड्रिड, स्पेन

B. लिस्बन, पुर्तगाल

C. बार्सिलोना, स्पेन

D. मॉन्ट्रियल, कनाडा

8. निम्नलिखित में से कौन सा UNWTO का पर्यटन शिक्षा और प्रशिक्षण का हिस्सा है?

A. ST-EP

B. Tedual

C. UNMDG

D. आचार संहिता

9. BSP का क्या अर्थ है?

A. द्विभाषी समर्थन कार्यक्रम

B. बिलिंग सहायता योजना

C. बिलिंग और निपटान योजना

D. व्यापार और निपटान नीति

10. निम्नलिखित में से कौन IATO का सदस्य प्रकार नहीं है?

A. सक्रिय

B. संबद्ध

C. सहयोगी

D. सरकारी

उत्तरः

1. B. पर्यटन मंत्रालय 2. D. राज्य पर्यटन विकास निगम (STDC) 3. A. 1966, 4. B. कम ब्याज वित्त विकल्प 5. C. उपलब्ध राज्य वित्त का लाभ उठाने की आवश्यकता 6. C. NTO 7. A. मैड्रिड, स्पेन 8. B. Tedual 9. C. बिलिंग और निपटान योजना 10. D. सरकारी

SCERT DELHI

रिक्त स्थान भरें (Fill In The Blanks)

1. अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और पर्यटन पर 1963 का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ___________ में आयोजित किया गया था।
2. दुनिया ने ____________ में एक वैश्विक आर्थिक संकट का सामना किया।
3. यात्रा व्यवसाय में मंदी को ___________ के लिए UNWTO द्वारा PPP मॉडल का समर्थन किया गया।
4. गंतव्य _________ एक प्रमुख कारक है जो किसी पर्यटक की समग्र संतोष स्तर को निर्धारित करता है।
5. किसी गंतव्य पर ____________ प्रवास को पर्यटक का जन्मसिद्ध अधिकार माना जाता है।
6. पर्यटन को राजस्व कमाने के एक प्रमुख स्रोत के रूप में लगभग सभी गंतव्यों द्वारा ___________ किया जा रहा है।
7. ____________ UNWTO का प्रारंभिक संगठनात्मक रूप था।
8. IATA का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित_________ सुनिश्चित करना है।
9. _________ को 1982 में टूर ऑपरेटरों के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में स्थापित किया गया था।
10. कारों के स्वामित्व में वृद्धि और परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार से ___________ में वृद्धि हुई है।

उत्तरः

1: रोम 2: 2008-09 3: दूर करने के लिए 4: आकर्षण 5: आरामदायक 6: राजस्व 7: IUOTO 8: हवाई यात्रा 9: IATO 10: गतिशीलता

लघु उत्तर प्रकार प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. पर्यटन में लगे देशों को राष्ट्रीय पर्यटन संगठन की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तरः पर्यटन में लगे देशों को अपनी पर्यटन विकास गतिविधियों के उचित दिशा-निर्देशन और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय पर्यटन संगठन की आवश्यकता होती है।

SCERT DELHI

2. सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास पर्यटन विभाग क्यों होता है?

उत्तरः भारत के सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश नियमित कार्यों, योजना और समन्वय के लिए पर्यटन विभाग रखते हैं और पर्यटन गतिविधियों के विकास और प्रचार के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं।

3. PPP क्या है?

उत्तरः पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) एक सहयोगी तरीका है जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच साझा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जाता है।

4. गंतव्य पर स्थानीय निकायों द्वारा प्रदान की जाने वाली पर्यटक सुविधाएं सामान्य संसाधन क्यों मानी जाती हैं?

उत्तरः स्थानीय निकायों द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं आमतौर पर साझा संसाधन होती हैं क्योंकि ये निवासियों और पर्यटकों दोनों की जरूरतों को पूरा करती हैं।

5. कब स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच शत्रुता विकसित होती है?

उत्तरः जब संसाधन सीमित होते हैं या जब पर्यटन सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाती है तो स्थानीय लोगों की उपेक्षा महसूस होती है जिससे स्थानीय लोगों द्वारा आगंतुक पर्यटकों के खिलाफ शत्रुता का निर्माण होता है।

6. वीकेंड गंतव्य क्या हैं?

उत्तरः कामकाजी युवाओं के लिए सप्ताहांत में कार्य स्थल से नजदीक स्थित आकर्षणों का दौरा करना पसंद होता है। शहरों के नजदीक स्थित स्थान जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बैंगलोर, हैदराबाद सप्ताहांत में कई पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

7. ध्यान या पुनर्जागरण पर्यटन गतिविधियों का एक प्रमुख कारक क्यों बन गया है?

उत्तरः व्यस्त कार्यक्रम और तनावपूर्ण कार्य वातावरण लोगों को दैनिक जीवन से छुट्टी लेने और ध्यान या पुनर्जागरण चिकित्सा के लिए प्रेरित करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Type Questions)

1. पर्यटन मंत्रालय के विभिन्न कार्य क्या हैं?

उत्तरः भारत में पर्यटन मंत्रालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य देश में पर्यटन का विकास और प्रसार करना है। पर्यटन मंत्रालय का प्रमुख कार्य राष्ट्रीय नीतियों और कार्यक्रमों का निर्माण करना है ताकि भारत को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित किया जा सके। मंत्रालय का मुख्य ध्यान विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों,

SCERT DELHI

एजेंसियों, राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय में पर्यटन को बढ़ावा देने पर होता है।

इसकी अन्य जिम्मेदारियों में पर्यटन से संबंधित नियम और नीति निर्माण, विदेशी पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास, पर्यटन क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा देना, भारतीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण में योगदान देना, और विभिन्न प्रमोशनल अभियानों के माध्यम से देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना शामिल है। साथ ही, पर्यटन मंत्रालय 'अतुल्य भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से भी भारत को वैश्विक मंच पर प्रमोट करता है।

2. STDCs अपने राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में पर्यटन को कैसे बढ़ावा देते हैं?

उत्तरः STDCs (State Tourism Development Corporations) या राज्य पर्यटन विकास निगम, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पर्यटन के प्रचार और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनका मुख्य कार्य पर्यटन स्थलों का विकास उनके प्रचार और विपणन को सुदृढ़ करना है ताकि अधिक से अधिक पर्यटक आकर्षित हो सकें। इसके अंतर्गत STDCs स्थानीय पर्यटन स्थलों का विकास करते हैं पर्यटकों की सहायता के लिए जानकारी संबंधी साहित्य प्रकाशित करते हैं और राज्य के विभिन्न प्रमुख मेलों और त्योहारों का आयोजन करते हैं।

STDCs नई संभावित पर्यटन स्थलों की खोज करते हैं और उन्हें पर्यटकों के लिए आकर्षक बनाने का प्रयास करते हैं। इसके अतिरिक्त निजी क्षेत्र को निवेश और साझेदारी के लिए प्रोत्साहित करना, स्थानीय समुदायों को पर्यटन में संलग्न करना और पर्यावरण संरक्षण के दिशा-निर्देशों का पालन कर पर्यटन को सतत और पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल बनाना STDCs के प्रमुख कार्यों में शामिल है।

3. PPP मॉडल पर्यटन विकास में कैसे मदद करता है?

उत्तरः पर्यटन विकास में PPP (Public-Private Partnership) मॉडल का प्रयोग विशेष रूप से तब होता है जब राज्य सरकारें वित्तीय सीमाओं के कारण बड़ी पर्यटन विकास परियोजनाओं को नहीं उठा सकतीं। PPP मॉडल के तहत सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र मिलकर परियोजनाओं में निवेश करते हैं। इसके माध्यम से पर्यटन उद्योग को संरचनात्मक विकास मिलता है और राज्य सरकार को आर्थिक लाभ भी होता है।

PPP मॉडल में राज्य सरकारें भूमि, नीतिगत सहायता, कर छूट आदि सुविधाएं देती हैं जबकि निजी क्षेत्र का निवेश, विशेषज्ञता और प्रबंधन कौशल परियोजना को सफल बनाने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, होटलों का निर्माण हवाई अड्डों और परिवहन नेटवर्क का विकास, और पर्यटक सुविधाओं का सृजन, इन सब में PPP मॉडल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके अलावा, यह मॉडल रोजगार सृजन, सतत विकास और पर्यावरणीय संरक्षण के उद्देश्य को पूरा करता है।

SCERT DELHI

4. पर्यटक की संतुष्टि स्तर को निर्धारित करने वाले बुनियादी कारक क्या हैं?

उत्तरः पर्यटन उद्योग में एक पर्यटक की संतुष्टि का स्तर कुछ महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करता है जो एक गंतव्य को अद्वितीय और आरामदायक बनाते हैं। यह निम्नलिखित कारकों पर आधारित है

* **तनाव मुक्त वातावरणः** पर्यटकों के लिए तनाव मुक्त और शांत वातावरण का होना महत्वपूर्ण है ताकि वे रोजमर्रा के जीवन के तनाव से दूर रह सकें और यात्रा का आनंद उठा सकें।

* **आरामदायक प्रवासः** एक आरामदायक प्रवास का अनुभव पर्यटकों की संतुष्टि के लिए बहुत आवश्यक है। अच्छे होटलों, रिसॉर्ट्स और गेस्ट हाउस की उपलब्धता उचित सेवाओं के साथ इस कारक को सुनिश्चित करती है।

* **सुरक्षित सामान्य वातावरणः** सुरक्षा एक प्रमुख चिंता होती है इसीलिए एक सुरक्षित वातावरण पर्यटकों को स्थिरता और आराम महसूस कराता है और उन्हें गंतव्य पर विश्वास बढ़ता है।

* **स्वच्छ और स्वस्थ गंतव्यः** एक स्वच्छ, प्रदूषण-मुक्त, और प्राकृतिक सुंदरता से युक्त गंतव्य पर्यटकों को आकर्षित करता है और उनकी यात्रा को संतोषजनक बनाता है।

* **उच्च संपर्कता और सुव्यवस्थित बुनियादी :** यातायात, संचार, और आवागमन के सुविधाजनक साधनों का होना भी संतोष स्तर को बढ़ाता है। अच्छी सड़कों, परिवहन के साधनों, और संचार सुविधाओं का होना यात्रा को सुगम बनाता है।

5. पर्यटन आधारित NGO की आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तरः पर्यटन क्षेत्र में NGO की आवश्यकता इसलिए होती है क्योंकि अनियोजित या असंगठित पर्यटन विकास से पर्यावरण और समाज पर कई नकारात्मक प्रभाव उत्पन्न हो सकते हैं। NGO या गैर-सरकारी संगठन पर्यटन संसाधनों के उपयोग संरक्षण और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों पर नजर रखते हैं। वे न केवल पर्यावरण के संरक्षण में सहायक होते हैं बल्कि सामुदायिक विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए भी कार्यरत रहते हैं।

पर्यटन से जुड़ी नकारात्मक गतिविधियों जैसे कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, स्थानीय समुदायों पर पड़ने वाला प्रभाव और पर्यावरणीय प्रदूषण के निवारण में NGO महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा ये संगठन सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच की खाई को पाटने में भी सहायक होते हैं और स्थानीय समुदायों को नीति निर्माण में भाग लेने का अवसर प्रदान करते हैं।

SCERT DELHI

6. IATA के मुख्य कार्य क्या हैं?

उत्तरः IATA (International Air Transport Association) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य विमानन उद्योग के हितों को सुरक्षित रखना और उसे सुचारु रूप से चलाने में सहायता प्रदान करना है। इसके प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:

* **सुरक्षित, नियमित और आर्थिक हवाई परिवहन को बढ़ावा देनाः** IATA का कार्य हवाई यात्रा को अधिक सुरक्षित सुगम और किफायती बनाना है। यह यात्रियों के हितों का ध्यान रखते हुए मानकों का निर्माण और क्रियान्वयन करता है।

* **एयर कॉमर्स को प्रोत्साहन देनाः** IATA हवाई परिवहन के व्यवसाय को बढ़ावा देने में सहयोग करता है ताकि हवाई परिवहन उद्योग में व्यापार को बढ़ावा मिल सके।

* **विमानन उद्योग से जुड़े मुद्दों का अध्ययन करनाः** IATA विमानन उद्योग से जुड़े मुद्दों, जैसे पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा, और यात्रियों की सेवा को बेहतर बनाने के प्रयास में जुटा रहता है।

* **हवाई परिवहन कंपनियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देनाः** IATA विभिन्न हवाई परिवहन कंपनियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है ताकि वे अपनी सेवाओं को सामंजस्यपूर्ण बना सकें और यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकें।

7. हाल के समय में पर्यटन के तीव्र विकास के कारण क्या हैं?

उत्तरः वर्तमान समय में पर्यटन के तीव्र विकास के कई कारण हैं जो इस क्षेत्र को अत्यधिक संभावनाओं वाला बना रहे हैं:

* **गतिशीलता में वृद्धिः** तकनीकी विकास और उन्नत परिवहन साधनों के कारण लोगों की गतिशीलता बढ़ी है जिससे यात्रा सुगम और कम समय में पूरी की जा सकती है।

* **आय स्तर में वृद्धिः** जीवन स्तर और व्यक्तिगत आय में वृद्धि के कारण लोग अपने मनोरंजन के लिए यात्रा पर अधिक खर्च कर सकते हैं। आर्थिक सम्पन्नता और उच्च जीवन शैली का प्रभाव पर्यटन में दिखता है।

* **कम लागत वाले यात्रा विकल्पः** उड़ानों और यात्रा की लागत में कमी, खासकर सस्ते हवाई किराए (लो-कॉस्ट एयरलाइंस) के आगमन से यात्रा करना आम जनता के लिए भी आसान हो गया है।

* **सरकारी कर्मचारियों के लिए अवकाश अधिकारः** सरकारी कर्मचारियों को अवकाश अधिकार दिए जाने से वे नियमित रूप से पर्यटन स्थलों पर घूमने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। इसके अलावा अन्य कामकाजी वर्ग के लोग भी अवकाश लेकर पर्यटन का आनंद लेते हैं।

SCERT DELHI

* **MICE में बढ़ती संभावनाएं:** MICE (Meetings, Incentives, Conferences, and Exhibitions) पर्यटन के तहत विभिन्न कॉर्पोरेट इवेंट्स का आयोजन होता है जो पर्यटन को बढ़ावा देने का एक बड़ा माध्यम बन चुका है। इसमें बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते हैं जिससे होटल, परिवहन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ होता है।

ये सभी कारण मिलकर पर्यटन के तीव्र विकास को गति दे रहे हैं और इसे एक मजबूत आर्थिक क्षेत्र बना रहे हैं।

SCERT DELHI

नमूना प्रश्न पत्र
SAMPLE QUESTION PAPERS

SCERT DELHI

Sample Question Paper – 1
नमूना प्रश्न पत्र – 1

Max. Time: 3 Hours — Max. Marks: 60

अधिकतम. समयः 3 घंटे — अधिकतम. अंकः 60

General Instructions:

1. Please read the instructions carefully.
2. This Question Paper consists of 24 questions in two sections – Section a & Section B)
3. Section A has Objective type questions whereas Section B contains Subjective type questions.
4. Out of the given (6 + 18 = 24) questions, a candidate has to answer (6 + 11 = 17) questions in the allotted (maximum) time of 3 hours.
5. All questions of a particular section must be attempted in the correct order.
6. **SECTION A - OBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section has 06 questions.

ii. There is no negative marking.

iii. Do as per the instructions given.

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

7. **SECTION B – SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section contains 18 questions.

ii. A candidate has to do 11 questions.

iii. Do as per the instructions given.

SCERT DELHI

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

सामान्य निर्देशः

1. कृपया निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 24 प्रश्न हैं - खंड ए और खंड बी।
3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं जबकि खंड बी में विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न हैं।
4. दिए गए (6 + 18 = 24) प्रश्नों में से, एक उम्मीदवार को 3 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (6 + 11 = 17) प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में हल किया जाना चाहिए।
6. **खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (30 अंक):**

I. इस अनुभाग में 06 प्रश्न हैं।
II. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है.
III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.
IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

7. **खंड बी - विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न (30 अंक):**

I. इस अनुभाग में 18 प्रश्न हैं।
II. एक अभ्यर्थी को 11 प्रश्न करने होंगे।
III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.
IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

SCERT DELHI

SECTION A: OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

खंड ए: वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Q.1 Answer any 4 out of the given 6 questions on Employability Skills (1 x 4 = 4 marks)

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक) Marksअंक

I. Write any two names of basic communication Style.

दो मूलभूत संवाद शैली के नाम लिखें। 1

II. Find which of the following can be part of personal grooming checklist:

निम्नलिखित में से कौन व्यक्तिगत संवारने की जांच सूची (चेक-लिस्ट) का हिस्सा हो सकता है: 1

a) Donning unclean clothes.

गंदे कपड़े पहनना।

b) Wearing jewellery or apply perfume with uniform.

वर्दी के साथ आभूषण पहनना या इत्र लगाना ।

c) Brushing teeth irregularly.

दांतों को अनियमित रूप से साफ करना।

d) Maintaining health by using good posture.

अच्छे आसन का उपयोग करके स्वास्थ्य बनाए रखना।

III. Uddhav wants to reduce the window size to a small icon on the taskbar in his computer, which button should he click – Maximize, Minimize, and Close?

उद्धव अपने कंप्यूटर में टास्कबार पर विंडो का आकार छोटा करना चाहते हैं उन्हें किस बटन पर क्लिक करना चाहिए - मैक्सिमाइज़, मिनिमाइज़ और क्लोज़? 1

SCERT DELHI

IV. Fill in the blanks with suitable word in the below figure.

नीचे दिए गए चित्र में उचित शब्द भरें। 1

V. Is "The Green Economy provides a macro-economic approach to sustainable economic growth with a central focus on investments, employment, and skills?" (Yes / No)

क्या "ग्रीन इकोनॉमी (पारिस्थितिक अर्थव्यवस्था) टिकाऊ आर्थिक विकास के लिए निवेश, रोजगार, और कौशल पर केंद्रित दृष्टिकोण प्रदान करती है?" (हाँ / नहीं) 1

VI. The motivation based on physical needs to satisfy hunger or thirst.

भूख या प्यास को संतुष्ट करने के लिए शारीरिक आवश्यकताओं पर आधारित प्रेरणाः

a) Physiological शारीरिक b) Psychological मनोवैज्ञानिक c) Internal आंतरिक d) External बाहरी 1

Q.2 Answer any 5 out of the given 7 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 7 प्रश्नों में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. UN-WTO stands for?

UN-WTO का पूरा रूप क्या है? 1

II. The advent of the Grand Tour era in the 17th & 18th century was in:

17वीं और 18वीं सदी में ग्रैंड टूर युग की शुरुआत कहां हुई थीः

a) England इंग्लैंड b) Italy इटली c) France फ्रांस d) Netherland नीदरलैंड 1

III. Kavita is a botany student coming from the United Kingdom to visit the botanical gardens of India) What is the type of tourism she is availing?

कविता यूनाइटेड किंगडम से भारत के बोटैनिकल गार्डन का दौरा करने आई वनस्पति विज्ञान की छात्रा है। वह किस प्रकार का पर्यटन कर रही है? 1

SCERT DELHI

IV. Name any two travel documents required by the Tourist.

पर्यटकों के लिए आवश्यक दो यात्रा दस्तावेजों के नाम बताएं। 1

V. In which year TAAI was formed?

TAAI का गठन किस वर्ष में हुआ था? 1

VI. Define "MAP"?

"मानचित्र" की परिभाषा दें। 1

VII. Write any two emerging trends of tourism activity possible in India)

भारत में पर्यटन गतिविधियों के दो उभरते रुझानों को लिखें। 1

Q.3 Answer any 6 out of the given 7 questions (1 x 6 = 6 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 7 के उत्तर दें (1 x 6 = 6 अंक) **Marks अंक**

I. Define leisure.

"फुर्सत(लेज़र)" को परिभाषित करें 1

II. How many member countries were there in the SILK ROAD FACTORY PLAN in 2010?

2010 में सिल्क रोड फैक्टरी योजना में कितने सदस्य देश थे? 1

III. Which of the following is not a type of Tourism impact?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटन के प्रभाव का प्रकार नहीं है: 1

a) Socio-cultural सामाजिक-सांस्कृतिक b) Economical आर्थिक

c) Environmental पर्यावरणीय d) Mental मानसिक

IV. Name any two luxury trains of India)

भारत की दो लक्जरी ट्रेनों के नाम बताएं। 1

SCERT DELHI

V. Find the odd one out:

असंगत का चयन करें: 1

a) Ajanta Caves b) Ellora Caves c) Elephanta Caves d) Agra Fort

अजंता की गुफाएं एलोरा की गुफाएं एलीफेंटा की गुफाएं आगरा का किला

VI. Identify the Tourism Motivators which include a desire to meet new people, visit friends or relatives, and to seek new and different experiences.

पर्यटन प्रेरकों की पहचान करें जिनमें नए लोगों से मिलने, दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने और नए और अलग अनुभवों की तलाश करने की इच्छा शामिल है। 1

a) Physical motivators
शारीरिक प्रेरक

b) Cultural motivators
सांस्कृतिक प्रेरक

c) Interpersonal motivators
अंतरसंबंध प्रेरक

d) Status motivators
स्थिति प्रेरक

VII. What do you mean by Cartography?

"मानचित्र कला (कार्टोग्राफी)" से आप क्या समझते हैं? 1

Q.4 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. Man, _________ and time are the three elements of tourism.

मनुष्य, _________ और समय पर्यटन के तीन तत्व हैं। 1

II. Golden Triangle of India)

भारत का स्वर्ण त्रिभुज. 1

a) Delhi-Jaisalmer-Agra
दिल्ली-जैसलमेर-आगरा

b) Delhi-Jalandhar-Agra
दिल्ली-जालंधर-आगरा

SCERT DELHI

c) Delhi-Jaipur-Agra d) Delhi-Jodhpur-Agra

दिल्ली-जयपुर-आगरा दिल्ली-जोधपुर-आगरा 1

III. Write the full form of GMT.

जी.एम.टी. का पूरा रूप लिखें। 1

IV. Is an increase in income level also a cause of rapid growth of tourism? (Yes / No)

क्या आय स्तर में वृद्धि भी पर्यटन के तीव्र विकास का कारण है? (हाँ / नहीं) 1

V. Largest railway network in Asia exists in _____

एशिया में सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क _____ में है। 1

A) India B) Nepal C) Bangladesh D) Pakistan

भारत नेपाल बांग्लादेश पाकिस्तान

VI. Who initiated the archaeological & historical pursuits in India?

भारत में पुरातात्विक और ऐतिहासिक प्रयासों की शुरुआत किसने की? 1

A) Sir William Jones B) James Princep

सर विलियम जोन्स जेम्स प्रिंसेप

C) James Fergusson D) Sir Alexander Cunningham

जेम्स फर्ग्यूसन सर अलेक्जेंडर कनिंघम

Q.5 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

नीचे दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर (1 x 5 = 5 अंक) **Marksअंक**

I. Full form of MICE is:

MICE का पूरा रूप है: 1

SCERT DELHI

II. The type of tour where the tour members travel on their own without any host or escort:

दौरे का वह प्रकार जहां दौरे के सदस्य बिना किसी मेजबान या अनुरक्षण के अकेले यात्रा करते हैं:

a) Hosted tour b) Individual tour c) Escorted tour d) FAM tour

होस्टेड टूर व्यक्तिगत टूर एस्कॉर्टेड टूर FAM टूर 1

III. Write any one role of A.S.I.?

A.S.I. की कोई एक भूमिका लिखें। 1

IV. Scheduled air transport started in India in?

भारत में अनुचित हवाई परिवहन कब शुरू हुआ? 1

a) 1932 b) 1931 c) 1933 d) 1935

V. Mention the name of the two countries which have gained a reputation for cuisine, comfort, and cleanliness in tourism.

उन दो देशों के नाम बताएं जिन्होंने पर्यटन में भोजन, आराम और स्वच्छता के लिए प्रतिष्ठा प्राप्त की है 1

VI. Which one is not a main feature of cultural geography?

निम्नलिखित में से कौन सांस्कृतिक भूगोल की मुख्य विशेषता नहीं है? 1

A) Influence of the location in terms of a distinct geographical phenomenon

विशिष्ट भौगोलिक घटना के संदर्भ में स्थान का प्रभाव

B) Influence of the geographical phenomena in daily life of people

लोगों के दैनिक जीवन में भौगोलिक घटनाओं का प्रभाव

C) Rejections and unawareness of local people on the specific feature

विशिष्ट विशेषता पर स्थानीय लोगों की अस्वीकृति और अनभिज्ञता

SCERT DELHI

D) Evolution of culture, traditions and its expressions and the interference of the geographical feature in it.

संस्कृति, परंपराओं का विकास और उसमें भौगोलिक विशेषताओं का हस्तक्षेप।

Q.6 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. Write a synonym of "attraction" in components of tourism.

पर्यटन के घटकों में "आकर्षण" का पर्यायवाची शब्द लिखें। 1

II. Where did the word "Holiday" originate?

"अवकाश " शब्द की शुरुआत कहाँ से हुई? 1

III. V.I.C. stands for:

V.I.C. का पूर्ण रूप क्या है: 1

a) Visitor Interpretation Centre
विजिटर इंटरप्रिटेशन सेंटर

b) Visitor Important Centre
विजिटर इम्पोर्टेंट सेंटर

c) Very Important Centre
वेरी इम्पोर्टेंट सेंटर

d) Visitor Interest Centre
विजिटर इंटरेस्ट सेंटर

IV. Which transport means the movement of people or goods by road, train, and ships rather than by plane?

कौन सा परिवहन लोगों या सामान को सड़क, ट्रेन और जहाजों द्वारा ले जाता है न कि हवाई जहाज से? 1

a) Surface
सतह

b) Water
जल

c) Air
हवाई

d) Road
सड़क

SCERT DELHI

V. Hotels that cater specifically to business or work travellers:

वे होटल जो खासकर व्यापार या काम के लिए आए लोगों को सेवाएं देते हैं: 1

a) Commercial hotel b) Resort hotel

c) Apartment hotel d) Floating hotel

वाणिज्यिक होटल रिसॉर्ट होटल

अपार्टमेंट होटल तैरता हुआ होटल

VI. India is the largest country in the world in terms of area)

भारत क्षेत्रफल के आधार पर दुनिया का सबसे बड़ा देश है: 1

a) 7th b) 6th c) 5th d) 4th

SECTION B: SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS

अनुभाग बी: विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न

Answer any 3 out of the given 5 questions on Employability Skills (2 x 3 = 6 marks) Answer each question in 20 – 30 words.

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20 – 30 शब्दों में दें। Marks अंक

Q.7 Enumerate any two self-exploration techniques.

कोई दो आत्म-अन्वेषण तकनीकों का वर्णन करें। 2

Q.8 Define wrapping text.

टेक्स्ट रैपिंग को परिभाषित करें। 2

Q.9 Distinguish between entrepreneurial social values and professional values.

उद्यमी सामाजिक मूल्यों और व्यावसायिक मूल्यों के बीच अंतर बताएं। 2

Q.10 Elucidate the Forest Conservation Act, 1986.

वन संरक्षण अधिनियम 1986 की व्याख्या करें। 2

SCERT DELHI

Q.11 How persuasion is helpful in the workplace?

कार्य स्थल में प्रेरणा कैसे सहायक है? 2

Answer any 3 out of the given 5 questions in 20 – 30 words each (2 x 3 = 6 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दें (2 x 3 = 6 अंक) Marks अंक

Q.12 Explain in simple words the meaning of "tourism varies according to season".

"पर्यटन मौसम के अनुसार बदलता रहता है" का अर्थ सरल शब्दों में समझाइए। 2

Q.13 Write short notes on FAM tours?

FAM टूर पर संक्षेप में लिखें। 2

Q.14 What do you mean by "Daylight Saving Time"?

"डेलाइट सेविंग टाइम" से आपका क्या तात्पर्य है? 2

Q.15 Explain some of the common broad areas of operation of STDC?

STDC के सामान्य कार्यक्षेत्रों में से कुछ की व्याख्या करें। 2

Q.16 Activities are an important part of completing any tour experience and are very important for a tourist to enjoy their visit to any destination. Mention any two activities involved in tourism?

गतिविधियाँ किसी भी दौरे के अनुभव को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और किसी पर्यटक के लिए किसी भी गंतव्य पर अपनी यात्रा का आनंद लेने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। पर्यटन में शामिल किन्हीं दो गतिविधियों का उल्लेख करें? 2

Answer any 2 out of the given 3 questions in 30– 50 words each (3 x 2 = 6 marks)

दिए गए 3 प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर 30-50 शब्दों में दें (3 x 2 = 6 अंक)Marks अंक

SCERT DELHI

Q.17 Elucidate that "India has an ancient tradition of travel and tourism; and inspiration about traveling is not a new one".

व्याख्या करें कि "भारत में यात्रा और पर्यटन की एक प्राचीन परंपरा है और यात्रा के प्रति प्रेरणा कोई नई बात नहीं है"। 3

Q.18 How man-made attractions play a vital role in Indian tourism?

मानव निर्मित आकर्षण भारतीय पर्यटन में महत्वपूर्ण भूमिका कैसे निभाते हैं? 3

Q.19 Heritage is our asset It is our duty to protect it. Differentiate between heritage sites and historical sites?

विरासत हमारी संपत्ति है इसे संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। विरासत स्थलों और ऐतिहासिक स्थलों के बीच अंतर बताएं। 3

Answer any 3 out of the given 5 questions in 50-80 words each (4 x 3 = 12 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 50-80 शब्दों में दें (4 x 3 = 12 अंक) Marks अंक

Q.20 Enumerate characteristics of the tourism industry? (any four)

पर्यटन उद्योग की विशेषताओं का वर्णन करें? (कोई चार) 4

Q.21 Name any four negative factors that dissuade people from undertaking travel to a particular destination?

किन्हीं चार नकारात्मक कारकों का नाम बताइए जो लोगों को किसी विशेष गंतव्य की यात्रा करने से रोकते हैं? 4

Q.22 "X" state is not in a condition to take up big infrastructure development and maintenance projects due to financial constraints. As a tourism student, what type of partnership would you suggest to overcome this situation and why?

SCERT DELHI

वित्तीय बाधाओं के कारण "X" राज्य बड़े बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव परियोजनाओं को शुरू करने की स्थिति में नहीं है। एक पर्यटन छात्र के रूप में आप इस स्थिति से उबरने के लिए किस प्रकार की साझेदारी का सुझाव देंगे और क्यों? 4

Q.23 There are a variety of auxiliary services that constitute the tourism infrastructure. Explain any four?

विभिन्न प्रकार की सहायक सेवाएँ हैं जो पर्यटन के बुनियादी ढांचे का निर्माण करती हैं। कोई चार बताएं? 4

Q.24 Study of geography gives us the true picture of the environment we live in. How is geography significant in tourism?

भूगोल का अध्ययन हमें उस पर्यावरण की सच्ची तस्वीर देता है जिसमें हम रहते हैं। पर्यटन में भूगोल का क्या महत्व है? 4

SCERT DELHI

Sample Question Paper - 2
नमूना प्रश्न पत्र – 2

Max. Time: 3 Hours | Max. Marks: 60

अधिकतम. समयः 3 घंटे | अधिकतम. अंकः 60

General Instructions:

1. Please read the instructions carefully.
2. This Question Paper consists of 24 questions in two sections – Section a & Section B)
3. Section A has Objective type questions whereas Section B contains Subjective type questions.
4. Out of the given (6 + 18 = 24) questions, a candidate has to answer (6 + 11 = 17) questions in the allotted (maximum) time of 3 hours.
5. All questions of a particular section must be attempted in the correct order.
6. **SECTION A - OBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section has 06 questions.

ii. There is no negative marking.

iii. Do as per the instructions given.

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

7. **SECTION B – SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section contains 18 questions.

ii. A candidate has to do 11 questions.

iii. Do as per the instructions given.

SCERT DELHI

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

सामान्य निर्देशः

1. कृपया निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 24 प्रश्न हैं - खंड ए और खंड बी।

3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं जबकि खंड बी में विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न हैं।

4. दिए गए (6 + 18 = 24) प्रश्नों में से, एक उम्मीदवार को 3 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (6 + 11 = 17) प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में हल किया जाना चाहिए।

6. खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (30 अंक):

I. इस अनुभाग में 06 प्रश्न हैं।

II. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है.

III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.

IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

7. खंड बी - विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न (30 अंक):

I. इस अनुभाग में 18 प्रश्न हैं।

II. एक अभ्यर्थी को 11 प्रश्न करने होंगे।

III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.

IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

SCERT DELHI

SECTION A: OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

खंड एः वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Q.1 Answer any 4 out of the given 6 questions on Employability Skills (1 x 4 = 4 marks)

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक) Marks अंक

I. What are the words we should use when communicate verbally?

मौखिक रूप से संवाद करते समय हमें किन शब्दों का उपयोग करना चाहिए? 1

a) Straight words	b) Simple words
सीधे शब्द	सरल शब्द
c) Precise Words	d) Fixed Words
सटीक शब्द	निश्चित शब्द

II. Which of the following can help you manage time better?

निम्नलिखित में से कौन आपको समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद कर सकता है? 1

a) Talking to friends.	b) Making to-do list.
दोस्तों से बात करना।	टू-डू लिस्ट बनाना।
c) Don't mix our play time.	d) Watching favourite movie.
अपने खेलने के समय को न मिलाना।	पसंदीदा फिल्म देखना।

III. How should Sumit thank Ms. Rashmi? Should he say

सुमित को सुश्री रश्मि का धन्यवाद कैसे करना चाहिए? क्या उसे कहना चाहिए 1

a) Thanks!"	b) "Thank you, have a Nice Day!"
धन्यवाद!"	धन्यवाद, आपका दिन मंगलमय हो!"
c) "Fine. Thank You!"	d) "It's my pleasure!"
"ठीक है। धन्यवाद!"	"यह मेरा सौभाग्य है!"

SCERT DELHI

IV. How should Mr. Ramesh ask for help to Mr. Karan?

श्री रमेश को श्री करण से किस तरह मदद मांगनी चाहिए? 1

a)" Help me!" b) "Can you please help me?"

"मेरी मदद करो!" "क्या आप कृपया मेरी मदद कर सकते हैं?"

c) "Hey you, Help me!" d) "Excuse me, help me please?"

"अरे आप, मेरी मदद करो!" "क्षमा करें, कृपया मेरी मदद करें?"

V. Rohit visited Red Fort with his friends. He is sharing his experience with family. How should he start?

रोहित ने अपने दोस्तों के साथ लाल किला देखा। वह अपने अनुभव परिवार के साथ साझा कर रहा है। उसे कैसे शुरुआत करनी चाहिए? 1

a) I've visited Red Fort with my friends.

मैंने अपने दोस्तों के साथ लाल किला देखा है।

b) I went with my friends.

मैं अपने दोस्तों के साथ गया था।

c) It was a good visit.

यह अच्छा दौरा था

d) I like to visit with my friends.

मुझे अपने दोस्तों के साथ जाना पसंद है।

VI. Which of the following stakeholders make policies for green economy?

निम्नलिखित में से कौन सा हितधारक हरित अर्थव्यवस्था के लिए नीतियाँ बनाता है? 1

a) Non-governmental Organisation. b) Specified community.

गैर-सरकारी संगठन। निर्दिष्ट समुदाय।

SCERT DELHI

c) Governmental Organisation.

सरकारी संगठन।

d) Private sectors.

निजी क्षेत्र।

Q.2 Answer any 5 out of the given 7 questions (1 x 5 = 5 marks)

नीचे दिए गए 7 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. "State Tourism Development Corporation" is the expended form of which of the following?

"राज्य पर्यटन विकास निगम" निम्नलिखित में से किसका विस्तारित रूप है? 1

a) S.P.D.C. b) S.D.T.C. c) S.T.D.C. d) S.M.D.C.

एस.पी.डी.सी. एस.डी.टी.सी. एस.टी.डी.सी. एस.एम.डी.सी.

II. In which of the following countries the Grand Tour was started?

निम्नलिखित में से किस देश में भव्य दौरा भर्मण शुरू हुआ? 1

a) Canada b) India c) Australia d) England

कनाडा भारत ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड

III. Which of the following is the correct Full form of MICE?

निम्नलिखित में से कौन सा MICE का सही पूर्ण रूप है? 1

a) Meeting Incentive Conferences Expositions

मीटिंग इंसेंटिव कॉन्फ्रेंस एक्सपोजिशन

b) Meeting Incentive Conferences Explanations

मीटिंग इंसेंटिव कॉन्फ्रेंस स्पष्टीकरण

c) Meeting Incentive Corporation Explanations

मीटिंग इंसेंटिव कॉरपोरेशन स्पष्टीकरण

d) Meeting Initial Conferences Explanations

मीटिंग इनिशियल कॉन्फ्रेंस स्पष्टीकरण 1

SCERT DELHI

IV. American plan includes:

अमेरिकी योजना में शामिल हैं: 1

a) Only room — केवल कमरा

b) Room rent + breakfast — कमरे का किराया + नाश्ता

c) Room rent + 3 times meal — कमरे का किराया + 3 बार का भोजन

d) Room rent + any 2 meals — कमरे का किराया + कोई भी 2 भोजन

V. Which one of the following is not a natural world heritage sites in India?

निम्नलिखित में से कौन सा भारत में प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल नहीं है? 1

a) Kaziranga National Park — काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

b) Taj Mahal — ताजमहल

c) Sundarban — सुंदरवन

d) Nanda Devi National Park — नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान 1

VI. Mr. Thomas Cook introduced which of the following type of Tourism?

श्री थॉमस कुक ने निम्नलिखित में से किस प्रकार के पर्यटन की शुरुआत की? 1

a) Special Tour — विशेष यात्रा

b) Inclusive Tour — समावेशी यात्रा

c) Exclusive Tour — विशिष्ट यात्रा

d) Group Tour — समूह यात्रा

VII. Which of the following organization is NOT related to toutism industry.

निम्नलिखित में से कौन सा संगठन पर्यटन उद्योग से संबंधित नहीं है। 1

a) IATO — आई.ए.टी.ओ.

b) TAAI — टी.ए.ए.आई.

b) FSSAI — एफ.एस.एस.ए.आई.

d) IATA — आई.ए.टी.ए.

SCERT DELHI

Q.3 Answer any 6 out of the given 7 questions (1 x 6 = 6 marks)

दिए गए 7 प्रश्नों में से किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 6 = 6 अंक) **Marks अंक**

I. Expand PPP ______________.

पी.पी.पी. का विस्तार करें ______________. 1

II. What all are the types of Transportation?

परिवहन कितने प्रकार के होते हैं? 1

III. Companies that deals only with business travel are called__________.

जो कंपनियां केवल व्यावसायिक यात्रा से संबंधित कार्य करती हैं उन्हें_________ कहा जाता है। 1

IV. Expedia and Orbitz are examples of ____________.

एक्सपीडिया और ऑर्बिट्ज़ ____________ के उदाहरण हैं। 1

V. 'Lorry' is a term used for _________.

'लॉरी' शब्द _________ के लिए प्रयोग किया जाता है। 1

VI. _______________is the full form of N.G.O.

_______________एन.जी.ओ. का पूर्ण रूप है। 1

VII. Headquarters of U.N.W.T.O. is situated in ___________.

यू.एन.डब्ल्यू.टी.ओ. का मुख्यालय _____________ में स्थित है। 1

Q.4 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) Marksअंक

I. What are the examples of physical geography?

भौतिक भूगोल के उदाहरण क्या हैं? 1

a) Wind b) Sea c) Rocks d) All of them

पवन सागर चट्टानें उपरोक्त सभी

SCERT DELHI

II. Who is the father of Tourism?

पर्यटन का जनक कौन है? 1

a) Richard Cox
रिचर्ड कॉक्स

b) Cox and King
कॉक्स और किंग

c) Suez Canal
सुएज़ कैनल

d) Thomas Cook
थॉमस कुक

III. Which of the following is NOT the characteristics of Tourism Product?

निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता पर्यटन उत्पाद की नहीं है? 1

a) Perishability
नाशवान होना

b) Heterogeneity
विविधता

c) Lack of Risk
जोखिम का अभाव

d) Lack of Ownership
स्वामित्व का अभाव

IV. Which of the following is NOT a barrier of Tourism?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटन में बाधा नहीं है? 1

a) Lack of Leisure Time
अवकाश के समय की कमी

b) Communication and Technology
संचार और प्रौद्योगिकी

c) Political scenario
राजनीतिक परिदृश्य

d) M.I.C.E.
एम.आई.सी.ई.

V. What is G.I.T. and F.I.T.?

जी.आई.टी. और एफ.आई.टी. क्या हैं? 1

a) Types of Tourism
पर्यटन के प्रकार

b) Characteristics of Tourism
पर्यटन की विशेषताएं

SCERT DELHI

c) Types of Tour Package d) Impacts of Tourism

टूर पैकेज के प्रकार पर्यटन के प्रभाव

VI. What are Familiarization Tours, also known as F.A.M. tours?

परिचयात्मक दौरे (F.A.M. टूर) क्या होते हैं? 1

a) Tour Program b) Accessibility c) Land Transport d) Grand Tour

टूर प्रोग्राम प हुंच-योग्यता भूमि परिवहन ग्रैंड टूर

Q.5 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. Cartography is the study of geography and the process of ____________.

कार्टोग्राफी भूगोल और ____________ की प्रक्रिया का अध्ययन है। 1

II. A famous quote " _______________" means "Guests are like God".

एक प्रसिद्ध कथन " _______________" का अर्थ है "अतिथि भगवान के समान होते हैं 1

III. M.A.P. is the abbreviated form of __________________.

एम.ए.पी. __________________ का संक्षिप्त रूप है। 1

IV. __________ is the largest fresh water lake located in Odisha)

__________ ओडिशा में स्थित सबसे बड़ी ताजे पानी की झील है। 1

V. ____________ divides earth in two Hemispheres; North hemisphere and South hemisphere.

____________ पृथ्वी को दो गोलार्धों में विभाजित करता है उत्तरी गोलार्ध और दक्षिणी गोलार्ध। 1

VI. Victoria Falls are located in ___________ at Zambezi River.

विक्टोरिया फॉल्स ज़ाम्बेजी नदी पर ___________ में स्थित है। 1

SCERT DELHI

Q.6 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. What is included in Continental Meal Plan?

कॉन्टिनेंटल भोजन योजना में क्या शामिल है? 1

II. What is F.I.T.?

एफ.आई.टी. क्या है? 1

III. Write any two impacts of Tourism.

पर्यटन के कोई दो प्रभाव लिखिए। 1

IV. Write any two types of Accommodation.

आवास के कोई दो प्रकार लिखिए। 1

V. Write any two documents required to travel abroad)

विदेश यात्रा के लिए आवश्यक कोई दो दस्तावेज़ लिखें। 1

VI. Write any two physical features of India.

भारत की कोई दो भौतिक विशेषताएँ लिखिए। 1

SECTION B: SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS

अनुभाग बी: विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न

Answer any 3 out of the given 5 questions on Employability Skills (2 x 3 = 6 marks) Answer each question in 20 – 30 words.

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20 - 30 शब्दों में दें। **Marks अंक**

Q.7 Write the values of a successful entrepreneur.

एक सफल उद्यमी के मूल्य लिखें। 2

SCERT DELHI

Q.8 What is a business plan?

व्यापार योजना क्या है? 2

Q.9 What do you understand by the sectors of Green Economy?

हरित अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों से आप क्या समझते हैं? 2

Q.10 What is grooming and why it is important?

संवारना क्या है और यह क्यों महत्वपूर्ण है? 2

Q.11 What do you understand by Visual Communication?

दृश्य संचार से आप क्या समझते हैं? 2

Answer any 3 out of the given 5 questions in 20 – 30 words each (2 x 3 = 6 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दें (2 x 3 = 6 अंक) Marks अंक

Q.12 What are the various ancillary services provided to the tourist?

पर्यटक को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सहायक सेवाएं क्या हैं? 2

Q.13 Differentiate between National and International Tourists.

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के बीच अंतर बताएं। 2

Q.14 Write a short note on Silk Route.

सिल्क रूट पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2

Q.15 What is the difference between latitudes and longitudes?

अक्षांश और देशांतर में क्या अंतर है? 2

Q.16 What do you mean by "tourist places"?

"पर्यटन स्थल" से आपका क्या तात्पर्य है? 2

SCERT DELHI

Answer any 2 out of the given 3 questions in 30– 50 words each (3 x 2 = 6 marks)

दिए गए 3 प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर 30-50 शब्दों में दें (3 x 2 = 6 अंक) Marks अंक

Q.17 What do you understand by Heritage Sites?

विरासत (हेरिटेज) स्थलों से आप क्या समझते हैं? 3

Q.18 What are the core factors that influence destination selection?

गंतव्य चयन को प्रभावित करने वाले मूल कारक क्या हैं? 3

Q.19 Explain about IATA)

आइ.ए.टी.ए के. बारे. में बताएं? 3

Answer any 3 out of the given 5 questions in 50– 80 words each (4 x 3 = 12 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 50-80 शब्दों में दें (4 x 3 = 12 अंक) Marks अंक

Q.20 Enlist the main functions of Ministry of Tourism.

पर्यटन मंत्रालय के मुख्य कार्यों को सूचीबद्ध करें। 4

Q.21 Explain functions of UN-WTO.

यू.एन.-डब्ल्यू.टी.ओ. के कार्यों की व्याख्या करें। 4

Q.22 Explain characteristics of Tourism Products.

पर्यटन उत्पादों की विशेषताओं की व्याख्या करें। 4

Q.23 Explain about factors effecting growth and development of Tourism.

पर्यटन की वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में बताएं। 4

Q.24 Elaborate Tourism Motivators.

पर्यटन प्रेरकों की विस्तृत रूप से व्याख्या कर। 4

SCERT DELHI

Sample Question Paper – 3
नमूना प्रश्न पत्र – 3

Max. Time: 3 Hours | Max. Marks: 60

अधिकतम. समयः 3 घंटे | अधिकतम. अंकः 60

General Instructions:

1. Please read the instructions carefully.
2. This Question Paper consists of 24 questions in two sections – Section a & Section B)
3. Section A has Objective type questions whereas Section B contains Subjective type questions.
4. Out of the given (6 + 18 = 24) questions, a candidate has to answer (6 + 11 = 17) questions in the allotted (maximum) time of 3 hours.
5. All questions of a particular section must be attempted in the correct order.
6. **SECTION A - OBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section has 06 questions.

ii. There is no negative marking.

iii. Do as per the instructions given.

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

7. **SECTION B – SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section contains 18 questions.

ii. A candidate has to do 11 questions.

iii. Do as per the instructions given.

SCERT DELHI

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

सामान्य निर्देशः

1. कृपया निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 24 प्रश्न हैं - खंड ए और खंड बी।
3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं जबकि खंड बी में विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न हैं।
4. दिए गए (6 + 18 = 24) प्रश्नों में से, एक उम्मीदवार को 3 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (6 + 11 = 17) प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में हल किया जाना चाहिए।
6. **खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (30 अंक):**

I. इस अनुभाग में 06 प्रश्न हैं।

II. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है.

III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.

IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

7. **खंड बी - विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न (30 अंक):**

I. इस अनुभाग में 18 प्रश्न हैं।

II. एक अभ्यर्थी को 11 प्रश्न करने होंगे।

III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.

IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

SCERT DELHI

SECTION A: OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

खंड ए: वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Q.1 Answer any 4 out of the given 6 questions on Employability Skills (1 x 4 = 4 marks)

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक) Marks अंक

I. Which communication theory suggests that the meaning of a message is not solely determined by the sender but is co-created by the interaction between sender and receiver and influenced by context?

कौन सा संचार सिद्धांत यह सुझाव देता है कि संदेश का अर्थ केवल प्रेषक द्वारा निर्धारित नहीं होता बल्कि यह प्रेषक और प्राप्तकर्ता के बीच की बातचीत और संदर्भ से प्रभावित होता है? 1

A) Linear Model of Communication

रैखिक संचार मॉडल

B) Transactional Model of Communication

लेन-देनात्मक संचार मॉडल

C) Shannon-Weaver Model

शैनन-वीवर मॉडल

D) Aristotle's Communication Model

अरस्तू का संचार मॉडल

II. In non-verbal communication, which of the following kinesics behaviours is most associated with conveying dominance or power during a conversation?

गैर-मौखिक संचार में निम्नलिखित में से कौन सा काइनेटिक्स व्यवहार बातचीत के दौरान प्रभुत्व या शक्ति व्यक्त करने से सबसे अधिक संबंधित है? 1

A) Open body posture with arms spread

फैले हुए हाथों के साथ खुला शारीरिक आसन

SCERT DELHI

B) Frequent blinking and head tilting

बार-बार पलक झपकाना और सिर झुकाना

C) Crossed arms and leaning back

बांहों को मोड़कर पीछे झुकना

D) Avoiding direct eye contact

सीधा आंख संपर्क से बचना 1

III. Which of the following strategies is most effective for improving time management and productivity in self-management?

स्व-प्रबंधन में समय प्रबंधन और उत्पादकता में सुधार के लिए निम्नलिखित में से कौन सी रणनीति सबसे प्रभावी है? 1

A) Multitasking several tasks at once

एक साथ कई कार्यों को करना

B) Setting SMART goals and prioritizing tasks

SMART लक्ष्यों को निर्धारित करना और कार्यों को प्राथमिकता देना

C) Avoiding breaks to maximize focus

ध्यान केंद्रित करने के लिए ब्रेक से बचना

D) Delaying tasks until the last moment for pressure-driven performance

दबाव में प्रदर्शन के लिए कार्यों को अंतिम क्षण तक टालना

IV. Which of the following is the most secure way to protect sensitive data on a computer system?

कंप्यूटर सिस्टम पर संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सबसे सुरक्षित तरीका है? 1

SCERT DELHI

A) Using a simple password for easy access

आसान पहुंच के लिए सरल पासवर्ड का उपयोग करना

B) Encrypting data and using two-factor authentication

डेटा को एन्क्रिप्ट करना और दो-चरणीय प्रमाणीकरण का उपयोग करना

C) Storing data only in external drives

डेटा को केवल बाहरी ड्राइव में संग्रहीत करना

D) Relying solely on antivirus software

केवल एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर पर निर्भर रहना 1

V. 5Which of the following is a key characteristic of a successful entrepreneur?

निम्नलिखित में से कौन एक सफल उद्यमी की प्रमुख विशेषता है? 1

A) Risk aversion and caution

जोखिम से बचना और सतर्कता

B) Creativity and willingness to take risks

रचनात्मकता और जोखिम उठाने की इच्छा

C) Preference for routine tasks

दिनचर्या कार्यों की प्राथमिकता

D) Dependence on external support

बाहरी समर्थन पर निर्भरता

VI. What are green skills, and why are they important in today's job market?

हरित कौशल क्या हैं और ये आज के नौकरी के बाजार में क्यों महत्वपूर्ण हैं? 1

A) Skills that focus on traditional methods of production without environmental consideration.

SCERT DELHI

कौशल जो पर्यावरण पर विचार किए बिना पारंपरिक उत्पादन के तरीकों पर केंद्रित हैं।

B) Skills related to the sustainable use of resources, promoting environmental conservation and enhancing eco-friendly practices in various sectors.

कौशल जो संसाधनों के सतत उपयोग, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में पारिस्थितिक के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ाने से संबंधित हैं।

C) Skills that prioritize profit over sustainability and environmental protection.

कौशल जो स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण पर लाभ को प्राथमिकता देते हैं।

D) Skills that only apply to the agricultural sector.

कौशल जो केवल कृषि क्षेत्र पर लागू होते हैं। 1

Q.2 Answer any 5 out of the given 7 questions (1 x 5 = 5 marks)

नीचे दिए गए 7 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर (1 x 5 = 5 अंक) Marks अंक

I. What is the basic definition of tourism?

पर्यटन की मूल परिभाषा क्या है? 1

A) Travel for pleasure
आनंद के लिए यात्रा

B) Travel for work
काम के लिए यात्रा

C) Travel for education
शिक्षा के लिए यात्रा

D) None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

II. Tourism is mainly divided into how many categories?

पर्यटन को मुख्य रूप से कितनी श्रेणियों में विभाजित किया गया है? 1

A) 2 B) 3 C) 4 D) 5 1

SCERT DELHI

III. Which is the key element of tourism?

पर्यटन का प्रमुख तत्व कौन सा है? 1

A) Attraction B) Accessibility C) Facilities D) All of the above

आकर्षण पहुंच सुविधाएँ उपरोक्त सभी

IV. Which of the following is a type of tourism?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटन का एक प्रकार है? 1

A) Domestic tourism B) International tourism

घरेलू पर्यटन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन

C) Adventure tourism D) All of the above

साहसिक पर्यटन उपरोक्त सभी 1

V. Which is considered the first form of organized tourism?

संगठित पर्यटन का पहला रूप किसे माना जाता है? 1

A) The Grand Tour B) Pilgrimage

ग्रैंड टूर तीर्थयात्रा

C) Heritage tourism D) Adventure tourism

धरोहर पर्यटन साहसिक पर्यटन

VI. Which civilization is known for early travel for trade and exploration?

कौन सी सभ्यता व्यापार और अन्वेषण के लिए प्रारंभिक यात्रा के लिए जानी जाती है? 1

A) Roman B) Egyptian C) Greek D) Chinese

रोमन मिस्र ग्रीक चीनी

SCERT DELHI

VII. Which period is known as the "Golden Age of Travel"?

किस काल को "यात्रा का स्वर्ण युग" कहा जाता है? 1

A) Industrial Revolution
औद्योगिक क्रांति

B) Middle Ages
मध्य युग

C) Renaissance
पुनर्जागरण

D) Ancient Times
प्राचीन काल

Q.3 Answer any 6 out of the given 7 questions (1 x 6 = 6 marks)

दिए गए 7 प्रश्नों में से किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 6 = 6 अंक) **Marks अंक**

I. Who is considered the father of modern tourism?

आधुनिक पर्यटन का जनक किसे माना जाता है? 1

A) Thomas Cook
थॉमस कुक

B) Marco Polo
मार्को पोलो

C) Christopher Columbus
क्रिस्टोफर कोलंबस

D) James Watt
जेम्स वॉट

II. Which of the following is not a concept of tourism?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटन की अवधारणा नहीं है? 1

A) Leisure
अवकाश

B) Adventure
साहसिक

C) Business
व्यवसाय

D) Pilgrimage
तीर्थयात्रा

SCERT DELHI

III. What does "sustainable tourism" focus on?

"सतत पर्यटन" किस पर ध्यान केंद्रित करता है? 1

A) Long-term environmental preservation
दीर्घकालिक पर्यावरण संरक्षण

B) Short-term profits
अल्पकालिक लाभ

C) Cultural tourism
सांस्कृतिक पर्यटन

D) Business tourism
व्यावसायिक पर्यटन

IV. What is the primary purpose of "mass tourism"?

"सामूहिक पर्यटन" का मुख्य उद्देश्य क्या है? 1

A) To attract a large number of tourists
बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करना

B) To focus on niche markets
विशिष्ट बाजारों पर ध्यान केंद्रित करना

C) Adventure travel
साहसिक यात्रा

D) Historical exploration
ऐतिहासिक अन्वेषण

V. Which concept is related to "responsible tourism"?

"जिम्मेदार पर्यटन" किस अवधारणा से संबंधित है? 1

A) Tourism that minimizes negative impact
पर्यटन जो नकारात्मक प्रभाव को कम करता है

B) Tourism for entertainment
मनोरंजन के लिए पर्यटन

SCERT DELHI

C) Religious tourism

धार्मिक पर्यटन

D) None of the above

उपरोक्त में से कोई नहीं

VI. Which of the following is a primary attraction in tourism?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटन में एक प्रमुख आकर्षण है? 1

A) Cultural heritage sites

सांस्कृतिक धरोहर स्थल

B) Road transport

सड़क परिवहन

C) Hotels

होटल

D) Restaurants

रेस्तरां

VII. What is accessibility in tourism?

पर्यटन में पहुँच का क्या अर्थ है? 1

A) The ease of reaching a destination

किसी गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा

B) The distance of the destination

गंतव्य की दूरी

C) The safety of a destination

गंतव्य की सुरक्षा

D) The beauty of the destination

गंतव्य की सुंदरता

SCERT DELHI

Q.4 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. Which of the following is considered an amenity in tourism?

पर्यटन में निम्नलिखित में से किसे सुविधा माना जाता है? 1

A) Transportation
परिवहन

B) Hotels
होटल

C) Local culture
स्थानीय संस्कृति

D) Tourist information centres
पर्यटक सूचना केंद्र

II. Which is the most important factor for accessibility?

पहुँच के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक कौन सा है? 1

A) Transportation
परिवहन

B) Attraction
आकर्षण

C) Amenities
सुविधाएँ

D) Entertainment
मनोरंजन

III. Which of the following is a type of tourist accommodation?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटक आवास का एक प्रकार है? 1

A) Hotel
होटल

B) Resort
रिसॉर्ट

C) Home-stay
होम-स्टे

D) All of the above
उपरोक्त सभी

SCERT DELHI

IV. What does "budget accommodation" refer to?

"बजट आवास" किसे संदर्भित करता है? 1

A) Low-cost lodging
कम लागत वाली आवास

B) Luxury accommodation
लक्ज़री आवास

C) Mid-range hotels
मध्यम श्रेणी के होटल

D) None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

V. Which type of accommodation offers shared facilities like bathrooms?

कौन सा आवास साझा सुविधाएं जैसे बाथरूम प्रदान करता है? 1

A) Hostels
हॉस्टल

B) Villas
विला

C) Resorts
रिसॉर्ट

D) Hotels
होटल

VI. What is the difference between a hotel and a motel?

होटल और मोटल में क्या अंतर है? 1

A) Motels are designed for travelers with cars
मोटल कारों के साथ यात्रियों के लिए डिज़ाइन किए गए हैं

B) Motels are more luxurious
मोटल अधिक विलासितापूर्ण होते हैं

C) Hotels are only for long stays
होटल केवल लंबी अवधि के लिए होते हैं

D) No difference
कोई अंतर नहीं

SCERT DELHI

Q.5 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. Which is the most commonly used mode of transportation in tourism?

पर्यटन में सबसे सामान्य परिवहन का साधन कौन सा है? 1

A) Air travel
हवाई यात्रा

B) Rail travel
रेल यात्रा

C) Road travel
सड़क यात्रा

D) Water travel
जल यात्रा

II. What does the term "infrastructure" refer to in tourism?

पर्यटन में "अवसंरचना" शब्द किसे संदर्भित करता है? 1

A) Facilities and services for tourism
पर्यटन के लिए सुविधाएं और सेवाएँ

B) Tourist attractions
पर्यटक आकर्षण

C) Historical sites
ऐतिहासिक स्थल

D) None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

III. Which transport is most suitable for short distances?

कौन सा परिवहन छोटे दूरी के लिए सबसे उपयुक्त है? 1

A) Air travel
हवाई यात्रा

B) Train travel
रेल यात्रा

C) Road travel
सड़क यात्रा

D) Water travel
जल यात्रा

SCERT DELHI

IV. What is the significance of air transport in tourism?

पर्यटन में हवाई परिवहन का महत्व क्या है? 1

A) Fast and efficient travel
तेज और कुशल यात्रा

B) Cost-effective
लागत-कुशल

C) Only for international tourism
केवल अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के लिए

D) All of the above
उपरोक्त सभी

V. What is the main goal of tourism marketing?

पर्यटन विपणन का मुख्य लक्ष्य क्या है? 1

A) To increase tourist arrivals
पर्यटकों की संख्या बढ़ाना

B) To promote local culture
स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना

C) To develop infrastructure
आधारभूत संरचना का विकास करना

D) None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

VI. Which is a common tool used in tourism marketing?

पर्यटन विपणन में उपयोग किया जाने वाला सामान्य उपकरण कौन सा है? 1

A) Advertising
विज्ञापन

B) Social media
सोशल मीडिया

C) Brochures
ब्रॉशर

D) All of the above
उपरोक्त सभी

SCERT DELHI

Q.6 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. What does the term "target market" refer to in tourism?

पर्यटन में "लक्ष्य बाजार" शब्द किसे संदर्भित करता है? 1

A) Specific group of potential tourists
संभावित पर्यटकों का विशिष्ट समूह

B) General population
सामान्य जनसंख्या

C) Local residents
स्थानीय निवासी

D) None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

II. Which of the following is an effective marketing strategy in tourism?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटन में एक प्रभावी विपणन रणनीति है? 1

A) Online promotions
ऑनलाइन प्रचार

B) Traditional advertising
पारंपरिक विज्ञापन

C) Collaborations with travel agencies
यात्रा एजेंसियों के साथ सहयोग

D) All of the above
उपरोक्त सभी

III. Which of the following factors affects the popularity of a tourism destination?

निम्नलिखित में से कौन सा कारक पर्यटन गंतव्य की लोकप्रियता को प्रभावित करता है? 1

A) Accessibility
पहुँच

B) Attractions
आकर्षण

C) Infrastructure
अवसंरचना

D) All of the above
उपरोक्त सभी

SCERT DELHI

IV. What is the role of local government in tourism development?

पर्यटन विकास में स्थानीय सरकार की भूमिका क्या है? 1

A) To regulate tourism activities
पर्यटन गतिविधियों को विनियमित करना

B) To promote local culture
स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देना

C) To develop infrastructure
आधारभूत संरचना का विकास करना

D) All of the above
उपरोक्त सभी

V. What is a current trend in the tourism industry?

पर्यटन उद्योग में वर्तमान रुझान क्या है? 1

A) Eco-tourism
इको-टूरिज्म

B) Space tourism
अंतरिक्ष पर्यटन

C) Virtual tourism
आभासी पर्यटन

D) All of the above
उपरोक्त सभी

VI. Which organization is responsible for the promotion of global tourism?

वैश्विक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कौन सी संस्था जिम्मेदार है?

A) UNWTO B) UNESCO C) IATA D) WTO 1

SECTION B: SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS

अनुभाग बी: विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न

Answer any 3 out of the given 5 questions on Employability Skills (2 x 3 = 6 marks) Answer each question in 20 – 30 words.

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20 - 30 शब्दों में दें। **Marksअंक**

Q.7 What are green skills, and why are they important in today's job market?

हरित कौशल क्या हैं और आज के रोजगार बाजार में ये क्यों महत्वपूर्ण हैं? 2

SCERT DELHI

Q.8 What strategies can be used to improve time management skills?

समय प्रबंधन कौशल में सुधार के लिए कौन-सी रणनीतियाँ अपनाई जा सकती हैं? 2

Q.9 How can digital literacy enhance workplace productivity?

डिजिटल साक्षरता कार्यस्थल की उत्पादकता को कैसे बढ़ा सकती है? 2

Q.10 Name two key traits that an entrepreneur should possess to succeed in their business.

उन दो प्रमुख लक्षणों के नाम बताइए जो एक उद्यमी को अपने व्यवसाय में सफल होने के लिए चाहिए। 2

Q.11 What is the importance of active listening in effective communication?

प्रभावी संचार में सक्रिय सुनने का महत्व क्या है? 2

Answer any 3 out of the given 5 questions in 20 – 30 words each (2 x 3 = 6 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दें (2 x 3 = 6 अंक) **Marks अंक**

Q.12 Define cultural tourism.

सांस्कृतिक पर्यटन को परिभाषित करें। 2

Q.13 What are tourism circuits?

पर्यटन सर्किट क्या हैं? 2

Q.14 Name three Indian states known for their wildlife sanctuaries.

तीन भारतीय राज्यों के नाम बताइए जो अपने वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाने जाते हैं। 2

Q.15 Define tourism geography.

पर्यटन भूगोल को परिभाषित करें। 2

Q.16 What do you understand by calculation of time?

समय की गणना से आप क्या समझते हैं? 2

SCERT DELHI

Answer any 2 out of the given 3 questions in 30– 50 words each (3 x 2 = 6 marks)

दिए गए 3 प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर 30-50 शब्दों में दें (3 x 2 = 6 अंक) Marks अंक

Q.17 Explain the concept of eco-tourism.

इको-टूरिज्म की अवधारणा को समझाएं। 3

Q.18 What are the major forms of accommodation in the tourism industry?

पर्यटन उद्योग में आवास के प्रमुख रूप क्या हैं? 3

Q.19 Write a short note on the International Air Transport Association (IATA).

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (IATA) पर एक संक्षिप्त नोट लिखें। 3

Answer any 3 out of the given 5 questions in 50– 80 words each (4 x 3 = 12 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 50-80 शब्दों में दें (4 x 3 = 12 अंक) Marks अंक

Q.20 Explain the role of the Ministry of Tourism in promoting Indian tourism.

भारतीय पर्यटन को बढ़ावा देने में पर्यटन मंत्रालय की भूमिका को समझाएं। 4

Q.21 Explain the relationship between geography and tourism.

भूगोल और पर्यटन के बीच संबंध को समझाएं। 4

Q.22 What are UNESCO's criteria for world heritage sites?

विश्व धरोहर स्थलों के लिए यूनेस्को के मानदंड क्या हैं? 4

Q.23 Discuss any five factors influencing destination selection for tourists.

पर्यटकों के लिए गंतव्य चयन को प्रभावित करने वाले पांच कारकों पर चर्चा करें। 4

Q.24 Define rural tourism and its potential in India.

ग्रामीण पर्यटन को परिभाषित करें और भारत में इसकी संभावनाएं बताएं। 4

SCERT DELHI

Sample Question Paper - 4
नमूना प्रश्न पत्र – 4

Max. Time: 3 Hours | Max. Marks: 60

अधिकतम. समयः 3 घंटे | अधिकतम. अंकः 60

General Instructions:

1. Please read the instructions carefully.
2. This Question Paper consists of 24 questions in two sections – Section a & Section B)
3. Section A has Objective type questions whereas Section B contains Subjective type questions.
4. Out of the given (6 + 18 = 24) questions, a candidate has to answer (6 + 11 = 17) questions in the allotted (maximum) time of 3 hours.
5. All questions of a particular section must be attempted in the correct order.
6. **SECTION A - OBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section has 06 questions.

ii. There is no negative marking.

iii. Do as per the instructions given.

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

7. **SECTION B – SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS (30 MARKS):**

i. This section contains 18 questions.

ii. A candidate has to do 11 questions.

iii. Do as per the instructions given.

SCERT DELHI

iv. Marks allotted are mentioned against each question/part.

सामान्य निर्देशः

1. कृपया निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
2. इस प्रश्न पत्र में दो खंडों में 24 प्रश्न हैं - खंड ए और खंड बी।
3. खंड ए में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं जबकि खंड बी में विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न हैं।
4. दिए गए (6 + 18 = 24) प्रश्नों में से एक उम्मीदवार को 3 घंटे के आवंटित (अधिकतम) समय में (6 + 11 = 17) प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
5. किसी विशेष खंड के सभी प्रश्नों को सही क्रम में हल किया जाना चाहिए।
6. **खंड ए - वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न (30 अंक):**

I. इस अनुभाग में 06 प्रश्न हैं।

II. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है.

III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.

IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

7. **खंड बी - विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न (30 अंक):**

I. इस अनुभाग में 18 प्रश्न हैं।

II. एक अभ्यर्थी को 11 प्रश्न करने होंगे।

III. दिए गए निर्देशों के अनुसार करें.

IV. प्रत्येक प्रश्न/भाग के सामने आवंटित अंक अंकित हैं।

SCERT DELHI

SECTION A: OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

खंड ए: वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न

Q.1 Answer any 4 out of the given 6 questions on Employability Skills (1 x 4 = 4 marks)

रोजगार कौशल पर दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 4 के उत्तर दें (1 x 4 = 4 अंक) Marks अंक

I During a team meeting, Ana says, "It's fine, whatever you all decide works for me." This is an example of: _______________

एक टीम मीटिंग के दौरान एना कहती है "यह ठीक है, आप सभी जो भी निर्णय लेते हैं वह मेरे लिए काम करता है। "यह______________का एक उदाहरण है: 1

A) Assertive communication.

मुखर संचार।

B) Passive communication.

निष्क्रिय संचार।

C) Aggressive communication.

आक्रामक संचार।

D) Passive-aggressive communication.

निष्क्रिय-आक्रामक संचार।

II __________ is a set of behavioural or personal characteristics by which an individual is recognisable as a member of a group.

__________ व्यवहारिक या व्यक्तिगत विशेषताओं का एक समूह है जिसके द्वारा एक व्यक्ति को एक समूह के सदस्य के रूप में पहचाना जा सकता है। 1

III During a science fair, you meet another student who is interested in a project similar to yours. What is a good way to build this connection?

SCERT DELHI

एक विज्ञान मेले के दौरान आपकी मुलाकात एक अन्य छात्र से होती है जो आपके जैसे प्रोजेक्ट में रुचि रखता है। इस संबंध को बनाने का अच्छा तरीका क्या है? 1

A) Compliment their project and ask if they'd like to discuss their ideas together sometime.

उनके प्रोजेक्ट की सराहना करें और पूछें कि क्या वे कभी-कभी अपने विचारों पर एक साथ चर्चा करना चाहेंगे।

B) Wait to see if they approach you again after the fair.

यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें कि क्या वे मेले के बाद दोबारा आपसे संपर्क करते हैं।

C) Only talk about your project to impress them.

केवल उन्हें प्रभावित करने के लिए अपने प्रोजेक्ट के बारे में बात करें।

D) Avoid further conversation to avoid being seen as overly friendly.

अत्यधिक मैत्रीपूर्ण दिखने से बचने के लिए आगे की बातचीत से बचें। 1

IV Where is the status bar in LibreOffice Writer?

लिब्रे ऑफिस राइटर में स्टेटस बार कहाँ होता है? 1

V Which of the following best describes an entrepreneurial attitude?

निम्नलिखित में से कौन उद्यमशीलता दृष्टिकोण का सबसे अच्छा वर्णन करता है? 1

A) Always avoiding risks and playing it safe.

हमेशा जोखिम से बचें और सुरक्षित रहें।

B) Seeing challenges as opportunities and being open to taking calculated risks.

चुनौतियों को अवसर के रूप में देखना और परिकलित जोखिम लेने के लिए तैयार रहना।

C) Preferring to wait for instructions before taking any action.

कोई भी कार्रवाई करने से पहले निर्देशों की प्रतीक्षा करना पसंद करते हैं।

D) Only working on tasks that have guaranteed rewards.

SCERT DELHI

केवल उन कार्यों पर काम करना जिनमें पुरस्कार की गारंटी है। 1

VI Which action plan of India is for meeting the challenges of climate change?

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की कौन सी कार्य योजना है? 1

Q.2 Answer any 5 out of the given 7 questions (1 x 5 = 5 marks)

नीचे दिए गए 7 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर (1 x 5 = 5 अंक) Marks अंक

I. Which industry is not directly part of tourism?

कौन सा उद्योग सीधे तौर पर पर्यटन का हिस्सा नहीं है? 1

A) Accommodation

आवास

B) Aviation

विमानन

C) Manufacturing

विनिर्माण

D) Transportation

परिवहन

II. What does 'perishability' in tourism mean?

पर्यटन में 'विनाशशीलता' का क्या अर्थ है? 1

A) Tourists need to be timely in booking trips

पर्यटकों को यात्राओं की बुकिंग समय पर करने की आवश्यकता है

B) Unsold services like hotel rooms cannot be recovered

होटल के कमरे जैसी बिना बिकी सेवाओं की वसूली नहीं की जा सकती

SCERT DELHI

C) Service quality may vary each time

सेवा की गुणवत्ता हर बार भिन्न हो सकती है

D) Tourists consume services immediately

पर्यटक तुरंत सेवाओं का उपभोग करते हैं

III. Which of the following best explains 'inseparability' in tourism?

निम्नलिखित में से कौन पर्यटन में 'अविभाज्यता' की सबसे अच्छी व्याख्या करता है? 1

A) Tourism services cannot be separated from the provider

पर्यटन सेवाओं को प्रदाता से अलग नहीं किया जा सकता

B) Tourism services must happen only in group settings

पर्यटन सेवाएँ केवल समूह सेटिंग में ही होनी चाहिए

C) Tourism services are non-refundable once booked

पर्यटन सेवाएं एक बार बुक करने के बाद वापस नहीं की जाएंगी

D) Tourists must travel in pairs or groups

पर्यटकों को जोड़े या समूहों में यात्रा करनी चाहिए

IV. What is the origin of the word "tour"?

"टूर" शब्द की उत्पत्ति क्या है? 1

A) Latin and Greek, meaning "journey"

लैटिन और ग्रीक जिसका अर्थ है "यात्रा"

B) Old English meaning "travel"

पुरानी अंग्रेज़ी, जिसका अर्थ है "यात्रा"

C) French meaning "exploration"

फ्रेंच जिसका अर्थ है "अन्वेषण"

SCERT DELHI

D) German, meaning "adventure"

जर्मन, जिसका अर्थ है "साहसिक"

V. Which famous route connected the East and West and facilitated trade, culture, and travel?

कौन सा प्रसिद्ध मार्ग पूर्व और पश्चिम को जोड़ता था और व्यापार, संस्कृति और यात्रा को सुविधाजनक बनाता था? 1

A) The Royal Road

रॉयल रोड

B) The Inca Trail

इंका ट्रेल

C) The Silk Road

सिल्क रोड

D) The Oregon Trail

ओरेगन ट्रेल 1

VI. Why did seaside resorts begin to gain prominence during medieval times?

मध्यकाल में समुद्र तटीय सैरगाहों को प्रमुखता क्यों मिलने लगी?

A) For trade and transportation purposes

व्यापार और परिवहन उद्देश्यों के लिए

B) Due to religious pilgrimages to coastal areas

तटीय क्षेत्रों में धार्मिक यात्राओं के कारण

C) Because doctors advocated the health benefits of sea water bathing

क्योंकि डॉक्टरों ने समुद्री जल से स्नान के स्वास्थ्य लाभों की वकालत की थी

SCERT DELHI

D) To escape from crowded cities and enjoy exotic foods

भीड़भाड़ वाले शहरों से बचना और विदेशी खाद्य पदार्थों का आनंद लेना

VII. Arrange these historical travellers to India, in the correct chronological order of their visit to India? 1

भारत के इन ऐतिहासिक यात्रियों को उनकी भारत यात्रा के सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें?

A) Xuanzang, Fa-Hien, Marco Polo, Ibn Battuta, Al-Biruni

जुआनज़ांग, फा-हिएन, मार्को पोलो, इब्न बतूता, अल-बिरूनी

B) Fa-Hien, Xuanzang, Al-Biruni, Marco Polo, Ibn Battuta

फा-हिएन, जुआनज़ांग, अल-बिरूनी, मार्को पोलो, इब्न बतूता

C) Fa-Hien, Al-Biruni, Xuanzang, Marco Polo, Ibn Battuta

फा-हिएन, अल-बिरूनी, जुआनज़ांग, मार्को पोलो, इब्न बतूता

D) Ibn Battuta, Al-Biruni, Fa-Hien, Xuanzang, Marco Polo

इब्न बतूता, अल-बिरूनी, फा-हिएन, जुआनज़ांग, मार्को पोलो

Q.3 Answer any 6 out of the given 7 questions (1 x 6 = 6 marks)

दिए गए 7 प्रश्नों में से किन्हीं 6 प्रश्नों के उत्तर दें (1 x 6 = 6 अंक) **Marks अंक**

I. Which of the following sites is not part of the traditional Buddhist Circuit in India?

नीचे दिए गए में से कौन सा स्थल भारत के पारंपरिक बौद्ध सर्किट का हिस्सा नहीं है? 1

A) Kushinagar

कुशीनगर

B) Bodh Gaya

बोधगया

SCERT DELHI

C) Sarnath

सारनाथ

D) Ajanta Caves

अजंता गुफाएँ

II. From the options given below, choose the correct option of geographical elements of Leiper's Model

नीचे दिए गए विकल्पों में से, लीपर के मॉडल (Leiper's Model) के भौगोलिक तत्वों (Geographical Elements) का सही विकल्प चुनें। 1

A) Traveler, Tourism Business, Tourist Destination

यात्री, पर्यटन व्यवसाय, पर्यटक गंतव्य

B) Traveler Origin, Transit Route, Tourist Destination

यात्री का मूल, ट्रांजिट मार्ग, पर्यटक गंतव्य

C) Traveler, Tourist Guide, Tourism Business

यात्री, पर्यटक गाइड, पर्यटन व्यवसाय

D) Transit Route, Tourism Guide, Destination Country

ट्रांजिट मार्ग, पर्यटन गाइड, गंतव्य देश1

III. What is one of the most significant negative environmental impacts of tourism?

पर्यटन का एक सबसे महत्वपूर्ण नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव क्या है? 1

A) Increased biodiversity in protected areas

संरक्षित क्षेत्रों में जैव विविधता में वृद्धि

SCERT DELHI

B) Deforestation and habitat destruction due to the development of tourist facilities

पर्यटन सुविधाओं के विकास के कारण वनों की कटाई और निवास स्थान का विनाश

C) Enhancement of local wildlife conservation efforts

स्थानीय वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना

D) Improvement of local air quality through increased economic activity

आर्थिक गतिविधि में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय वायु गुणवत्ता में सुधार

IV. How can tourism positively impact the local economy of a destination?

पर्यटन किसी गंतव्य की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव कैसे डाल सकता है? 1

A) By decreasing the demand for local goods and services

स्थानीय वस्तुओं और सेवाओं की मांग को कम करके

B) By providing job opportunities and boosting local businesses

नौकरी के अवसर प्रदान करके और स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देकर

C) By creating a reliance on foreign investment

विदेशी निवेश पर निर्भरता पैदा करके

D) By leading to increased property prices, making housing less affordable for locals

संपत्ति की कीमतों में वृद्धि का कारण बनकर जिससे स्थानीय लोगों के लिए आवास कम सस्ती हो जाए

SCERT DELHI

V. Which of the following social impacts of tourism can lead to cultural erosion in local communities?

पर्यटन के निम्नलिखित सामाजिक प्रभावों में से कौन सा स्थानीय समुदायों में सांस्कृतिक क्षरण का कारण बन सकता है? 1

A) Increased appreciation for local traditions

स्थानीय परंपराओं की बढ़ती सराहना

B) Development of cultural festivals that attract tourists

सांस्कृतिक त्योहारों का विकास जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं

C) The introduction of foreign cultures and lifestyles that may overshadow local customs

विदेशी संस्कृतियों और जीवनशैलियों का परिचय जो स्थानीय रीति-रिवाजों को overshadow कर सकता है

D) Strengthening of community identity through tourism revenue

पर्यटन राजस्व के माध्यम से सामुदायिक पहचान को मजबूत करना

VI. The Great Rann of Kutch, a vast salt desert in Gujarat, is famous for its unique landscape and wildlife. What type of attraction does it represent?

गुजरात का ग्रेट रण (Great Rann) एक विशाल नमक रेगिस्तान है जो अपनी अनोखी परिदृश्य और वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध है। यह किस प्रकार के आकर्षण (Attraction) का प्रतिनिधित्व करता है? 1

A) Manmade

मानव निर्मित

B) Cultural

सांस्कृतिक

SCERT DELHI

C) Natural

प्राकृतिक

D) Historical

ऐतिहासिक

VII. The Pushkar Camel Fair in Rajasthan is an annual event that showcases local culture, livestock trading, and community engagement. What type of attraction does it represent?

राजस्थान में पुष्कर ऊंट मेला (Pushkar Camel Fair) एक वार्षिक कार्यक्रम है जो स्थानीय संस्कृति, पशुधन व्यापार और सामुदायिक सहभागिता को प्रदर्शित करता है। यह किस प्रकार के आकर्षण का प्रतिनिधित्व करता है?

A) Natural

प्राकृतिक

B) Manmade

मानव निर्मित

C) Symbiotic

सहजीवी

D) Adventure

साहसिक

SCERT DELHI

Q.4 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. ________ are situated at the main platform of major railway stations and at domestic and international airports.

________ प्रमुख रेलवे स्टेशनों के मुख्य प्लेटफॉर्म पर और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर स्थित हैं। 1

II. Who among the various stakeholders is considered a tourist ambassador of the country?

नीचे दिए गए विभिन्न हितधारकों में से किसे देश का पर्यटक राजदूत माना जाता है? 11

A) Pilot

पायलट

B) Tourist Guide

पर्यटक गाइड

C) Auto Driver

ऑटो ड्राइवर

D) Doctor

डॉक्टर

III. Pick the wrong match of country and currency from the options given below:

नीचे दिए गए विकल्पों में से देश और मुद्रा का गलत मेल चुनें: 1

A) Japan – yen

जापान – येन

B) South Korea – Won

दक्षिण कोरिया – वोन

C) USA – Dollar

अमेरिका – डॉलर

D) England – Euro

इंग्लैंड - यूरो

SCERT DELHI

IV. A traveler checks into a hotel and finds that breakfast is included, which consists of a full buffet with options like pancakes, bacon, eggs, and a variety of fruits. For lunch, they have a set menu including a starter, main course, and dessert. Dinner is also served with a similar structure and the cost of both meals is included in the room rent. What type of meal plan does this represent?

एक यात्री एक होटल में चेक-इन करता है और पाता है कि नाश्ता शामिल है जिसमें पैनकेक्स, बेकन, अंडे, और विभिन्न फलों जैसे विकल्पों के साथ एक पूर्ण बुफे है। दोपहर के भोजन के लिए उनके पास एक निश्चित मेनू है जिसमें एक स्टार्टर मुख्य पाठ्यक्रम और मिठाई शामिल है। रात का खाना भी इसी संरचना के साथ परोसा जाता है और दोनों भोजन की लागत कमरे के किराए में शामिल होती है। यह किस प्रकार की भोजन योजना का प्रतिनिधित्व करता है? 1

A) Continental Plan

महाद्वीपीय योजना

B) European Plan

यूरोपीय योजना

C) American Plan

अमेरिकी योजना

D) Modified American Plan

संशोधित अमेरिकी योजना

V. Which act in 1953 led to growth of the aviation sector in India?

1953 में कौन सा अधिनियम भारत में विमानन क्षेत्र के विकास का कारण बना? 1

A) Air Corporation Act

एयर कॉर्पोरेशन अधिनियम

B) Air Transport Act

एयर ट्रांसपोर्ट अधिनियम

SCERT DELHI

C) Scheduled Airline Act

शेड्यूल्ड एयरलाइन अधिनियम

D) Indian Airlines Act

इंडियन एयरलाइंस अधिनियम 1

VI. The Taj Mahal, located in Agra, is primarily known for its stunning architecture and historical significance. What type of attraction does it represent?

आगरा में स्थित ताज महल अपनी शानदार वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह किस प्रकार के आकर्षण का प्रतिनिधित्व करता है? 1

A) Natural

प्राकृतिक

B) Manmade

मानव निर्मित

C) Symbiotic

सहजीवी

D) None of these

इनमें से कोई नहीं

Q.5 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) Marks अंक

I. _______________ geography focuses on earth science and encompasses landscapes, soil, water, etc.

_______________ भूगोल पृथ्वी विज्ञान पर केंद्रित है और इसमें भूदृश्य, मिट्टी, पानी, आदि शामिल हैं। 1

SCERT DELHI

II. Which of the following is not an indirectly related element of geography?

निम्नलिखित में से कौन भूगोल का अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित तत्व नहीं है? 1

A) Political Environment

राजनीतिक माहौल

B) Visitor Pattern

आगंतुक पैटर्न

C) Scenic beauty

प्राकृतिक सौंदर्य

D) Cost of visit

यात्रा की लागत

III. Identify the latitude from the given coordinates.

दिए गए निर्देशांक से अक्षांश पहचानें। 1

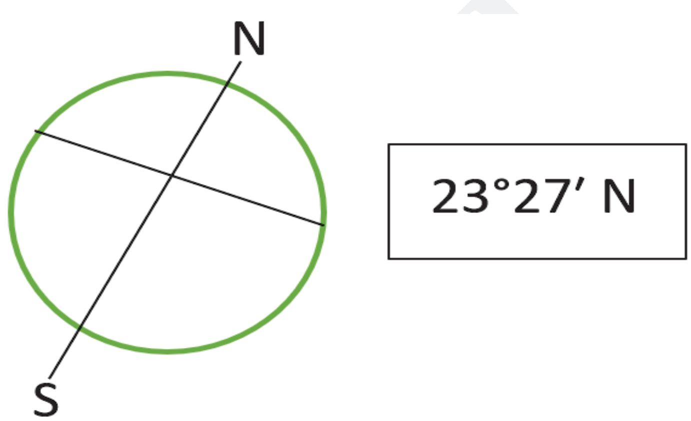

IV. ____________ is the measurement of how far east or west a location is from the prime meridian.

____________ वह माप है जो यह दर्शाता है कि कोई स्थान प्राइम मेरिडियन से पूर्व या पश्चिम कितनी दूरी पर है। 1

V. Which of the following is not an UNESCO World Heritage site of Maharashtra?

नीचे दिए गए में से कौन सा महाराष्ट्र का यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल नहीं है?

A) Ellora Caves

एलोरा गुफाएँ

B) Ajanta Caves

अजंता गुफाएँ

C) Bhimbetka Caves

भीमबेटका गुफाएँ

D) Elephanta Caves

एलिफेंटा गुफाएँ

VI. Which of the following options is not correctly matched?

निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही सुमेलित नहीं है?

A) Group of Monuments at Mahabalipuram – Andhra Pradesh

महाबलीपुरम - आंध्र प्रदेश में स्मारकों का समूह

B) Group of Monuments at Pattadakal – Tamil Nadu

पट्टडकल - तमिलनाडु में स्मारकों का समूह

C) Temples of Khajuraho – Madhya Pradesh

खजुराहो के मंदिर - मध्य प्रदेश

D) Sun Temple Konark – Odisha

सूर्य मंदिर कोणार्क - ओडिशा 1

SCERT DELHI

Q.6 Answer any 5 out of the given 6 questions (1 x 5 = 5 marks)

दिए गए 6 प्रश्नों में से किन्हीं 5 के उत्तर दें (1 x 5 = 5 अंक) **Marks अंक**

I. _______________, an astronomical observation site built in the early 18th century was incorporated as UNESCO heritage site in 2010.

_______________, 18वीं शताब्दी की शुरुआत में निर्मित एक खगोलीय अवलोकन स्थल 2010 में यूनेस्को विरासत स्थल के रूप में शामिल किया गया था। 1

II. Which of the following is an archaeological site in India?

निम्नलिखित में से कौन सा भारत का पुरातात्विक स्थल है? 1

A) Jallianwala Bagh

जलियावालान बाग

B) Dholavira

धोलावीरा

C) Sabarmati Ashram

साबरमती आश्रम

D) Red Fort

लाल किला

III. A travel agency offers a tour package that includes visits to sites of historical violence, such as the Cellular Jail in Andaman and Nicobar Islands, where freedom fighters were imprisoned. This type of tourism primarily appeals to which of the following interests?

एक ट्रैवल एजेंसी एक टूर पैकेज प्रदान करती है जिसमें ऐतिहासिक हिंसा के स्थलों का दौरा शामिल है जैसे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सेलुलर जेल जहां स्वतंत्रता सेनानियों को कैद किया गया था। इस प्रकार का पर्यटन मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस रुचि को आकर्षित करता है? 1

SCERT DELHI

A) Adventure tourism

साहसिक पर्यटन

B) Dark tourism

डार्क टूरिज्म

C) Spiritual tourism

आध्यात्मिक पर्यटन

D) Culinary tourism

पाक-कला पर्यटन

IV. A group of tourists travels to rural India to help build a school in a small village. They participate in community projects that aim to improve local education and infrastructure. What type of tourism are they engaging in?

पर्यटकों का एक समूह एक छोटे से गाँव में एक स्कूल बनाने में मदद करने के लिए ग्रामीण भारत की यात्रा करता है। वे सामुदायिक परियोजनाओं में भाग लेते हैं जिनका उद्देश्य स्थानीय शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। वे किस प्रकार के पर्यटन में संलग्न हैं?

A) Eco-tourism

इको-पर्यटन

B) Adventure tourism

साहसिक पर्यटन

C) Volunteer tourism

स्वयंसेवी पर्यटन

D) Cultural tourism

सांस्कृतिक पर्यटन 1

SCERT DELHI

V. Match the organizations with their respective years of formation:

संस्थाओं को उनके स्थापना के वर्ष से मिलाएं:

Organizations संस्थाएँ	Years of Formation स्थापना का वर्ष
A) TAAI	1) 1945
B) IATO	2) 1961
C) UNWTO	3) 1951
D) IATA	4) 1982

Options: विकल्प:

1. A-3, B-4, C-1, D-2
2. A-4, B-3, C-1, D-2
3. A-2, B-1, C-3, D-4
4. A-1, B-2, C-3, D-4 1

VI. The very important Rio Declaration was adopted in ______________.

अत्यंत महत्वपूर्ण रियो घोषणापत्र को ______________ में अपनाया गया था। 1

SECTION B: SUBJECTIVE TYPE QUESTIONS

अनुभाग बी: विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न

Answer any 3 out of the given 5 questions on Employability Skills (2 x 3 = 6 marks) Answer each question in 20 – 30 words.

रोजगार कौशल पर दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 के उत्तर दें (2 x 3 = 6 अंक) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20 - 30 शब्दों में दें। **Marks अंक**

Q.7 What are the three Ps of Public Speaking?

सार्वजनिक भाषण के तीन पी क्या हैं? 2

SCERT DELHI

Q.8 Why is grooming important?

संवारना क्यों महत्वपूर्ण है? 2

Q.9 How do track changes in Word document?

Word दस्तावेज़ में परिवर्तन कैसे ट्रैक करें? 2

Q.10 Describe two strategies an entrepreneur can use to understand their target market better.

उन दो रणनीतियों का वर्णन करें जिनका उपयोग एक उद्यमी अपने लक्षित बाज़ार को बेहतर ढंग से समझने के लिए कर सकता है। 2

Q.11 Mention the role of any two stakeholders in green economy.

हरित अर्थव्यवस्था में किन्हीं दो हितधारकों की भूमिका का उल्लेख करें। 2

Answer any 3 out of the given 5 questions in 20 – 30 words each (2 x 3 = 6 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में दें (2 x 3 = 6 अंक)

Marksअंक

Q.12 Differentiate between tourist & excursionist.

पर्यटक और भ्रमणकारी (एक्स्कर्शिनिस्ट) में अंतर बताएं। 2

Q.13 Mention any four barriers to tourism.

पर्यटन के चार अवरोधों का उल्लेख करें। 2

Q.14 How does a tourist escort support a tourist in their journey?

एक पर्यटक संरक्षक (टूरिस्ट एस्कॉर्ट) यात्रा में पर्यटक का कैसे समर्थन करता है? 2

Q.15 Define Human Geography.

मानव भूगोल (ह्यूमन जियोग्राफी) को परिभाषित करें। 2

SCERT DELHI

Q.16 What are culinary Tours?

पाक कला पर्यटन (कुलिनरी टूर) क्या होते हैं? 2

Answer any 2 out of the given 3 questions in 30– 50 words each (3 x 2 = 6 marks)

दिए गए 3 प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर 30-50 शब्दों में दें (3 x 2 = 6 अंक)

Marksअंक

Q.17 Explain the concept of the Grand Tour. How did it contribute to the development of modern tourism?

ग्रैंड टूर की अवधारणा की व्याख्या करें। यह आधुनिक पर्यटन के विकास में कैसे योगदान दिया? 3

Q.18 How does the geography of a destination influence its tourism attractions and appeal to tourists?

एक गंतव्य का भूगोल इसकी पर्यटन आकर्षण और पर्यटकों के लिए अपील को कैसे प्रभावित करता है? 3

Q.19 Explain what a Mixed UNESCO World Heritage Site is and provide example from India.

एक मिश्रित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल क्या है इसकी व्याख्या करें और भारत से एक उदाहरण प्रदान करें। 3

Answer any 3 out of the given 5 questions in 50– 80 words each (4 x 3 = 12 marks)

दिए गए 5 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर 50-80 शब्दों में दें (4 x 3 = 12 अंक) Marksअंक

Q.20 Why is tourism considered risky? Give examples to support your answer?

पर्यटन को जोखिमपूर्ण क्यों माना जाता है? अपने उत्तर का समर्थन करने के लिए उदाहरण दें। 4

Q.21 Explain the four categories of motivation in tourism as stated by McIntosh, Goeldner, and Ritchie. Provide examples for each to show how they influence tourists' travel decisions.

SCERT DELHI

McIntosh, Goeldner, और Ritchie द्वारा पर्यटन में प्रेरणा की चार श्रेणियों की व्याख्या करें। प्रत्येक के लिए उदाहरण प्रदान करें कि वे पर्यटकों के यात्रा निर्णयों को कैसे प्रभावित करते हैं। 4

Q.22 What are the various travel documents required by tourist to undertake an international journey?

अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने के लिए पर्यटकों द्वारा आवश्यक विभिन्न यात्रा दस्तावेज क्या हैं? 4

Q.23 The local time at Delhi is 13:45 hours on 05 April 2012 what is the local time at Sydney (GMT +11)?

दिल्ली में स्थानीय समय 05 अप्रैल 2012 को 13:45 घंटे है सिडनी (GMT +11) में स्थानीय समय क्या होगा? 4

Q.24 In detail discuss the role played by Ministry of Tourism in development of tourism in India.

विस्तार से चर्चा करें कि भारत में पर्यटन के विकास में पर्यटन मंत्रालय की क्या भूमिका है। 4

SCERT DELHI

नोट : इस पुस्तक में प्रयुक्त सामग्री एवं चित्र पूर्णतः शैक्षणिक उद्देश्य के लिए है, किसी व्यावसायिक उपयोग के लिए नहीं।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली
वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली - 110024